ହ୍ୟାଟ୍ରିକ୍ ଲକ୍ଷ୍ୟରେ ଆଲକାରାଜ

▸ପୃଷ୍ଠା ୧୨ ଦେଖନ୍ତୁ...


- RNI REGD NO: 42041/83
- www.sakalaepaper.com
- /sakalanews
- /sakalanews
- www.thesakala.in

# ସକାଳ
## THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ▪ JEYPORE ▪ SAMBALPUR ▪ PANIKOILI

•VOLUME- 43 •ISSUE-6 •BHUBANESWAR •MONDAY •30 JUNE 2025 •PAGE-12 •₹ 6.00 | BHUBANESWAR | •ବର୍ଷ-୪୩ •ସଂଖ୍ୟା-୬ •ଭୁବନେଶ୍ୱର •ସୋମବାର •୩୦ ଜୁନ୍ ୨୦୨୫ •ପୃଷ୍ଠା-୧୨ •ଟ.୬.୦୦



# VIKASH BARGARH

## Vikash Higher Educational Institutions

23 Glorious Years of Excellence in Education

**AWARDED** As the Best Higher Educational Institutions in Western Odisha by OTV.

## The University Toppers

GOLD MEDALIST

| Course | Name | Score | Rank |
|---|---|---|---|
| BBA (Hons.) | Barnali Nayak | 9.29 CGPA | 1 |
| ZOOLOGY (Hons.) | Arpita Choudhury | 9.71 CGPA | 1 |
| BOTANY (Hons.) | Itishree Mishra | 9.64 CGPA | 1 |
| PSYCHOLOGY (Hons.) | Sibraj Behera | 9.35 CGPA | 1 |
| B.A. LL.B (Hons.) | Abhipsa Priyadarsini | 72.52% | 1 |

## Top 10 Rankers of Sambalpur University (BA/B.Sc./B.Com.)

| Rank | Subject | CGPA | Name |
|---|---|---|---|
| 2nd Rank | Zoology Hons | 9.52 CGPA | BIPUL |
| 3rd Rank | Physics Hons | 9.35 CGPA | HITESH |
| 4th Rank | Botany Hons | 9.31 CGPA | RAHUL |
| 4th Rank | Psychology Hons | 8.95 CGPA | KIRAN |
| 4th Rank | Mathematics Hons | 8.90 CGPA | SONALI |
| 5th Rank | Physics Hons | 9.27 CGPA | RITESH |
| 5th Rank | English Hons | 8.11 CGPA | AMITARANI |
| 6th Rank | Commerce Hons | 8.86 CGPA | BODDU |
| 6th Rank | Economics Hons | 8.70 CGPA | JAGMOHAN |
| 7th Rank | Botany Hons | 9.17 CGPA | ANWESHA |
| 7th Rank | Mathematics Hons | 8.84 CGPA | HITESWARI |
| 8th Rank | Botany Hons | 9.16 CGPA | SUBHASHREE |
| 9th Rank | Botany Hons | 9.15 CGPA | SUPRITI |
| 9th Rank | Physics Hons | 9.07 CGPA | ANKITA |
| 9th Rank | Commerce Hons | 8.79 CGPA | |
| 9th Rank | English Hons | 7.97 CGPA | |
| 10th Rank | Commerce Hons | 8.75 CGPA | |

CGPA 9 & Above: 14 | CGPA 8 & Above: 67 | 172 First Class Hons Out of 192

## BBA 2022-25

| Rank | CGPA | Name |
|---|---|---|
| 3rd Rank | 8.67 | Jyoti Meher |
| 5th Rank | 8.46 | Ankita Dash |
| 6th Rank | 8.40 | Manisha Gupta |
| 7th Rank | 8.39 | Yash Goel |
| 8th Rank | 8.38 | Shivani Sharma |
| 9th Rank | 8.34 | Soumyashree Pattnayak |
| 10th Rank | 8.32 | Nayantika Nayak |

## BCA 2022-25

| Rank | CGPA | Name |
|---|---|---|
| 2nd Rank | 9.32 | Akanshya Giri |
| 2nd Rank | 9.32 | Swasti Dash |
| 3rd Rank | 8.96 | Bhupesh Panigrahi |
| 3rd Rank | 8.96 | Swagat Pradhan |
| 6th Rank | 8.86 | Mehek Agrawal |
| 9th Rank | 8.80 | Dev Prasanna Nayak |
| 10th Rank | 8.78 | Bikash Bohidar |

## B.A. LL.B. (H) Result 2020-25

| Rank | Name |
|---|---|
| 2nd Rank 71.93% | TANMAYA MAHAKUR |
| 3rd Rank | Pratyasa |
| 5th Rank | Liza |
| 6th Rank | Soumya |
| 7th Rank | Soumyashree |
| 8th Rank | Nabanita |
| 9th Rank | Devirani |

## ANM Final Year Result 2022-24

| Name | Mark | % |
|---|---|---|
| ALIMA MAJHI | 1148 | 82.00% |
| SUSHAMA JAL | 1119 | 79.93% |
| ANITA NAIK | 1117 | 79.79% |
| APARAJITA MALLIK | 1115 | 79.64% |
| KHUSHI PANDEY | 1114 | 79.57% |
| RAJI NAG | 1103 | 78.79% |
| SIMIRAN PRADHAN | 1102 | 78.71% |
| BANITA SINGH | 1102 | 78.71% |
| KABITA MAJHI | 1101 | 78.64% |
| LILIMA DEEP | 1096 | 78.29% |
| JUSPIN KULLU | 1096 | 78.29% |
| NAMITA KUSHAL | 1095 | 78.21% |
| MANINI SUNA | 1091 | 77.93% |
| KAMINI MEHER | 1085 | 77.50% |
| SUPRIMA KUJUR | 1081 | 77.21% |
| REKHA TANDI | 1074 | 76.71% |
| SUKANTI KUMBHAR | 1065 | 76.07% |
| SANARTI JOJO | 1065 | 76.07% |
| KUMUDINI KUMBHAR | 1058 | 75.57% |
| GIRINANDINI BHUE | 1056 | 75.43% |
| NEMANI TIDU | 1047 | 74.79% |
| NANDINI BHARASAGAR | 1014 | 72.43% |
| GEETANJALI SUNA | 989 | 70.64% |

## Vikash Nursing College, Bargarh

### Courses Offered:

- **ANM** (2 Years Course) — 40 Seats
- **GNM** (3 Years Course) — 40 Seats
- **B.Sc Nursing** (4 Years Course) — 60 Seats
- **P.B. B.Sc Nursing** (2 Years Course) — 40 Seats
- **SCHOLARSHIP** for SC/ST/OBC Students

**CONFIRMED JOB OFFER** After Completion.
With **PARENTAL HOSPITAL FACILITY**

## Vikash Pharmacy College, Bargarh | From 2025-26 Session

# B. PHARM | D. PHARM

Eligibility: +2 Science & OJEE Rank | Eligibility: +2 Science

# MBA

Affiliated to BPUT, Odisha & Approved by AICTE

## The Technocrats who made us proud: B.Tech 2021-25 Batch (BPUT, Odisha)

| CGPA | Name | Branch |
|---|---|---|
| 8.69 CGPA | BIPASA PRADHAN (Branch Topper) | CIVIL |
| 8.60 CGPA | RANI SWAIN (Branch Topper) | CSE |
| 8.48 CGPA | AMIT KU. AGRAWAL | CSE |
| 8.36 CGPA | RITIK BHOI | CSE |
| 8.34 CGPA | SOUMITRA AGRAWAL | CSE |
| 8.33 CGPA | BARSHA JENA | CSE |
| 8.31 CGPA | SANJANA BADHEI | CSE |
| 8.31 CGPA | ROSHAN KU. MAJHI (Branch Topper) | EEE |
| 8.30 CGPA | K. SHIVA KUMAR | CSE |
| 8.30 CGPA | PRABIN B. PANIGRAHI | CSE |
| 8.25 CGPA | SAPNARANI PATEL | CIVIL |
| 8.25 CGPA | RASHMI DHARAI | CSE |
| 8.24 CGPA | AISHWARYA NAYAK | CSE |
| 8.23 CGPA | KRISHNA PATEL | CSE |
| 8.22 CGPA | SUJAL DEBTA | CSE |
| 8.14 CGPA | HITESWARI PRADHAN | CSE |
| 8.14 CGPA | SUDIPTA PATEL | CSE |
| 8.14 CGPA | YASH KU. PANDA | EEE |
| 8.11 CGPA | PRITAM BAG (Branch Topper) | MECH. |
| 8.07 CGPA | MANISH KU. NAYAK | CSE |
| 8.03 CGPA | ABHIJIT PRADHAN | MECH. |
| 8.02 CGPA | ANKITA PRADHAN | CIVIL |

•Integrated Campus •Experienced Faculty Team •Excellent Academics •Corporate Readiness Programmes
•Competitive Exams Prep. •Separate Hostels for Boys & Girls Progressive Ambience

**Available Courses:**

MBA | B.Tech | Diploma | M.Sc. | M.A. | M.Com. | B.Sc. | B.Com. | B.A.
BBA | BCA | B.A. LL.B | B.Sc. (N) | P.B. B.Sc. (N) | GNM | ANM | DMLT | DMRT

# ADMISSIONS OPEN 2025-26

94393 49333 / 82800 08111
70087 81518 / 94380 85817

**Vikash Knowledge Hub,** Barahaguda, Bargarh

Visit us @ www.odishavikash.com | Email: vheicampus@gmail.com

*Grooming Talent*

# Vikash
## Higher Educational Institutions

# ଉତ୍ତର ଓଡ଼ିଶାରେ ବିଗୁଡୁଛି ସ୍ଥିତି

## ସୁବର୍ଣ୍ଣରେଖା ଓ ଜମ୍ବୀରାରେ ବନ୍ୟା

### ୨୪୨ ଘର ଭାଙ୍ଗିଲା, କାନ୍ଥ ପଡ଼ି ଜଣେ ମୃତ

ବାରିପଦା,୨୯।୬(ସମିସ): ଉପରମୁଣ୍ଡ ଝାଡ଼ଖଣ୍ଡ ଓ ମୟୂରଭଞ୍ଜରେ ଲଘୁଚାପ ଜନିତ ତୁହାକୁ ତୁହା ବର୍ଷା ଯୋଗୁଁ ଜିଲ୍ଲାରେ ସ୍ଥିତି ସଂଗିନ୍ ହୋଇପଡ଼ିଛି। ଗୋଟିଏପଟେ

- **ଝାଡ଼ଖଣ୍ଡ ଛାଡ଼ିଲା ବନ୍ୟାଜଳ**
- **୨ଟି ଗାଁରୁ ୪ହଜାର ଲୋକଙ୍କୁ ସ୍ଥାନାନ୍ତର**
- **ବୁଢ଼ାବଲଙ୍ଗ, ଗଙ୍ଗାହାର ଓ ସୋନ ବଢୁଛି**
- **୩ଦିନ ଅଙ୍ଗନବାଡି, ୧ ଦିନ ସ୍କୁଲ ବନ୍ଦ**

ଜିଲ୍ଲାରେ ଭାରୀ ବର୍ଷା ଓ ଅନ୍ୟପଟେ ଝାଡ଼ଖଣ୍ଡ ଚାନ୍ଦିଲି ଡ୍ୟାମ୍‌ରୁ ବନ୍ୟାଜଳ ନିଷ୍କାସନ ଯୋଗୁଁ ସୁବର୍ଣ୍ଣରେଖା ଓ ଜମ୍ବୀରା ନଦୀରେ ବନ୍ୟା ଦେଖାଦେଇଛି। ସେହିପରି ବୁଢ଼ାବଲଙ୍ଗ, ଗଙ୍ଗାହାର ଓ ସୋନ ଆଦି ନଦୀରେ ଜଳସ୍ତର କ୍ରମାଗତ ଭାବେ ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି। ଆସନ୍ତାକାଲି ମଧ୍ୟ ଜିଲ୍ଲାକୁ ରେଡ୍-ୱାର୍ଣ୍ଣିଂ ଥିବାରୁ ବଡ଼ବନ୍ୟା ଆଶଙ୍କା ଦେଖାଦେଇଛି। ଏପରି ସ୍ଥିତିରେ ନଦୀକୂଳିଆ ଗାଁରେ ଛନକା ପଶିଛି। ଖବର ଲେଖା ହେବା ବେଳକୁ ସୁବର୍ଣ୍ଣରେଖା ଓ ଜମ୍ବୀରାର ବନ୍ୟାଜଳ କିଛି ଗାଁରେ ପ୍ରବେଶ କରିଥିବା ବେଳେ ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ୨ଟି ଗାଁରୁ ୪ହଜାର ଲୋକଙ୍କୁ ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ସ୍ଥାନାନ୍ତର କରାଯାଇଛି। ତଳିଆ ଅଞ୍ଚଳ ଜଳମଗ୍ନ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ପୋଲ ଉପରେ ବନ୍ୟାପାଣି ପ୍ରବାହିତ ହେବା ଯୋଗୁଁ କିଛି ସ୍ଥାନକୁ ଯୋଗାଯୋଗ ବିଚ୍ଛିନ୍ନ ହୋଇପଡ଼ିଛି। ଅପରପକ୍ଷେ, ଲଗାତାର ବର୍ଷା ଯୋଗୁଁ ଜିଲ୍ଲାରେ ୨୪୨ଟି ଘର ଭାଙ୍ଗିଥିବା ବେଳେ କାନ୍ଥପଡ଼ି ଜଣଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି। ଆସନ୍ନ ବନ୍ୟା ପରିସ୍ଥିତିକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଦୁଇଜଣ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ନିଯୁକ୍ତି ଦେଇଛନ୍ତି। ଓଡ଼ିଶା ଅଧସ୍ତନ କର୍ମଚାରୀ ଚୟନ ଆୟୋଗର ସମ୍ପାଦକ ରଜନୀକାନ୍ତ ସ୍ୱାଇଁ ଏବଂ ଗୃହ ନିର୍ମାଣ ଓ ନଗର ଉନ୍ନୟନ ବିଭାଗର ସହକାରୀ ସଚିବ ସରୋଜ କୁମାର ଦାସଙ୍କୁ ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ରିଲିଫ କମିଶନର ନିଯୁକ୍ତ କରିଛନ୍ତି। ଅପରପକ୍ଷରେ ଆଜି ଜିଲ୍ଲାପାଳ ହେମକାନ୍ତ ସଏ ଓ ଏସପି ବରୁଣ ଗୁଣ୍ଟୁପାଲ୍ଲୀ ବିଭିନ୍ନ ବନ୍ୟା ପ୍ରଭାବିତ ଅଞ୍ଚଳ ଗସ୍ତ କରି ମୁକାବିଲା ଓ ଉଦ୍ଧାର କାର୍ଯ୍ୟକୁ ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ କରିଛନ୍ତି। ବନ୍ୟା ପରିସ୍ଥିତିକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ଆଗାମୀ ୩ଦିନ ପାଇଁ ଜିଲ୍ଲାର ସମସ୍ତ ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି କେନ୍ଦ୍ର ଓ ସମସ୍ତ ସ୍କୁଲ ଗୁଡ଼ିକୁ ଆସନ୍ତାକାଲି (ସୋମବାର) ପାଇଁ ଛୁଟି ଘୋଷଣା କରାଯାଇଛି।

## ଫୁଲୁଛି ବୁଢ଼ାବଳଙ୍ଗ, ଜଳକା

ବାଲେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ): ଲଘୁଚାପ ଜନିତ ଲଗାଣ ବର୍ଷାରେ ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲାର ବିଭିନ୍ନ ନଦୀରେ ବନ୍ୟା ପରିସ୍ଥିତି ଗମ୍ଭୀର ହୋଇଛି। ଜିଲ୍ଲାରେ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଥିବା ପ୍ରମୁଖ ତିନୋଟି ନଦୀ ମଧ୍ୟରୁ ଜଳକା ନଦୀରେ ଚଳିତ ବର୍ଷର ପ୍ରଥମ ବନ୍ୟା ଆସିଥିବା ବେଳେ ସୁବର୍ଣ୍ଣରେଖା ନଦୀରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ଥର ପାଇଁ ବନ୍ୟା ପରିସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ସେହିପରି ବୁଢ଼ାବଳଙ୍ଗ ନଦୀରେ ପ୍ରଥମ ବନ୍ୟା ସୃଷ୍ଟି ହେବାର ଆଶଙ୍କା ରହିଛି।

ଆଜି ଜିଲ୍ଲାରେ ମୋଟ ୮୭୨ମିମି ବର୍ଷା ରେକର୍ଡ କରାଯାଇଛି। ଶିମିଳିପାଳରେ ଅତ୍ୟଧିକ ମାତ୍ରାରେ ବର୍ଷା ହେବା ଫଳରେ ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲାରେ ସୁବର୍ଣ୍ଣରେଖା ଓ ବୁଢ଼ାବଳଙ୍ଗ ନଦୀରେ ବନ୍ୟା ପରିସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଅନ୍ୟପଟେ ଜଳକାରେ ଚଳିତ ବର୍ଷର ପ୍ରଥମ ବନ୍ୟା ହୋଇଛି। ନଦୀର ବିପଦ ସଙ୍କେତ ୬.୫୦ମିଟର ଥିବା ବେଳେ ସତର୍କ ସଙ୍କେତ ୬ମିଟର ରହିଛି। ଜଳକା ନଦୀରେ ସନ୍ଧ୍ୟା ୭ଟା ସୁଦ୍ଧା ୭.୧୯ମିଟର ଜଳ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଛି। ଏଣୁ ଏହି ନଦୀରେ ବନ୍ୟା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଏଥିଯୋଗୁ ବାଲିଆପାଳ, ବସ୍ତା ବ୍ଲକର ବିଭିନ୍ନ ଅଞ୍ଚଳରେ ଲୋକେ ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ବସ୍ତା ବ୍ଲକ ପତ୍ରଝଡ଼ା ପଞ୍ଚାୟତର ସରଡିହାରୁ ନାଭ ଗ୍ରାମକୁ ସଂଯୋଗ କରୁଥିବା ବନ୍ଧରେ ୫୦ ଫୁଟର ଘାଇ ଯୋଗୁଁ ପ୍ରବଳ ସ୍ରୋତରେ ପାଣି ମାଡ଼ି ଚାଲିଛି। ଏହି ବନ୍ଧରେ ୧୦ରୁ ଅଧିକ

**ପତ୍ରଝଡ଼ାରେ ୫୦ ଫୁଟ୍‌ର ଘାଇ ସତର୍କ ରହିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ**

ଛୋଟ ଛୋଟ ଘାଇ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଅନ୍ୟପଟେ ସୁବର୍ଣ୍ଣରେଖାର ବିପଦ ସଙ୍କେତ ୧୦.୩୬ମିଟର ଥିବା ବେଳେ ସତର୍କ ସଙ୍କେତ ୯.୪୫ମିଟର ରହିଛି। ସନ୍ଧ୍ୟା ୭ଟା ସୁଦ୍ଧା ଏଠାରେ ୯.୧୦ମିଟର ପାଣି ପ୍ରବାହିତ ହେଉଛି। ବୁଢ଼ାବଳଙ୍ଗ ନଦୀର ବିପଦ ସଙ୍କେତ ୮.୧୩ମିଟର ଥିବା ବେଳେ ସନ୍ଧ୍ୟା ୭ଟା ସୁଦ୍ଧା ଏଠାରେ ୭.୧୮ମିଟର ଜଳ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଛି।

**ସରକାରଙ୍କ ଉପରେ ବର୍ଷିଲେ ସଂତୃପ୍ତ**

## ଯଦି ସବୁ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଲୀଳା, ତେବେ ସରକାର ଇସ୍ତଫା ଦିଅନ୍ତୁ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୨୯।୬(ସମିସ): ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ଆଗରେ ଘଟିଥିବା ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟପୂର୍ଣ୍ଣ ଘଟଣାରେ ସରକାରଙ୍କ ଉପରେ ବର୍ଷିଛନ୍ତି ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତା ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକଙ୍କ ରାଜନୈତିକ ସଚିବ ସଂତୃପ୍ତ ମିଶ୍ର। 'ଏକ୍ସ'ରେ ସେ ପୁରୀରେ ଘଟିଥିବା ଘଟଣା ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟଜନକ ବୋଲି ବର୍ଣ୍ଣନା କରି ଏହା ସମସ୍ତଙ୍କୁ ମର୍ମାହତ କରିଛି ବୋଲି କହିଛନ୍ତି। ଏହା ସହ ସବୁ ଘଟଣାକୁ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଲୀଳା ବୋଲି କହି ଖସିଯିବାକୁ ସରକାର ଉଦ୍ୟମ କରିବା ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିନ୍ଦନୀୟ ବୋଲି ଉଲ୍ଲେଖ କରି ସରକାର ଇସ୍ତଫା ଦିଅନ୍ତୁ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ସଂତୃପ୍ତ। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଯେଉଁ

ପରିବାରମାନେ ତାଙ୍କର ପ୍ରିୟଜନଙ୍କୁ ଏ ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ହରାଇଛନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ସମବେଦନା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ମିଶ୍ର କହିଛନ୍ତି ଯେ ଏହି ଘଟଣାର ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ ମୁଁ ଗତକାଲି ସରକାରଙ୍କୁ ପଚାରିଥିବା ଆଠଟି ପ୍ରଶ୍ନର ଗୁରୁତ୍ୱ ଆହୁରି ବଢ଼ିଯାଇଛି। ବାରମ୍ବାର ଏଭଳି ଘଟଣା ଘଟିବା ସତ୍ତ୍ୱେ ଉତ୍ତରଦାୟିତ୍ୱ ନେବା ପରିବର୍ତ୍ତେ ଏହାକୁ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ଲୀଳା କହିବା ଅକ୍ଷମଣୀୟ। ଲୋକମାନଙ୍କର ସେବା କରିବାର ଶପଥ ନେଇ ସରକାର କ୍ଷମତାକୁ ଆସିଛନ୍ତି। ଯଦି ସେ ସେବା କରିବାର କ୍ଷମତା ନାହିଁ, ତାହେଲେ ସେ ସରକାର ମଧ୍ୟ କ୍ଷମତାରେ ରହିବାର କୌଣସି ଯଥାର୍ଥତା ନାହିଁ। ଯଦି ସବୁ କଥା ପ୍ରଭୁଙ୍କର ଲୀଳା, ତାହେଲେ ସରକାର ମଧ୍ୟ ଇସ୍ତଫା ଦେଇଦେଲେ ପ୍ରଭୁ ରାଜ୍ୟକୁ ଚଳାଇବେ। ଓଡ଼ିଆ ଅସ୍ମିତା, ଓଡ଼ିଶାର ଖ୍ୟାତି ଏବଂ ରଥଯାତ୍ରାରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଗୌରବ ଏବଂ ଗାରିମାକୁ ମନରେ ରଖି ସରକାର ତୁରନ୍ତ ଅତ୍ୟନ୍ତ କଠିନ ଏବଂ ଉପଯୁକ୍ତ ପଦକ୍ଷେପ ନେବେ ବୋଲି ଆମେ ଆଶା କରୁଛୁ। ବର୍ତ୍ତମାନ ଡବଲ ଇଂଜିନର ସରକାର ଥାଉ ବା ନଥାଉ, ଭଲ ଚାଲୁଥିବା ଅଧା ଇଂଜିନର ସରକାର ମଧ୍ୟ ସୁଚାରୁରୂପେ ଶାସନ ପରିଚାଳନା କରିବା ଦରକାର। ଓଡିଶା ସରକାର ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କ ସାମ୍ନାରେ ନିଜର ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ଏବଂ କ'ଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରୁଛନ୍ତି ତାହା ଗଣମାଧ୍ୟମ ଜରିଆରେ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଜଣାନ୍ତୁ। ତଦନ୍ତ କମିଟି ବା କମିଶନ ବସେଇବାରେ କୌଣସି ଲାଭ ନାହିଁ; କାହିଁକି ନା ଗତବର୍ଷ ମଧ୍ୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ କମିଶନର ରିପୋର୍ଟ ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆସି ପାରିଲା ନାହିଁ ବୋଲି କହି ସରକାରଙ୍କୁ ଶ୍ରୀ ମିଶ୍ର କଟାକ୍ଷ କରିଛନ୍ତି।

## ରଥଯାତ୍ରାରେ ସୀମା ଟପିଛି ଅବ୍ୟବସ୍ଥା: ବିଜେଡି

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୨୯।୬(ସମିସ): ଶରଧାବାଲିରେ ଦଳାଚକଟାରେ ତିନି ଜଣ ଭକ୍ତଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଓ ବହୁ ଭକ୍ତଙ୍କ ଆହତ ହେବାକୁ ନେଇ ବିଜେଡିର ଏକ ପ୍ରତିନିଧିମଣ୍ଡଳୀ ପୁରୀ ଯାଇ କ୍ଷେତ୍ର ପରିଦର୍ଶନ କରିଛନ୍ତି। ଏହି ଟିମ୍ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ପରିଦର୍ଶନ କରି ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥ, ବଡ ଠାକୁର ବଳଭଦ୍ର, ଦେବୀ ସୁଭଦ୍ରା ଓ ଚକ୍ରରାଜ ସୁଦର୍ଶନଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରି, ଅଘଟଣ ଘଟିଥିବା ସ୍ଥାନକୁ ଯାଇଥିଲେ ଏବଂ ସେଠାରେ ଉପସ୍ଥିତ ଥିବା ବରିଷ୍ଠ ସେବାୟତମାନଙ୍କ ସହିତ କିଭଳି, ଏଭଳି ଘଟଣା ଘଟିଲା ସେ ସଂପର୍କରେ ବିସ୍ତୃତ ଆଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି। ଚାରମାଳ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ଅଧିକାରୀମାନେ ଠିକ୍ ପରିଚାଳନା ଅଭାବରୁ ଏଭଳି ଭୟଙ୍କର ଘଟଣା ଘଟିଥିଲା ଓ ଘଟଣା ସମୟରେ କୌଣସି ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀ ଓ ବରିଷ୍ଠ ପୁଲିସ ଅଧିକାରୀମାନେ ସେ ସ୍ଥାନରେ ନଥିଲେ ବୋଲି ବିଜେଡି କହିଛି।

- **ଅଘଟଣ ସମୟରେ ପ୍ରଶାସନିକ ବା ବରିଷ୍ଠ ପୁଲିସ ଅଧିକାରୀ ନଥିଲେ**
- **ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଓ ସମନ୍ୱୟ ଅଭାବ ଜଗନ୍ନାଥ ପ୍ରେମୀଙ୍କୁ ବ୍ୟଥିତ କରିଛି**

ବିଜେଡିର ବରିଷ୍ଠ ଉପସଭାପତ ସଂଜୟ କୁମାର ଦାସବର୍ମା କହିଛନ୍ତି ଯେ, ପ୍ରଶାସନିକ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଓ ସମନ୍ୱର ଅଭାବ କୋଟି କୋଟି ଜଗନ୍ନାଥ ପ୍ରେମୀଙ୍କୁ ବ୍ୟଥିତ କରିଛି। ସଂଧା ୭ଟା ୩୦ ପରେ ବିଧି ରକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ନନ୍ଦିଘୋଷ ରଥ ଟଣାଗଲା। ଜଗନ୍ନାଥ ପ୍ରେମୀ ଓ ସେବାୟତଙ୍କଠୁ ଆରମ୍ଭ କରି ସମସ୍ତେ ଉଦ୍‌ବେଗ ପ୍ରକାଶ କଲେ। ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଘୋଷଯାତ୍ରା ଯେଉଁଭଳି ଭାବେ ପ୍ରଶାସନିକ ଭାବେ ଦାୟିତ୍ୱ ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ କରିବା କଥା ସେ ଦାୟିତ୍ୱ ତୁଲାଇଲେ ନାହିଁ। ରବିବାର ସକାଳୁ ଯେଉଁଭଳି ଦଳାଚକଟାରେ ତିନି ଜଣ ମୃତ୍ୟୁ ହେବା ସହ ୧୫୦ ଜଣ ଆହତହେବାକୁ ନେଇ ମନ୍ତ୍ରୀମାନେ ଯେଉଁଭଳି ମନ୍ତବ୍ୟ ଦେଲେ ତାହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟଜନକ। ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ୫ଜଣ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ନେଇ ଏକ କମିଟି କରିଥିଲେ। ସେହି କମିଟି କୁଆଡେ ଗଲା ବୋଲି ପ୍ରଶ୍ନ କରିବା ସହ ତେଣୁ ଏ ସରକାର ଘୋଷଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନାରେ ବ୍ୟାପକ ତ୍ରୁଟି କରିଛନ୍ତି। ଆଗକୁ ଆହୁରି ଠାକୁରଙ୍କ ନୀତି ରହିଛି। ତେଣୁ ଅହଂକାର ଛାଡି, ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ପାଖରେ ସମର୍ପିତ ହୁଅନ୍ତୁ ଏବଂ ଯାତ୍ରାକୁ ସୂଚାରରୂପେ ପରିଚାଳନା କରନ୍ତୁ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି। ସେହିଭଳି ବିଜେଡି ରାଜ୍ୟସଭା ସାଂସଦ ଶ୍ରୀ ସୁବାଶିଷ ଖୁଣ୍ଟିଆ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କୁ ସମାଲୋଚନା କରି କହିଛନ୍ତି ଯେ, ମାର ମାର ଭଣ୍ଡାରିଆକୁ ମାର ନ୍ୟାୟ ଭଳି, ଏସ୍‌ପି ଓ ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କୁ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ବଦଳି କରିଦେଇଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ କେଉଁଠି ବାସ୍ତବ ସମସ୍ୟା ରହିଲା, ତାହାକୁ ଏ ସରକାର ସମାଧାନ କରିନାହାନ୍ତି। ସାମ୍ବାଦିକଙ୍କୁ ମାଡ ମାରିବା, ଅନ୍ୟ ରାଜ୍ୟର ଗାଡି ମନଇଚ୍ଛା ବଡ ଦାଣ୍ଡରେ ବୁଲିବା ଆଦି ଘଟଣାମାନ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ବିଫଳତାକୁ ଦର୍ଶାଉଛି।

ଏହା ପରେ, ବିଜେଡିର ପ୍ରତିନିଧି ମଣ୍ଡଳୀ ପୁରୀ ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟ ଗସ୍ତ କରି ଆହତମାନଙ୍କ ଅବସ୍ଥା ସଂପର୍କରେ ଅନୁଧ୍ୟାନ କରିବା ସହ ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଓ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଧିକାରୀଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ପ୍ରତିନିଧି ମଣ୍ଡଳୀରେ ପୂର୍ବତନ ମନ୍ତ୍ରୀ ତଥା କାକଟପୁର ବିଧାୟକ ତୁଷାରକାନ୍ତି ବେହେରା, ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲା ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷ ସ୍ୱାଧୀନ ନାୟକ ଓ ବିଜେଡି ଦଳର ବରିଷ୍ଠ ନେତା ବିଦ୍ୟାଧର ସ୍ୱାଇଁ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବାସଭବନ ଘେରିଲା କଂଗ୍ରେସ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୨୯।୬(ସମିସ): ପୁରୀ ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନାରେ ମହାବିଫଳତା, ପରବର୍ତ୍ତୀ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଦଳାଚକଟା ଏବଂ ମୃତାହତଙ୍କ ପାଇଁ ଦାୟୀ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଆଇନ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଇସ୍ତଫା ଦାବି କରି ଯୁବ

କଂଗ୍ରେସ ବିକ୍ଷୋଭ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିଛି। ଯୁବ କଂଗ୍ରେସ ସଭାପତି ରଣଜିତ ପାତ୍ରଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ କର୍ମୀମାନେ ଏଜି ଛକଠାରୁ ଏକ ଶୋଭାଯାତ୍ରାରେ ଯାଇ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବାସଭବନ ସମ୍ମୁଖରେ ବିକ୍ଷୋଭ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ। ସେଠାରେ ପୁଲିସ ସହ ଅଧଘଣ୍ଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଧସ୍ତାଧସ୍ତି ହେବାପରେ ଯୁବ କଂଗ୍ରେସର ନେତୃବର୍ଗ ଓ କର୍ମୀମାନଙ୍କୁ ପୁଲିସ ଭ୍ୟାନ୍ ଯୋଗେ ଉଠାଇ ନେଇଥିଲା।

ଏହି ଅବସରରେ ପ୍ରଦେଶ ଯୁବ କଂଗ୍ରେସ ସଭାପତି ଶ୍ରୀ ପାତ୍ର କହିଛନ୍ତି ଯେ ଡବଲ ଇଞ୍ଜିନ ସରକାର ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନାକୁ ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ଖାମଖିଆଲି ଢଙ୍ଗରେ କରିଛନ୍ତି। ଆଇନ ବିଭାଗ ତରଫରୁ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଭାତୀ ପରିଡ଼ାଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଏକ ତଦାରଖ କମିଟି ଏବଂ ମାର୍ଗଦର୍ଶନ କମିଟି ଗଠନ ହେଲା। ହେଲେ ଏହି ଘୋଷଯାତ୍ରା ସାଧାରଣ ଭକ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ନ ଥିଲା ଏହା କେବଳ ବିଜେପି ଦଳ ଏବଂ କର୍ମୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଥିଲା। ରଥଯାତ୍ରାରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, ରାଜ୍ୟପାଳ, ଡିଜି ପୁଲିସ ଓ ସମୁଦାୟ ପ୍ରଶାସନ ଉପସ୍ଥିତ ଥିବାବେଳେ ଭକ୍ତମାନଙ୍କୁ ଚରମ ଅବ୍ୟବସ୍ଥାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେବାକୁ ପଡ଼ିଲା। ଭକ୍ତମାନେ ମୋହନ ସରକାରର ଏ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରତି ଚରମ ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକଟ କରିଛନ୍ତି। ରଥଯାତ୍ରାର ପରିଚାଳନାକୁ ସରକାର ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ନେଇନାହାନ୍ତି। ଫଳସ୍ୱରୂପ ନିରୀହ ଭକ୍ତମାନଙ୍କର ଜୀବନ ଗଲା ଏବଂ ବହୁ ଭକ୍ତ ଗୁରୁତର ଭାବେ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ରଥଯାତ୍ରା ଦିନ ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ପୁଲିସ ମରଣାନ୍ତକ ଆକ୍ରମଣ କରିଛି। ସୁତରାଂ ଏଭଳି ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ସାରା ବିଶ୍ୱର ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀଙ୍କ ଆବେଗକୁ ଆଘାତ ଦେଇଛି। ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପ୍ରତି ଏ ସରକାରଙ୍କର ଆଚରଣ ଦୁଃଖଦାୟକ। ତେଣୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ତୁରନ୍ତ ଇସ୍ତଫା ଦେବାକୁ ଯୁବ କଂଗ୍ରେସ ଦାବି କରିଛି।

## ରାଜ୍ୟ ବିଜେପି ସଭାପତି ନିର୍ବାଚନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ସ୍ଥଗିତ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬(ସମିସ): ପୁରୀରେ ଘଟିଥିବା ଅଭାବନୀୟ ଘଟଣା କାରଣରୁ ରାଜ୍ୟ ବିଜେପି ସଭାପତି ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ପରିଷଦ ସଦ ରାଜ୍ୟ ନିର୍ବାଚନ ଅଧିକାରୀ ତଥା ସାଂସଦ ପ୍ରତାପ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଗତକାଲି ପୁରୀଠାରେ ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟଜନକ ଘଟଣା ଘଟିଯାଇଛି, ଯେଉଁଥିରେ ୩ଜଣ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ପ୍ରାଣ ହରାଇବା ସହ ଅନେକ ଭକ୍ତ ଆହତ ହୋଇ ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଛନ୍ତି। ମୃତାହତଙ୍କ ଶେଷକୃତ୍ୟ ମଧ୍ୟ ହୋଇନାହିଁ। ଏଭଳି ଅଭାବନୀୟ ଘଟଣା ଆମ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ମର୍ମାହତ କରିବା ସହ ବିଚଳିତ କରିଛି। ମୃତାହତ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ପରିବାର ପ୍ରତି ଗଭୀର ସମବେଦନା ଜ୍ଞାପନ କରୁଛୁ। ଏହି କାରଣରୁ ଆସନ୍ତା ଜୁଲାଇ ୧ତାରିଖ ଦିନ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବାକୁ ଥିବା ରାଜ୍ୟ ସଭାପତି ଓ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ପରିଷଦ ସଦସ୍ୟମାନଙ୍କ ନିର୍ବାଚନ ସ୍ଥଗିତ ରଖାଯାଉଛି। ଆଜିଠାରୁ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାରର ନିର୍ବାଚନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ସ୍ଥଗିତ ରଖାଗଲା ଏବଂ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ନିର୍ବାଚନ ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ସୁଚନା ଦିଆଯିବ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ କହିଛନ୍ତି।

## ଶାଶ୍ୱତ ମିଶ୍ରଙ୍କୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରମୁଖ ଶାସନ ସଚିବ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୨୯।୬(ସମିସ): ରାଜସ୍ୱ ବିଭାଗର ପ୍ରମୁଖ ଶାସନ ସଚିବ ଶାଶ୍ୱତ ମିଶ୍ରଙ୍କୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରମୁଖ ଶାସନ ସଚିବ ଭାବେ ଦାୟିତ୍ୱ ଦିଆଯାଇଛି। ଶାଶ୍ୱତ୧୯୯୬ ମହିହାର ଆଇଏଏସ୍। ସେ ରାଜସ୍ୱ ବିଭାଗ ସହ ଇଡ୍‌କୋର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଭାବେ କାର୍ଯ୍ୟକରୁଥିଲା ବେଳେ ଏହା ତାଙ୍କ ପାଇଁ ଅତିରିକ୍ତ ଦାୟିତ୍ୱ ବୋଲି ସାଧରଣ ପ୍ରଶାସନ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ଜାରି କରାଯାଇଥିବା ବିଜ୍ଞପ୍ତିରେ ପ୍ରକାଶ କରାଯାଇଛି।

## ନନ୍ଦନକାନନରେ ଆନାକୋଣ୍ଡା ଶାବକ ଜନ୍ମ

ବାରଙ୍ଗ,୨୯।୬(ସମିସ): ଦ୍ୱିତୀୟଥର ପାଇଁ ନନ୍ଦନକାନନରେ ହଳଦିଆ ଆନାକୋଣ୍ଡା ରବିବାର ଦିନ ଛୁଆ ଜନ୍ମ ଦେଇଛି। ଏନେଇ କର୍ମଚାରୀଙ୍କଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ନନ୍ଦନକାନନ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆନନ୍ଦର ଲହରୀ ଖେଳିଯାଇଛି। ଆନାକୋଣ୍ଡାଟି ଏକାଥରକେ ୭ଟି ଛୁଆ ଦେଇଛି। କିଛିଦିନ ପୂର୍ବରୁ ମା' ଆନାକୋଣ୍ଡାକୁ ଉଦ୍ୟାନର ପଶୁ ଚିକିତ୍ସାଳୟକୁ ଅଣାଯାଇ ଏକ୍ସ-ରେ' କରାଯାଇଥିଲା ଏବଂ ଜଣାପଡ଼ିଥିଲା ମା' ଆନାକୋଣ୍ଡା ପେଟରେ ଛୁଆ ରହିଛି। ଏନେଇ ମାଇ ଆନାକୋଣ୍ଡାକୁ ନଜରବନ୍ଦୀରେ ରଖାଯାଇଥିଲା। ଆନାକୋଣ୍ଡା ଛୁଆଙ୍କର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟାବସ୍ଥା ସମ୍ପର୍କରେ ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ପରାମର୍ଶ ନିଆଯାଇଛି। ନବଜାତ ଛୁଆକୁ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କଠାରୁ ଅଲଗା କରାଯାଇ ତାପମାତ୍ରା ଏବଂ ଆର୍ଦ୍ରତା ମନିଟରିଂ କରାଯାଉଛି। ଏହି ଛୁଆ ଜନ୍ମ ପରେ ନନ୍ଦନକାନନରେ ଆନାକୋଣ୍ଡା ସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ପାଇ ୧୪ରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ସେଥିମଧ୍ୟରୁ ଦୁଇଟି ବୟସ୍କ ପୁରୁଷ, ଦୁଇଟି ବୟସ୍କ ମାଇ ଏବଂ ଦଶଟି ଛୋଟ ହଳଦିଆ ଆନାକୋଣ୍ଡା ଅଛନ୍ତି। ଶୀଘ୍ର ଆଉ ଗୋଟିଏ ମାଇ ଆନାକୋଣ୍ଡା ପ୍ରସବ କରିବାର ଆଶା କରାଯାଉଛି ବୋଲି ନନ୍ଦନକାନନ ଉପ-ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ସନତ କୁମାର ନାରାୟଣ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

## ଜୁଲାଇ ୧୫ ଯାଏଁ ବଢ଼ାଯାଉ ଧାନ କିଣା ଅବଧି: କଂଗ୍ରେସ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬(ସମିସ): ରାଜ୍ୟର ଅଧିକାଂଶ ଜିଲ୍ଲାରେ ଏବେ ବି ମଣ୍ଡିରୁ ଧାନ ଉଠିନି। ୫୦ ହଜାରରୁ ଉର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଚାଷୀ ପାଖାପାଖି ୫ଲକ୍ଷ ମେଟ୍ରିକ୍ ଟନ୍‌ରୁ ଅଧିକ ଧାନ ମଣ୍ଡିରେ ପଡ଼ିରହିଛି। ଚାଷୀ କୂଳର ବୃହତ୍ତର ସ୍ୱାର୍ଥ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ସରକାର କାଳ ବିଳମ୍ବ ନକରି ଜୁଲାଇ ୧୫ ତାରିଖ ଯାଏଁ ଧାନ କ୍ରୟ ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ବୃଦ୍ଧି କରିବା ସହ ଚାଷୀଙ୍କ ଠାରୁ ସବୁ ବଳକା ଧାନକୁ କ୍ରୟ କରିବା ପାଇଁ କଂଗ୍ରେସ କମିଟି କିଷାନ ସେଲ୍ ଜାତୀୟ ସଂଯୋଜକ ଅମୀୟ ପଟ୍ଟନାୟକ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ଯଦି ସରକାର ଏଥିପ୍ରତି ତୁରନ୍ତ ଦୃଷ୍ଟି ନ ଦିଅନ୍ତି, ତେବେ ପିସିସି ସଭାପତି ଭକ୍ତଚରଣ ଦାସଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ କିସାନ କଂଗ୍ରେସ ପକ୍ଷରୁ ରାଜ୍ୟରେ ସରକାରଙ୍କ ବିରୋଧରେ ବ୍ୟାପକ ଆନ୍ଦୋଳନ କରାଯିବ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପଟ୍ଟନାୟକ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି।

## କାହାପାଇଁ ଓଡ଼ିଶା ଆସୁଛି ଚୋରା ବନ୍ଧୁକ ?

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୨୯।୬(ସମିସ): ବିହାର ମୁଙ୍ଗେରରୁ ବନ୍ଧୁକ ଆଣି ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାରେ ବିକ୍ରି କରୁଥିବା ଜଣେ ବେପାରୀକୁ ଗିରଫ କରିଛି ଏସ୍‌ଟିଏଫ। ସେ ଟ୍ରେନ୍ ଯୋଗେ ବନ୍ଧୁକ ଆଣି ବାଲିଅନ୍ତା ସରଦେଇପୁରରେ ଆଜି ବିକ୍ରି କରୁଥିବା ବେଳେ ମାଡ଼ିବସିଲା ଏସ୍‌ଟିଏଫ (ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଟାସ୍କ ଫୋର୍ସ)। ବ୍ୟାଗ୍ ଯାଞ୍ଚ କରିବା ପରେ ତା ନିକଟରୁ ୫ଟି ବନ୍ଧୁକ ଏବଂ ୭ଟି ଜୀବନ୍ତ ଗୁଳି ମିଳିଛି। ଜବତ ବନ୍ଧୁକ ମଧ୍ୟରେ ରହିଛି ୩ଟି ୭ଏମ୍‌ଏମ୍‌ର ବନ୍ଧୁକ ଥିବା ବେଳେ ୯ଏମ୍‌ଏମ୍‌ର ଗୋଟିଏ ବନ୍ଧୁକ, ଗୋଟିଏ ସିଙ୍ଗଲ ସଟ୍ ବନ୍ଧୁକ। ଗିରଫ ଅଭିଯୁକ୍ତ ହେଲା ବିହାର ଡୁମାରୀ ବଜାର ନିକଟରେ ରହୁଥିବା ଦିଲ୍ଲୀପ ସାହା। ତାକୁ ଏସ୍‌ଟିଏଫ ଗିରଫ କରି ଭୁବନେଶ୍ୱର ଏସ୍‌ଡିଜେଏମ୍ କୋର୍ଟକୁ ଚାଲାଣ କରିଛି।

ଏସ୍‌ଟିଏଫ ଏସ୍‌ପି ରବି ଶତପଥୀଙ୍କ ସୂଚନା ଅନୁସାରେ, ଗତ ମେ ୪ ତାରିଖରେ ଗଞ୍ଜାମ ପୁଲିସ ୩୧ ବନ୍ଧୁକ ଜବତ କରିବା ସହ ୧୮ ଜଣଙ୍କୁ ଗିରଫ କରିଥିଲା। ଏହି ଘଟଣା ପରେ ତଦନ୍ତଭାର ନେଇଥିଲା କ୍ରାଇମବ୍ରାଞ୍ଚର ଏସ୍‌ଟିଏଫ। ଗିରଫ ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କୁ ପଚରାଉଚରା କରିବା ପରେ ଓଡ଼ିଶାକୁ ଆସୁଥିବା ବନ୍ଧୁକ ସବୁ ବିହାର ମୁଙ୍ଗେରରୁ ଆସୁଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଥିଲା। ସେଠାରୁ ବନ୍ଧୁକ ଆଣି ଦିଲ୍ଲୀପ ସାହା ନାମକ ବ୍ୟକ୍ତି ଏଠାରେ ବିକ୍ରି କରୁଛି। ସେଠାରୁ ସେ ୭୦ ହଜାର ଟଙ୍କାର ବନ୍ଧୁକ କିଣି ଆଣୁଥିବା

ବେଳେ ଏଠାରେ ସେ ୮୦ ହଜାର ଟଙ୍କାରେ ବିକ୍ରି କରୁଛି। ପୁଣି ଏହି ବନ୍ଧୁକ ଆଣିବା ପୂର୍ବରୁ ଦିଲ୍ଲୀପ ଆଡଭାନ୍ସ ନେଉଥିଲା। ଆଡଭାନ୍ସ ନେବା ପରେ ସେ ଦେଇଥିବା ତାରିଖ ମଧ୍ୟରେ ବିହାରରୁ ବନ୍ଧୁକ ଆଣି ଦେଉଥିଲା। ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କ ଠାରୁ ଏସ୍‌ଟିଏଫର ତଦନ୍ତକାରୀ ଟିମ୍ ଦିଲ୍ଲୀପର ଫୋନ୍ ନମ୍ବର ସଂଗ୍ରହ କରିବା ପରେ ତାକୁ ଟ୍ରାକ୍ କରାଯାଉଥିଲା। ସେ ନିୟମିତ ବସ୍ ଏବଂ ଟ୍ରେନ୍ ଯୋଗେ ବନ୍ଧୁକ ଆଣି ଓଡ଼ିଶାର ଏକାଧିକ ଜିଲ୍ଲାରେ ବିକ୍ରି କରୁଥିଲା। ତେଣୁ ସେ ନିକଟରେ ବିହାରରୁ ବନ୍ଧୁକ ଆଣିଥିବା

- **ଧରାପଡ଼ିଲା ବନ୍ଧୁକ ବେପାରୀ**
- **୫ଟି ବନ୍ଧୁକ, ୭ଟି ଜୀବନ୍ତ ଗୁଳି ଜବତ**
- **ଗଞ୍ଜାମ ବନ୍ଧୁକ ଲିଙ୍କ୍‌ରୁ ମିଳିଲା ବେପାରୀ ଠିକଣା**

ଏସ୍‌ଟିଏଫର ଅଧିକାରୀମାନେ ଜାଣିଥିଲେ। ସେ ଆଜି ବାଲିଅନ୍ତା ସରଦେଇପୁରରେ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ ବନ୍ଧୁକ ଦେବାର ଥିଲା। ତା' ଫୋନ୍ ନମ୍ବରକୁ ଟ୍ରାକ୍ କରିବା ପରେ ଏସ୍‌ଟିଏଫ ଅଧିକାରୀ ତାକୁ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ମାଡ଼ି ବସିଥିଲେ। ତା ନିକଟରେ ଥିବା ଏକ ବ୍ୟାଗ୍ ଯାଞ୍ଚ କରିବା ପରେ ସେଥିରୁ ୫ଟି ବନ୍ଧୁକ ଜବତ କରାଯାଇଥିଲା। ସେ ଓଡ଼ିଶାରେ ୫୦ରୁ ଅଧିକ ବନ୍ଧୁକ ବିକ୍ରି କରିଥିବା ତଦନ୍ତରୁ ଏସ୍‌ଟିଏଫ ଜାଣିଛି। ତେଣୁ କେଉଁମାନଙ୍କୁ ସେ ବନ୍ଧୁକ ବିକ୍ରି କରିଛି? ତା ଭଳି ଆଉ କେଉଁମାନେ ବିହାରରୁ ବନ୍ଧୁକ ଆଣି ଏଠାରେ ବିକ୍ରି କରୁଛନ୍ତି? ତାହା ଜାଣିବା ପାଇଁ ଏସ୍‌ଟିଏଫ ଦିଲ୍ଲୀପକୁ ରିମାଣ୍ଡରେ ଆଣି ପଚରାଉଚରା କରିବ ବୋଲି ରବି ଶତପଥୀ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

ଦିଲ୍ଲୀପ ଭଳି ମହମ୍ମଦ ଅସଲମ ବନ୍ଧୁକ ମଧ୍ୟ ବିହାରରୁ ଆଣି ଓଡ଼ିଶାରେ ବିକ୍ରି କରୁଥିଲା। ଅସଲାମକୁ ରିମାଣ୍ଡରେ ଆଣି ପଚରାଉଚରା କରିବା ପରେ ଦିଲ୍ଲୀପ ସମ୍ପର୍କରେ ଜଣାପଡ଼ିଥିଲା। ଓଡ଼ିଶାର ୭ଟି ସହରରେ ବନ୍ଧୁକ କାରବାର କରୁଥିଲା ଅସଲାମ। ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରୁ ଆସାମ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବେପାର ଚଳାଇଥିଲା ଅସଲାମ। ଦିଲ୍ଲୀପ ଏବଂ ଅସଲାମ କେବଳ ମୁଙ୍ଗେର ନୁହେଁ, ଓଡିଶା, ବିହାର, ଝାଡଖଣ୍ଡ, ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ଆଉ ଆସାମରେ ଚଳାଇଥିଲେ ବନ୍ଧୁକ ବେପାର। କଟକ ବୟାଳିଶ ମୌଜାରେ ବନ୍ଧୁକ କାରଖାନା ପଛର ମାଷ୍ଟରମାଇଣ୍ଡ ଥିଲା ଅସଲାମ। ଗଞ୍ଜାମରୁ ମିଳିଥିବା ୩୧ ବନ୍ଧୁକ ପଛରେ ଥିଲା ଅସଲାମ ଏବଂ ଦିଲ୍ଲୀପର ହାତ। ଗଞ୍ଜାମ ବ୍ୟତୀତ ଆଉ କେଉଁ ସହରର କେତେ ଅପରାଧୀଙ୍କ ହାତକୁ କେତେ ବନ୍ଧୁକ ଯାଇଛି ସେ ନେଇ ଖୋଳତାଡ଼ ଆରମ୍ଭ କରିଛି ଏସଟିଏଫ୍।

## ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତିର ବ୍ୟବସାୟୀକରଣରେ ମାତିଛି ବିଜେପି

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬(ସମିସ): ରାଜ୍ୟରେ ଓଡ଼ିଆ ଅସ୍ମିତାର ନାରା ଦେଉଛି ବିଜେପି। ହେଲେ ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତିକୁ ବାରମ୍ବାର ଟାର୍ଗେଟ କରିବାରେ ଲାଗିଛି। ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତିର ବ୍ୟବସାୟୀକରଣ କରିବାରେ କୌଣସି ସୁଯୋଗ ଛାଡୁ ନାହିଁ। ରଥଯାତ୍ରରେ ମନଇଚ୍ଛା ପାସ୍ ବଣ୍ଟନ କରାଗଲା। ଯାହାକୁ ପାରିଲେ ତାକୁ ପାସ୍ ଦେଇ ଚାଲିଲେ। ମାତ୍ରାଧିକ କର୍ଡନ୍ ପାସ୍ ବଣ୍ଟନ ଯୋଗୁଁ ରଥ ଟଣା ହୋଇପାରିଲା ନାହିଁ। ଯାହାଫଳରେ ରଥଯାତ୍ରା ଦିନ ନନ୍ଦିଘୋଷ ସିଂହଦ୍ୱାର ବି ଛାଡି ପରିଲା ନାହିଁ। ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତିର ଏ ପ୍ରକାର ବ୍ୟବସାୟୀକରଣକୁ ପ୍ରଶ୍ରୟ ଦିଆଯିବନି ବୋଲି ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ

ଯୁବା ସଂଗଠନ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି। ସଂଗଠନ କହିଛି, ୨୦୧୯ ନିର୍ବାଚନ ବେଳେ ବର୍ତ୍ତମାନର ପୁରୀ ସାଂସଦ ସମ୍ବିତ ପାତ୍ର ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଧରି ଭୋଟ୍ ମାଗିଥିଲେ। ଏହାକୁ ରୋକିବାକୁ ନିର୍ବାଚନ କମିସନଙ୍କୁ ସାମ୍ନାକୁ ଆସିବାକୁ ପଡ଼ିଥିଲା। ଗତ ନିର୍ବାଚନ ବେଳେ ମଧ୍ୟ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ସମ୍ପର୍କରେ ବିବାଦୀୟ ମନ୍ତବ୍ୟ ଦେଇଥିଲେ। ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ନେଇ ବିଜେପି କ'ଣ ପାଇଁ ବାରମ୍ବାର ଏଭଳି କରିଚାଲିଛି ବୋଲି ଯୁବା ସଂଗଠନ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛି।

ସଂଗଠନ କ୍ଷୋଭ ପ୍ରକାଶ କରି କହିଛି, ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥ ଗଣ ଦେବତା। ପ୍ରଭୁ ସେଥିପାଇଁ ରଥଯାତ୍ରାରେ ବାହାରକୁ ଆସନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ସରକାର ଓଡ଼ିଆ ଭାବାବେଗ ସହ ଖେଳିଲେ। ରଥଯାତ୍ରାକୁ ନେଇ ଶହ ଶହ ବର୍ଷ ଧରି ଯାହା ଚାଲିଥିଲା ତାହାକୁ ନଷ୍ଟ କରିଦେଲେ। ଯାହାର ପରିଣାମ ଏବେ ଭୋଗିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। ଆଗାମୀ ଦିନରେ ଏହାର ଦୃଢ଼ ଜବାବ ଦିଆଯିବ ବୋଲି ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଯୁବା ସଂଗଠନ ରାଜ୍ୟ ସଂଯୋଜକ ମାନସ ପଟ୍ଟନାୟକ କହିଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟପାଳଙ୍କୁ ଦାବିପତ୍ର ଦିଆଯିବ ଓ ଆଗକୁ ସତ୍ୟାଗ୍ରହ ହେବ।

ପ୍ରଶାସନିକ ଅବ୍ୟବସ୍ଥାର ଦୃଢ଼ ନିନ୍ଦା କରି ଯୁବା ସଂଗଠନ କହିଛି, ପୁରୀରେ ରଥଟଣା ବିଳମ୍ବ ହେବାକୁ ଗୋଟିଏ ପଟେ ପାସ୍ ବଣ୍ଟନ କରାଯାଇ ବିଭ୍ରାଟକୁ ଆମନ୍ତ୍ରଣ କରାଯାଇଥିଲା। ହେଲେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ପୃଥ୍ୱୀରାଜ ହରିଚନ୍ଦନ ଏଭଳି ଘଟଣାକୁ ଭଗବାନଙ୍କ ଇଚ୍ଛା ବୋଲି କହିଲେ।

ସେହିପରି ଚଳିତ ବର୍ଷ ପୁରୀ ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନାରେ ଏତେ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ବ୍ରିଟିଶ ଅମଳରେ ବି ହୋଇ ନ ଥିବ। ଆଜି ସକାଳୁ ରଥ ପାଖରେ ନାହିଁ ନ ଥିବା ଭିଡ଼। ଫଳରେ ଲୋକେ ଦଳାଚକଟାରେ ମରିଗଲେ। ସରକାର ଯେଉଁ 'ଜିରୋ କାଜୁୟାଲିଟି' ଦାବି କରୁଥିଲେ, ତାହା କେତେଦୂର ସତ ବୋଲି ମାନବାଧିକାର କର୍ମୀ ପ୍ରଦୀପ୍ତ ନାୟକ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛନ୍ତି।

# ସକାଳ
THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ■ JEYPORE ■ SAMBALPUR ■ PANIKOILI

♦VOLUME- 43 ♦ISSUE-6 ♦BHUBANESWAR ♦MONDAY ♦30 JUNE 2025 ♦PAGE-12 ♦₹ 6.00

♦ବର୍ଷ-୪୩ ♦ସଂଖ୍ୟା-୬ ♦ଭୁବନେଶ୍ୱର ♦ସୋମବାର ♦୩୦ ଜୁନ୍ ୨୦୨୫ ♦ପୃଷ୍ଠା-୧୨ ♦ଟ.୬.୦୦


## ଜନ୍ମବେଦୀରେ ଚତୁର୍ଦ୍ଧାବିଗ୍ରହ

**ଆଜିଠୁ ମିଳିବ ଆଡ଼ପ ଅବଢ଼ା**

■ **ପୁରୀ, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ନବଦିନାତ୍ମକ ଯାତ୍ରାରେ ବାହାରିଥିବା ଚତୁର୍ଦ୍ଧା ବିଗ୍ରହ ଏବେ ଜନ୍ମବେଦୀରେ। ଶରଧାବାଲିରେ ଦୁଇ ରାତି ଓ ଦୁଇ ଦିନ ଭକ୍ତଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେବା ପରେ ଆଜି ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଗୋଟିପହଣ୍ଡିରେ ଯାଇ ଆଡ଼ପମଣ୍ଡପରେ ବିଜେ କରିଛନ୍ତି ଦାରୁଦେବତା। ସୋମବାରଠାରୁ ଜନ୍ମବେଦୀରେ ଲୀଳା କରିବେ ଲୀଳାମୟ। ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କୁ ମିଳିବ ଦର୍ଶନ, ଆଉ ବାହାରିବ ଆଡ଼ପ ଅବଢ଼ା। ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରରେ ଲୀଳାଖେଳା ସାରି ଆସନ୍ତା ୫ତାରିଖରେ ପୁଣି ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ଅଭିମୁଖେ ବାହୁଡ଼ିଯିବେ ଭକ୍ତବତ୍ସଳ। ପବିତ୍ର ଆଷାଢ଼ ଶୁକ୍ଳ ଦ୍ୱିତୀୟା ତିଥିରେ ଭାଇଭଉଣୀଙ୍କୁ ସାଥୀରେ ଧରି ଘୋଷଯାତ୍ରାରେ ବାହାରିଥିଲେ କଳାସାଆନ୍ତ। ଅନୁକୂଳ ପାଗରେ ଲକ୍ଷଲକ୍ଷ ଭକ୍ତ ବଡ଼ଦାଣ୍ଡରେ ଟାଣିଥିଲେ ରଥ। ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

# ମହାଅଘଟଣ

## ଶରଧାବାଲିରେ ଦଳାଚକଟା; ୩ ମୃତ, ୭ ଗୁରୁତର

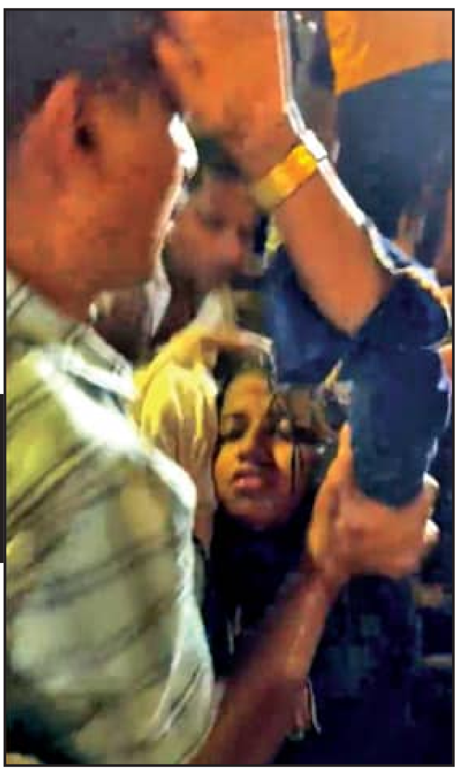

### ପହଡ଼ ଫିଟିବା କ୍ଷଣି ମାଡ଼ିଆସିଥିଲେ ଲକ୍ଷାଧିକ ଭକ୍ତ

### ପ୍ରବେଶ-ପ୍ରସ୍ଥାନ ପାଇଁ ଥିଲା ମାତ୍ର ଗୋଟିଏ ରାସ୍ତା

### ପ୍ରସ୍ଥାନ ରାସ୍ତା ରୋକିଥିଲା ଭିଆଇପିଙ୍କ ବ୍ୟାରିକେଡ୍

■ **ପୁରୀ, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ଆସିଥିଲେ ଶରଧାବାଲିରେ ରଥାରୂଢ଼ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିବେ। ଚକାଆଖି ସହ ଆଖି ମିଶାଇ ଲୁହ ଗଡ଼ାଇବେ, ଅଳି କରିବେ, ନିଜ ଦୁଃଖକଷ୍ଟ ଜଣାଇବା ସହ ପରିବାରର ସୁଖଶାନ୍ତି ପାଇଁ ଆଶୀର୍ବାଦ ମାଗିବେ। ଏମିତି ଆଶା ବିଶ୍ୱାସ ନେଇ କାହିଁ କେତେ ଦୂରରୁ ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ରକୁ ଛୁଟି ଆସିଥିଲେ ଲକ୍ଷଲକ୍ଷ ଭକ୍ତ। ହେଲେ ସରକାର ଓ ପ୍ରଶାସନର ଅବହେଳା ଯୋଗୁଁ ଚକାଆଖି ଆଗରେ ଏତେ ବଡ଼ ଅଘଟଣ ଘଟିଯିବ, ତାହା ସେମାନେ କଳ୍ପନା ସୁଦ୍ଧା କରିନଥିଲେ। ଭାବର ଠାକୁରଙ୍କୁ ମନର ଭାବ ଜଣାଇବା ପୂର୍ବରୁ ଚାଲିଗଲା ଜୀବନ। ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ଦଳାଚକଟା ଘଟି ୩ଜଣ ଭକ୍ତଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଓ ବହୁ ଭକ୍ତ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ୭ଜଣଙ୍କ ଅବସ୍ଥା ଗୁରୁତର ରହିଛି। ବିଶ୍ୱପ୍ରସିଦ୍ଧ ରଥଯାତ୍ରାରେ ପ୍ରଶାସନିକ ଅବହେଳା ଏବଂ ଦାୟିତ୍ୱହୀନତାକୁ ନିନ୍ଦା କରିଛନ୍ତି ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ। ସରକାର ମଧ୍ୟ ଏଭଳି ଅବହେଳାକୁ ସ୍ୱୀକାର କରିଛନ୍ତି।

**ରଥଯାତ୍ରାରେ ଅବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ନିନ୍ଦାକଲେ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ**

ଶନିବାର ଥିଲା ନବଦିନାତ୍ମକ ଯାତ୍ରାର ଦ୍ୱିତୀୟ ଦିବସ। ଭକ୍ତମାନେ ରଥାରୂଢ଼ ଶ୍ରୀବିଗ୍ରହମାନଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରୁଥିଲେ। ଅନୁକୂଳ ପାଗ ସାଙ୍ଗକୁ ସପ୍ତାହାନ୍ତ। ଅର୍ଥାତ୍ ଚତୁର୍ଥ ଶନିବାର ଓ ରବିବାର ଦୁଇଦିନ ଛୁଟି ଥିଲା। ତେଣୁ ଶନିବାର ସନ୍ଧ୍ୟା ପରଠାରୁ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ରଥ ଉପରେ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଲାଗି ପ୍ରବଳ ଭିଡ଼ ଲାଗି ରହିଥିଲା। ରାତି ଯେତେ ବଢୁଥିଲା, ଭିଡ଼ ସେତେ ଅଧିକ ହେଉଥିଲା। ହେଲେ ନୀତିକାନ୍ତି ନିର୍ଘଣ୍ଟ ସମୟରେ ଚାଲିଥିବା ସତ୍ତ୍ୱେ ରାତି ୧୨ଟାରୁ ୧୨ଟା ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## କ୍ଷମା ମାଗିଲେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ

**ମୃତକଙ୍କ ଆତ୍ମୀୟଙ୍କୁ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଲେଖାଏଁ ସହାୟତା**

**ପ୍ରଶାସନିକ ତଦନ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ରବିବାର ଭୋର ୪ଟାରେ ପୁରୀ ଶରଧାବାଲିରେ ଦଳାଚକଟା କାରଣରୁ ୩ ଜଣ ଭକ୍ତଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟଣା ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କୁ ସ୍ତବ୍ଧ କରିଦେଇଛି। ଏପରି ଅଭାବନୀୟ ଘଟଣା ଘଟିବା ପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଭାବେ ନିଜେ ତଥା ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀଙ୍କୁ କ୍ଷମା ପ୍ରାର୍ଥନା କରିଛନ୍ତି। ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ ପୁରୀରେ ଲକ୍ଷଲକ୍ଷ ଭକ୍ତଙ୍କ ଦର୍ଶନ ବ୍ୟଗ୍ରତା ଓ ଭିଡ଼ କାରଣରୁ ତିନି ଜଣ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ପରଲୋକ ଘଟିଛି। ଏ ଘଟଣାରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀ ଅତ୍ୟନ୍ତ ବ୍ୟଥିତ ହୋଇ ଦୁଃଖ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି। ପରଲୋକଗତ ଭକ୍ତମାନଙ୍କ ପରିବାର ବର୍ଗଙ୍କୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସମବେଦନା ଜଣାଇବା ସହିତ ପରିବାରର ନିକଟତମ ଆତ୍ମୀୟଙ୍କ ପାଇଁ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଲେଖାଏଁ ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ରାଶି ଘୋଷଣା କରିଛନ୍ତି। ସେହିପରି ଏହି ଘଟଣାର ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରଶାସନିକ ତଦନ୍ତ ପାଇଁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଉନ୍ନୟନ କମିଶନର ଏହି ଘଟଣାର ତଦନ୍ତ କରିବେ।

## ସରକାର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଫଳ: ନବୀନ

**ବେଖାତିର, ସମ୍ବେଦନହୀନ ମନୋଭାବକୁ ନିନ୍ଦା**

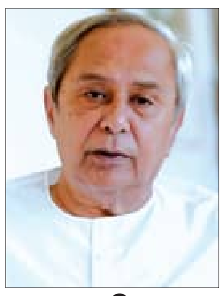

**ମୃତକଙ୍କ ପରିବାର ସହ ଫୋନ୍‌ରେ କଥାହେଲେ**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ପୁରୀ ଶରଧାବାଲିରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ସକାଳ ଦର୍ଶନ ସମୟରେ ଭୀଷଣ ଦଳାଚକଟା ଘଟଣାରେ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ୩ ଜଣ ଭକ୍ତଙ୍କ ପରିବାରବର୍ଗଙ୍କ ପ୍ରତି ପୂର୍ବତନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ତଥା ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତା ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ଗଭୀର ସମବେଦନା ଜଣାଇଛନ୍ତି। ଏହି ଦୁଃଖଦାୟକ ଘଟଣାରେ ଆହତ ହୋଇଥିବା ସମସ୍ତ ଭକ୍ତଙ୍କ ଆଶୁଆରୋଗ୍ୟ ପାଇଁ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରାର୍ଥନା କରିବା ସହ ଏଭଳି ଅଘଟଣ ପାଇଁ ସରକାରଙ୍କ ଉପରେ ବର୍ଷିଛନ୍ତି ନବୀନ। 'ଏକ୍ସ'ରେ ନବୀନ ଉଲ୍ଲେଖ କରିଛନ୍ତି ଯେ ରଥଯାତ୍ରାରେ ଅଭାବନୀୟ ଭିଡ଼ ପରିଚାଳନା ପାଇଁ ଅନେକ ଭକ୍ତ ଆହତ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଦିନକ ପରେ ପୁଣି ଆଜିର ଅଘଟଣ ଦର୍ଶାଉଛି, ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ଶାନ୍ତି ତଥା ଭାବପୂର୍ଣ୍ଣ ରଥଯାତ୍ରା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରିବାରେ ସରକାର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଫଳ ହୋଇଛନ୍ତି। ଏହି ଭୟାବହ ଅଘଟଣ ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

**୧୦ହଜାରରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ପୁଲିସ ମୁତୟନ**

## ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଐତିହାସିକ

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରାକୁ ସରକାର ଐତିହାସିକ କହୁଛନ୍ତି। ମାତ୍ର ବିଡ଼ମ୍ବନା ହେଉଛି ଏହି ରଥଯାତ୍ରାରେ ସବୁ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ମଧ୍ୟ ଐତିହାସିକ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ। ଘରେ ନ ପଶୁଣୁ ଚାଳ ବାଜିବା ପରି ଚଳିତ ବର୍ଷ ଠାକୁରଙ୍କ ଓଷୁଅ ଚୋରିରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଶରଧାବାଲି ଦଳାଚକଟା ମୃତ୍ୟୁ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଲମ୍ବିଛି। ତାଳଧ୍ୱଜ ରଥର ବାରମ୍ବାର କଣମୋଡ଼, ନନ୍ଦିଘୋଷ ରଥ ନ ଗଡ଼ିବା, ଆଲୁଅ ଲଗାଇ ରଥ ଟଣାଯିବା ଘଟଣା ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀଙ୍କୁ କଷ୍ଟ ଦେଇଛି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରାରେ ପୁଲିସ ମୁତୟନ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅତୀତର ସବୁ ରଥଯାତ୍ରାକୁ ବଳି ଯାଇଛି। ୨୧ ଜଣ ଏସ୍‌ପି ଓ କମାଣ୍ଡାଣ୍ଟ ପାହ୍ୟାର ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହ ୪୧ ଜଣ ଅତିରିକ୍ତ ଏସ୍‌ପି ପାହ୍ୟା, ୯୬ ଡ଼ିଏସ୍‌ପି, ୧୭୧ ଇନ୍‌ପେକ୍ଟରଙ୍କୁ ପୁରୀରେ ଦାୟିତ୍ୱ ଦିଆଯାଇଥିଲା। ଏମାନଙ୍କ ବ୍ୟତୀତ ୨୦୫ ପ୍ଲାଟୁନ୍ ସଶସ୍ତ୍ର ପୁଲିସ, ୫ କମ୍ପାନୀ ଆର୍‌ପିଏଫ୍, ୩ ୟୁନିଟ୍ ଏସ୍‌ଟିୟୁ ଓ ଗୋଟିଏ ୟୁନିଟ୍ ଏସ୍‌ଓଜି, ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

### ଏନ୍‌ଏଚ୍‌ଆର୍‌ସିରେ ମାମଲା ରୁଜୁ

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ନିକଟରେ ଦଳାଚକଟାରେ ୩ ଜଣଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟଣାରେ ଜାତୀୟ ମାନବାଧିକାର କମିଶନ(ଏନ୍‌ଏଚ୍‌ଆର୍‌ସି)ରେ ମାମଲା ରୁଜୁ ହୋଇଛି। ମାନବାଧିକାର କର୍ମୀ ଜୟନ୍ତ ଦାସ ଏହି ମାମଲା ରୁଜୁ କରିଛନ୍ତି। ନିଜେ କମିଶନ ତଦନ୍ତ କମିଟି ଗଠନ କରି ଅଘଟଣ ସ୍ଥଳ ପରିଦର୍ଶନ କରିବାକୁ ଆବେଦନକାରୀ ପ୍ରାର୍ଥନା କରିଛନ୍ତି। ଅବହେଳା ପାଇଁ ପ୍ରଶାସନର ଯେଉଁମାନେ ଦାୟୀ, ସେମାନଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ସହ ମୃତବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ପରିବାରକୁ ଉପଯୁକ୍ତ କ୍ଷତିପୂରଣ ପାଇଁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେବାକୁ ଆବେଦନକାରୀ ଶ୍ରୀ ଦାସ ନିବେଦନ କରିଛନ୍ତି।

### ବଦଳିଲେ ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଓ ଏସ୍‌ପି

**ଚଞ୍ଚଲ ରାଣା ଜିଲ୍ଲାପାଳ, ପିନାକ ମିଶ୍ର ଏସ୍‌ପି ନିଯୁକ୍ତ**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬(ସମିସ):** ଶରଧାବାଲିରେ ଦଳାଚକଟାରେ ୩ ଜଣ ଭକ୍ତଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ପରେ ସରକାର ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ସିଦ୍ଧାର୍ଥ ଶଙ୍କର ସ୍ୱାଇଁ ଏବଂ ଏସପି ଭିନିତ ଅଗ୍ରୱାଲଙ୍କୁ ବଦଳି କରିଛନ୍ତି। ଏହା ସହିତ ଡିସିପି ବିଷ୍ଣୁ ପତି ଓ କମାଣ୍ଡାଣ୍ଟ ଅଜୟ ପାଢୀଙ୍କୁ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଅବହେଳା ଅଭିଯୋଗ ଯୋଗୁଁ ନିଲମ୍ବିତ କରାଯାଇଛି। ଏ ସଂକ୍ରାନ୍ତରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରୁ ବିଜ୍ଞପ୍ତି ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି। ପୁରୀର ନୂତନ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଭାବେ ଚଞ୍ଚଲ୍ ରାଣାଙ୍କୁ ନିଯୁକ୍ତି ଦିଆଯାଇଛି ଏବଂ ଏସ୍‌ପି ରୂପେ ପିନାକମିଶ୍ରଙ୍କୁ ଅବସ୍ଥାପିତ କରାଯାଇଛି।

**ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଶାସକଙ୍କ କ୍ଷମତା ସଙ୍କୁଚିତ**

### ଅରବିନ୍ଦ ଅଗ୍ରୱାଲ୍ କରିବେ ରଥ ପରିଚାଳନା

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ରଥଯାତ୍ରାର ସୁରୁଖୁରୁ ପରିଚାଳନା ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ପ୍ରଶାସକଙ୍କ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଦାୟିତ୍ୱ ହୋଇଥିଲେ ହେଁ ଚଳିତ ବର୍ଷ ସୀମା ଟପିଥିବା ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ତାଙ୍କୁ ସାଧାରଣରେ ନିନ୍ଦିତ କରିଛି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନାକୁ ନେଇ ଆରମ୍ଭରୁ ସମାଲୋଚନାର ଶରବ୍ୟ ହୋଇଥିବା ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଶାସକ ଅରବିନ୍ଦ ପାଢ଼ୀଙ୍କ କ୍ଷମତା ସଙ୍କୁଚିତ କରିଛନ୍ତି ରାଜ୍ୟ ସରକାର। ମୋଦକ ଚୋରି ବିବାଦ ପରେ ରଥ ଟଣାକୁ ନେଇ ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଶାସକ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ କିଛି ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ନିଶାଣକୁ ଆସିଥିଲେ ହେଁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିରବତା ଅବଲମ୍ବନ କରିଥିଲେ। ମାତ୍ର ଦଳାଚକଟା ଘଟଣା ପରେ ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଶାସକ ଶ୍ରୀ ପାଢ଼ୀଙ୍କ କ୍ଷମତାକୁ ସଙ୍କୁଚିତ କରିଛନ୍ତି ସରକାର। ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନା ଦାୟିତ୍ୱରୁ ଶ୍ରୀ ପାଢ଼ୀଙ୍କୁ ଅବ୍ୟାହତି ଦେଇ ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ସଚିବ ଅରବିନ୍ଦ ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

**ପୁଲିସ୍ ବ୍ୟବସ୍ଥା ତଦାରଖ କରିବେ ସୌମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରିୟଦର୍ଶୀ**

### ରାହୁଲ, ଖଡ୍‌ଗେଙ୍କ ଉଦ୍‌ବେଗ ପ୍ରକାଶ

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ପୁରୀରେ ରଥଯାତ୍ରା ସମୟରେ ଦଳାଚକଟା ଘଟଣାରେ ଲୋକସଭାର ବିରୋଧୀଦଳ ନେତା ରାହୁଲ ଗାନ୍ଧୀ ଚିନ୍ତାପ୍ରକଟ କରିଛନ୍ତି। 'ଏକ୍ସ'ରେ ରାହୁଲ ଶୋକସନ୍ତପ୍ତ ପରିବାର ପ୍ରତି ଗଭୀର ସମବେଦନା ଏବଂ ଆହତ ଭକ୍ତଙ୍କ ଶୀଘ୍ର ଆରୋଗ୍ୟ କାମନା କରିଛନ୍ତି। ଏହାସହିତ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କୁ ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ ନିବେଦନ କରିଥିବା ବେଳେ କଂଗ୍ରେସ କର୍ମୀମାନଙ୍କୁ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାରର ସାହାଯ୍ୟ କରିବାକୁ ସେ ଅନୁରୋଧ କରୁଛନ୍ତି। ଅନ୍ୟପଟେ ଏହି ଦୁଃଖଦ ଘଟଣା ଏକ ଗମ୍ଭୀର ଚେତାବନୀ ବୋଲି ରାହୁଲ୍ ଉଲ୍ଲେଖ କରିବା ସହ ଏତେ ବଡ଼ ଘଟଣାରେ ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଏବଂ ଭିଡ଼ ପରିଚାଳନା ପ୍ରସ୍ତୁତି ଗମ୍ଭୀରତାର ସହିତ ସମୀକ୍ଷା କରାଯିବା ଉଚିତ ବୋଲି ରାହୁଲ ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## ମନ୍ତ୍ରୀ, ପ୍ରଶାସକଙ୍କ ସୁରକ୍ଷା ପାଇଁ ଅଫିସରଙ୍କୁ ବଳି!

**ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟିର ଭୂମିକାକୁ ନେଇ ସାଧାରଣରେ କ୍ଷୋଭ**

**ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଗଠନ ହୋଇଥିଲା କମିଟି**

**କେବଳ ପାସ୍ ବଣ୍ଟନରେ ସୀମିତ ରହିଛି ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟି**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ଚଳିତ ରଥଯାତ୍ରା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ତ୍ରୁଟିଶୂନ୍ୟ ହେବ ଏବଂ ଭକ୍ତଗଣ ନିଜେ ଦିବ୍ୟ ଏବଂ ଭବ୍ୟ ଅନୁଭୂତି ନେଇ ଫେରିବେ ବୋଲି ନିଜେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଥିଲେ। ରଥଯାତ୍ରାକୁ ଶୃଙ୍ଖଳିତ କରିବା ପାଇଁ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଭାତୀ ପରିଡ଼ାଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଏକ ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟି ମଧ୍ୟ ଗଠନ କରାଯାଇଥିଲା। ମାତ୍ର ରଥଯାତ୍ରା ଆରମ୍ଭରୁ ମୋଦକ ଚୋରିରୁ ବିଭ୍ରାଟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ରବିବାର ଶ୍ରୀଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ରବିବାର ପ୍ରତ୍ୟୁଷରେ ଦଳାଚକଟାରେ ୩ ଜଣଙ୍କ ଜୀବନ ଯାଇଛି। ଶ୍ରୀଗୁଣ୍ଡିଚା ସମ୍ମୁଖରେ ଦଳାଚକଟାରେ ୩ ଜଣଙ୍କ ଜୀବନ ଯିବା ଇତିହାସରେ ପ୍ରଥମ ଘଟଣା ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଏହା ଦେଶବ୍ୟାପୀ ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆଲୋଡ଼ନ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ଏପରି ଅଭାବନୀୟ ଘଟଣା ପାଇଁ ପରିଚାଳନାଗତ ବିଭ୍ରାଟ, ସରକାରଙ୍କ ଭୂମିକା, ଅପାରଗତା ଏବଂ ହେୟଜ୍ଞାନ ମନୋବୃତ୍ତିକୁ ଦାୟୀ କରୁଥିବା ବେଳେ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ନିଜ ଉପରୁ ଦୋଷ ଝାଡ଼ିବାକୁ ପୁରା ଉଦ୍ୟମ ଚଳାଇଛନ୍ତି। ରଥଯାତ୍ରା ନିମନ୍ତେ ଗଠିତ ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟି, ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ, ପ୍ରଶାସକଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ପରିବର୍ତ୍ତେ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଓ ଏସ୍‌ପିଙ୍କୁ କେବଳ ବଦଳି କରିଛନ୍ତି। କଠୋର କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଘୋଷଣା କରିଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଏପରି ପଦକ୍ଷେପ ସାଧାରଣରେ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି।

ସୀମାହୀନ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା, ଚରମ ଅପାରଗତା ଓ ଅସୀମ ଉଦାସୀନତା ଯୋଗୁଁ ଇତିହାସରେ ଯାହା କେବେ ଘଟି ନ ଥିଲା; ଚଳିତ ବର୍ଷ ତାହା ଘଟିଛି। ରଥଯାତ୍ରାର ସୁପରିଚାଳନା ପାଇଁ ସରକାର ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟି ଗଠନ କରିଥିଲେ। ଏହି କମିଟିର ଭୂମିକା ଏଯାବତ୍ କଣ ବୋଲି ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀ ପ୍ରଶ୍ନ କରୁଛନ୍ତି। ଘୋଷଯାତ୍ରା ବେଳେ ଏହି କମିଟିରେ ସଦସ୍ୟ ଥିବା ମନ୍ତ୍ରୀମାନେ କେବଳ ସମର୍ଥକଙ୍କୁ ପାସ୍ ବାଣ୍ଟିବା ଛଡ଼ା କୁଟାକୁ ଦିଖଣ୍ଡ କରିନାହାନ୍ତି ବୋଲି ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ରଥଯାତ୍ରା ପୂର୍ବରୁ ଆଇନ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସମେତ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଏକାଧିକ ମନ୍ତ୍ରୀ ତ୍ରୁଟିଶୂନ୍ୟ ଏବଂ ଶୃଙ୍ଖଳିତ ରଥଯାତ୍ରା ନେଇ ଦୃଢ଼ୋକ୍ତି ପ୍ରକାଶ କରି ଆସୁଥିଲେ। ମାତ୍ର ଗତ ୩ ଦିନ ଧରି ଘଟଣାବଳୀ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ପାରିବାପଣିଆକୁ ସାଧାରଣରେ ଉଜାଗର କରିଛି। ସରକାରର ମୁଖ୍ୟ ଭାବେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଏଥିପାଇଁ ଉତ୍ତରଦାୟୀ ଓ ଏଥିପାଇଁ ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

### ବାପାଙ୍କ ସମୟରେ ୬, ପୁଅ ସମୟରେ ୩ ମୃତ

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯।୬ (ସମିସ):** ଦୁଇଦିନ ତଳେ ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରାକୁ ଐତିହାସିକ ବୋଲି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ବର୍ଣ୍ଣନା କରିଛନ୍ତି । ଅବଶ୍ୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଯାହା କହିଛନ୍ତି ତାହା ଭୁଲ ବୋଲି କୁହାଯାଇ ପାରିବ ନାହିଁ। ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରା ଅବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଇତିହାସ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ଅତୀତର ଇତିହାସ ଲେଉଟାଇଲେ ଏପରି ବିଶୃଙ୍ଖଳା କେବେ ଘଟି ନ ଥିଲା ଓ ଭବିଷ୍ୟତରେ ଘଟିବ କି ନାହିଁ ସନ୍ଦେହ। ତେବେ ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରାରେ ଏକ ଐତିହାସିକ ସଂଯୋଗ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ୧୭ ବର୍ଷ ତଳ ଅର୍ଥାତ୍ ୨୦୦୮ରେ ବିଶ୍ୱଭୂଷଣ ହରିଚନ୍ଦନ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ଥିବାବେଳେ ରଥଯାତ୍ରାରେ ଦଳାଚକଟା ହୋଇଥିଲା ଓ ଏଥିରେ ୬ ଜଣ ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିଲେ। ୫୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଆହତ ହୋଇଥିଲେ। ଏବେ ପୁଣି ସେହି ଘଟଣାର ପୁନରାବୃତ୍ତି ଘଟିଛି। ଏବେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ଥିବା ବିଶ୍ୱଭୂଷଣଙ୍କ ପୁଅ ପୃଥ୍ୱୀରାଜ ହରିଚନ୍ଦନଙ୍କ ସମୟରେ ଦଳାଚକଟାରେ ୩ ଜଣ ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିବା ବେଳେ ଶତାଧିକ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି।

## ପ୍ରାକୃତିକ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟଭରା ଗାଁ 'ନଗିରା'

# ପର୍ଯ୍ୟଟନ କ୍ଷେତ୍ର ପାଇଁ କୌଣସି ଗୁଣରେ କମ୍ ନୁହେଁ

ଅନୁଗୋଳ ବ୍ଲକ, ୨୯ ।୬(ସୁଜିତ ପଟ୍ଟନାୟକ)

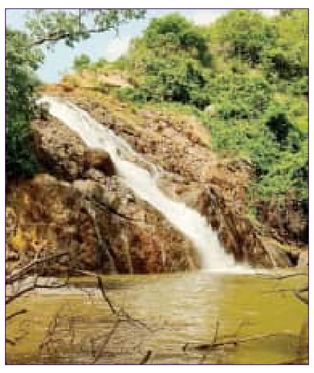

ଓଡ଼ିଶାର କେନ୍ଦ୍ରାଞ୍ଚଳ ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲାର ସୀମାରେ ପାଲଲହଡ଼ା ବ୍ଲକରେ ଅବସ୍ଥିତ ନଗିରା ଗାଁ। ନଗିରା ଏକ ପଞ୍ଚାୟତ ମଧ। ଏକଦା ଅନାହାର ପାଇଁ ଚର୍ଚ୍ଚାରେ ରହିଥିବା ଏହି ଗାଁ ପ୍ରାକୃତିକ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟରେ ଭରପୂର।

**● ପର୍ଯ୍ୟଟନ ଶିଳ୍ପନୀତିରେ ଯୋଡ଼ି ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକଙ୍କ ବିକାଶ ପାଇଁ ଦାବି**

ସମୁଦ୍ର ପତ୍ତନଠାରୁ ୫୪୨ ମିଟର (୧୭୭୮ ଫୁଟ) ଉଚ୍ଚରେ ଅବସ୍ଥିତ ଏହି ଗାଁ ଜିଲ୍ଲା ସଦର ମହକୁମାଠାରୁ ୧୩୨ କିମି ଓ ପାଲଲହଡ଼ା ବ୍ଲକ ମୁଖ୍ୟାଳୟଠାରୁ ୩୨ କିମି ଦୂର। ଗାଁର ପ୍ରାୟ ସମସ୍ତେ ଆଦିବାସୀ ସମ୍ପ୍ରଦାୟର। ଭାରି ସରଳ, ନିରୀହ ସ୍ୱଭାବର ଲୋକ। ସାକ୍ଷରତା ହାର ଓ ଆର୍ଥିକ ସ୍ୱଚ୍ଛଳତା ଖୁବ୍ କମ୍ ଏଠାରେ। କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲା ସୀମାକୁ ଲାଗିରହିଛି ଏହି ଅଞ୍ଚଳ। ପାହାଡ଼ ପର୍ବତ ଘେରା, ନଗିରା ଗାଁ ଯେ ପ୍ରକୃତିର ଏକ ଖୁବ୍ ସୁନ୍ଦର ଉପହାର, ଅପୂର୍ବ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟର ଗନ୍ତାଘର କହିଲେ ଅତ୍ୟୁକ୍ତି ହେବନାହିଁ। ପାଲଲହଡ଼ା-କେନ୍ଦୁଝର ୬ନଂ ଜାତୀୟ ରାଜପଥରୁ ପ୍ରାୟ ୨୦ କିମି ଭିତରକୁ ଗଲେ ପଡ଼ିବ ଏହି ଗାଁ। ଗାଁକୁ ଯାଇଥିବା ରାସ୍ତା ମଧ ଖୁବ୍ ସୁନ୍ଦର। ଘାଟି ଦେଇ ଗାଁକୁ ଯାଇଥିବା ଏହି ଅଙ୍କା ବଙ୍କା ରାସ୍ତାର ଦୁଇ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ସବୁଜ ବନାନୀ, ଚିରସ୍ରୋତା ନଈକୁ ଦେଖିଲେ କାହାର ବି ମନ ଭିତରେ ଏକ ଶିହରଣ ଖେଳିଯିବ। ଗାଁର ପାହାଡ଼, ଯାହାର ନାମ ମହାଦେବ ମୁଣ୍ଡିଆ, ତା'ରି ଉପରୁ ପ୍ରବାହିତ ସୁନ୍ଦର ଝରଣା- ଗର୍ଜନଖୋଲ। ପାହାଡ଼ର ବୁକୁ ଚିରି କୁଳୁ କୁଳୁ ନାଦରେ ବୋହି ଯାଉଥିବା ଏହି ଚିରସ୍ରୋତା ଝରଣା ଉପରେ ପାଖାପାଖି ୪/୫ଟି ଝରଣା ରହିଛି। ମହାଦେବଖୋଲ, ଉପର ଗର୍ଜନଖୋଲ, ଗର୍ଜନଖୋଲ ଓ ସାନ ଗର୍ଜନଖୋଲ ଇତ୍ୟାଦି। ଗ୍ରୀଷ୍ମ ଋତୁର ମୁଣ୍ଡଫଟା ଖରା ଯେତେବେଳେ ଜିଲ୍ଲା ତଥା ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କୁ ଅସ୍ତବ୍ୟସ୍ତ କରିପକାଉଥାଏ, ଠିକ୍ ସେତିକି ବେଳେ ଏହି ଝରଣାଗୁଡ଼ିକରେ ଅବିରତ ସ୍ୱଚ୍ଛ, ନିର୍ମଳ, ଶୀତଳ ଜଳ ଧାରା ପ୍ରବାହିତ ହେଉଥାଏ। ଝରଣା ପାଖକୁ ଯିବାକୁ ହେଲେ ଖୁବ୍ ପରିଶ୍ରମ କରିବାକୁ ପଡ଼େ। ସୁବିଧା ଚଲାପଥଟିଏ ମଧ ନାହିଁ। କିନ୍ତୁ କିଛି ପ୍ରକୃତିପ୍ରେମୀ ପହଞ୍ଚିଥାନ୍ତି ଏଠାରେ ନାନା ବାଧାବିଘ୍ନକୁ ଏଡ଼ାଇ। ଯିଏ ସ୍ୱଚକ୍ଷୁରେ ଏହି ମନୋରମ ଦୃଶ୍ୟ ନ ଦେଖିଛି, ସେ କେବେ ବି ଏହାକୁ କଳ୍ପନା ମଧ କରିପାରିବ ନାହିଁ। ଅର୍ଥାତ ପ୍ରକୃତିର ଏହି ଅପରୂପ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟକୁ ଶବ୍ଦରେ ପରିପ୍ରକାଶ କରିବା ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ। ସୁଇଜରଲ୍ୟାଣ୍ଡ ହେଉ ଅବା ନରୱେ, ସେଠିକାର ପର୍ଯ୍ୟଟନସ୍ଥଳୀ ତଥା ଆମ ଦେଶର ଉତ୍ତର-ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ ରାଜ୍ୟ ଯଥା ଅରୁଣାଚଳ ଓ ମେଘାଳୟର ପର୍ଯ୍ୟଟନସ୍ଥଳୀଗୁଡ଼ିକଠାରୁ କୌଣସି କ୍ଷେତ୍ରରେ ବି କମ୍ ନୁହେଁ ନଗିରା ଗାଁ। ତେବେ ପ୍ରାକୃତିକ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟରେ ଭରପୂର ଏହି ଅଞ୍ଚଳ ହୋଇଥିଲେ ମଧ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକଙ୍କ ରୋଜଗାର ପାଇଁ କୌଣସି ବିକଳ୍ପ ନାହିଁ। ଏହି ସ୍ଥାନକୁ ଯଦି ରାଜ୍ୟ ସରକାର ତଥା ପର୍ଯ୍ୟଟନ ବିଭାଗ ତରଫରୁ ବର୍ତ୍ତମାନ କେନ୍ଦ୍ର ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ଶିଳ୍ପନୀତିର ବିକାଶ ଧାରାରେ ସାମିଲ କରାଯାଇ ଏଠିକାର ବିକାଶ କରାଯାଏ ତେବେ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳର ବିକାଶ ହେବା ସହ ଲୋକଙ୍କୁ ରୋଜଗାର ମିଳିପାରନ୍ତା ବୋଲି ମତ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି।

# କୁଲାଡ଼ ଗାଁ ନିକଟରେ ଦୁଇ ହାତୀ

## ■ ଦୁଇଦିନ ହେଲା ଜଗିଛି ବନ ବିଭାଗ

ଅନୁଗୋଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ସହରତଳି ଗାଁ କୁଲାଡ଼ ନିକଟରେ ଜଙ୍ଗଲୀ ହାତୀଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତି ଯୋଗୁଁ ଲୋକେ ଆତଙ୍କିତ ହୋଇପଡ଼ିଛନ୍ତି। ନାଲକୋ ପ୍ଲାଣ୍ଟ ପାଚେରି ନିକଟ କୁଲାଡ଼ ଗାଁର ବୁଢୁବୁଦିଆ ଜଙ୍ଗଲରେ ଦୁଇଟି ହାତୀ ଶୁକ୍ରବାରଠାରୁ ରହି ଆଖ ପାଖ ଅଞ୍ଚଳରେ ଫସଲ ଉଜାଡୁଛନ୍ତି। କେତେବେଳେ ବି ଜନବସତି ଆଡ଼କୁ ପଶି ଆସିବା ଆଶଙ୍କା କରି ଗ୍ରାମବାସୀ ଭୟଭୀତ ହୋଇପଡ଼ିଛନ୍ତି। ଶୁକ୍ରବାର ସନ୍ଧ୍ୟାରେ କୁଲାଡ଼ ପାର୍ଶ୍ୱବର୍ତ୍ତୀ ଗାଁ ଲାଙ୍ଗୁଳିଆବେଡ଼ାରେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି। ୩ ବର୍ଷ ପୂର୍ବରୁ କୁଲାଡ଼ ଗାଁ ଅଞ୍ଚଳରୁ ହାତୀପଲକୁ ଘଉଡ଼ାଉଥିବା ଜଣେ ବନ କର୍ମଚାରୀ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣର ଶିକାର ହୋଇଥିଲେ। ଏବେ ଏହି ଭୟ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ଘାରିଛି। ହାତୀଙ୍କ ଗତିବିଧି ନିରୀକ୍ଷଣ କରିବା ସହ ଜନବସତି ଭିତରକୁ ଯେମିତି ହାତୀ ପଶି ନ ଆସନ୍ତି ଏବଂ ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବେ ସେମାନଙ୍କୁ ଜଙ୍ଗଲକୁ ଘଉଡ଼ାଇବାକୁ ବନ ବିଭାଗ କର୍ମଚାରୀ ଜଗି ରହିଛନ୍ତି। ବିଦ୍ୟୁତ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ରାତିସାରା ବିଦ୍ୟୁତ ବିଚ୍ଛିନ୍ନ କରାଯାଉଛି। ଗ୍ରାମବାସୀ ହାତୀ ଭୟରେ ରହୁଥିବା ବେଳେ ଶନିବାର ରାତିସାରା ଏ ଅଞ୍ଚଳରେ ବର୍ଷା ହୋଇଛି। ଲୋକେ ବର୍ଷା ରାତିର ଅନ୍ଧାରରେ ଛଟପଟ ହୋଇଛନ୍ତି। ଅନ୍ଧାରରେ ହାତୀ ଭୟ ଅଧିକ ରହୁଥିବା ଗ୍ରାମବାସୀ ଅଭିଯୋଗ କରିବା ସହ ବିଦ୍ୟୁତକାଟ୍ ନ କରିବାକୁ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

## ■ ୧୪୯ ନମ୍ବର ଜାତୀୟ ରାଜପଥ

# ଅସାରାଏ ବର୍ଷାରେ ବନ୍ୟା ଭଳି ସ୍ଥିତି

ତାଳଚେରସଦର, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଅସରାଏ ବର୍ଷା ହେଲେ ତାଳଚେର ଦେଇ ଯାଇଥିବା ୧୪୯ନଂ ଜାତୀୟ ରାଜପଥରେ ବନ୍ୟା ଭଳି ପରିସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହେଉଛି। ତାଳବେଡ଼ାଠାରୁ ବହ୍ଲର, ବଅଁରପାଳ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରାସ୍ତା ଅବସ୍ଥା ଶୋଚନୀୟ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଅଳ୍ପ ବର୍ଷାରେ ବାଙ୍କଧରା ଛକ ରାସ୍ତା ଉବୁଟୁବୁ ହେଉଛି। ବାଙ୍କଧରା ଛକ ନିକଟ ରାସ୍ତାର ଖାଲୁଆ ସ୍ଥାନରେ ଆଣ୍ଠୁଏ ପାଣି ଜମି ରହୁଛି। ଫଳରେ ଛୋଟ ଗାଡ଼ି ତ ଦୂର କଥା ବଡ଼ଗାଡ଼ି ମଧ ଉକ୍ତ ସ୍ଥାନରେ ଫସିଯାଉଛି। ଏହି କାରଣରୁ ଆଜକୁ ତିନିଦିନ ହେବ ଟ୍ରାଫିକ୍ ବ୍ୟବସ୍ଥା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୁଶୁଡ଼ି ପାଡ଼ିଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଏହି ରାଜପଥ କଡ଼ରେ ଚାଳିଆକୁଟା

ସାହି, ତାଳଚେର କଲେଜ, ଅଙ୍ଗନାବାଡ଼ି କେନ୍ଦ୍ର, ଉପ୍ରା ବିଦ୍ୟାଳୟ ରହିଛି। ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ଶହଶହ ଗାଡ଼ି ଠିଆହୋଇ ରହୁଥିବାରୁ ସମସ୍ୟାରେ ଛନ୍ଦି ହୋଇ ପଡୁଛନ୍ତି ଚାଳିଆକୁଟା ସାହିର ଜନସାଧାରଣ। ଏହି ରାଜପଥରେ ହଜାର ହଜାର ସଂଖ୍ୟକ ଭାରୀଯାନ ଚଳାଚଳ ଯୋଗୁଁ ରାସ୍ତାରେ ସବୁବେଳେ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟି ଧନଜୀବନ ନଷ୍ଟ ହେଉଥିଲେ ହେଁ ସ୍ଥାନୀୟ ନେତା ଓ ଏନଏଚଏଆଇ ନିରବଦ୍ରଷ୍ଟା ସାଜିଥିବାରୁ ତୀବ୍ର ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି। ଏହି ରାଜପଥ ନିର୍ମାଣ ପାଇଁ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଦୁଇଥର ଟେଣ୍ଡର ପ୍ରକ୍ରିୟା ହୋଇଥିଲେ ମଧ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଜମି ଅଧିଗ୍ରହଣ ହୋଇ ନ ଥିବାରୁ ରାସ୍ତା ୪ଥାକିଆ ହୋଇପାରୁନାହିଁ। ୪ଥାକିଆ ରାସ୍ତା ନିର୍ମାଣର ଆହେତୁକ ବିଳମ୍ବ ହେଉଥିବାରୁ ତାଳଚେରବାସୀଙ୍କ ପାଇଁ ଏହା ଅଭିଶାପ ପାଲଟିଛି। ଏଠାରୁ ରାଜ୍ୟ ଓ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର ଦୈନିକ କୋଟି କୋଟି ଟଙ୍କା ରାଜସ୍ୱ ନେଉଥିଲେ ମଧ ଏହି ରାଜପଥ ସମେତ ଲୋକଙ୍କ ମୌଳିକ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେଉ ନ ଥିବାରୁ ଅଞ୍ଚଳବାସୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ତୀବ୍ର ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି। ତୁରନ୍ତ ଏନଏଚଏଆଇ ଏହି ରାଜପଥ ପ୍ରତି ଦୃଷ୍ଟି ଦେବାକୁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି ହେଉଛି।

# ବିଶ୍ୱ ଯୁବକେନ୍ଦ୍ର ପକ୍ଷରୁ ଶିଶୁସୁରକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ଖମାର, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ବିଶ୍ୱ ଯୁବକେନ୍ଦ୍ର, ବଣୀନାଳି ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ 'ଆକ୍ସେସ ଟୁ ଜଷ୍ଟିସ' ଅଧୀନ ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲା ପାଲଲହଡ଼ା ବ୍ଲକ ରୋହିଲା ପଞ୍ଚାୟତ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ସଚେତନତା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ପଞ୍ଚାୟତର ସରପଞ୍ଚ, ୱାର୍ଡ ମେମ୍ବର, ସିଆରପି, ମିଶନ ଶକ୍ତି, ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋଚନା ହୋଇଥିଲା। ଜିଲ୍ଲାରେ ଶିଶୁମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କ ଅଧିକାରରୁ ବଞ୍ଚିତ କରି ବାଲ୍ୟବିବାହ, ଶିଶୁ ଚାଲାଣ, ଶିଶୁ ଯୌନ ନିର୍ଯାତନା, ଶିଶୁ ଶ୍ରମିକ, ତଥା ଜୀବନ ପ୍ରତି ବିପଦ ଥିବା କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜନ ଓ ଏହାର ଭୟାବହତା ଉପରେ ବିଶେଷ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା। ବାଲ୍ୟ ବିବାହ ତଥା ଶିଶୁଙ୍କୁ ଶ୍ରମରେ ନିୟୋଜିତ କରୁଥିବା ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ଭାରତୀୟ ଆଇନ ଅନୁଯାୟୀ ଦଣ୍ଡବିଧାନ, ନିୟମାବଳୀ ଓ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶିଶୁର ମୁଖ୍ୟ ଚାରିଟି ଅଧିକାର ଉପରେ ଆଲୋଚନା ହୋଇଥିଲା। ବିଶ୍ୱ ଯୁବକେନ୍ଦ୍ରର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ମନୋଜ କୁମାର ମହାପାତ୍ର ଓ ପୂଜା ସ୍ୱାଇଁଙ୍କ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ପ୍ରକଳ୍ପ ସହଯୋଗୀ ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ନାଏକ ସଭା ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ।

## ଟ୍ରାନ୍ସଫର୍ମର ପୋଡ଼ି ୫ ଦିନ ହେବ ଗ୍ରାମ ଅନ୍ଧାର

ବଇଣ୍ଡା, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲା ଆଠମଲ୍ଲିକ ବ୍ଲକ ପାଇକସାହି ଗ୍ରାମରେ ଲାଗିଥିବା ୧୦୦ କେଭି ଟ୍ରାନ୍ସଫର୍ମର ବୁଧବାର ବଜ୍ରପାତରେ ପୋଡ଼ିଯାଇଛି। ୫ ଦିନ ବିତିଯାଇଥିଲେ ମଧ ନୂତନ ଟ୍ରାନ୍ସଫର୍ମର ଲଗାଯାଇ ନ ଥିବାରୁ ଗ୍ରାମ ୧୫୦ ପରିବାର ଅନ୍ଧାରରେ ରହିଛନ୍ତି। ଏଥିସହ ହାଇସ୍କୁଲ, ବ୍ୟାଙ୍କଗୁଡ଼ିକୁ ମଧ ଏହି ଟ୍ରାନ୍ସଫର୍ମରରୁ ବିଦୁତ ଯୋଗାଣ ହେଉଥିଲା। ଟ୍ରାନ୍ସଫର୍ମର ପୋଡ଼ିଯାଇଥିବାରୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ତଥା ବ୍ୟାଙ୍କ କର୍ମଚାରୀ ଓ ଗ୍ରାହକ ନାହିଁ ନ ଥିବା ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଛନ୍ତି। ଏ ନେଇ ଗ୍ରାମବାସୀ ବଇଣ୍ଡା ବିଦ୍ୟୁତ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ ମଧ ନୂତନ ଟ୍ରାନ୍ସଫର୍ମର ଲଗାଯାଉ ନାହିଁ। ତୁରନ୍ତ ଏଥିପ୍ରତି ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀ ଦୃଷ୍ଟିଦେଇ ପଦକ୍ଷେପ ନେବାକୁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି ହୋଇଛି।

## ଘରୁ ନାଗସାପ ଉଦ୍ଧାର

କିଶୋରନଗର/ବଇଣ୍ଡା, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଠାକୁରଗଡ଼ ଥାନା ଝିଲିମୁଣ୍ଡା ଗ୍ରାମର ସଞ୍ଜୁ ପ୍ରଧାନଙ୍କ ଘରୁ ରବିବାର ଏକ ନାଗସାପ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଛି। ସାପକୁ ଦେଖି ସଞ୍ଜୁ ସାପ ଉଦ୍ଧାରକାରୀ ମାଧପୁର ଅଞ୍ଚଳର ସିଦ୍ଧେଶ୍ୱର ରଥଙ୍କୁ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ। ସିଦ୍ଧେଶ୍ୱର ସୁରକ୍ଷିତ ଅବସ୍ଥାରେ ସାପକୁ ଉଦ୍ଧାର କରି ନିକଟସ୍ଥ ଜଙ୍ଗଲରେ ଛାଡ଼ିଥିଲେ।

## ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକଙ୍କୁ ଅବସରକାଳୀନ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା

କିଶୋରନଗର, ୨୯ ।୬(ସମିସ): କିଶୋରନଗର ବ୍ଲକ ହିମିତିରା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ପ୍ରଶାନ୍ତ କୁମାର ପ୍ରଧାନଙ୍କୁ ଅବସରକାଳୀନ ବିଦାୟ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି। ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ କପିଳ ପ୍ରସାଦ ସାହୁଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଆୟୋଜିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ରୂପେ ମୃତ୍ୟୁଞ୍ଜୟ ପ୍ରଧାନ, ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ଅଧ୍ୟାପକ ତରଣୀସେନ ସାହୁ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ରୂପେ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ରଞ୍ଜିତ କୁମାର ସାହୁ, ଉଦୟନାଥ ସାହୁ, ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ସିଂ, ସସ୍ମିତା ମାଝୀ, ସିଦ୍ଧେଶ୍ୱର ରଣା ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ପରିଚାଳନା କମିଟି ସଦସ୍ୟ, ଗ୍ରାମବାସୀ ଓ ବହୁ ମାନ୍ୟଗଣ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତି ତଥା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ପ୍ରଧାନଙ୍କୁ ପ୍ରଶଂସାପତ୍ର, ଉତ୍ତରୀୟ ଓ ଉପଢୌକନ ପ୍ରଦାନ କରି ବିଦାୟ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ଜ୍ଞାପନ କରିଥିଲେ। ଶିକ୍ଷକ କିଶୋରଚନ୍ଦ୍ର ବିଶ୍ୱାଳ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସଂଯୋଜନା କରିଥିବା ବେଳେ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ପ୍ରତିଭା ପ୍ରଧାନ ମାନପତ୍ର ପାଠ କରିଥିଲେ। ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ଉଦିତ ପ୍ରଧାନ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

# ଯୁଆଙ୍ଗସାହି ବାସିନ୍ଦାଙ୍କ ପାଇଁ 'ଆବାସ' ସାତସପନ

ଖମାର, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ରାଜ୍ୟ ଏବଂ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗରିବ ଅସହାୟ ଲୋକଙ୍କୁ ଆବାସ ଯୋଜନା ଜରିଆରେ ଘର ଯୋଗାଇ ଦିଆଯାଉଛି। ଲୋକପ୍ରତିନିଧିଙ୍କ ସୁପାରିସ ତଥା ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ତଦନ୍ତ କରାଯାଇ ଏଥିନିମନ୍ତେ ଯୋଗ୍ୟ ହିତାଧିକାରୀ ଚୟନ କରାଯାଉଛି। ତେବେ ତେଲିଆ ମୁଣ୍ଡରେ ତେଲ ମାରିଲା ଭଳି ଥିଲାବାଲା ତଥା ଅଯୋଗ୍ୟଙ୍କୁ ଘର ଦେଇ ଯୋଗ୍ୟ ହିତାଧିକାରୀଙ୍କୁ ଅଣଦେଖା କରାଯାଉଛି। ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲା ପାଲଲହଡ଼ା ବ୍ଲକ ଖମାର ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଆଲୋରୀ ପଞ୍ଚାୟତ ବୁରୁବୁରା ଗ୍ରାମରେ ସ୍ଥାୟୀଭାବେ ବାସ କରୁଥିବା ୧୨ ଯୁଆଙ୍ଗ ଆଦିବାସୀ ପରିବାର ଏପରି ପ୍ରତାରଣାର ଶିକାର ହୋଇଛନ୍ତି। ଏମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଆବାସ ଯୋଜନା ଯେପରି ସାତସପନ ପାଲଟିଛି।

ବୁରୁବୁରା ଗ୍ରାମରେ ଅଧିକାଂଶ ସାଧାରଣ ବର୍ଗ ଏବଂ ପଛୁଆ ବର୍ଗର ଲୋକେ ବାସ କରନ୍ତି। ମାତ୍ର ୧୨ଟି ଜୁଆଙ୍ଗ ଆଦିବାସୀ ପରିବାର ଏହି ଗ୍ରାମରେ ରୁହନ୍ତି। ତେବେ ଏହି ୧୨ ପରିବାରକୁ ଆଜିପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସରକାରୀ ଆବାସ ଗୃହ ମିଳିନାହିଁ। ଏହାର କାରଣ ପଚାରିଲେ ନା ସରପଞ୍ଚ ନା ଅଧିକାରୀ କେହି ମୁହଁ ଖୋଲୁନାହାନ୍ତି। ଏହି ଗରିବ ପରିବାରକୁ ତୁରନ୍ତ ଆବାସ ଯୋଜନାରେ ଘର ଯୋଗାଇ ଦେବାକୁ ଦାବି ହୋଇଛି।

# ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ନିଶାଦ୍ରବ୍ୟ ଏବଂ ଚୋରା ଚାଲାଣ ନିରୋଧ ଦିବସ ପାଳିତ

ଅନୁଗୋଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଜିଲ୍ଲା ସାମାଜିକ ସୁରକ୍ଷା ବିଭାଗ ଓ ସ୍ୱେଚ୍ଛାସେବୀ ସଂଗଠନ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ଗାନ୍ଧୀମାର୍ଗସ୍ଥିତ ସରସ୍ୱତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟା ମନ୍ଦିରରେ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ନିଶାଦ୍ରବ୍ୟ ଏବଂ ଚୋରା ଚାଲାଣ ନିରୋଧ ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଛି। ଏଥିରେ ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟର ମାନସିକ ରୋଗ ବିଶେଷଜ୍ଞ ଡା. ରଶ୍ମିତା ଭଞ୍ଜଦେଓ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ଡ୍ରଗ୍ସ ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ନିଶାଦ୍ରବ୍ୟ ଅପବ୍ୟବହାର ଏକ ଚିନ୍ତାଜନକ ବିଷୟ ହୋଇଛି ବୋଲି ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ। ନିଶାଦ୍ରବ୍ୟ ଅପବ୍ୟବହାର ତଥା ଅବୈଧ ଚାଲାଣ ରୋକିବା ପାଇଁ ଏହି ଦିବସ ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱରେ ୧୯୮୭ରୁ ଜାତିସଂଘର ସ୍ୱୀକୃତି କ୍ରମେ ପାଳିତ ହେଉଛି। ତେଣୁ ସମସ୍ତ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସଚେତନତା ଏବଂ ଭାଗିଦାରୀ ଦ୍ୱାରା ଏହି ଦିବସ ପାଳନର ସୁଫଳ ମିଳିପାରିବ ବୋଲି କହିଥିଲେ।

ଶରୀର ତତ୍ତ୍ୱ ବିଭାଗର ସହକାରୀ ପ୍ରାଧ୍ୟାପକ ଡା. ମନୋଜ କୁମାର ଦେହୁରୀ, ଜିଲ୍ଲା ସାମାଜିକ ସୁରକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ନାରାୟଣ ମହାପାତ୍ର, ନୀଳାଦ୍ରି ବିହାରୀ ନାୟକ, ଜିଲ୍ଲା ଅବକାରୀ ବିଭାଗ ଉପ-ଅଧିକ୍ଷକ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ସରସ୍ୱତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟା ମନ୍ଦିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଡ. ସିଦ୍ଧନାଥ ସାହୁ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିବା ବେଳେ ସମାଜସେବୀ ବିଭୁ ଶତପଥୀ ସଭା ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ହୋଇଥିବା ଚିତ୍ରାଙ୍କନ ପ୍ରତିଯୋଗିତାର କୃତୀ ପ୍ରତିଯୋଗୀଙ୍କୁ ପୁରସ୍କୃତ କରାଯାଇଥିଲା।

# ଘୋଷଯାତ୍ରାରେ ସତ୍ୟ ସନାତନୀ ସଂଗଠନ ପକ୍ଷରୁ ପ୍ରସାଦ ବଣ୍ଟନ

ତାଳଚେରସଦର, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ପବିତ୍ର ଘୋଷଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ସତ୍ୟ ସନାତନୀ ସଂଗଠନ ପକ୍ଷରୁ ତାଳଚେର ବଡ଼ଦାଣ୍ଡରେ ଭକ୍ତଙ୍କୁ ପ୍ରସାଦ ବଣ୍ଟନ କରାଯାଇଛି। ଏଥିରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଢେଙ୍କାନାଳ ସାଂସଦ ରୁଦ୍ରନାରାଣ ପାଣି, ବିଜେପି ଜିଲ୍ଲା ସଭାପତି ଯଯାତି ପଟ୍ଟନାୟକ, ବିଧାୟକ ବ୍ରଜକିଶୋର ପ୍ରଧାନ, ନଗରପାଳ ପବିତ୍ର ଭୂତିଆ, ସମାଜସେବୀ ବିଭୂତି ସାହୁ, ନାରୀନେତ୍ରୀ ଯସ୍ମିନ ପ୍ରଧାନ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କୁ ପ୍ରସାଦ ବଣ୍ଟନ କରିବା ସହ ସଂଗଠନର କର୍ମକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିଥିଲେ। ସଂଗଠନର ସଭାପତି ପଦ୍ମନ ଜେନା, ସମ୍ପାଦକ କୃତିସୁନ୍ଦର ମହାରଣା, ଗୋସେବକ ସଞ୍ଜୟ ମହାପାତ୍ର, କ୍ଷେତ୍ରବାସୀ ନାୟକ, କାଉନସିଲର ସନ୍ତୋଷ ବେହେରା, ସନ୍ତୋଷ ସାହୁ, ସୁବାସିନୀ ବେହେରା, ସରୋଜ ମହାନ୍ତ, ଦେବାଶିଷ ବିଶି, ପ୍ରତିମା ମିଶ୍ର, ସୁଭାଷିନୀ ମହାପାତ୍ର, ଉର୍ମିଳା ଦେହୁରୀ, ଆଇନଜୀବୀ ଉଚ୍ଛନ୍ନ ପଟ୍ଟନାୟକ, ଅମରେଶ ମିଶ୍ର ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

# ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ 'ମନ୍ କୀ ବାତ୍' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ଅନୁଗୋଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦିଙ୍କ ପ୍ରତି ମାସ ଶେଷ ରବିବାର ପୂର୍ବାହ୍ନ ୧୧ଟାରୁ ସାଢ଼େ ୧୧ଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ମନ୍ କୀ ବାତ୍ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବିଭିନ୍ନ ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ପ୍ରସାରିତ ହୋଇଆସୁଛି। ଏହି କ୍ରମରେ ୧୨୩ତମ ମନ କୀ ବାତ୍ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଜିଲ୍ଲାରେ ଶତାଧିକ ସ୍ଥାନରେ ବିଭିନ୍ନ ନେତୃବର୍ଗ ଶୁଣିଛନ୍ତି। ଅନୁଗୋଳ ବିଧାୟକ ପ୍ରତାପ ଚନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ତାଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଢେଙ୍କାନାଳ ସାଂସଦ ରୁଦ୍ରନାରାୟଣ ପାଣି ମନ କୀ ବାତ୍ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଦେଖିଥିଲେ। ତତ୍କାଳୀନ କଂଗ୍ରେସ ସରକାର କିଭଳି ଗଣତନ୍ତ୍ରକୁ ବନ୍ଦୀ କରି ଦେଶରେ ଜରୁରୀ ପରିସ୍ଥିତି ଲାଗୁ କରି ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଲୋକଙ୍କୁ ଜେଲ ପଠାଇଥିଲେ ସେ ବିଷୟରେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ କହିଥିଲେ। ସାଂସଦ ପାଣି ସେ ସମୟରେ ଜରୁରୀ ପରିସ୍ଥିତିର ଶିକାର ହୋଇ ଜେଲ୍ ଭୋଗିଥିଲେ ଓ ତାଙ୍କର ଗୋଟିଏ ବର୍ଷ କଲେଜ ପାଠପଢ଼ା ନଷ୍ଟ ହୋଇଥିଲା ସେ ବିଷୟରେ ଉପସ୍ଥିତ କର୍ମକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ କହିଥିଲେ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରାକ୍ତନ ଜିଲ୍ଲା ସଭାପତି ଦିଲେଶ୍ୱର ପ୍ରଧାନ, ରାଜ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକାରିଣୀ ସଦସ୍ୟା ପ୍ରତିମା ମିଶ୍ର, ଜିଲ୍ଲା ପରିଷଦ ସଦସ୍ୟା ମୀରା ଗଡ଼ନାୟକ, ବସନ୍ତ ମଞ୍ଜରୀ ପ୍ରଧାନ, ଶୋଭାଗିନୀ ଦାସ, ଦିଲୀପ ଦାସ, ପ୍ରଭାତ ପ୍ରଧାନ, ମଣ୍ଡଳ ସଭାପତି ପଵନ ମାଣ୍ଡୋଠିଆ, ପ୍ରାକ୍ତନ ମଣ୍ଡଳ ସଭାପତି ପ୍ରଦୀପ ରାଉତ, ସମୀର ପରିଡ଼ାଙ୍କ ସମେତ ବହୁ କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତା ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

# ଶହ ଶହ ବର୍ଷର ଶାଳ ଗଛ କାଟି ଜଙ୍ଗଲରେ ପୋଖରୀ ନିର୍ମାଣ

ଛେଣ୍ଡିପଦା, ୨୯ ।୬(ସମିସ)

ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲା ଛେଣ୍ଡିପଦା ବନାଞ୍ଚଳ ଦେବୀନଗର ସଂରକ୍ଷିତ ଜଙ୍ଗଲରେ ଶହ ଶହ ବର୍ଷର ଶାଳଗଛ କାଟି ପୋଖରୀ ନିର୍ମାଣ କରୁଛି ବନବିଭାଗ। ଯାହାକୁ ନେଇ ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି ଶିମିଳିପାଳ ଓ ବାଗଡ଼ିଆ ପଞ୍ଚାୟତବାସୀ। ଦେବୀନଗର ସଂରକ୍ଷିତ ଜଙ୍ଗଲରେ ରବିବାର ଅପରାହ୍ନରେ ବନବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ବାନ୍ୟଜନ୍ତୁଙ୍କ ପିଇବା ପାଣି ପାଇଁ ପୋଖରୀ ଖୋଳାଯାଉଛି। ଏହି ଜଙ୍ଗଲରେ ଥିବା ଶହ ଶହ ବର୍ଷର ଶାଳଗଛକୁ ବଡ଼ ପୋକଲିନ ମେସିନ ଲଗାଇ ଧରାଶାୟୀ କରାଯାଇଛି। ପୋଖରୀ ଖନନ ପାଇଁ ବନ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ କୌଣସି ସୂଚନା ଫଳକ ଲଗାଯାଇନାହିଁ। ଶିମିଳିପାଳ ଫରେଷ୍ଟ ଗାର୍ଡ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟ ତଦାରଖ କରୁଛନ୍ତି। ତେବେ ପୋଖରୀ ଖନନ ପାଇଁ କିଏ ଅନୁମତି ଦେଇଛନ୍ତି ଏବଂ କେଉଁ ଯୋଜାନାରେ କରାଯାଉଛି ତାହାର ଉତ୍ତର ସେ ଦେଇପାରି ନ ଥିଲେ। ସରକାର ବର୍ତ୍ତମାନ ମା' ପାଇଁ ଗଛଟିଏ ନାରା ଦେଇ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ଚାରାରୋପଣ କରୁଥିବା ବେଳେ

**● ଛେଣ୍ଡିପଦା ବନାଞ୍ଚଳ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ମନମୁଖି କାର୍ଯ୍ୟ**
**● ଆଗକୁ ମରୁଭୂମି ପାଲଟିଯିବ ଛେଣ୍ଡିପଦା ଅଞ୍ଚଳ**

ବନାଞ୍ଚଳ ଅଧିକାରୀ କିପରି ଶହ ଶହ ବର୍ଷର ଗଛ କାଟୁଛନ୍ତି ତାହା ଏବେ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ରବିବାର ବାଗଡ଼ିଆ ଭିଏସ୍ଏସ୍ର ସଭାପତି ଓ କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାମାନେ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି କାର୍ଯ୍ୟ ବନ୍ଦ କରିଛନ୍ତି। ଏହାର ପୁଙ୍ଖାନୁପୁଙ୍ଖ ତଦନ୍ତ ପରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରାଯିବ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି। ନଚେତ୍ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ବନାଞ୍ଚଳ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଘେରଉ କରିବା ପାଇଁ କଡ଼ା ଚେତାବେନୀ ଦେଇଛନ୍ତି ଶିମିଳିପାଳ ସରପଞ୍ଚ ଗିରୀଶ ଚନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ। ଏନେଇ ବନ ସଂରକ୍ଷଣ ସମିତି ସଦସ୍ୟ ସୁରେଶ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି ଯେ କଟାଯାଉଥିବା ଏହି ଗଛକୁ ଗ୍ରାମବାସୀ ଅକ୍ଲାନ୍ତ ପରିଶ୍ରମ କରି ଲାଳନପାଳନ କରିଛନ୍ତି। ତାକୁ ଏପରି ଭାବେ କାଟି ପରିବେଶକୁ ନିଜେ ନଷ୍ଟ କରୁଛି ବନବିଭାଗ। ଏହାର ତଦନ୍ତ କରିବା ସହିତ ବନାଞ୍ଚଳ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ବଦଳି ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପାଇଁ ଅନୁଗୋଳ ବନଖଣ୍ଡ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ମୋବାଇଲ ନମ୍ବର ୯୪୩୭୦୩୦୩୨୨ରେ ଯୋଗାଯୋଗ କରାଯାଇଥିଲେ ମଧ ସେ ଫୋନ ଉଠାଇ ନ ଥିଲେ। ବନାଞ୍ଚଳ ଅଧିକାରୀ ଛୁଟିରେ ଥିବାରୁ ତାଙ୍କ ସହ ଯୋଗାଯୋଗ ହୋଇପାରିନାହିଁ।

ତୁଳସୀକ୍ଷେତ୍ର ରଥଯାତ୍ରାରେ ବିଭ୍ରାଟ

# ତୃତୀୟ ଦିନରେ ବି ଚକଡ଼ା ଲାଗିପାରିଲାନି ବ୍ରହ୍ମତାଳଧ୍ୱଜ ରଥ

କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା,୨୯।୬(ସମିସ):

ତୁଳସୀ କ୍ଷେତ୍ରାଧୀପତି ବଳଦେବଜୀଉଙ୍କ ରଥଯାତ୍ରାରେ ବିଭ୍ରାଟ ଲାଗି ରହିଛି। ଆଜି ତୃତୀୟ ଦିବସରେ ବି ବ୍ରହ୍ମତାଳଧ୍ୱଜ ରଥ ଚକଡ଼ା ଲାଗିପାରିନି। ଚନ୍ଦନପୋଖରୀ ନିକଟରେ ବାମକୁ ମାଡ଼ିଯାଇ ରଥ ଅଟକିଛି। ରେଳ ବିଭାଗ କର୍ମଚାରୀ ରଥକୁ ସଳଖ କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟମ ଜାରି ରଖିଛନ୍ତି। ଏହି ବିଭ୍ରାଟ ପାଇଁ ପ୍ରଶାସନକୁ ବିଭିନ୍ନ ମହଲରୁ ସମାଲୋଚନା କରାଯାଉଛି। ରଥ ଠିକ୍‌ରେ ନ ଚାଲିବାକୁ ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ପୂର୍ବରୁ ପ୍ରସ୍ତୁତି ହୋଇଥିଲା କି ? ସେଥିପାଇଁ ଜଗ ଓ ଯନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ରଥ ଟାଣିବା ପୂର୍ବରୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ରଖାଯାଇଥିଲା। ତେବେ ପ୍ରଶାସନ ଆଗରୁ ଜାଣିଥିଲା ଚଳିତ ବର୍ଷ ରଥ ନିର୍ମାଣରେ କିଛି ତ୍ରୁଟି ରହିଛି। ନଚେତ୍ ତୃତୀୟ ଦିନରେ ରଥ ମାଉସୀମା' ମନ୍ଦିର ପହଞ୍ଚି ପାରିଲାନି ବୋଲି ଭକ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛନ୍ତି। ରଥ ନିର୍ମାଣରେ ବୈଷୟିକ ତ୍ରୁଟି ଯୋଗୁ ରଥ ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚକଡା ଲାଗିପାରୁନି ବୋଲି ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ତେବେ ସେବାୟତ ଏହି ବିଭ୍ରାଟର ତଦନ୍ତ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

**⏭ ଚନ୍ଦନପୋଖରୀ ନିକଟରେ ବାମକୁ ମାଡ଼ି ଅଟକିଲା**
**⏭ ବାହୁଡ଼ା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରଥ ମାଉସୀମା' ଘରେ ପହଞ୍ଚିବ ତ !**
**⏭ ବିଭ୍ରାଟର ତଦନ୍ତ ଦାବିକଲେ ସେବାୟତ**

ଆଜି ତୃତୀୟ ଦିନରେ ବ୍ରହ୍ମତାଳଧ୍ୱଜ ମାତ୍ର ୨୦୦ ମିଟର ଗଡିଛି। ଶନିବାର ୩୦୦ ମିଟର ଗଡିଥିଲା। ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରରୁ ମାଉସୀମା'ଙ୍କ ମନ୍ଦିର ହେଉଛି ଏକ କିଲୋମିଟର। ରଥ ଯଦି ତିନିଦିନରେ ମାତ୍ର ୫୦୦ ମିଟର ଗଡିଛି, ତେବେ ଏକ କିଲୋମିଟର ଗଡ଼ିବା ପାଇଁ କେତେ ଦିନ ଲାଗିବ ବୋଲି ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛନ୍ତି। ବାହୁଡ଼ା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରଥ ମାଉସୀମା' ଘରେ ପହଞ୍ଚିବ କି ନାହିଁ ସେନେଇ ଭକ୍ତ ଏବେ ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱରେ ପଡ଼ିଛନ୍ତି। ପ୍ରଶାସନର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ତ୍ରୁଟି ରହିଥିବାରୁ ଆଜି ଏଭଳି ଅବସ୍ଥା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି ବୋଲି ଜଣେ ସେବାୟତ କହିଛନ୍ତି। ଶନିବାର ରଥଟଣାକୁ ନେଇ ହୋଇଥିବା ବିଭ୍ରାଟକୁ ନେଇ ରାତିରେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ବୈଠକ ବସିଥିଲା। ବୈଠକରେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଅନୁଯାୟୀ ରବିବାର ରଥକୁ ଟଣାଯିବାକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଥିଲା। ରଥଟଣା ହେବାର କିଛି ସମୟ ପରେ ପୁଣିଥରେ ବାମମୋଡ଼ ନେଇଥିଲା। ଏନେଇ ବଳଦେବଜୀଉ ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ ତୃତୀୟ ଦିନରେ ଅପରାହ୍ନ ପ୍ରାୟ ୧୨ଟାରେ ରଥ ଗଡିବା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ରଥ ମାତ୍ର ୨୦୦ ମିଟର ଗଡ଼ିବା ପରେ ପୁନର୍ବାର ବାମ ପାଶ୍ୱର୍କୁ ମାଡି ଯାଇଥିଲା। ଏହାପରେ ସୂର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ ହୋଇଯାଇଥିଲା। ଫଳରେ ରଥଟଣା ବନ୍ଦ ହୋଇଥିଲା । ସୋମବାର ରଥକୁ ନେଇ ମାଉସୀମା'ଙ୍କ ମନ୍ଦିରରେ ଲଗାଯିବା ପାଇଁ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଯିବ ବୋଲି ମନ୍ଦିର ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି।

• ବାଂଲାଦେଶୀ ସନ୍ଦେହରେ ୨୧ ଜଣଙ୍କୁ ଉଠାଇ ନେଲା ପୁଲିସ

## କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାରେ ଚାଲିଛି ପଚରାଉଚରା ଓ ଯାଞ୍ଚ

ରାଜନଗର,୨୯।୬(ସମିସ): ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝି କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଗ୍ରସ୍ତରେ ଆସିଥିବାବେଳେ ବାଂଲା ଅନୁପ୍ରବେଶକାରୀଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପରେ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ବାଂଲା ଅନୁପ୍ରବେଶକାରୀଙ୍କୁ ଚିହ୍ନଟ କରିବାକୁ ଯାଞ୍ଚ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରମ୍ଭ କରିଛି। ଦୁଇଦିନ ଭିତରେ ରାଜନଗର ଥାନା ଓ ତାଳଚୁଆ ସାମୁଦ୍ରିକ ଥାନା ଅଞ୍ଚଳରୁ ୨୧ ଜଣଙ୍କୁ ଉଠାଇ ନେଇ ଅଟକ ରଖି ନାଗରିକତା ପ୍ରମାଣପତ୍ର ଯାଞ୍ଚ କରୁଥିବା ଜଣାପଡିଛି।ସୂଚନା ମୁତାବକ, ତାଳଚୁଆ ସାମୁଦ୍ରିକ ଥାନା ପୁଲିସ ରାଜେନ୍ଦ୍ରନଗର ଗ୍ରାମରୁ ଜଣେ ଓ ରଙ୍ଗଣୀ ଅଞ୍ଚଳରୁ ଜଣଙ୍କୁ ଉଠାଇ ନେଇଛି। ରାଜନଗର ଥାନା ପୁଲିସ ଗତକାଲି ଓ ଆଜି ଦୁଇଦିନରେ କେରେଡାଗଡ ଗାଁରୁ ୮ ଜଣ ଓ ଗୋପାଳପୁରରୁ ୧୧ ଜଣଙ୍କୁ ଉଠାଇ ନେଇଛି। ଦୁଇଟି ଥାନା ଅଞ୍ଚଳରୁ ୨୧ ଜଣଙ୍କୁ ପୁଲିସ ଉଠାଇ ନେଇ କେନ୍ଦ୍ରପଡ଼ା ପଠାଇ ଦେଇଛି। କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାରେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଟିମ ୨୧ ଜଣଙ୍କ ନାଗରିକତା ପ୍ରମାଣପତ୍ର ଯାଞ୍ଚ କରୁଥିବା ଜଣାପଡିଛି। ୭୦ ଦଶକ ପରଠୁ ବାଂଲା ଅନୁପ୍ରବେଶକାରୀ ହଜାର ହଜାର ସଂଖ୍ୟାରେ ସମୁଦ୍ର ପାରି ହୋଇ ଆମ ଜିଲ୍ଲାର ଉପକୂଳବର୍ତ୍ତୀ ଅଞ୍ଚଳରେ ପ୍ରବେଶ କରି ସ୍ଥାନୀୟ କୁଜି ନେତା ଓ କିଛି ଅସାଧୁ ଅଫିସରଙ୍କୁ ମୋଟା ଅଙ୍କର ଅର୍ଥ ପ୍ରଦାନ କରି ଚତୁରତାର ସହିତ ଭାରତୀୟ ନାଗରିକ ଓ ପରେ ଆଧାର କାର୍ଡ ହାତେଇବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛନ୍ତି। ଯାହା ଏବେ ସାଧାରଣ ଓଡ଼ିଆଙ୍କ ପାଇଁ ମୁଣ୍ଡବିନ୍ଧାର କାରଣ ହୋଇଛି। ସେମାନଙ୍କ ଦାଖଲରେ ଏବେ ଜିଲ୍ଲାର ମହାକାଳପଡା ଓ ରାଜନଗର ବ୍ଲକ୍‌ର ୧୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ପଞ୍ଚାୟତ ରହିଛି। ଅତୀତରେ ଏହି ବାଂଲାଦେଶୀ ବ୍ଲକ୍‌ର ଉପାନ୍ତ ବନିପାଳଠାରେ ୨୦୦୧ରେ ନକଲି ରେଡ଼ିଓ ଷ୍ଟେସନ ସ୍ଥାପନ କରି ଆମ ଅଞ୍ଚଳର ବହୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ତଥ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିବାବେଳେ ପୁଲିସ ହାତରେ ଧରାପଡ଼ିଥିଲେ। ସେମାନେ ନକଲି ନୋଟ କାରବାର, ମୂର୍ତ୍ତି ଚୋରି ଭଳି ବହୁ ଅସାମାଜିକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଲିପ୍ତ ରହୁଛନ୍ତି। ଏ ଦିଗରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଓଡିଆ ଜାଗ୍ରତ ରହିବା ସହିତ ସେମାନଙ୍କୁ ତଡ଼ିବାରେ ସହଯୋଗର ହାତ ବଢ଼ାଇବା ଜରୁରୀ ହୋଇପଡ଼ିଛି।

ଦାନପୁର-ଅସୁରେଶ୍ୱର ନଦୀବନ୍ଧ ରାସ୍ତା ଅସାମାଜିକଙ୍କ ଆଡ୍ଡାସ୍ଥଳୀ

## ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ଯିବାକୁ ଅସୁରକ୍ଷିତ ମଣୁଛନ୍ତି ଯାତ୍ରୀ

ଡେରାବିଶ,୨୯।୬(ସମିସ): ଡେରାବିଶ ବ୍ଲକ୍‌ର ଦାନପୁର ଲୁଣାନଦୀ ପୋଲଠାରୁ କଟକ ଜିଲ୍ଲାର ଅସୁରେଶ୍ୱର ପୋଲ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଲୁଣା ନଦୀବନ୍ଧ ବାମପାଶ୍ୱର୍ ରାସ୍ତା ଏବେ ଅସାମାଜିକଙ୍କ ଆଡ୍ଡାସ୍ଥଳୀ ପାଲଟିଛି। ଫଳରେ ଯାତ୍ରୀ ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ଯିବା ପାଇଁ ଅସୁରକ୍ଷିତ ମଣୁଛନ୍ତି। ଏବେ ସରକାରଙ୍କ ନଦୀବନ୍ଧ ସୁଦୃଢ଼ୀକରଣ ଯୋଜନାରେ କଟକ ନର୍ଥ ଡିଭିଜନ ଜଳ ସମ୍ପଦ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ନଦୀବନ୍ଧକୁ ସୁଦୃଢ଼ୀକରଣ ଓ ପ୍ରଶସ୍ତୀକରଣ କରାଯାଇ ଯାତାୟତ ପାଇଁ ପଚୁ ରାସ୍ତା ନିର୍ମାଣ କରାଯାଇଛି। କଟକ-ଚାନ୍ଦବାଲି ରାଜ୍ୟ ରାଜପଥ ଭିଡ଼ ଏଡ଼ାଇବା ପାଇଁ ବହୁ ଲୋକ ଏହି ରାସ୍ତାକୁ କଟକ ଓ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଯିବା ପାଇଁ ବିକଳ୍ପ ରାସ୍ତା ଭାବେ ବ୍ୟବହାର କରୁଛନ୍ତି। ଏଥିସହିତ ଦାନପୁରରୁ ଅସୁରେଶ୍ୱର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ୫ କିଲୋମିଟର ବ୍ୟାପୀ ରାସ୍ତାରେ ଅନ୍ୟ କୌଣସି ରାସ୍ତା ଅତିକ୍ରମ କରୁ ନ ଥିବାରୁ ବିନା ବାଧାରେ ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଯାନବାହନ ଯାତାୟତ କରୁଛି। ଏହି ରାସ୍ତାଟି ଏବେ ନିଶା ବେପାରୀଙ୍କ ଭୂସ୍ୱର୍ଗ ପାଲଟିଛି। ନଦୀବନ୍ଧର ନିରୋଳାର ସୁଯୋଗ ନେଇ କିଛି ଅସାମାଜିକ ବ୍ୟକ୍ତି ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଆଡ୍ଡା ଜମାଇ ଖୋଲାଖୋଲି ଭାବେ ନିଶାଦ୍ରବ୍ୟ ସେବନ କରୁଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଏଥିସହିତ ଭ୍ରାମ୍ୟମାଣ ନିଶା ବେପାରୀ ଫୋନ୍‌ରେ ଅର୍ଡର୍ ନେଇ ମଦ, ଗଞ୍ଜେଇ ଓ ଚରସ ଭଳି ମାରାତ୍ମକ ନିଶା ଯୋଗାଇ ଦେଉଛନ୍ତି। ତେଣୁ ପଥଭ୍ରଷ୍ଟ ନିଶାଡ଼ି ବିନା ଦ୍ୱିଧାରେ ଖୁଲମଖୁଲ ଭାବେ ଏହି ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ରହିଥିବା ବିଭିନ୍ନ ଗଛମୂଳରେ ବସି ରହି ନିଶା ସେବନ କରୁଛନ୍ତି। ନିଶାଡ଼ି ନିଶା ଖାଇବା ପାଇଁ ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ବାଇକ୍ ଓ ଚାରିଚକିଆ ଆରୋହୀଙ୍କୁ ଅଟକାଇ ଧମକଚମକ ଦେଇ ଟଙ୍କା ଆଦାୟ କରୁଥିବା ଅଭିଯୋଗ ଆସିଲାଣି। ଗତ ସପ୍ତାହରେ କେହି ଦୁର୍ବୃତ୍ତ ଅର୍ତ୍ତାମୂଳ ନିକଟରେ ହେଉଥିବା ଉଠାଜଳସେଚନ ପ୍ରକଳ୍ପର ପାଖାପାଖି ୧୫ଟି ଖୁଣ୍ଟରୁ ୧୧ କେଭି ତାରକୁ କାଟି ନେଇଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଥିଲା। ଏହି ୫ କିଲୋମିଟର ରାସ୍ତା ନଦୀ ଓ ନଦୀପଠାର ପ୍ରାକୃତିକ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟ, ମନୋରମ ପରିବେଶରେ ଭରପୁର ରହିଥିବାରୁ ପ୍ରତ୍ୟୁଷ ଓ ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ବହୁ ଜନସାଧାରଣ ଏହି ରାସ୍ତାର ପ୍ରାତଃଭ୍ରମଣ ଓ ସନ୍ଧ୍ୟା ଭ୍ରମଣ କରିଥା'ନ୍ତି। ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଦୈନିକ ଶହ ଶହ ସ୍କୁଲ ଓ କଲେଜ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ସମେତ ହାଜାର ହଜାର ଜନସାଧାରଣ ଯାତାୟତ କରିଥା'ନ୍ତି। ତେଣୁ ଏମାନଙ୍କ ସୁରକ୍ଷା ପାଇଁ ଉଭୟ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଓ କଟକ ଜିଲ୍ଲା ପୁଲିସ ପ୍ରଶାସନ ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଦିନ ଓ ରାତିରେ ପାଟ୍ରୋଲିଂ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଇବା ପାଇଁ ଅଞ୍ଚଳର ଜନସାଧାରଣ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

## ନୀଳମାଧବଙ୍କ ପୀଠରେ ରଥଯାତ୍ରା

ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ,୨୯।୬(ସମିସ): ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ପୌରାଞ୍ଚଳ ଅନ୍ତର୍ଗତ ବେଲତଳସ୍ଥ ଶ୍ରୀ ନୀଳମାଧବଜୀଉଙ୍କ ରଥଯାତ୍ରା ଆନନ୍ଦ ଉଲ୍ଲାସର ସହିତ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ପୂର୍ବରୁ ଶାରଦୀୟ ପୂଜା ଉତ୍ସବ ସମୟରେ ବେଲତଳ ନୀଳମାଧବ କମିଟି ପକ୍ଷରୁ ସହରରେ ନୀଳମାଧବ ପୂଜା ପାଇ ଆସୁଛନ୍ତି। ପୂଜା ମଣ୍ଡପ ଅଞ୍ଚଳରେ ଥିବା ବଜାରକୁ ନୀଳମାଧବ ବଜାର ନାମରେ ନାମିତ କରାଯାଇଛି। ତେବେ ବେଲତଳ ଗ୍ରାମରେ ଥିବା ମନ୍ଦିରରେ ପ୍ରଭୁ ନୀଳମାଧବ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ରୂପରେ ପୂଜା ପାଇ ଆସୁଥିବାବେଳେ ପ୍ରଭୁ ବଳଭଦ୍ର, ମା' ସୁଭଦ୍ରା

ପୂଜା ପାଉଛନ୍ତି। ପ୍ରତିବର୍ଷ ଭଳି ଚଳିତ ବର୍ଷ ମୁଖ୍ୟ ପୂଜକ ନବକିଶୋର ପଣ୍ଡାଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ରାଜକିଶୋର ତ୍ରିପାଠୀ, ସ୍ମୃତିରଞ୍ଜନ ପାଢ଼ୀ ପ୍ରମୁଖ ବେଦଜ୍ଞ ପଣ୍ଡିତ ବ୍ରାହ୍ମଣଙ୍କ ଯଥାବିଧି ପୂଜାର୍ଚ୍ଚନା ପରେ ପ୍ରଭୁ ବଳଭଦ୍ର, ପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥ, ମା' ସୁଭଦ୍ରାଙ୍କୁ ରଥାରୂଢ଼ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହାପରେ ସରୋଜ ପାଢୀଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ବେଲତଳ ମାଉସୀମା' ମନ୍ଦିର କମିଟି ସଦସ୍ୟ ପ୍ରଭୁ ନୀଳମାଧବ ରଥଯାତ୍ରାରେ ଯିବା ପାଇଁ ନିମନ୍ତ୍ରଣ କରିଥିଲେ। ପରେ ବିଧି ମୁତାବକ ସମାଜସେବୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ପ୍ରଧାନ ରଥରେ ଛେରା ପହଁରା କରିଥିଲେ। ନୀଳମାଧବ କମିଟି ସଭାପତି ଲଳିତ ପ୍ରଧାନ, ବରିଷ୍ଠ କାଉନସିଲର ଗୋପୀବଲ୍ଲବ ନାୟକ, ସମାଜସେବୀ ସନାତନ ବିଶ୍ୱାଳ, ତ୍ରିଲୋଚନ ପଣ୍ଡାଙ୍କ ପରିଚାଳନାରେ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ପ୍ରଭୁ ନୀଳମାଧବଙ୍କ ରଥକୁ ବେଲତଳ ବାସୁଦେବ ଠାକୁରଙ୍କ ନିକଟରେ ଥିବା ମାଉସୀମା' ମନ୍ଦିର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଟାଣି ନେଇଥିଲେ। ବରିଷ୍ଠ ନେତା ମିଟୁ ମନୋଜ ନାୟକ, ଯୁବନେତା ସୂର୍ଯ୍ୟକାନ୍ତ ନାୟକ ନୀଳମାଧବଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରି ଆଶୀର୍ବାଦ ଭିକ୍ଷା କରିଥିଲେ। ଏଥିରେ ଘୋଷକ ଭାବେ କଥାକାର ପ୍ରଦୀପ ନାୟକ, କବି ଗୌରାଙ୍ଗ ମହାନ୍ତି ଓ ପ୍ରମୋଦ ସାହୁ ପ୍ରମୁଖ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ବିଭୂତି ଦାଶ, ପୁରୁଷୋତ୍ତମ ସାହୁ, ରମେଶ ମହାରଣା, ରାଜେଶ ମହାରଣା, କାଉନସିଲର ପ୍ରତିନିଧି ପ୍ରଭାତ ମଳିକ, ଆଡଭୋକେଟ୍ ଗୋପୀନାଥ ତ୍ରିପାଠୀ, ରଶ୍ମିରଞ୍ଜନ ପାଢ଼ୀ, ସୁଧାଂଶୁ ଦାସ , ଶ୍ରୀବତ୍ସ ଦାସ ପ୍ରମୁଖ ପରିଚାଳନାରେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

• ଦଣ୍ଡାମୁଣ୍ଡ-ଇନ୍ଦୁପୁର ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ଚାଲିଛି ବାଲି ବେପାର

## କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ତହସିଲ ପକ୍ଷରୁ ଜବତ ହେଲା ବାଲି

ଡେରାବିଶ, ୨୯।୬(ସମିସ): ଡେରାବିଶ ତହସିଲ ଅଧୀନସ୍ଥ ବାରିମୂଳ ପଞ୍ଚାୟତ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଦଣ୍ଡାମୁଣ୍ଡ-ଇନ୍ଦୁପୁର ରାସ୍ତାର ନାଗେଶ୍ୱରପୁର, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଦ୍ୟାଳୟ ସମ୍ମୁଖ ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ବେଧଡ଼କ ଭାବେ ବାଲି ଜମା ରଖାଯାଇ ବିକ୍ରି କରାଯାଉଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଏହି ରାସ୍ତାର କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ତହସିଲ ଅଧୀନରେ ରହିଥିବା ସ୍ଥାନରୁ ଖଣି ବିଭାଗ

ପକ୍ଷରୁ ଜମା ହୋଇଥିବା ବାଲିକୁ ପୁଲିସ୍ ଓ ତହସିଲ ପ୍ରଶାସନ ମାଧ୍ୟମରେ ଜବତ କରାଯାଇଛି। ତେବେ ଖଣି ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ଏହି ରାସ୍ତାର ଡେରାବିଶ ତହସିଲ ଅଧୀନରେ ଥିବା ବାଲିଗଦା କେବେ ଜବତ କରାଯିବ ତାହାକୁ ନେଇ ଅଞ୍ଚଳର ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛନ୍ତି।

ଏହି ରାସ୍ତାଟି କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାରୁ ଇନ୍ଦୁପୁରକୁ ଏକ ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତା ହୋଇଥିବାବେଳେ ଏହି ରାସ୍ତାର ଦୁଇ କଡ଼ରେ ବହୁ ବ୍ୟକ୍ତିବିଶେଷ ଘରଦ୍ୱାର କରି ରହିବା ସହ ବ୍ୟବସାୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ କରିଛନ୍ତି। ବାରିମୂଳଠାରେ ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ଅବସ୍ଥାନ ସ୍ମୃତିରେ ରହିଥିବା ଗାନ୍ଧୀ ସ୍ମୃତିପୀଠ, ବାରିମୂଳ ବିଦ୍ୟାଳୟ, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଦ୍ୟାଳୟ, ଡେରାବିଶ ବ୍ଲକ୍ ମତ୍ସ୍ୟବିଭାଗ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ସମେତ ବିଭିନ୍ନ ସରକାରୀ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ରହିଛି। ବାଲି ବ୍ୟବସାୟୀ ଏହି ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ବାଲି ଗଦା କରି ରଖିବା ଫଳରେ ଏହି ରାସ୍ତା ଦେଇ ଯାଉଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ, ବାଇକ୍ ଆରୋହୀ ସମସ୍ୟା ଭୋଗ କରୁଛନ୍ତି। ସାମାନ୍ୟ ପବନରେ ବାଲି ଉଡ଼ି ସେମାନଙ୍କ ଆଖିରେ ପଶିବା ଫଳରେ ସେମାନେ ନାନଦି କଷ୍ଟ ଭୋଗ କରୁଛନ୍ତି। ତୁରନ୍ତ ଏହି ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ବାଲି ବେପାର ବନ୍ଦ କରାଇବା ପାଇଁ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

**କେବେ ଡେରାବିଶ ତହସିଲ ଗ୍ରହଣ କରିବ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ**

## କୁମ୍ଭୀର ସହ ସଙ୍ଘର୍ଷ କରି ବର୍ତ୍ତିଲେ ବୃଦ୍ଧ

ଆଳି,୨୯।୬(ସମିସ): ନିକଟରେ ଜଣେ ବୃଦ୍ଧ କୁମ୍ଭୀର ଆକ୍ରମଣରୁ ବର୍ତ୍ତିଯାଇଥିବାବେଳେ ଆଜି ଆଉ ଜଣେ ବୃଦ୍ଧ ସଂଘର୍ଷ କରି ଜୀବନ ରକ୍ଷା କରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛନ୍ତି। କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ଆଳି ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ସିଙ୍ଗିରି-ଶ୍ରୀରାମପୁର ଘାଟ ନିକଟରେ ଆଜି ଅପରାହ୍ନରେ ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ଶ୍ରୀରାମପୁର ପାଳପାଟଣା ଗ୍ରାମର ସନାତନ ମାଝୀଙ୍କ ପୁଅ ରମେଶ ମାଝୀ ଶୌଚ ହେବାକୁ ଯାଇଥିବା ସମୟରେ କୁମ୍ଭୀର ଆକ୍ରମଣର ଶିକାର ହୋଇଥିଲେ। ରମେଶ ଶୌଚ ହେବା ସମୟରେ କୁମ୍ଭୀର ତାଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲା। ସେ କୁମ୍ଭୀର ସହ ଦୀର୍ଘ ସମୟ ଧରି ସଂଘର୍ଷ କରିବା ପରେ

ସୌଭାଗ୍ୟବଶତଃ କୁମ୍ଭୀର କବଳରୁ ମୁକୁଳିଥିଲେ। ଆହତ ରମେଶ ନଦୀକୂଳରେ ପଡ଼ି ଚିତ୍କାର କରୁଥିଲେ। ସେହି ସମୟରେ ଆଳି ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର କର୍ମଚାରୀ ସଡ଼କ ବନ୍ଧୁ ସୁଶାନ୍ତ ତରାଇ ଘାଟ ପାରି ହେଉଥିବାବେଳେ ରମେଶଙ୍କ ଚିତ୍କାର ଶୁଣି ସେଠାରେ ପହଞ୍ଚି ତାଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିଥିଲେ। ସୁଶାନ୍ତ ସେଠାରେ ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା କରାଇ ତାଙ୍କୁ ନିଜ ସ୍କୁଟି ଯୋଗେ ଆଳି ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରକୁ ଆଣିଥିଲେ। ଡାକ୍ତର ସେଠାରେ ତାଙ୍କର ଆବଶ୍ୟକ ଚିକିତ୍ସା ଯୋଗାଇ ଦେଇ ଅଧିକ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ତାଙ୍କୁ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟ ପଠାଇଥିବା ସୂଚନା ମିଳିଛି।

ଏମ୍‌ଏନ୍ ହାଇସ୍କୁଲ ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ସଂସଦ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ

## 'ପୁରାତନ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ବିଶ୍ୱରେ ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ମାଟିର ଗୌରବ ବଢ଼ାଇଛନ୍ତି'

ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ,୨୯।୬(ସମିସ): କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲାର ସର୍ବପୁରାତନ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ଏମ୍‌ଏନ୍ ହାଇସ୍କୁଲର ବହୁ ପୁରାତନ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱରେ ବିଭିନ୍ନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଲାଭ କରି ହାଇସ୍କୁଲ ଓ ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ମାଟିର ଗୌରବ ଓ ଗରିମା ବୃଦ୍ଧି କରିଛନ୍ତି ବୋଲି ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ସଂସଦର ୧୫ତମ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ରାଜନଗର ବିଧାୟକ ଧ୍ରୁବ ସାହୁ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି। ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ସଂସଦ ସଭାପତି ପ୍ରଫେସର ଦୁର୍ଯ୍ୟୋଧନ ପରିଡାଙ୍କ ପୌରୋହିତ୍ୟରେ ଆୟୋଜିତ ଉତ୍ସବରେ ଯୋଗଦେଇ ବିଧାୟକ ଶ୍ରୀ ସାହୁ କହିଲେ, ଗତ ସରକାର ଏମ୍‌ଏନ ହାଇସ୍କୁଲକୁ ସେଣ୍ଟର ଏଫ ଏକ୍ସଲେନ୍ସ ମାନ୍ୟତା ପ୍ରଦାନ କରି ହାଇସ୍କୁଲର ବିକାଶ ପାଇଁ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଅନୁଦାନ ଯୋଗାଇ ଦେଇଥିବାବେଳେ ସ୍କୁଲର ମଧ୍ୟାହ୍ନ ଭୋଜନ ଗୃହ ପାଇଁ ବିଧାୟକ ପାଣ୍ଠିରୁ ୧୦ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଅନୁଦାନ ଯୋଗାଇ ଦେଇଥିବା ପ୍ରକାଶ କରିବା ସହିତ ଏମ୍‌ଏନ ହାଇସ୍କୁଲ ଭିତ୍ତିଭୂମି ବିକାଶ ସହ ଶୈକ୍ଷିକ ପରିବେଶ ଓ ସାର୍ବିକ ବିକାଶ କ୍ଷେତ୍ରରେ ସମସ୍ତ ସହଯୋଗ ଯୋଗାଇ ଦେବାକୁ ବିଧାୟକ ଶ୍ରୀ ସାହୁ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ଏହି ଉତ୍ସବରେ ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ପୌର ପରିଷଦ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ହେମନ୍ତ ସାହୁ ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ଏମ୍‌ଏନ୍ ହାଇସ୍କୁଲର ଗୌରବ ଓ ଗାରିମାକୁ ଅକ୍ଷୁର୍ଣ୍ଣ ରଖିବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯିବ ବୋଲି ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ। ଏଥିରେ ଏମ୍‌ଏନ ହାଇସ୍କୁଲ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ଅଶୋକ ରାଉତରାୟ, ଆଡ଼ଭୋକେଟ ଗୋପୀନାଥ ତ୍ରିପାଠୀ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ସଭାରେ ପ୍ରାକ୍ତନ ପ୍ରଶାସକ ଡଃ କେଳୁ ଚରଣ ସ୍ୱାଇଁ, ପ୍ରଫେସର ଅନିରୁଦ୍ଧ ରାଉଳ, ପ୍ରଫେସର ଦେବବ୍ରତ ପ୍ରଧାନ, ପ୍ରଫେସର ଅର୍ଜୁନ ଚରଣ ନାୟକ, ପ୍ରଫେସର କୈଳାସ ପାତ୍ର, କାଉନସିଲର ଗୋପୀବଲ୍ଲଭ ନାୟକ, ଶିକ୍ଷାବିତ ସଚିନନ୍ଦନ ଦାସ, କବି ବ୍ରଜସୁନ୍ଦର ସାହୁ, ରାଜ୍ୟ ସଂଗଠକ ରାଜେନ୍ଦ୍ର ବର୍ମା, ଆଡଭୋକେଟ ପ୍ରମୋଦ ସାହୁ ଓ ସଂଜୀବ କର, ସାମ୍ବାଦିକ ପତିତପାବନ ଭଦ୍ର, ଅକ୍ଷୟ ସାହୁ, ଇଂ ତପନ ପାତ୍ର ପ୍ରମୁଖ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ। ସମ୍ପାଦକ କସ୍ତୁରୀ ଚରଣ ସ୍ୱାଇଁ ବାର୍ଷିକ ବିବରଣୀ ପାଠ କରିଥିବାବେଳେ ପ୍ରମୋଦ ସାହୁ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଓ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଏମ୍‌ଏନ ହାଇସ୍କୁଲ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ସ୍ୱାଗତ ସଂଗୀତ ପରିବେଷଣ କରିଥିଲେ। ଏ ଅବସରରେ ସ୍କୁଲର ମାଟ୍ରିକ ଟପ୍ପର ଓ ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷାରେ କୃତିତ୍ୱ ହାସଲ କରିଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ, କ୍ରୀଡ଼ା ଓ ଏନସିସି କୃତୀ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ପୁରସ୍କୃତ କରାଯାଇଥିଲା। ରମେଶ ଦେ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଲଳିତ ଦାସମହାପାତ୍ର, ସଞ୍ଜୟ ବର୍ମା, ଗୁରୁପ୍ରସନ୍ନ ସାହୁ, ରାଜେନ୍ଦ୍ର ଦାଶ, ନଟବର ସେଠୀ, ଇତିଶ୍ରୀ ଦାଶ, ସହକାରୀ ଶିକ୍ଷକ ଅଶୋକ ଦାଶ ଓ ଅନୀତା ଧଳ ପ୍ରମୁଖ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ।

■ ରାଜକନିକା ବସ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଡର ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ଅଭାବ

## ୨ ମାସ ଧରି ଆକ୍ୱାଗାର୍ଡ ଖରାପ, ପାଣି ପାଇଁ ଯାତ୍ରୀ ହନ୍ତସନ୍ତ

ରାଜକନିକା,୨୯।୬(ସମିସ):

ଉପରକୁ ଚିକ୍କଣ ଦେଖାଯାଉଥିବା ରାଜକନିକା ବସ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଡ ଶୋଚନୀୟ ହୋଇପଡ଼ିଛି। ଫଳରେ ଯାତ୍ରୀଙ୍କ ସହ ଷ୍ଟାଣ୍ଡର କର୍ମଚାରୀ ସର୍ବନିମ୍ନ ମୌଳିକ ସୁବିଧା ପାଇବାକୁ ତହଳବିକଳ ହେଉଛନ୍ତି। ଏସବୁ ସମସ୍ୟା ପାଇଁ କିଏ କହିବେ, କେମିତି କାହାକୁ କହିବେ ଓ ଏହାକୁ ଶୁଣିବେ କିଏ? ଏମିତି ଅବସ୍ଥାରେ ପିଇବା ପାଣି ସହ ଶୌଚାଳୟ ପାଇଁ ସମସ୍ତ ଯାତ୍ରୀ ଓ କର୍ମଚାରୀ ହନ୍ତସନ୍ତ ହେବାରେ ଲାଗିଛନ୍ତି। ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିମ୍ନମାନର କାମ ହୋଇଥିବାରୁ କାନ୍ଥ ପ୍ଲାଷ୍ଟର, ଟାଇଲ ଉଠିବା, ରଙ୍ଗ ଛାଡିବା ଓ ଏବେ ବର୍ଷାରେ କାନ୍ଥରୁ ପାଣି ଝରିବା ଭଳି ଅବସ୍ଥା ହୋଇଛି।

ଚିକ୍କଣ ଦେଖାଯାଉଥିବା ରାଜକନିକା ବସ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଡରେ ଲାଗିଥିବା ଆକ୍ୱାଗାର୍ଡ ୨ ମାସ ଧରି ଅଚଳ ହୋଇପଡ଼ିଛି। ପିଇବା ପାଣି ଟୋପେ ପାଇଁ ବସ୍‌ର କର୍ମଚାରୀ, ସୁପରଭାଇଜରଙ୍କଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ସାଧାରଣ ଯାତ୍ରୀ ଶୋଷରେ ଆଉଟୁପାଉଟୁ ହୋଇ ବାହାରୁ ଲିଟର ପ୍ରତି ୨୦ ଟଙ୍କା ଦରରେ ପାଣି କିଣି ପିଇବାକୁ ବାଧ ହେଉଛନ୍ତି। ଏହି ବସ୍ଷ୍ଟାଣ୍ଡ ଗତବର୍ଷ ଫେବୃଆରୀ ୧୫ ତାରିଖରେ ଉଦଘାଟନ ହୋଇଥିଲା। ଦିନ କେଇଟା ପରେ ଏହାର ସମୁଦାୟ ବ୍ୟବସ୍ଥା ବେହାଲ ହୋଇଛି। ପ୍ରାୟ ୪ କୋଟି ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟରେ ନିର୍ମିତ ଏହି ବସ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଡକୁ ଆଳିର ଜଣେ ଠିକାଦାର କରିଥିବାବେଳେ ସେ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକ ହୋଇଥିବାରୁ ପ୍ରଭାବିତ କରି ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିମ୍ନମାନର କାମ ନେଇ ବିରୋଧ ହୋଇଥିଲା। ମାତ୍ର ଠିକାଦାର ଜଣକ ସେ ସମୟରେ ବେଶ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ଥିବାରୁ କୌଣସି କଥାକୁ ଖାତିର ନ କରି ମନଇଚ୍ଛା ନିମ୍ନମାନର କାମ କରି ବିଲ କରି ନେଇଯିବା ପରେ ଏବେ ସମସ୍ୟା ଲୋକେ ଭୋଗୁଛନ୍ତି। ସ୍ଥିତି ଏମିତି ହୋଇଛି ଯେ ବସଷ୍ଟାଣ୍ଡର ଶୌଚାଳୟର ସେଫଟି ଟାଙ୍କିରେ ମଳପୂର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଯିବାରୁ ତାହା ଉଛୁଳି ବାହାରକୁ ମଇଳା ପାଣି ମାଡି ଚାଲିଛି। ଦୁର୍ଗନ୍ଧରେ ଯାତ୍ରୀ ସେଠାରେ ବସି ପାରୁ ନ ଥିବାବେଳେ କର୍ମଚାରୀ ନାକରେ ରୁମାଲ ଓ କପଡା ଗୁଡେଇ କାମ କରୁଛନ୍ତି। ସେଫଟି ଟାଙ୍କି ସଫା ସହ ଅନ୍ୟ ସମସ୍ତ ଅସୁବିଧା ଦୂର ପାଇଁ ବିଡିଓଙ୍କୁ ଏ ବାବଦରେ ଅନେକ ବାର କର୍ମଚାରୀ କହିଥିଲେ ବି ସେ ଶୁଣୁ ନ ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ବର୍ତ୍ତମାନର ଇନଚାର୍ଜ ବିଡିଓଙ୍କୁ ପଚାରିବାରୁ ସେ ଏହା ଜାଣି ନ ଥିବା କହିଛନ୍ତି। ଜାଣିବା ପରେ କ'ଣ କରାଯାଇପାରିବ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ତେବେ ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିମ୍ନମାନର ନିର୍ମାଣ ଯୋଗୁଁ ପ୍ଲାଷ୍ଟର ଖସିବା, ଝରକା କବାଟ ନ ଚାଲିବା, ଟାଇଲ ଉଠିବା, ତାଜା ଭାଙ୍ଗିବା ଭଳି ଖବର ପ୍ରକାଶ ପରେ ଠିକାଦାର ବାଧ ହୋଇ ଏହାକୁ ଉପର ଠାଉରିଆ ଭାବରେ ମରାମତି କରିଥିଲେ ହେଁ ସମସ୍ୟାର ସ୍ଥାୟୀ ସମାଧାନ କରିବାକୁ ଉଚିତ ମଣିନାହାନ୍ତି। ସରକାରଙ୍କ ଏକ ଯୋଜନାକୁ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବାକୁ ଠିକାଦାର ଚୁକ୍ତି କରି ନିର୍ମାଣ ପରେ ଉପୁଜିଥିବା ସମସ୍ୟାକୁ ଅଣଦେଖା କରି ଚାଲିବା ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ବ୍ଲକ ପ୍ରଶାସନ ନୀରବ ରହିବାରୁ ଦୈନିକ ମହିଳା ଓ ପୁରୁଷ ଯାତ୍ରୀଙ୍କ ସହ କଲେଜ ଛାତ୍ରୀ ଶୌଚାଳୟ ଓ ପିଇବା ପାଣି ପାଇଁ ସମସ୍ୟା ଭୋଗ କରୁଛନ୍ତି। ବସ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଡ ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ କରିବା ଦିଗରେ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବାକୁ ଦାବି ହୋଇଛି।

**■ ଶୌଚାଳୟ ସେଫଟି ଟାଙ୍କି ଫୁଲ**
**■ ମଇଳା ପାଣିରେ ଉବୁଟୁବୁ ପରିବେଶ**
**■ କାନ୍ଥରୁ ପାଣି ଝରୁଛି**

# ସମ୍ପାଦକୀୟ

ମାତୃଭାଷା ହିଁ ବିଶ୍ୱର ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ ପ୍ରଭାବୀ ପ୍ରଚାର ମାଧ୍ୟମ।
-ମାରଶାଲ୍ ମାକଲୁହାନ୍

ସକାଳ THE SAKALA

## କୋଟିପତିଙ୍କ ସ୍ୱର୍ଗ

ବିଶ୍ୱରେ ସବୁଠାରୁ ଜନବହୁଳ ରାଷ୍ଟ୍ର ଭାରତ। ଏଥିମଧ୍ୟରେ ଲୋକସଂଖ୍ୟା ୧୪୪ କୋଟି ଅତିକ୍ରମ କଲାଣି। ଆମ ଅର୍ଥନୀତି ମଧ୍ୟ ୪ଟ୍ରିଲିୟନ୍ ଡଲାର ଅତିକ୍ରମ କରି ଚତୁର୍ଥ ବୃହତ୍ ଅର୍ଥନୀତିର ମର୍ଯ୍ୟାଦା ହାସଲ କରିଛି। ତେବେ ଦେଶର ଏକଶହ ବିତ୍ତଶାଳୀ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ହାତରେ ୧ ଟ୍ରିଲିୟନ୍ ଡଲାର ସମ୍ପତ୍ତି ଠୁଳ ହୋଇ ରହିଛି। ତେଲିଆ ମୁଣ୍ଡରେ ତେଲ ଭଳି କିଛି ସୀମିତ ଲୋକଙ୍କ ଉପାର୍ଜନ ବଢୁଛି। ସେମାନେ ଜାତୀୟ ସମ୍ବଳକୁ ନିଜ କରାୟତ୍ତରେ ରଖିବାକୁ ସମର୍ଥ ହୋଇଛନ୍ତି। ସରକାରୀ ଓ ବେସରକାରୀ ସ୍ତରରେ ସମସ୍ତ ସୁବିଧା ସୁଯୋଗ ସେହି ବର୍ଗ ହିଁ ଉପଭୋଗ କରୁଛନ୍ତି। ଏତେ ବିପୁଳ ଜନସଂଖ୍ୟା ମଧ୍ୟରୁ ବାର୍ଷିକ କୋଟିଏ ଟଙ୍କା ଉପାର୍ଜନ କ୍ଷମତା ହାସଲ କରିଥିବା ଲୋକଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ୪.୬୮ ଲକ୍ଷରେ ସୀମିତ ଅଛି। ଏହି କୋଟିପତିଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ଦିନକୁ ଦିନ ବୃଦ୍ଧିପାଉଛି। ବିସିଜିର ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଆକଳନ କରିଛି ଯେ ୨୦୨୯ ସୁଦ୍ଧା ଏହି କୋଟିପତିଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ୫୫ ପ୍ରତିଶତ ବୃଦ୍ଧି ପାଇବ। ଏହା ବିଶ୍ୱହାରଠାରୁ ୨୧ ପ୍ରତିଶତ ଅଧିକ। ଏକଥା ସତ ଯେ ଆମ ଅର୍ଥନୈତିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଏଥିସକାଶେ ସୁବିଧା ସୁଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି କରୁଛି। ତେବେ ଜନସଂଖ୍ୟା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ବିଚାର କଲେ ଏମାନଙ୍କ ଆନୁପାତିକ ହାର ଅତି ନଗଣ୍ୟ। ଅସ୍ୱଚ୍ଛଳ ବର୍ଗଙ୍କ ସ୍ଥିତିରେ ଉନ୍ନତି ପାଇଁ ଉପାର୍ଜନ କ୍ଷମତା ବୃଦ୍ଧି ପ୍ରତି ଯଥୋଚିତ ଧ୍ୟାନ ଦିଆଯାଇ ପାରୁନଥିବାର ପରିଲକ୍ଷିତ ହେଉଛି। ନହେଲେ ଦେଶର ୮୧ କୋଟି ଲୋକଙ୍କୁ ମାଗଣା ରାସନ୍ ଦେବାର ବାଧ୍ୟବାଧକତା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇ ନ ଥା'ନ୍ତା।

କର୍ପୋରେଟ ସଂସ୍କୃତିକୁ ସବୁସ୍ତରରୁ ମିଳୁଥିବା ସରକାରୀ ସହାୟତା ସେମାନଙ୍କୁ ଅଧିକରୁ ଅଧିକ ବିତ୍ତଶାଳୀ କରିଛି। ଦ୍ରୁତ ଅର୍ଥନୀତିର ସେମାନେ ହିଁ ହୋଇଛନ୍ତି ବାହକ। ଠିକା ନିଯୁକ୍ତି ମାଧ୍ୟମରେ ଶ୍ରମ ଆଇନର ଖୋଲା ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରି ନିର୍ବାଧାରେ ସେମାନେ ଶୋଷଣ ଜାରି ରଖିଛନ୍ତି। ସେମାନଙ୍କ ବିପୁଳ ଆୟ ସତ୍ତ୍ୱେ ଏହି ନିମ୍ନ ଆୟକାରୀ ଠିକା ଶ୍ରମିକ ଓ କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ଉପାର୍ଜନ ସମୟର ଆବଶ୍ୟକତା ଅନୁରୂପ ହେଉନଥିବାରୁ ଭୟଙ୍କର ଆର୍ଥିକ ଦୁର୍ଗତି ମଧ୍ୟରେ ସେମାନେ କାଳାତିପାତ କରୁଛନ୍ତି। ଦେଶର ପ୍ରଚଳିତ ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଉପାର୍ଜନକ୍ଷମତା ସୃଷ୍ଟି କରିବାକୁ ଅସମର୍ଥ। ତେଣୁ ବର୍ଦ୍ଧିତ ବେକାରୀ ଦେଶରେ ଉପୁଜୁଥିବା ନାନା ସମସ୍ୟାର କାରଣ ପାଲଟିଛି। ଅଭାବରୁ ଅପରାଧ ପ୍ରବଣତା ବଢୁଛି, କ୍ରମେ ତାହା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ସୀମା ଅତିକ୍ରମ କରୁଛି। ପରିଲକ୍ଷିତ ଆର୍ଥିକ ଅସମାନତା ସାମାଜିକ ଜୀବନଧାରାରେ ଆକାଂକ୍ଷିତ ପରିବର୍ତ୍ତନର ବାଧକ ସାଜିଛି। ଆମ ଦେଶରେ ବୃଦ୍ଧି ପାଉଥିବା ଅରବପତି ଓ କୋଟିପତିଙ୍କୁ ନେଇ ସାମଗ୍ରିକ ବିକାଶର ସ୍ୱପ୍ନ ଦେଖିବାର କୌଣସି ଯଥାର୍ଥତା ନାହିଁ। ଆମେରିକା, ଚୀନ, ଜର୍ମାନୀ ପଛକୁ ଆମେ ବିଶ୍ୱର ଚତୁର୍ଥ ଅର୍ଥନୀତି ରୂପେ ଗର୍ବ କରୁଥିବା ବେଳେ ଆମ ଦେଶରେ ଜୀବନ ଧାରଣର ମାନ ଓ ମୁଣ୍ଡ ପିଛା ଆୟ ତୁଳନାତ୍ମକ ଭାବେ ବହୁତ ପଛରେ ପଡ଼ିଛି।

ଉଚ୍ଚ ଆୟକାରୀ ବର୍ଗଙ୍କୁ ଦେଶର ଅର୍ଥନୈତିକ ପ୍ରଗତିର ସୂଚକ ରୂପେ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଉଥିବା ବେଳେ ଜୀବନ ଯୁଦ୍ଧରେ ହାରିଯାଉଥିବା ଲୋକସଂଖ୍ୟାର ଦୁଇ-ତୃତୀୟାଂଶ ସରକାରୀ ରାଜସ୍ୱ ବା ଟ୍ରେଜେରୀଙ୍କ ଟିକସ ମାଧ୍ୟମରେ ସମୃଦ୍ଧ କରିଚାଲିଛନ୍ତି। ଅଥଚ ଯୋଜନାର ରୂପରେଖ ସେମାନଙ୍କ ଭବିଷ୍ୟତ ବା ସମୁଜ୍ଜ୍ୱଳ ଭବିଷ୍ୟତ ଗଢ଼ିବାରେ ସହାୟକ ହେଉନି। ସରକାରଙ୍କ ବିଚାରଧାରାରେ ଏହି ବ୍ୟବଧାନ ସଙ୍କୁଚିତ ନ ହେଲେ ତଥାକଥିତ ବିକଶିତ ଭାରତ ଗଠନ ସ୍ୱପ୍ନ ଅଧୁରା ରହିଯିବ। ଏହା ସତ୍ୟ ଯେ ପ୍ରତିଯୋଗିତାପୂର୍ଣ୍ଣ ବଜାର ଅର୍ଥନୀତିରେ ନିବେଶକାରୀର ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ରହିବ। ଆର୍ଥିକସ୍ତରରେ ଅସମାନତାକୁ ଦୂର କରିବା ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ। କିନ୍ତୁ ଜୀବନଧାରଣ ମାନରେ ଉନ୍ନତି ଓ ସହନୀୟ ମୁଣ୍ଡପିଛା ଆୟ ବୃଦ୍ଧି ନ ଘଟିଲେ ପ୍ରତିଯୋଗିତାପୂର୍ଣ୍ଣ ପରିବେଶ ସୃଷ୍ଟି ହେବ ନାହିଁ। ଫଳରେ ଏକଚାଟିଆ କାରବାର ଓ ଶୋଷଣକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରିବ। ଏହା ସାମାଜିକ ଓ ଜାତୀୟ ଜୀବନରେ ଶୃଙ୍ଖଳା ଓ ସଂପ୍ରୀତି ପରିବେଶ ସୃଷ୍ଟିରେ ଗୁରୁତର ପ୍ରତିବନ୍ଧକ ହେବ।

ଦେଶର ବିତ୍ତଶାଳୀ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ସଂପର୍କରେ ଉଲ୍ଲେଖ କଲାବେଳେ ମୁକେଶ ଆମ୍ବାନି ଓ ଗୌତମ ଆଦାନୀଙ୍କୁ ବାଦ ଦେଇ ପାରିବାନି। ଆମ୍ବାନି ୯୧.୮ ବିଲିୟନ ଡଲାର ସମ୍ପତ୍ତିର ମାଲିକ। ସେ ଏସିଆର ସବୁଠାରୁ ଧନଶାଳୀ ବ୍ୟକ୍ତି। ତାଙ୍କ ପଛକୁ ଅଛନ୍ତି ଗୌତମ ଆଦାନୀ। ସେ ୫୩.୫ ବିଲିୟନ ଡଲାର ସମ୍ପତ୍ତିର ମାଲିକ। ଅର୍ଥ ବା ସମ୍ପତ୍ତି ଆହରଣ ପାଇଁ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ଓ ପ୍ରତିଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱିତା ନିଶ୍ଚୟ ରହିବ। ଗତ ଆର୍ଥିକବର୍ଷରେ ଆମ୍ବାନିଙ୍କ ୧ଲକ୍ଷ କୋଟି ଟଙ୍କାର ଆୟ ହ୍ରାସ ପାଇଥିବା ବେଳେ ଆଦାନୀଙ୍କ ଆୟ ୧୩ ପ୍ରତିଶତ ବଢ଼ିଛି। ଆମ ଦେଶରେ ବାର୍ଷିକ ୧୦ କୋଟି ଟଙ୍କା ଆୟ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ଦ୍ରୁତଗତିରେ ବଢୁଥିବାର ପରିଲକ୍ଷିତ ହୋଇଛି। ସେମାନଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ୪୩ ହଜାରରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ସେହିଭଳି ବାର୍ଷିକ ୧ କୋଟିରୁ ୫ କୋଟି ଉପାର୍ଜନ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ୩.୮୯ ଲକ୍ଷ ଓ ୫ କୋଟିରୁ ୧୦ କୋଟି ଟଙ୍କା ଆୟକାରୀଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ୩୬ ହଜାରରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ଅବଶ୍ୟ ଏହି ତଥ୍ୟ ଆୟକର ବିଭାଗ ରିପୋର୍ଟରୁ ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଏହାଛଡ଼ା ଦେଶରେ ୨୮୪ ଅରବପତି ଅଛନ୍ତି, ଯେଉଁମାନଙ୍କର ଆୟ ସାଉଦୀ ଆରବର ଜିଡିପିଠାରୁ ଅଧିକ।

ଦେଶର ଜନସଂଖ୍ୟା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ବିଚାର କଲେ ଏହି ସୀମିତ ଲୋକଙ୍କ ଉପାର୍ଜନ କ୍ଷମତା ହିଁ ଆମ ଅର୍ଥନୀତିକୁ ନୂଆ ଶିଖରରେ ପହଞ୍ଚାଇଛି। ଅଭିବୃଦ୍ଧି ବା ଜିଡିପି ହାର ବୃଦ୍ଧି ସେମାନଙ୍କ କର୍ମକୁଶଳତା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ। ଅବଶ୍ୟ ଗତ ତ୍ରୈମାସିକ ଆର୍ଥିକ ରିପୋର୍ଟରେ ଜିଡିପିକୁ କୃଷିର ଅବଦାନ ୪.୨ ପ୍ରତିଶତ ଏକ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ ଘଟଣା। ହେଲେ କୃଷି ଉତ୍ପାଦର ବେପାର ବଣିଜରେ ଏହି ବର୍ଗର ହିଁ ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା ରହିଛି। ତେଣୁ ଦେଶର ଅର୍ଥନୀତିକୁ ଗତି ଦେଇ ଚତୁର୍ଥସ୍ଥାନରେ ପହଞ୍ଚାଇବାର ସମସ୍ତ ଶ୍ରେୟ ଏମାନଙ୍କୁ ହିଁ ଦିଆଯାଉଛି। ତେଣୁ ସରକାର ବିପୁଳ ବ୍ୟାଙ୍କଋଣ ଛାଡ଼ କରିବା ସହ କର୍ପୋରେଟ ଟିକସ ମଧ୍ୟ ହ୍ରାସ କରିଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ଆୟକର ବିଭାଗ ପରିସଂଖ୍ୟାନ କହେ ଏମାନଙ୍କ ଅପେକ୍ଷା ସାଧାରଣ ବର୍ଗ ହିଁ ଅଧିକ ଟିକସ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏସବୁ ସତ୍ତ୍ୱେ ସେମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ସରକାରଙ୍କ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଆଶୀର୍ବାଦ ରହିଛି।

## ବିଶ୍ୱାସର ବୈଜ୍ଞାନିକ ବିଶ୍ଳେଷଣ

ସୁଧାଂଶୁ ଶେଖର ଧଡ଼ା

ଆମ ସମାଜରେ ଧର୍ମ ବିଶ୍ୱାସ ସହିତ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ଆଦିର ଉପସ୍ଥିତି ଓ ପ୍ରଭାବ ବହୁକାଳରୁ ରହିଆସିଛି। ଏଥିସହିତ ଯୋଡ଼ି ହୋଇରହିଥିବା ଅଲୌକିକତା ଯୋଗୁଁ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ରର ଉପରେ ଜନବିଶ୍ୱାସ ଦୃଢ଼ ହୋଇ ଆସିଛି। ଅପରପକ୍ଷରେ ବିଜ୍ଞାନର ଆହ୍ୱାନରେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ରର କରାମତି ବଳହୀନ ସାବ୍ୟସ୍ତ ହୋଇଛି। ତଥାପି ଅନ୍ଧବିଶ୍ୱାସକୁ ପାଥେୟ କରି ତନ୍ତ୍ର ଓ ତାନ୍ତ୍ରିକମାନେ ଆଜି ମଧ୍ୟ ସମାଜର ବିଭିନ୍ନ ସ୍ତରରେ ଆଧିପତ୍ୟ ବିସ୍ତାର କରିଛନ୍ତି।

ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ଆଦିର ବିଶ୍ଳେଷଣରୁ ଜଣାଯାଏ ଯେ ପାଶ୍ଚାତ୍ୟ ଜଗତରେ ଏହାର ଦୁଇ ପ୍ରକାରର ଉତ୍ସ ରହିଛି। ଖ୍ରୀଷ୍ଟପୂର୍ବ ଷଷ୍ଠରୁ ଚତୁର୍ଥ ଶତାବ୍ଦୀ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରାଚୀନ ପାରସ୍ୟରେ ଯୋରାଷ୍ଟର ଧର୍ମାବଲମ୍ବୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଏକ କ୍ଷୁଦ୍ର ଗୋଷ୍ଠୀ ଦୁର୍ବୋଧ୍ୟ ଶବ୍ଦ ଉଚାରଣ, ମନ୍ତ୍ର ଆଦି ମାଧ୍ୟମରେ ପ୍ରକୃତି ଉପରେ କିଛିଅଂଶରେ ଏବଂ ମନୁଷ୍ୟ ଓ ପଶୁପକ୍ଷୀଙ୍କ ଉପରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ, ସେମାନଙ୍କୁ ବଶୀଭୂତ କରିବା, ରୋଗୀ ଚିକିତ୍ସା ଭଳି କାର୍ଯ୍ୟରେ ସଂପୃକ୍ତ ଥିଲେ। ଏହି ବ୍ୟକ୍ତିମାନେ 'ମାଗି' ଭାବରେ ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ବୃତ୍ତି 'ମାଗସ୍' ନାମରେ ପରିଚିତ ଥିଲା। 'ମାଗସ୍' ଶବ୍ଦରୁ ଆଧୁନିକ 'ମ୍ୟାଜିକ' ଶବ୍ଦର ସୃଷ୍ଟି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କୁ 'ମେଜିକସିୟାନ' ବା 'ଯାଦୁକର' ନାମ ଦିଆଯାଇଥିଲା। ଏମାନେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର, ଅଲୌକିକ ଶକ୍ତି ଆଦିର ପ୍ରୟୋଗ କରି ଅସାଧ୍ୟ ସାଧନ କରୁଥିବା ଦାବି କରୁଥିଲେ। ଏମାନଙ୍କ ବିଦ୍ୟା ଅତ୍ୟନ୍ତ ରହସ୍ୟମୟ ଏବଂ ମାରଣ, ତାରଣ, ବଶୀକରଣ, ଉଚ୍ଚାଟନ, ସ୍ତମ୍ଭନ, ସମ୍ମୋହନ, ପ୍ରକୃତି ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ଓ କୃଷି ଯାଦୁ ଭାବରେ ଆଠଟିରୁ ଅଧିକ ଭାଗରେ ବିଭକ୍ତ ଥିଲା।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଯାଦୁବିଦ୍ୟା ପ୍ରାୟ ୨୦ରୁ ଅଧିକ ବିଭାଗରେ ବିଭାଜିତ। ଅଲୌକିକ କୁହାଯାଉଥିବା ଏକ ରହସ୍ୟମୟ ଶକ୍ତି ଏସବୁର ମୂଳଉତ୍ସ। ଅଲୌକିକ ଶବ୍ଦର ବିଶ୍ଳେଷଣ କଲେ ଏହା ବୈଜ୍ଞାନିକ ତତ୍ତ୍ୱଗୁଡ଼ିକର ଧୋକାବାଜୀପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରୟୋଗକୁ ବୁଝାଏ। ପାଶ୍ଚାତ୍ୟ ସଭ୍ୟତାରେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର, ଅଲୌକିକତା ଆଦିର ଦ୍ୱିତୀୟ ଉତ୍ସଟି ହେଉଛି ଖ୍ରୀଷ୍ଟିୟ ୩ୟ ଶତାବ୍ଦୀ ପୂର୍ବରୁ ଇଜିପ୍ଟରେ 'ଚେମି' ନାମରେ ପରିଚିତ ଥିବା ଏକ ଚିକିତ୍ସକ ଗୋଷ୍ଠୀ। ତୃତୀୟ ଶତାବ୍ଦୀ ବେଳକୁ ରୋଗର ସଫଳ ଉପଶମର ସଫଳତା ଯୋଗୁଁ ସମାଜରେ ସେମାନଙ୍କ ସମ୍ମାନ ଶାସକବର୍ଗ ଅପେକ୍ଷା ଅଧିକ ବଢ଼ିଲା। ଏଥିରେ ଶାସକମାନେ କ୍ଷମତା ହରାଇବା ଆଶଙ୍କାରେ 'ଚେମି'ମାନଙ୍କୁ ଗୁପ୍ତରେ ହତ୍ୟା କଲେ। ତେଣୁ 'ଚେମି'ମାନେ ଇଜିପ୍ଟରୁ ଆରବକୁ ଚାଲିଆସି ଆରବୀୟ ଭାଷାଶୈଳୀରେ 'ଚେମି' ପୂର୍ବରୁ 'ଏଆଇ' ଯୋଗକରି 'ଏଆଇଚେମିଷ୍ଟ' ନାମରେ ପରିଚିତ ହେଲେ।

'ଏଆଇଚେମିଷ୍ଟ'ମାନଙ୍କର ବୃତ୍ତିଗତ ଅବଧାରଣା ଦୁଇପ୍ରକାରର ଥିଲା। ପ୍ରଥମତଃ, 'ଫିଲୋସଫିକାଲ୍ ଷ୍ଟୋନ୍' ନାମକ ଏକ ରହସ୍ୟମୟ ପଦାର୍ଥ ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିଲେ ନିକୃଷ୍ଟ ଧାତୁ ସୁନା ହେବା ସହ ସମସ୍ତ ରୋଗରୁ ଆରୋଗ୍ୟଲାଭ, କାମନା ପୂରଣ ଆଦି ହୋଇପାରେ। ଏହା ପୃଥିବୀ ପୃଷ୍ଠରେ କେଉଁଠି ଅଛି ଓ ଶୁଭ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ ଖୋଜିଲେ ମିଳିବ। ଦ୍ୱିତୀୟ ଧାରଣାଟି ହେଲା ଏହା କେଉଁଠି ନାହିଁ, ଏହାକୁ ବିଭିନ୍ନ ଧାତୁ ଇତ୍ୟାଦିର ମିଶ୍ରଣରୁ ତିଆରି କରାଯାଇ ପାରିବ। ପ୍ରଥମ ଅବଧାରଣାକୁ ନେଇ ଶୁଭ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନ ଖୋଜି ପାଇବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରୁଥିବା ଗୋଷ୍ଠୀ ଏହା ପାଇଲେ ନାହିଁ ସତ, କିନ୍ତୁ ଫଳିତ ଜ୍ୟୋତିଷ ଆଧାରରେ ଜ୍ୟୋତିର୍ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଭୂ-ବିଜ୍ଞାନକୁ ବିଭିନ୍ନ ନୂଆ ତତ୍ତ୍ୱରେ ସମୃଦ୍ଧ କଲେ। ବିଭିନ୍ନ ଧାତୁର ମିଶ୍ରଣରେ 'ଫିଲୋସଫିକାଲ୍ ଷ୍ଟୋନ୍' ତିଆରୁଥିବା ଗୋଷ୍ଠୀ ମେଟାଲରଜିକାଲ୍ ସାଇନ୍ସ, ଆଲଏ, ଆର୍ସେନିକ୍ ପଏଜନ୍, ଟକ୍ସିକୋଲଜି, ସାଇନ୍ସ ଅଫ୍ ମେଡିସିନ୍ ଆଦି ବିଜ୍ଞାନର ଅନେକ କ୍ଷେତ୍ରକୁ ନୂଆ ତତ୍ତ୍ୱ ଦେଲେ। ଏହି ଉଭୟ ଅବଧାରଣାରେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ରର ପ୍ରୟୋଗ ଅପବିଜ୍ଞାନ ହୋଇ ରହିଗଲା।

ପ୍ରାଚ୍ୟ ଭୂଭାଗରେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ଆଦିର ଅନେକ ଉତ୍ସ ରହିଛି। ବୌଦ୍ଧ ଧର୍ମ ମହାଯାନ ଓ ହୀନଯାନ ଭାବରେ ବିଭାଜିତ ହୋଇ ସେଥିରୁ ଆହୁରି ଅନେକ ବିଭାଜନ ପରେ ତନ୍ତ୍ରଯାନ ଓ ସହଜଯାନର ଉଦ୍ଭବ ହେଲା। ସହଜଯାନପନ୍ଥୀମାନେ ରହସ୍ୟମୟ ତାନ୍ତ୍ରିକ ଅବଧାରଣାର ସ୍ରଷ୍ଟା ବୋଲି ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ରଚିତ ଚର୍ଯ୍ୟାପଦଗୁଡ଼ିକରୁ ଜଣାପଡ଼େ। ବେଦ ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ସଂହିତାଗୁଡ଼ିକର ରଚନାକାଳ ଖ୍ରୀଷ୍ଟପୂର୍ବ ୧୫୦୦ରୁ ଖ୍ରୀଷ୍ଟପୂର୍ବ ୬୦୦ ବୋଲି ଏକ ମତ ରହିଛି। ବୈଦିକ ଯୁଗରୁ ଫଳିତ ଜ୍ୟୋତିଷର ପ୍ରୟୋଗ ପ୍ରାଚ୍ୟ ଜଗତରେ ଥିଲା। ବେଦ ଓ ଜ୍ୟୋତିଷ ଶାସ୍ତ୍ରରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ଆଦିର ବ୍ୟବହାର ମଧ୍ୟ ହେଉଥିଲା। ଖ୍ରୀଷ୍ଟିୟ ପ୍ରଥମ ଶତାବ୍ଦୀରେ ରଚିତ ଆୟୁର୍ବେଦର ଆଠଟି ବିଭାଗ ମଧ୍ୟରୁ ଶଲ୍ୟତନ୍ତ୍ର, ଶାଲକ୍ୟତନ୍ତ୍ର, ଅଗଦତନ୍ତ୍ର ଓ ଭୂତବିଦ୍ୟା ସିଧାସଳଖ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ସହ ଜଡ଼ିତ। ପ୍ରାଚୀନ ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟରେ ସମ୍ଭବତଃ ୧୩ଶ ଶତାବ୍ଦୀରେ ନାରାୟଣାନନ୍ଦ ଅବଧୂତସ୍ୱାମୀଙ୍କ ରଚିତ 'ରୁଦ୍ରସୁଧାନିଧି' ନାମକ ଅସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଗଦ୍ୟକାବ୍ୟରେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ରର ଅନେକ ବିଭାଗର ବର୍ଣ୍ଣନା ରହିଛି। କବିସମ୍ରାଟ ଉପେନ୍ଦ୍ରଭଞ୍ଜ 'ଲାବଣ୍ୟବତୀ' କାବ୍ୟରେ 'ଐନ୍ଦ୍ରଜାଲିକର ରାମଚରିତ ପ୍ରଦର୍ଶନ' ଅଧ୍ୟାୟରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର, ଯାଦୁବିଦ୍ୟା ପ୍ରଚଳନର ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି। ପ୍ରାଚ୍ୟ-ପାଶ୍ଚାତ୍ୟ ଅବଧାରଣା ମଧ୍ୟରେ ଅନେକ ସାମଞ୍ଜସ୍ୟ ରହିଥିବା ଦେଖାଯାଏ।

ଡଚ୍-ଜୀଉ ଦାର୍ଶନିକ ସ୍ପିନୋଜା ଷୋଡ଼ଶ ଶତାବ୍ଦୀରେ ଧର୍ମର ବୈଜ୍ଞାନିକ ବିଶ୍ଳେଷଣ ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ମତଦେଲେ। ସେ ଅନୁଭବ କରିଥିଲେ ଯେ ଧର୍ମଗୁଡ଼ିକ ଅଜ୍ଞତାପୂର୍ଣ୍ଣ ଅବଧାରଣା, ବିଚାରହୀନତା ଓ ଅବୈଜ୍ଞାନିକ ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ। ଏହି ମତସହ ସେ ଧର୍ମର ବୈଜ୍ଞାନିକ ବିଶ୍ଳେଷଣର ଭିତ୍ତି ପକାଇଥିଲେ। ଏହିଠାରୁ ଅଲୌକିକ କୁହାଯାଉଥିବା ଘଟଣାଗୁଡ଼ିକର ସିଧାସଳଖ ଅନୁସନ୍ଧାନ ଓ ଆହ୍ୱାନ ଆରମ୍ଭ ହେଲା ବୋଲି କୁହାଯାଇପାରେ। ଅଲୌକିକତାକୁ ଛାଡ଼ି ଦେଲେ ଧର୍ମ ଆକର୍ଷଣୀୟ ହେବନାହିଁ। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଅଲୌକିକତା ହେଉଛି ବିଭିନ୍ନ ବୈଜ୍ଞାନିକ ତତ୍ତ୍ୱର ବିରୁଦ୍ଧାଚରଣ କରୁଥିବା ଘଟଣାର ବର୍ଣ୍ଣନା। ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତି ପାରିବାରିକ ଧର୍ମ ବିଶ୍ୱାସ ଭିତରେ ବଢ଼ନ୍ତି। ତେଣୁ ଯେତେ ଅଧିକ ପାଠ ପଢ଼ିଲେ ମଧ୍ୟ ପାରିବାରିକ ଧର୍ମର ଅବୈଜ୍ଞାନିକ ଅବଧାରଣାକୁ ଛାଡ଼ିବା ସହଜ ହୁଏ ନାହିଁ। ଏହି ଅବଧାରଣାକୁ ନେଇ କିଛି ଧୂର୍ତ୍ତ ଧୋକାବାଜୀକୁ ବ୍ୟବସାୟରେ ପରିଣତ କରିଦିଅନ୍ତି। ସମାଜର ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ଓ ଉଚ୍ଚଶିକ୍ଷିତ ବ୍ୟକ୍ତିମାନେ ମଧ୍ୟ ଏପ୍ରକାରର ବ୍ୟବସାୟିକ ଧୋକାବାଜୀର ଶିକାର ହୁଅନ୍ତି ଏବଂ ଲୋକଲଜ୍ଜା ହେତୁ ପ୍ରତିବାଦ କିମ୍ବା ଅଭିଯୋଗ କରନ୍ତି ନାହିଁ।

ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର, ଅଲୌକିକତା, ଅପବିଜ୍ଞାନ, ଚିକିତ୍ସକ ନହୋଇ ରୋଗୀ ଚିକିତ୍ସା ଆଦି ଉପରେ ଅନୁସନ୍ଧାନ ତଥା ଏସବୁକୁ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଓ ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବରେ ଆହ୍ୱାନ ଦେବା ଜନଆନ୍ଦୋଳନ ଭାବରେ ଆରମ୍ଭ ହେଲା ଊନବିଂଶ ଶତାବ୍ଦୀରେ। ୧୮୮୫ ମସିହାରେ 'ବ୍ରିଟିଶ ରେସନାଲିଷ୍ଟ ପ୍ରେସ ଆସୋସିଏସନ' ଗଠିତ ହୋଇ ଅନେକ ତଥାକଥିତ ଅଲୌକିକ ଶକ୍ତିଧାରୀଙ୍କୁ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦର୍ଶନର ଆହ୍ୱାନ ଦେଲା। ଏହାପରେ ଅଲୌକିକତା ନାମରେ ଲୋକଙ୍କୁ ଶୋଷଣରୁ ରକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ବିଶ୍ୱର ବିଭିନ୍ନ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଅନେକ ସଙ୍ଗଠନ ସୃଷ୍ଟି ହେଲା। ୧୯୭୬ ମସିହାରେ ନ୍ୟୁୟର୍କଠାରେ ପଲ କର୍ଜଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ 'କମିଟି ଫର ସାଇଣ୍ଟିଫିକ୍ ଇନ୍‌ଭେଷ୍ଟିଗେସନ୍ ଅଫ୍ କ୍ଲେମ୍‌ସ ଅଫ୍ ପାରାନର୍ମାଲ' ନାମକ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସଙ୍ଗଠନ ସୃଷ୍ଟି ହେଲା। ଆମେରିକାରେ ଜେମ୍ସ ରାଣ୍ଡି, ହାରି ଏଡୱାଡସ୍‌ଙ୍କ ଭଳି କେତେକ ବ୍ୟକ୍ତି ଜନସାଧାରଣଙ୍କୁ ଅଲୌକିକତା ନାମରେ ଶୋଷଣରୁ ରକ୍ଷା କରିବାକୁ ସଂସ୍ଥାମାନ ଗଢ଼ିଲେ। ୧୯୮୦ ମସିହାରେ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆର ସିଡନୀଠାରେ 'ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆନ ସ୍କେପଟିକସ' ନାମକ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ସଙ୍ଗଠନ ଗଠନ ହେଲା। ଏହା ପୂର୍ବରୁ ୧୯୪୮ ଡିସେମ୍ବର ୧୦ ତାରିଖ ଦିନ ମିଳିତ ଜାତିସଂଘ ପକ୍ଷରୁ 'ୟୁନିଭର୍ସାଲ ଡିକ୍ଲାରେସନ ଅଫ ହ୍ୟୁମାନ ରାଇଟସ୍' ଘୋଷଣାପତ୍ର ମିଳିତ ଜାତିସଂଘର ସଦସ୍ୟ ରାଷ୍ଟ୍ରମାନେ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରି ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କ ସ୍ୱାର୍ଥ ରକ୍ଷା ସହ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଶୋଷଣରୁ ସୁରକ୍ଷା ନିମିତ୍ତ ଆଇନ ପ୍ରଣୟନ କରିଛନ୍ତି। ଆମ ଦେଶରେ 'ଦ ମ୍ୟାଜିକାଲ୍ ରିମେଡିସ୍ ଆଣ୍ଡ(ଅବଜେକସନାଲ୍ ଆଡଭରଟାଇଜମେଣ୍ଟ) ଆକ୍ଟ ୧୯୫୪' ମାଧ୍ୟମରେ ଚିକିତ୍ସାଗତ ଆଇନସିଦ୍ଧ ପ୍ରମାଣପତ୍ର ନଥିଲେ ରୋଗୀ ଚିକିତ୍ସା, ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ଚିକିତ୍ସା, ଉପଚାର ଆଦି କରିବା ଦଣ୍ଡନୀୟ ଅପରାଧ ଭାବରେ ପରିଗଣିତ ହୋଇସାରିଛି। ଆମ ଦେଶର ସମ୍ବିଧାନର ଧାରା ୫୧(କ)(ଜ) ବୈଜ୍ଞାନିକ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ, ମାନବବାଦର ପ୍ରସାର ଓ ଅନୁସନ୍ଧାନର ମନୋବୃତ୍ତି ପ୍ରତ୍ୟେକ ନାଗରିକ ରଖିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ କରିଛି। ଭାରତରେ ପ୍ରଫେସର ଆବ୍ରାହମ ଥମାସ କଭୁର, ସାନାଲ ଏଡାମାରୁକୁ, ବାସବ ପ୍ରେମାନନ୍ଦଙ୍କ ଭଳି ଅନେକ ବ୍ୟକ୍ତି ଅଲୌକିକତା ଓ ତନ୍ତ୍ରମନ୍ତ୍ର ନାମରେ ଶୋଷଣକୁ ବୃତ୍ତି ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିଥିବା ଲୋକଙ୍କୁ ଖୋଲା ଆହ୍ୱାନ ଦେଇ ଅଲୌକିକତା ନାମରେ କରାଯାଉଥିବା ଧୋକାବାଜୀର ରହସ୍ୟ ପ୍ରଘଟକାରୀ ଜନସଭା ଆୟୋଜନ କରିଛନ୍ତି। ଏସବୁ ସତ୍ତ୍ୱେ ଶିକ୍ଷିତ ଲୋକଙ୍କ ସହିତ ସାଧାରଣ ଲୋକେ ଅବୈଜ୍ଞାନିକ ଅବଧାରଣାକୁ ନେଇ ବିଜ୍ଞାପନ ମାଧ୍ୟମରେ ଠକାମି ଓ ଶୋଷଣର ଶିକାର ହୋଇଚାଲିଛନ୍ତି।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ମୋ: ୯୩୩୭୦୧୫୮୮୨

## ପାରମ୍ପରିକ ଘରର ପ୍ରାସଙ୍ଗିକତା

ସତ୍ୟଶୋଭନ ଦାସ

'ଏଇ ଘରଟିରେ ଜନମ ମୋର, ଝାଟିମାଟିର ଏ ନଡ଼ା ଛପର / ଏଇ ଘରେ ଆମେ ଏକାଠି ଥାଉ, ଏକାଠି ଖାଉ, ଏକାଠି ବସୁ, ଏକାଠି ହସୁ / ବୁଢ଼ୀମା' ପାଶେ, ଗପ ଶୁଣୁ ଶୁଣୁ ନିଦଟି ଆସେ।' ପିଲା ଦିନର ଏହି କବିତା, ଗ୍ରାମ୍ୟ ଜୀବନର ଜୀବନ ଶୈଳୀକୁ ନିଖୁଣ ଭାବରେ ଦର୍ଶାଇ ଥାଏ। ଆଜି ବି ଗ୍ରାମ୍ୟ ଜୀବନର ଏହା ବହୁମାତ୍ରରେ ଜୀବନ୍ତ।

ବର୍ଦ୍ଧିଷ୍ଣୁ ବିଶ୍ୱ ତାପମାତ୍ରା ଏବଂ ଜଳବାୟୁ ସଙ୍କଟ ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ ଗ୍ରାମୀଣ ଘରର ଅନେକ ପ୍ରାସଙ୍ଗିକତା ଓ ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି। ଗ୍ରାମୀଣ ଘର ଚତୁଃପାର୍ଶ୍ୱରେ ବାରଣ୍ଡା ଫଳରେ ସୂର୍ଯ୍ୟକିରଣ ଘର କାନ୍ଥରେ ସିଧାସଳଖ ପଡୁ ନଥିବାରୁ ଘର ପ୍ରାୟତଃ ଥଣ୍ଡା ରୁହେ। ଘର ପଛ ପଟ ପୋଖରୀ ଭୂତଳ ଜଳ ପୁନଃ ସଂରକ୍ଷଣ ସହିତ ତା' ଉପର ଦେଇ ସୁଲୁସୁଲିଆ ଥଣ୍ଡା ପବନ ଏକ ପରିବେଶ ଅନୁକୂଳିତ ବାତାବରଣ ସୃଷ୍ଟି କରେ।

ପାରମ୍ପରିକ ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳ ଏବଂ ଆଦିବାସୀ ଘରଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରାୟତଃ ସ୍ଥାନୀୟ ଭାବରେ ପ୍ରାପ୍ତ ଜଳବାୟୁ-ଉପଯୁକ୍ତ ସାମଗ୍ରୀ, ଯେପରିକି କାଦୁଅ, ବାଉଁଶ, ପଥର ଓ ନଡ଼ା ବ୍ୟବହାର କରି ନିର୍ମାଣ କରାଯାଇଥାଏ। ଏହି ସାମଗ୍ରୀଗୁଡ଼ିକ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ତାପ ନିରୋଧକତା ପ୍ରଦାନ କରେ, ଗରମ ଦିନରେ ଭିତରକୁ ଥଣ୍ଡା ଏବଂ ଥଣ୍ଡା ରାତିରେ ଉଷ୍ମ ରଖେ, ଏୟାର କଣ୍ଡିସନର କିମ୍ବା ହିଟର ଭଳି ଶକ୍ତି-ସଘନ ଉପକରଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର ନକରି। ଉଦାହରଣ ସ୍ୱରୂପ, ଘନ କାନ୍ଥ ବିଶିଷ୍ଟ ମାଟି ଘରଗୁଡ଼ିକ ଆବୃତକ(ଇନ୍‌ସୁଲେଟର) ଭାବରେ କାମ କରେ, ଯାହା ଦିନରେ ବର୍ଦ୍ଧିଷ୍ଣୁ ଉତ୍ତାପ ପ୍ରତିରୋଧ କରିବା ସହିତ ଉତ୍ତାପ ବିକିରଣ କରୁ ନ ଥିବାରୁ ରାତିରେ ଭିତର ତାପମାତ୍ରାକୁ ଆରାମଦାୟକ ରଖିଥାଏ। ସେହିପରି, କୁଟା ଛାତ ବାୟୁଚଳନ ଏବଂ ପ୍ରାକୃତିକ ବାୟୁ ପ୍ରବାହକୁ ସୁଗମ କରେ, ଯାହା ବାସିନ୍ଦାଙ୍କୁ ବର୍ଦ୍ଧିତ ଉତ୍ତାପ ସ୍ତରର ମୁକାବିଲା କରିବାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରେ। ଘରର ଚାରିପଟେ ପିଣ୍ଡା ଯୋଗୁଁ ସୂର୍ଯ୍ୟ କିରଣ ଘରର କାନ୍ଥ ଉପରେ କମ ପଡ଼େ, ସେଇଥି ପାଇଁ ଏହି ଘର ଗରମ ଦିନରେ ଥଣ୍ଡା ରହେ। ଏହି ସ୍ଥାପତ୍ୟ ସମାଧାନଗୁଡ଼ିକ କେବଳ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ନୁହେଁ ବରଂ ମୂଲ୍ୟ-ଲାଭକାରୀ ମଧ୍ୟ। ଜଳବାୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନର ପ୍ରଭାବରେ ଦୁର୍ବଳ ଥିବା ନିମ୍ନ-ଆୟ ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ପାଇଁ ଏଗୁଡ଼ିକୁ ଆଦର୍ଶ କରିଥାଏ।

ପାରମ୍ପରିକ ଘରଗୁଡ଼ିକ କେବଳ ଆଶ୍ରୟସ୍ଥଳ ନୁହେଁ, ଏହା ଏକ ସମ୍ପ୍ରଦାୟର ଇତିହାସ, ମୂଲ୍ୟବୋଧ ଏବଂ ଭୂମି ସହିତ ସଂଯୋଗର ପ୍ରକାଶ। ଆଦିବାସୀ ଏବଂ ଗ୍ରାମୀଣ ସମାଜରେ ସ୍ଥାପତ୍ୟ ପ୍ରାୟତଃ ରୀତିନୀତି, ପର୍ବ ଏବଂ ସାମାଜିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ସହିତ ଜଡ଼ିତ। ଏହି ଘରଗୁଡ଼ିକୁ ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ସଂହତିକୁ ସମର୍ଥନ କରେ ଏବଂ ପରିଚୟକୁ ସୁଦୃଢ଼ କରେ। ଏହା ବ୍ୟତୀତ, ସାଂସ୍କୃତିକ ଐତିହ୍ୟ ସ୍ଥିରତା-ନିର୍ମାଣରେ ଏକ ପ୍ରମୁଖ ସମ୍ପତ୍ତି। ପାରମ୍ପରିକ ସ୍ଥାପତ୍ୟ ବଜାୟରଖିବା ପିଢ଼ି ପରେ ପିଢ଼ି ମାନସିକ ସୁସ୍ଥତା ଓ ନିରନ୍ତରତାକୁ ସମର୍ଥନ କରେ। ଆଧୁନିକ ନିର୍ମାଣ ବିଶ୍ୱ କାର୍ବନ ନିର୍ଗମନରେ ଏକ ପ୍ରମୁଖ ଅବଦାନକାରୀ। ଏହା ସାଧାରଣତଃ ରାସ୍ତା ଓ ରେଳ ଦ୍ୱାରା ପରିବହନ କରାଯାଏ। ମାଲବାହୀ ଯାନଗୁଡ଼ିକ, ବିଶେଷକରି ମଧ୍ୟମ ଓ ଭାରୀ ଯାନଗୁଡ଼ିକ, ବିଶ୍ୱ ଗ୍ରୀନହାଉସ୍ ଗ୍ୟାସ ନିର୍ଗମନରେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଅବଦାନକାରୀ। ପ୍ରକୃତରେ, ପାରମ୍ପରିକ କୋଠାଗୁଡ଼ିକର ସମଗ୍ର ଜୀବନଚକ୍ରରେ ସାମଗ୍ରୀ ସଂଗ୍ରହଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ନିର୍ମାଣ ଏବଂ ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କମ୍ କାର୍ବନ ପଦଚିହ୍ନ ଥାଏ। ପାରମ୍ପରିକ ଗୃହଗୁଡ଼ିକରେ ବ୍ୟବହୃତ ସ୍ଥାନୀୟ ସାମଗ୍ରୀଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରାୟତଃ ଜୈବବିଘଟନଶୀଳ ହୋଇଥାଏ ଏବଂ ସର୍ବନିମ୍ନ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ ଆବଶ୍ୟକ କରେ, ଯାହା ନିର୍ଗମନକୁ ବହୁଳ ଭାବରେ ହ୍ରାସ କରେ।

ସରକାର ପାରମ୍ପରିକ ଗୃହଗୁଡ଼ିକର ସଂରକ୍ଷଣ ପାଇଁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଏବଂ ଯୋଜନା ସହିତ ଏହି ଆବଶ୍ୟକତାକୁ ପୂରଣ କରିବା ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ନୀତି ପ୍ରଣୟନ କରୁଛନ୍ତି। ଅଧିକନ୍ତୁ, ଯେହେତୁ ଏହି ଗଠନଗୁଡ଼ିକ ସ୍ଥାୟୀ ଏବଂ ସହଜରେ ମରାମତି କରାଯାଏ, ସେମାନେ କମ୍ ଅପଚୟ ସୃଷ୍ଟି କରନ୍ତି, ବାରମ୍ବାର ପୁନଃନିର୍ମାଣର ଚାହିଦାକୁ ହ୍ରାସ କରନ୍ତି। ଏପରି ଘରଗୁଡ଼ିକର ପୁନରୁଦ୍ଧାର ଏବଂ ସ୍ଥାୟୀତ୍ୱକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରି, ଆମେ ପରିବେଶଗତ ସନ୍ତୁଳନ ବଜାୟ ରଖିବା ସହିତ ଜଳବାୟୁ ଅନୁକୂଳନ ପ୍ରୟାସରେ ଯୋଗଦାନ ଦେଉଛୁ।

ପାରମ୍ପରିକ ଘରଗୁଡ଼ିକ ଦ୍ରୁତ ସହରୀକରଣ, ଅବହେଳା ଏବଂ ଆଧୁନିକ ନିର୍ମାଣ ସପକ୍ଷରେ ନୀତିଗତ ପକ୍ଷପାତରୁ ବିପଦର ସମ୍ମୁଖୀନ ହୁଅନ୍ତି। ଅନେକ ଯୁବକ ପୈତୃକ ଘର ଏବଂ ସେଗୁଡ଼ିକୁ ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକୀୟ ଦକ୍ଷତା ଛାଡ଼ି ସହରକୁ ସ୍ଥାନାନ୍ତର କରନ୍ତି। ଏହା ସହିତ, ଆର୍ଥିକ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ପ୍ରାୟତଃ ପାରମ୍ପରିକ ପଦ୍ଧତିଗୁଡ଼ିକୁ ସମାଯୋଜିତ କରେ ନାହିଁ କିମ୍ବା ସମର୍ଥନ କରେ ନାହିଁ। ଏହି ଧାରା ଓଲଟାଇବାକୁ, ସରକାର ଏବଂ ସଂଗଠନଗୁଡ଼ିକୁ ଜଳବାୟୁ ଅନୁକୂଳନ ଏବଂ କାର୍ବନ ହ୍ରାସରେ ପାରମ୍ପରିକ ସ୍ଥାପତ୍ୟର ମୂଲ୍ୟକୁ ଚିହ୍ନିବା ଆବଶ୍ୟକ। ପୁନରୁଦ୍ଧାର ପାଇଁ ପାଣ୍ଠି ଯୋଗାଇବା, କାରିଗରମାନଙ୍କୁ ତାଲିମ ଦେବା ଏବଂ ଆଧୁନିକ ସ୍ଥାୟୀତ୍ୱ ଯୋଜନାରେ ପାରମ୍ପରିକ କୌଶଳକୁ ସଂହତ କରୁଥିବା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମଗୁଡ଼ିକ ଏହି ଘରଗୁଡ଼ିକୁ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ ରଖିବା ନିଶ୍ଚିତ କରିପାରିବେ।

ପାରମ୍ପରିକ ଗ୍ରାମୀଣ ଏବଂ ଆଦିବାସୀ ଘରଗୁଡ଼ିକୁ ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା କେବଳ ସାଂସ୍କୃତିକ ଗର୍ବର ବିଷୟ ନୁହେଁ - ଏହା ଜଳବାୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଲଢ଼ିବାରେ ଏକ ଚିନ୍ତାଶୀଳ ସ୍ଥାୟୀ ରଣନୀତି। ଏହି ଘରଗୁଡ଼ିକ କମ୍ କାର୍ବନ ଜୀବନଯାପନ, ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ସ୍ଥିରତା ଏବଂ ତାପ ଚାପର ବ୍ୟବହାରିକ ସମାଧାନ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରନ୍ତି ଯାହାକୁ ଆଧୁନିକ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଏପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ହାସଲ କରିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରୁଛି। ଜୀବନଯାପନର ଏହି ସମୟ-ପରୀକ୍ଷିତ ଉପାୟଗୁଡ଼ିକୁ ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ ଏବଂ ନିବେଶ କରି ଆମେ ଏକ ଅଧିକ ସ୍ଥିର ଏବଂ ସାଂସ୍କୃତିକ ଭାବରେ ସମୃଦ୍ଧ ଭବିଷ୍ୟତ ଆଡ଼କୁ ଅଗ୍ରସର ହୋଇପାରିବା।

ବାଲିଆପାଳ(ବାଲେଶ୍ୱର), ମୋ: ୭୮୯୪୪୫୬୫୧

## ଆମ ବୃକ୍ଷଲତା ଆମ ଜୀବନ

### ସୀତାଫଳ

**ପ୍ରକୃତି-ପରିବେଶ**

ସୌଭାଗ୍ୟସୁନ୍ଦର

ସୀତାଫଳ ଏକ ସୁସ୍ୱାଦୁ ଫଳ ଉତ୍ପାଦନକାରୀ ଉଦ୍ଭିଦ, ଯାହା ଭାରତରେ ବହୁଳ ଭାବରେ ଚାଷ କରାଯାଏ। ଏହାର ଉତ୍ପତ୍ତିସ୍ଥଳ ନୂତନ ବିଶ୍ୱ ଉଷ୍ଣମଣ୍ଡଳୀୟ କାରିବିଆନ ଅଞ୍ଚଳରେ ବୋଲି ଅନୁମାନ କରାଯାଏ।

ଛୋଟ, ଅର୍ଦ୍ଧ-ପତ୍ରପାତୀ, ବହୁ ଶାଖାବିଶିଷ୍ଟ ୩-୮ ମିଟର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବଢ଼ିପାରୁଥିବା ସୀତାଫଳ ଗଛର ପତ୍ରଗୁଡ଼ିକ ପତଳା, ସରଳ, ୫-୧୭ ସେମି ଲମ୍ବା ଏବଂ ୨-୬ ସେମି ଚଉଡ଼ା। ତିନୋଟି ସବୁଜ ବାହ୍ୟ ପାଖୁଡ଼ା ଏବଂ ତିନୋଟି ଭିତର କ୍ଷୁଦ୍ର ପାଖୁଡ଼ା ବିଶିଷ୍ଟ ଫୁଲଗୁଡ଼ିକ ବସନ୍ତ-ଗ୍ରୀଷ୍ମ ଋତୁର ପ୍ରାରମ୍ଭରେ ଫୁଟିଥାଏ। ଫଳଗୁଡ଼ିକ ସାଧାରଣତଃ ନୀଳ-ସବୁଜରୁ ଫିକା ସବୁଜ ଏବଂ ଧାରଗୁଡ଼ିକ ଧଳା ଗୋଲାପୀ। ଫୁଲ ଫୁଟିବାର ୩ ରୁ ୪ ମାସ ପରେ ଫଳ ପାଚେ। ଫଳ ରସାଳ ସୁଗନ୍ଧିତ, ହାଲୁକା ହଳଦିଆ ରଙ୍ଗରୁ କ୍ରିମି ଧଳା ଏବଂ କଷ୍ଟାର୍ଡ ପରି ସୁସ୍ୱାଦୁ। ବିହନ ବା ମଞ୍ଜି ଟାଣ ଏବଂ କଳା ବର୍ଣ୍ଣର, ଯାହା ପ୍ରତ୍ୟେକ ଧଳା ମାଂସଳ ପରଦା ସହିତ ଆବୃତ ହୋଇଥାଏ। ଫଳର ମଧ୍ୟ ଭାଗରେ ଏକ ଲମ୍ବା ସ୍ତମ୍ଭାକାର ପଦାର୍ଥ ଥାଏ, ଯାହା ଚାରିପାଖରେ ମଞ୍ଜିଗୁଡ଼ିକ ସଜେଇ ହୋଇ ରହିଥାଏ। ପ୍ରତି ଫଳରେ ୨୦ ରୁ ୪୦ କିମ୍ବା ତା'ଠାରୁ ଅଧିକ ମଞ୍ଜି ଥାଇପାରେ। ଏଥିରେ ୫୦ ରୁ ୬୦% ରସାଳ ବା ମାଂସଳ ଖାଦ୍ୟ ପଦାର୍ଥ ଥାଏ, ଯାହା ଶର୍କରା ବା କାର୍ବୋହାଇଡ୍ରେଟ୍, ଭିଟାମିନ୍ ଏବଂ ପ୍ରୋଟିନର ଉତ୍ସ।

ଫଳ ସାଧାରଣତଃ ତାଜା ଖିଆଯାଏ ଏବଂ ଜୁସ୍, କେକ୍ ଓ ଆଇସ୍କ୍ରିମ୍ ତିଆରି କରିବା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇପାରିବ। ସୁସ୍ୱାଦୁ ଫଳ ରସ ବ୍ୟତୀତ ସୀତାଫଳର ଆୟୁର୍ବେଦ, ୟୁନାନୀ, ସିଦ୍ଧ ଓ ହୋଲିଷ୍ଟିକ୍ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ଭଳି ବିଭିନ୍ନ ପଦ୍ଧତିରେ ପାରମ୍ପରିକ ଔଷଧର ଏକ ପ୍ରମୁଖ ଉପାଦାନ। ସୀତାଫଳର ବିଭିନ୍ନ ଅଂଶ ଆସ୍କର୍ବିକ୍ ଏସିଡ୍, କ୍ୟାଲସିୟମ୍, ଫସଫରସ୍ ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପୁଷ୍ଟିକର ତତ୍ତ୍ୱର ଭଣ୍ଡାର। ସୀତାଫଳରୁ ପ୍ରାପ୍ତ ପାରମ୍ପରିକ ଉପଚାରଗୁଡ଼ିକ ପାକସ୍ଥଳୀ ବିକାର, ଶ୍ୱାସକ୍ରିୟା ସଂକ୍ରମଣ, ପ୍ରଦାହ, ମଧୁମେହ, ହିଷ୍ଟେରିଆ ବା ଉନ୍ମା. ଫୁଲା, ମଳଦ୍ୱାର ପ୍ରଳୟ, ଟ୍ୟୁମର, ରକ୍ତହୀନତା, ଜଳାପୋଡ଼ା, ଶୁଦ୍ଧିକାରକ, କଫ, ରକ୍ତଚାପ, ଆମାଶୟ, ନାଳଝାଡ଼ା, ମେରୁଦଣ୍ଡ ମଜ୍ଜା ଆଦି ରୋଗର ଉପଚାର ପାଇଁ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ। ସୀତାଫଳ ଗଛର ପତ୍ର, କାଣ୍ଡ, ଛାଲି, ମୂଳ ଓ ବିହନ ସମେତ ଉଦ୍ଭିଦର ବିଭିନ୍ନ ଅଂଶକୁ ପାରମ୍ପରିକ ଔଷଧରେ ନିୟୋଜିତ କରାଯାଇଥାଏ। ପାରମ୍ପରିକ ଭାରତୀୟ ଔଷଧରେ ପତ୍ରଗୁଡ଼ିକୁ ପୋଲ୍ଟିସ୍ ବା ପୁଟୁଳି ଭାବରେ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ଚୂର୍ଣ୍ଣ କରାଯାଏ ଏବଂ କ୍ଷତ ଉପରେ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯାଏ।

ଉଦ୍ଭିଦରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଜୈବ ରାସାୟନିକ ଉପାଦାନ ରହିଛି, ଯେଉଁଥିରେ ଆନୋନାଇନ୍, ସ୍କ୍ୱାମୋସିନ୍, ରେଟିକୁଲାଇନ୍, ଆନୋମୁରିସିନ୍ ଏ ଏବଂ ଆନୋନାମାଇନ୍ ଭଳି ଆଲକାଲଏଡ୍ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ, ଯାହା ସାଇଟୋଟକ୍ସିକ, ଆଣ୍ଟିମାଇକ୍ରୋବାୟଲ୍ ଓ ଆଣ୍ଟିପାରାସାଇଟିକ୍ ଗୁଣ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରେ। ସ୍କ୍ୱାମୋଷ୍ଟାଟିନ୍, ସ୍କ୍ୱାମୋସିନ୍, ଆନୋନାସିନ୍ ଓ ବୁଲାଟାସିନ୍ ଭଳି ଆସେଟୋଜେନିନ୍ କର୍କଟ କୋଷ ଉପରେ ସେମାନଙ୍କର ଶକ୍ତିଶାଳୀ ସାଇଟୋଟକ୍ସିକ ପ୍ରଭାବ ପାଇଁ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ। ଫ୍ଲାଭୋନଏଡ୍ସରେ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ କ୍ୱେରସେଟିନ୍, କ୍ୟାମ୍ପଫେରୋଲ୍, ରୁଟିନ୍ ଓ ଲ୍ୟୁଟୋଲିନ୍ ଆଣ୍ଟିଅକ୍ସିଡାଣ୍ଟ ଏବଂ ପ୍ରଦାହ-ବିରୋଧୀ ଲାଭ ପ୍ରଦାନ କରନ୍ତି। ଏହାସହିତ ସିଟୋଷ୍ଟେରୋଲ୍, ଲୁପିଓଲ୍, ଷ୍ଟିଗମାଷ୍ଟେରୋଲ୍, ଉର୍ସୋଲିକ୍ ଏସିଡ୍, ଗାଲିକ୍ ଏସିଡ୍, କ୍ଲୋରୋଜେନିକ୍ ଏସିଡ୍, ଏଲାଜିକ୍ ଏସିଡ୍ ଓ କାଫିକ୍ ଏସିଡ୍ ଭଳି ଟେର୍ପେନୋଏଡ୍ସ ଓ ଫେନୋଲିକ୍ସ ଉଦ୍ଭିଦର ବିସ୍ତୃତ ଔଷଧୀୟ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପରେ ଅବଦାନ ରଖନ୍ତି।

ସୀତାଫଳର ଯେକୌଣସି ପ୍ରତିକୂଳ ପରିସ୍ଥିତି ସହ୍ୟ କରିବାର କ୍ଷମତା ଅଛି। ଅଧିକ ଯତ୍ନ ବିନା ବଢ଼ିଥାଏ ଏବଂ ପ୍ରାୟତଃ ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳରେ ଏକ ଅନାବନା ଗଛ ଭାବରେ ଦେଖାଯାଏ। ସୀତାଫଳ ଗଛକୁ ଗ୍ଲୋବାଲ୍ କମ୍ପେଣ୍ଡିୟମ୍ ଅଫ୍ ୱିଡ୍ସରେ 'ଚାଷ ପଳାୟନ, ପ୍ରାକୃତିକୀକରଣ, ୱିଡ୍' ଭାବରେ ତାଲିକାଭୁକ୍ତ କରାଯାଇଛି। ଅର୍ଥାତ ଏହାର ଚାଷ ପାଇଁ କୌଣସି ଉପଯୁକ୍ତ ପଦକ୍ଷେପ ନେବାରୁ ସୀତାଫଳ ଉଦ୍ଭିଦ ବଞ୍ଚିତ ରହିଛି।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ମୋ: ୯୪୩୭୨୧୯୦୪୨୦

ସକାଳ THE SAKALA
ଯୋଗାଯୋଗ ଠିକଣା
NEWS & INFO
news@thesakala.com
CIRCULATION
circulation@thesakala.com
ADVERTISEMENT
advt@thesakala.com
THE SAKALA
(A Unit of Nandighosha Network Pvt. Ltd.)
At: IDCO Plot No. 90 & 91, Bhagabanpur I/E, BBSR-751019
Ph.: 0674-2954342 | 2955342



ଦୈନିକ 'ସକାଳ' ଓ ଏହାର ବିଶେଷ ଅଧିପତ୍ର, ପତ୍ରିକା ଆଦିରେ ପ୍ରକାଶିତ ଆଲେଖ୍ୟର ଉଦ୍ଧୃତି, ତଥ୍ୟ, ମତାମତ, ବିଶ୍ଳେଷଣ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଲେଖକଙ୍କ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଜସ୍ୱ। ସେଥିପାଇଁ 'ସକାଳ' କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ଉତ୍ତରଦାୟୀ ହେବେ ନାହିଁ।

## ଆଜି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଜନଶୁଣାଣି ବନ୍ଦ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ସୋମବାର ହେବାକୁ ଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଅଭିଯୋଗ ଶୁଣାଣି ଅନିର୍ବାଯ୍ୟ କାରଣ ପାଇଁ ସ୍ଥଗିତ ରହିବ । ଶୁଣାଣି ପାଇଁ ଅନ୍‌ଲାଇନ୍ ମାଧ୍ୟମରେ ପଞ୍ଜିକରଣ କରିଥିବା ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଆପତ୍ତି, ଅଭିଯୋଗ ପରବର୍ତ୍ତୀ ଜନଶୁଣାଣିରେ ଶୁଣାଯିବ । ପରବର୍ତ୍ତୀ ଜନଶୁଣାଣି ଖୁବ୍‌ଶୀଘ୍ର ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଅବଗତି ନିମନ୍ତେ ଜଣାଇ ଦିଆଯିବ ।

## ଆଜି ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ବନକଲାଗି
# ୫ ଘଣ୍ଟା ବନ୍ଦ ରହିବ ଦର୍ଶନ

ପୁରୀ,୨୯।୬(ସମିସ): ଆଷାଢ଼ ଶୁକ୍ଳ ଚତୁର୍ଥୀ ଯୁକ୍ତ ପଞ୍ଚମୀ ତିଥିରେ ସୋମବାର ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କର ବନକଲାଗି ବା ଶ୍ରୀମୁଖ ଶୃଙ୍ଗାର ନୀତି ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ । ହେରାପଞ୍ଚମୀ ପୂର୍ବଦିନ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କର ବନକଲାଗି ହେବାର ପରମ୍ପରା ରହିଛି । ତେଣୁ ସୋମବାର ଦ୍ୱିତୀୟ ଭୋଗମଣ୍ଡପ ଶେଷ ହେବା ପରେ ରାତି ୯ଟାରୁ ବିଳମ୍ବିତ ରାତି ୨ଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସର୍ବସାଧାରଣ ଦର୍ଶନ ବନ୍ଦ ରହିବ ବୋଲି ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ପ୍ରଶାସନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି । ବନକଲାଗି ହେଉଛି ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କର ଏକ ଗୁପ୍ତ ନୀତି । ଏହି ନୀତି ପାଇଁ ଜୟ ବିଜୟ ଦ୍ୱାର ବନ୍ଦ ରହିବ । ଦ୍ୱିପ୍ରହର ଧୂପ ସରିବା ପରେ ଦତ୍ତମହାପାତ୍ର ସେବକମାନେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଶ୍ରୀମୁଖ ଶୃଙ୍ଗାର କରିବେ । ଏଥିପାଇଁ ଦତ୍ତମହାପାତ୍ର ସେବକ ପ୍ରାକୃତିକ ରଙ୍ଗ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଥା'ନ୍ତି ।

# ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଆଇନ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଇସ୍ତଫା ଦାବିକଲା କଂଗ୍ରେସ

## ମୃତକଙ୍କ ପରିବାରକୁ ୫୦ ଲକ୍ଷ ଏବଂ ଗୁରୁତରଙ୍କୁ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଦେବାକୁ ଦାବି

ଭୁବନେଶ୍ୱର/ପୁରୀ,୨୯।୬(ସମିସ): ଶରଧାବାଲି ଦଳାଚକଟା ଘଟଣାରେ ପିସିସି ପକ୍ଷରୁ ସ୍ଥିତି ଅନୁଧ୍ୟାନ କରାଯାଇଛି । ପୂର୍ବତନ ପିସିସି ସଭାପତି ପ୍ରସାଦ ହରିଚନ୍ଦନଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଗଠିତ କମିଟିର ସଦସ୍ୟ ପୂର୍ବତନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ପଟ୍ଟନାୟକ, ପିସିସି ଉପସଭାପତି ସନ୍ତୋଷ ସିଂ ସାଲୁଜା, ପୂର୍ବତନ ମନ୍ତ୍ରୀ

ନଗେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ ଘଟଣାସ୍ଥଳ ଓ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟକୁ ଯାଇ ଆହତମାନଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି । ଗୁରୁତର ଭାବେ ଆହତ ହୋଇଥିବା ଓ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ରୂପେ ଗୋଡ଼ ହାଡ଼ ଦିଖଣ୍ଡ ହୋଇଥିବା ଦୁଇଜଣ ରୋଗୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ବିନା ଚିକିତ୍ସାରେ ଡିସ୍‌ଚାର୍ଜ ହୋଇଥିବା କଥା ଶୁଣି ଟିମ୍ ବ୍ୟଥିତ ଓ ଚକିତ ହୋଇଛି । ଘଟଣାକୁ ଫାଙ୍କିଦେବା ପାଇଁ ଯେତିକି ସରକାରୀ ଉଦ୍ୟମ ହେଉଛି ଆହତ ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ସେତିକି ଦୃଷ୍ଟି ଦିଆଯାଉ ନାହିଁ ବୋଲି କଂଗ୍ରେସ ଅଭିଯୋଗ କରିଛି ।

କଂଗ୍ରେସ ପକ୍ଷରୁ ଏହି ଘଟଣାରେ ମୃତକମାନଙ୍କ ପରିବାରକୁ ୫୦ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ସହାୟତା ଏବଂ ଗୁରୁତର ଆହତ ହୋଇଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କୁ ୨୫ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ସହାୟତା ଦେବାକୁ ଦଳ ଦାବି କରିଛି । ଅନ୍ୟପଟେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ମୁଣ୍ଡରେ ପରିଚାଳନା ଦାୟିତ୍ୱ ନ୍ୟସ୍ତ ଥିବା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ନୈତିକତା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ସେମାନେ ଇସ୍ତଫା ଦିଅନ୍ତୁ ବୋଲି ଦଳ ଦାବି କରିଛି । ମାସକ ଭିତରେ ତଦନ୍ତ କରାଯାଇ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ କରାଯିବ ବୋଲି ଆଜି ଅପରାହ୍ନରେ ଆଇନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଘୋଷଣା କରିଛନ୍ତି । କିଏ ତଦନ୍ତ କରିବେ ଏବଂ କିଭଳି ତଦନ୍ତ କରାଯିବ ସେ ସମ୍ପର୍କରେ କିଛି ନ କହି ସରକାର କି କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନେବେ ବୋଲି ଟିମ୍ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛି । ନୀଳାଦ୍ରି ବିଜେ ପରେ ୧୦ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଜଣେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ଜିଲ୍ଲା ଜଜ୍‌ଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଘଟଣାର ତଦନ୍ତ କରାଯାଇ ତାଙ୍କ ସୁପାରିସ ଭିତ୍ତିରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ହେଉ ବୋଲି ଦଳ ଦାବି କରିଛନ୍ତି ।

## ଟ୍ରକ୍ ଧକ୍କାରେ ଜଣେ ମୃତ

ଅନୁଗୋଳ,୨୯ ।୬(ସମିସ): ଅନୁଗୋଳ ସଦର ଥାନା ବେଣାଗାଡ଼ିଆ ପଞ୍ଚାୟତ ସରଳିଆ ରାଇସ୍ ମିଲ୍ ନିକଟରେ ରବିବାର ଅପରାହ୍ନ ୨ଟାରେ ଟ୍ରକ ଧକ୍କାରେ ଜଣଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି । ମୃତକ ହେଲେ ଜରାସିଂହା ଗ୍ରାମର ଦଣ୍ଡ ଦେହୁରୀଙ୍କ ପୁଅ ଗୋବର୍ଦ୍ଧନ ଦେହୁରୀ । ଏହି ଦୁର୍ଘଟଣା ପରେ ସେଠାରେ ଉତ୍ତେଜନା ପ୍ରକାଶ ପାଇଥିଲା । ପୁଲିସ ପହଞ୍ଚି ଲୋକଙ୍କୁ ବୁଝାସୁଝା କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ କ୍ଷତିପୂରଣ ଦାବିରେ ଲୋକେ ଅଡ଼ିବସିଥିଲେ । ପ୍ରାୟ ୪ ଘଣ୍ଟା ପରେ ଟ୍ରକ ମାଲିକ ପହଞ୍ଚି କ୍ଷତିପୂରଣ ବାବଦ ୪୫ ହଜାର ଟଙ୍କା ଦେବା ସହ ଅନ୍ୟ ସରକାରୀ ସହାୟତା ପ୍ରଦାନ ପାଇଁ ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ମିଳିବା ପରେ ପରିସ୍ଥିତି ଶାନ୍ତ ପଡ଼ିଥିଲା । ଗୋବର୍ଦ୍ଧନ କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟରେ ସରଳିଆ ରାଇସ୍ ମିଲ୍ ଆଡ଼କୁ ଆସି ଫେରୁଥିବା ବେଳେ ଜରାସିଂହା ଆଡୁ ଆସୁଥିବା ୧୨ ଚକିଆ ଟ୍ରକ ଗୋବର୍ଦ୍ଧନଙ୍କୁ ଧକ୍କା ଦେଇଥିଲା । ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ତାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିଲା । ଦୁର୍ଘଟଣା ପରେ ଟ୍ରକ ଚାଳକ ଫେରାର୍ ହୋଇଯାଇଛନ୍ତି । ପୁଲିସ ଟ୍ରକ ଜବତ କରି ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିଛି ।

## ନିଅଁ ଗାତରେ ପଡ଼ି ନାବାଳକ ମୃତ

ଅନୁଗୋଳ,୨୯ ।୬(ସମିସ): ଅନୁଗୋଳ ଜିଲ୍ଲା ଛେଣ୍ଡିପଦା ଥାନା କୋଶଳା ପେଟ୍ରୋଲ ପମ୍ପ ନିକଟରେ ଖୋଳାଯାଇଥିବା ନିଅଁ ଗାତରେ ପଡ଼ି ଜଣେ ୧୨ ବର୍ଷୀୟ ନାବାଳକଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି । ମୃତକ ହେଲେ କୋଶଳା ଗାଁର ପବିତ୍ର ନାଏକଙ୍କ ପୁଅ ସିଲଟୁ ନାଏକ । ସିଲୁଟ ସାଙ୍ଗମାନଙ୍କ ସହିତ ଖେଳୁଥିବା ବେଳେ ପ୍ରଭଞ୍ଜନ ବେହେରାଙ୍କ ବାରିରେ ଘର ତିଆରି ପାଇଁ ଖୋଳାଯାଇଥିବା ପିଲାର ଫାଉଣ୍ଡେସନ ଗାତରେ ପଡ଼ିଯାଇଥିଲେ । ଗାତରେ ପାଣି ଭରି ରହିଥିବାରୁ ସିଲଟୁ ବୁଡ଼ିଯାଇଥିଲେ ।

# ଅବଶିଷ୍ଟାଂଶ

## ଜନ୍ମବେଦୀରେ ଚତୁର୍ଦ୍ଧାବିଗ୍ରହ...

ହେଲେ ଏବର୍ଷ ରଥ ବେଶି ବାଟ ଗଡ଼ିପାରି ନଥିଲେ । ଶନିବାର ସକାଳେ ପୁନଶ୍ଚ ରଥଟଣା ଯାଇଥିଲା । ଅପରାହ୍ଣ ୧ଟା ୧୦ସୁଦ୍ଧା ତିନିରଥ ଶରଧାବାଲିରେ ପହଞ୍ଚିଥିଲେ । ଦୁଇରାତି ଓ ଦୁଇଦିନ ରଥ ଉପରେ ହିଁ ଦୈନନ୍ଦିନ ନୀତିକାନ୍ତି ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା । ମଙ୍ଗଳବାର ସକାଳ ୬ଟା ୧୫ରୁ ୬ଟା ୨୫ ମଧ୍ୟରେ ମଙ୍ଗଳଆଳତି ବଢ଼ି ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ନୀତି ଚାଲିଥିଲା । ରଥ ଉପରେ ଠାକୁର ଥିବା ବେଳେ ଖଇ, କୋରା, ଶଙ୍ଖକୋରା, ଫଳମୂଳ ଭୋଗ ଲାଗି କରାଯାଇଥିଲା । ମଙ୍ଗଳ ଆଳତିଠାରୁ ସନ୍ଧ୍ୟା ଧୂପ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସମସ୍ତ ନୀତି ଅପରାହ୍ଣ ୨ଟା ୪୫ ମଧ୍ୟରେ ଶେଷ ହୋଇଥିଲା । ପରେ ଦାରୁଦେବତାଙ୍କ ପହଣ୍ଡି ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଆରମ୍ଭ କରାଯାଇଥିଲା । ପାଗ ଅନୁକୂଳ ଆଣି ଦେଇଥିଲା ଆଶ୍ୱସ୍ତି । ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା ପହଣ୍ଡି ପାଇଁ ପ୍ରକ୍ରିୟା । ଅପରାହ୍ଣ ୩ଟା ୨୫ରୁ ସନ୍ଧ୍ୟା ସାଢ଼େ ୬ଟା ମଧ୍ୟରେ ତିନିରଥରୁ ଘୋଡ଼ା ଫିଟାଯାଇ ଚାରମାଳ ବନ୍ଧା ଯାଇଥିଲା । ପରେ ସନ୍ଧ୍ୟା ୬ଟା ୪୦ରେ ପୁଷ୍ପାଞ୍ଜଳି ସରି ବାଜିଥିଲା ବିଜେ କାହାଳୀ । ୬ଟା ୫୦ରେ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା ପହଣ୍ଡି । ପ୍ରଥମେ ମଦନମୋହନ, ରାମ ଓ କୃଷ୍ଣ ଆଡ଼ପମଣ୍ଡପକୁ ବିଜେ ହୋଇଥିଲେ । ପରେ ଚକ୍ରରାଜ ଶ୍ରୀସୁଦର୍ଶନଙ୍କୁ ଗୋଟିପହଣ୍ଡିରେ ଜନ୍ମବେଦୀକୁ ନିଆଯାଇଥିଲା । ଘଣ୍ଟ, ସଂକୀର୍ତ୍ତନ, ହରିବୋଲ, ହୁଳହୁଳି ଧ୍ୱନିରେ ପ୍ରକମ୍ପିତ ହୋଇଥିଲା ଶରଧାବାଲି ।

ସୁଦର୍ଶନଙ୍କ ପହଣ୍ଡି ପରେ ବଡ଼ଠାକୁର ଶ୍ରୀବଳଭଦ୍ରଙ୍କ ପହଣ୍ଡି ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା । ସଅଳ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରକୁ ବିଜେ କରିଥିଲେ ଶ୍ରୀବଳଭଦ୍ର । ବଡ଼ଠାକୁରଙ୍କ ପରେ ହଳଦୀମୁଖି ଦେବୀ ସୁଭଦ୍ରା ଜନ୍ମବେଦୀକୁ ଗୋଟିପହଣ୍ଡିରେ ବିଜେ କରିଥିଲେ । ଶେଷରେ ବିଶ୍ୱନିୟନ୍ତା ମହପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପହଣ୍ଡି ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା । ହଲିଝୁଲି କାଳିଆ ଠାକୁର ଆଡ଼ପମଣ୍ଡପକୁ ବିଜେ କରିଥିଲେ । ରାତି ୯ ଟା ୫୦ରେ ପହଣ୍ଡି ଶେଷ ହୋଇଥିଲା । ପହଣ୍ଡି ପାଇଁ ରଥ ସିଂହାସନ ଛାଡ଼ି ହଂସପଟା ନିକଟକୁ ଆସିବା ପରେ ସେଠାରେ ଠାକୁରମାନଙ୍କ ଟାହିଆ ଲାଗି ହୋଇଥିଲା । ପତିମହାପାତ୍ର ସେବକ ଘଷା ଏବଂ ବିଡ଼ିଆ ମଣୋହୀ କରିବା ସହିତ କର୍ପୂର ଆଳତି କରିଥିଲେ । ଏହାପରେ ଗୋଟିପହଣ୍ଡିରେ ଜଣକ ପରେ ଜଣେ ଠାକୁର ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରକୁ ବିଜେ କରିଥିଲେ । ଚତୁର୍ଦ୍ଧାବିଗ୍ରହ ଆଡ଼ପ ମଣ୍ଡପରେ ରୁନ୍ଧାଯିବା ପରେ ନିର୍ଘଣ୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ନୀତି କରାଯାଇଛି ।

ଅପରପକ୍ଷେ, ସୋମବାରଠାରୁ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁମାନେ ଆଡ଼ପ ମଣ୍ଡପରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଦର୍ଶନ କରିବା ସହ ବାହାରିବ ଆଡ଼ପ ଅବଢ଼ା । ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ରୋଷଘରେ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହେବ ଏହି ଅବଢ଼ା । ଭକ୍ତମାନେ କିପରି ସୁରୁଖୁରୁରେ ମହାପ୍ରସାଦ ପାଇପାରିବେ, ସେଥିଲାଗି ପ୍ରଶାସନ ଏବଂ ସେବାୟତଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଯାଇଛି ।

## ମହାଅଘଟଣ...

୧୫ ମଧ୍ୟରେ ତିନିରଥରେ ଠାକୁରଙ୍କର ପହୁଡ଼ କରାଯାଇଥିଲା । ଏପଟେ ହଜାର ହଜାର ଭକ୍ତ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖ ଶରଧାବାଲି ଅଞ୍ଚଳରେ ଦର୍ଶନ ପାଇଁ ଅପେକ୍ଷା କରିରହିଥିଲେ । ପହୁଡ଼ ପଡ଼ିଯିବାରୁ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁମାନେ ଜରି ପକାଇ ତଳେ ବସି ରହିଥିଲେ । ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ରାତି ଯେତେ ଅଧିକ ହେଉଥିଲା, ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ସେତେ ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଥିଲା । ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖ ସୀମିତ ଅଞ୍ଚଳରେ ହଜାରହଜାର ଭକ୍ତ ସମାଗମ ହୋଇଥିଲେ । ପ୍ରତ୍ୟୁଷରେ ପହୁଡ଼ ଖୋଲିବା ପରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଦର୍ଶନ ଲାଗି ଭକ୍ତଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଉତ୍ସାହ ବଢ଼ିଥିଲା । ଏହି ସମୟରେ ଚାରମାଳ କାଠ ନେଇ ଭିଡ଼ ଭିତରେ ୨ଟି ଟ୍ରକ୍ ଆସିଥିଲା । ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ଆଡ଼େଇ ହୋଇଯାଉଥିବା ବେଳେ ଠେଲାପଲା ହୋଇଥିଲା । ଏହି ଠେଲାପେଲା ଯୋଗୁଁ ମଝି ରଥ ସମ୍ମୁଖରେ ଦଳାଚକଟା ହୋଇଥିଲା । ବହୁ ଭକ୍ତ ତଳେ ପଡ଼ିଯାଇଥିଲେ । ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ ଅନ୍ୟମାନେ ଚଢ଼ି ଚାଲିଯାଉଥିଲେ । ଫଳରେ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ୨ଜଣ ଏବଂ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟରେ ଆଉ ଜଣେ; ଏହିପରି ୩ଜଣଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିବାବେଳେ ଅନେକ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ଆହତ ହୋଇଥିଲେ । ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟରେ ୧୨ ଆହତ ଭର୍ତ୍ତି ହୋଇଛନ୍ତି । ମୃତ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁମାନେ ହେଲେ, ବୋଲଗଡ଼ର ବାସନ୍ତୀ ସାହୁ, ଭୁବନେଶ୍ୱରର ପ୍ରେମକାନ୍ତ ମହାନ୍ତି ଏବଂ ବାଲିପାଟଣା ଅଠାନ୍ତରର ପ୍ରଭାତୀ ଦାସ । ଏହି ଦୁର୍ଘଟଣା ପରେ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟରେ ଶୋକାକୁଳ ପରିସ୍ଥିତି ଉପୁଜିଥିଲା । ପୁଲିସ୍ ଶବ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ କରାଇ ପରିବାରଲୋକଙ୍କୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିଥିବା ବେଳେ ଏହାକୁ ନେଇ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ତୀବ୍ର ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି ।

ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ଉପସ୍ଥିତ ଥିବା କିଛି ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷଦର୍ଶୀଙ୍କ କହିବାନୁଯାୟୀ, ପ୍ରଶାସନର ଅବହେଳା ଯୋଗୁଁ ଏପରି ଅଘଟଣ ଘଟିଲା । ସେମାନଙ୍କ ସୂଚନା ମୁତାବକ, ଭକ୍ତଙ୍କ ଭିଡ଼ ଭିତରେ ୨ଟି ଚାରକାଠ ବୋଝେଇ ଟ୍ରକ୍ ପଶିଥିଲା । ଟ୍ରକ୍ ପଶିବା ଯୋଗୁଁ ଠେଲାପେଲାରୁ ଦଳାଚକଟା ହୋଇଥିଲା । ଏହି ସମୟରେ ହାତଗଣତି କିଛି ସୁରକ୍ଷା କର୍ମୀ ଥିଲେ । କୌଣସି ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀ ନଥିଲେ । ଭିଡ଼ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ବି କିଛି ବ୍ୟବସ୍ଥା ନଥିଲା । ଯିଏ ଯେଉଁପଟେ ଚାହୁଁଥିଲା, ଆସୁଥିଲା । ପ୍ରବେଶ ଓ ପ୍ରସ୍ଥାନ ବ୍ୟବସ୍ଥା ନ ଥିଲା । ଭକ୍ତଙ୍କ ପ୍ରସ୍ଥାନ ରାସ୍ତା ବନ୍ଦ କରାଯାଇ ଭିଆଇପିଙ୍କ ମୁକ୍ତ ଦର୍ଶନ ପାଇଁ ବ୍ୟାରିକେଡ୍ କରାଯାଇଥିଲା । ଫଳରେ ରଥାରୂଢ଼ ଶ୍ରୀଜୀଉଙ୍କ ଦେଖିବା ପାଇଁ ସଙ୍କୁଚିତ ପ୍ରବେଶପଥରେ ଆସି ପୁଣି ସେଇ ବାଟେ ଫେରୁଥିଲେ । ଏଥିସହିତ ଡାକବାଜି ଯନ୍ତ୍ରରେ କେତେବେଳେ ପହୁଡ଼ ଖୋଲାଯିବ, ତାହାର ସୂଚନା ମଧ୍ୟ ଦିଆଯାଉ ନ ଥିଲା । ଫଳରେ ଲୋକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦେଖିବା ପାଇଁ ଦଳଚକଟା ପରିସ୍ଥିତି ଉପୁଜିଥିଲା ।

ଅନ୍ୟ ଜଣେ ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷଦର୍ଶୀଙ୍କ ଅନୁଯାୟୀ, ଭକ୍ତମାନେ ଯେଉଁ ପଲିଥିନ୍‌ରେ ବସିଥିଲେ, ତାହା କାଳ ହୋଇଥିଲା । ଝିପିଝିପି ବର୍ଷା ହେବାରୁ ପଲିଥିନ୍‌ରେ ଗୋଡ଼ ଖସିଥିଲା । ଚାରମାଳ କାଠ ଗାଡ଼ି ଆସିବା ବେଳେ ହଠାତ୍ ଉଠିବା ବେଳେ ଜଣଙ୍କ ପରେ ଜଣେ କଚାଡ଼ି ହୋଇ ପଡ଼ିଥିଲେ ।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଜଣେ ମୃତକଙ୍କ ସ୍ୱାମୀ ପ୍ରଶାସନିକ ଅବେହଳାକୁ ଦାୟୀ କରିଛନ୍ତି । ସେ କହିଛନ୍ତି, ଯଦି ପ୍ରଶାସନ କିମ୍ବା ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ସେଠାରେ ଥାଆନ୍ତା, ତା'ହେଲେ ତାଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀ ବଞ୍ଚିଯାଇଥା'ନ୍ତା । ପୁଲିସକୁ ଅବଗତ କରାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସେ ଏହାକୁ ଅଣଦେଖା କରିଥିଲେ । ପ୍ରଶାସନର ଅବହେଳା ଯୋଗୁଁ ତାଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀ ମରିଗଲା ବୋଲି କୋହଭରା କଣ୍ଠରେ କହିଛନ୍ତି ।

ବରିଷ୍ଠ ସେବାୟତ ବିନାୟକ ଦାସ ମହାପାତ୍ର ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ନାପସନ୍ଦ କରିଛନ୍ତି । ୭୫ପ୍ରତିଶତ ଜାଗାରେ ବ୍ୟାରିକେଡ୍ ପକାଯାଇଛି । ଫଳରେ ଭକ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ସଂକୀର୍ଣ୍ଣ ଜାଗା ଛଡ଼ାଯିବାରୁ ଏଭଳି ପରିସ୍ଥିତି ଉପୁଜିଲା ବୋଲି କହିଛନ୍ତି । ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ପ୍ରଶାସନର ପ୍ରାକ୍ତନ ପ୍ରଶାସକ ତଥା ବରିଷ୍ଠ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତି ଗବେଷକ ଡ. ଭାସ୍କର ମିଶ୍ର କହିଛନ୍ତି, ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ଦଳାଚକଟାରେ ଭକ୍ତଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହେବା ଏହା ପ୍ରଥମ ଘଟଣା । ଦୀର୍ଘ ୪୦/୫୦ ବର୍ଷ ହେବ ଶରଧାବାଲିରେ କେବେ ଏମିତି ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟି ନ ଥିବା ସେ ମତ ଦେଇଛନ୍ତି ।

## ସରକାର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ...

ଘଟିବା ସମୟରେ ଭିଡ଼ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବା ପାଇଁ କୌଣସି ସରକାରୀ ବ୍ୟବସ୍ଥା ସେଠାରେ ନଥିଲା ବୋଲି ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷଦର୍ଶୀମାନେ କହୁଛନ୍ତ । ଯାହା ଦାୟିତ୍ୱରେ ଚରମ ଅବହେଳାକୁ ଦର୍ଶାଇଛି ।

ନବୀନ ପୁଣି କହିଛନ୍ତି ଯେ ରଥଯାତ୍ରା ଦିନ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ନନ୍ଦିଘୋଷ ରଥ ଟାଣିବାରେ ଅହେତୁକ ବିଳମ୍ବ ହେଲା, ହେଲେ ସରକାର ଅତି ସହଜରେ ଏହାକୁ 'ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଇଚ୍ଛା' ବୋଲି କହି ଦାୟିତ୍ୱରୁ ମୁହଁ ଫେରାଇ ନେଲେ । ଏପରି ଅଭାବନୀୟ ଉକ୍ତି ପ୍ରଶାସନର ଦାୟିତ୍ୱହୀନତାକୁ ଢାଙ୍କିବା ବ୍ୟତୀତ ଆଉ କିଛି ବି ନୁହେଁ । ସରକାରଙ୍କ ବେଖାତିର ମନୋଭାବ ତଥା ସମ୍ବେଦନହୀନ ଆଚରଣ ହିଁ ଏପରି ଅଘଟଣର କାରଣ ବୋଲି ଉଲ୍ଲେଖ କରି ଆଡ଼ପ ବିଜେ, ବାହୁଡ଼ା, ସୁନାବେଶ ତଥା ରଥଯାତ୍ରା ସମ୍ବନ୍ଧିତ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ରୀତିନୀତି ଯେପରି ସୁରୁଖୁରୁରେ ସମାପନ ହେବ ସେଥିପ୍ରତି ତୁରନ୍ତ ଦୃଷ୍ଟି ଦେଇ ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ଭାବେ ଉଚିତ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିବା ପାଇଁ ନବୀନ ସରକାରଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି ।

ଅନ୍ୟପଟେ ଶରଧାବାଲିରେ ଦଳାଚକଟା ଯୋଗୁଁ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ଜୟଦେବ ନିର୍ବାଚନମଣ୍ଡଳୀ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଅଠାନ୍ତର ଗ୍ରାମର ପ୍ରଭାତୀ ଦାସଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି । ଆଜି ସକାଳେ ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତା ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ମୃତ ପ୍ରଭାତୀ ଦାସଙ୍କ ପୁଅ ଆୟୁଷ ଦାସଙ୍କ ସହିତ ମୁମ୍ବାଇରୁ ଫୋନ୍ ଯୋଗେ କଥା ହୋଇ ଶୋକ ବ୍ୟକ୍ତ କରିବା ସହ ଗଭୀର ସମବେଦନା ଜଣାଇଥିଲେ । ସେହିପରି ବୋଲଗଡ଼ ଗୋବର୍ଦ୍ଧନପୁରର ବାସନ୍ତି ସାହୁଙ୍କ ପରିବାରବର୍ଗଙ୍କ ସହ ମଧ୍ୟ ଫୋନ୍ ଯୋଗେ କଥା ହୋଇଛନ୍ତି । ସ୍ୱର୍ଗଦ୍ୱାରରେ ତାଙ୍କର ଅନ୍ତ୍ୟେଷ୍ଟି କ୍ରିୟା ସମୟରେ ବିଜେଡି ସାଂସଦ ଶୁଭାଶିଷ ଖୁଣ୍ଟିଆ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଫୋନ୍ ଯୋଗେ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକଙ୍କୁ କଥାବର୍ତ୍ତା କରାଇଛନ୍ତି ।

## ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଐତିହାସିକ...

୨୫୨୭ ଗୃହରକ୍ଷୀ, ୭୫ ଟ୍ରାଫିକ୍ ପୁଲିସ, ୭୦୭ କନଷ୍ଟେବଲ, ୧୯ ଟ୍ରାଫିକ୍ ହାବିଲଦାର, ୯୫ ହାବିଲଦାର ଓ ୮୯୮ ସବ୍‌ଇନ୍ସପେକ୍ଟର ଓ ସହକାରୀ ସବଇନ୍ସପେକ୍ଟରଙ୍କୁ ନିଯୁକ୍ତି ଦିଆଯାଇଥିଲା । ମୋଟାମୋଟି ହିସାବ କଲେ ତଳ ପାହ୍ୟାରୁ ଉପର ପାହ୍ୟାର ୧୦ ହଜାରରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ପୁଲିସ ରଥଯାତ୍ରାରେ ମୁତୟନ ହୋଇଥିଲେ । ଏମାନଙ୍କ ବ୍ୟତୀତ ଡ଼ିଜିଙ୍କଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ଅନେକ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ମଧ୍ୟ ରଥଯାତ୍ରାର ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନ କରୁଥିଲେ । ମାତ୍ର ଏତେ ସଂଖ୍ୟକ ପୁଲିସ ମୁତୟନ ସତ୍ତ୍ୱେ ଚଳିତ ବର୍ଷର ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ପୂର୍ବବର୍ଷକୁ ଅତିକ୍ରମ କରି ଯାଇଛି ।

## ଅରବିନ୍ଦ ଅଗ୍ରୱାଲ...

ଅଗ୍ରୱାଲଙ୍କୁ ରଥ ପରିଚାଳନାର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଦାୟିତ୍ୱ ଦେଇଛନ୍ତି ରାଜ୍ୟ ସରକାର । ରବିବାରଠାରୁ ତାଙ୍କ ତଦାରଖରେ ରଥଯାତ୍ରାର ବଳକା ନୀତି ଏବଂ ଯାତ୍ରା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ । ଏନେଇ ସାଧାରଣ ପ୍ରଶାସନ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି । ସେହିପରି ଭାବେ ଅତିରିକ୍ତ ପୁଲିସ ଡିଜି(ଆଧୁନିକୀକରଣ) ସୌମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରିୟଦର୍ଶୀଙ୍କୁ ରଥଯାତ୍ରା ବଳକା ନୀତି, କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବେଳେ ପୁଲିସ ବ୍ୟବସ୍ଥାବଳୀର ସମସ୍ତ ଦାୟିତ୍ୱ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି । ତାଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ହିଁ ପୁରୀରେ ପୁଲିସ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବ ବୋଲି ଡିଜିଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି ।

ରଥଯାତ୍ରା ମହାବିଭ୍ରାଟରେ ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଶାସକ ଶ୍ରୀ ପାଢ଼ୀଙ୍କ ଭୂମିକାକୁ ନେଇ ସାଧାରଣରେ ବେଶ୍ ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି । ରବିବାର ଦଳାଚକଟାରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଓ ଏସପିଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ହେଁ ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରଶାସକଙ୍କ ବିରୋଧରେ ସରକାର କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିନାହାନ୍ତି । ମାତ୍ର ରଥଯାତ୍ରାର ଅବଶିଷ୍ଟ ଦିନଗୁଡ଼ିକର ପରିଚାଳନା ଦାୟିତ୍ୱ ତାଙ୍କଠାରୁ କାଢ଼ି ନିଆଯାଇଛି । ପରୋକ୍ଷରେ ଦେଖିଲେ ସରକାର ତାଙ୍କ ଉପରୁ ଭରସା ହରାଇଥିବା କୁହାଯାଉଛି । ଅରବିନ୍ଦ ଅଗ୍ରୱାଲଙ୍କୁ ଦାୟିତ୍ୱ ଦେବା ଅର୍ଥ ତାଙ୍କୁ ଏକପ୍ରକାର ନିଷ୍କ୍ରିୟ କରାଯାଇଛି । ରଥଯାତ୍ରା ପରେ ତାଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଇପାରେ ବୋଲି କ୍ଷମତା ଅଳିନ୍ଦରେ ଆଲୋଚନା ଚାଲିଛି ।

## ରାହୁଲ, ଖଡ଼୍‌ଗେଙ୍କ...

କହିଛନ୍ତି । ଜୀବନ ରକ୍ଷା ସବୁଠାରୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଏବଂ ଏହି ଦାୟିତ୍ୱରେ କୌଣସି ଅବହେଳା ଗ୍ରହଣୀୟ ନୁହେଁ ବୋଲି ରାହୁଲ୍ କହିଛନ୍ତି ।

କଂଗ୍ରେସ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମଲ୍ଲିକାର୍ଜୁନ୍ ଖଡ଼୍‌ଗେ ମଧ୍ୟ ଏହି ଘଟଣାରେ ଦୁଃଖ ପ୍ରକାଶ କରିବା ସହ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଅବହେଳାକାରୀଙ୍କ ବିରୋଧରେ କଡ଼ା କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଦାବି କରିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଖଡ଼୍‌ଗେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥ ରଥଯାତ୍ରା ସମୟରେ ଦଳାଚକଟା ଯୋଗୁଁ ମୁଁ ଗଭୀର ମର୍ମାହତ । ଏହି ଘଟଣାରେ ତିନି ଜଣଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ଏବଂ ଅତି କମରେ ୫୦ ଜଣ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି । ଏହା ବ୍ୟତୀତ ଶୁକ୍ରବାର ରଥଯାତ୍ରା ସମୟରେ ମଧ୍ୟ ୫୦୦ ଭକ୍ତ ଆହତ ହୋଇଥିଲେ । ସମସ୍ତ ଆହତ ଭକ୍ତଙ୍କ ଶୀଘ୍ର ଆରୋଗ୍ୟ କାମନା କରିବା ସହ ଏହି ଦୁଃଖଦ ଘଟଣା ପାଇଁ ଯେଉଁ ଅବହେଳା ଏବଂ କୁପରିଚାଳନା କରାଯାଇଛି ତାହା ଅକ୍ଷମଣୀୟ । ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଏହି ଗୁରୁତର ତ୍ରୁଟିର ଏକ ପୁଙ୍ଖାନୁପୁଙ୍ଖ ତଦନ୍ତ କରିବା ଉଚିତ । ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ସୁରକ୍ଷା ଏବଂ ଭିଡ଼ ପରିଚାଳନା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରିବା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ । ଏହି ଦୁଃଖଦ ଘଟଣା ପାଇଁ ଦାୟୀ ଲୋକଙ୍କୁ ଆଇନ ଅନୁଯାୟୀ ଦାୟୀ କରାଯିବା ଉଚିତ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି ।

## ମନ୍ତ୍ରୀ, ପ୍ରଶାସକଙ୍କୁ...

କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବା କଥା । ମାତ୍ର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ନିଜର ସହଯୋଗୀ ତଥା ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନା ନିମନ୍ତେ ଗଠିତ ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ସୁରକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଓ ଏସ୍‌ପିଙ୍କୁ ବଦଳି କରିଥିବା କୁହାଯାଉଛି ।

ଓଡ଼ିଆ ଅସ୍ମିତା ପରିଷଦର ଆବାହକ ରବିନ୍ଦ୍ର ନାଥ ବେହେରା କହିଛନ୍ତି ଯେ ଏପରି ଅଭାବନୀୟ ପରିସ୍ଥିତି ପାଇଁ କେବଳ ଜିଲ୍ଲାପାଳ, ଏସପିଙ୍କୁ ଦୋଷ ଦେଇ ସରକାର ଖସିଯିବାକୁ ଉଦ୍ୟମ କରିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ । ସରକାର ହିଁ ରଥଯାତ୍ରା ପରିଚାଳନା କରୁଥିଲେ, ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଭାତୀ ପରିଡ଼ାଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ମନ୍ତ୍ରୀସ୍ତରୀୟ କମିଟି ଗଠନ କରିଥିଲେ । ନିଜେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ ଗତ ୨୨ ତାରିଖରେ ରଥଯାତ୍ରା ପ୍ରସ୍ତୁତି ସମୀକ୍ଷା କରିବା ସହ ଚଳିତ ଥର ଭକ୍ତ ଦିବ୍ୟ ଓ ଭବ୍ୟ ଅନୁଭୂତି ନେଇ ଫେରିବେ ବୋଲି ଗଣମାଧ୍ୟମକୁ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ । ଗତବର୍ଷ ମହାପ୍ରଭୁ ବଳଭଦ୍ର ନିଜେ ଚାରମାଳ ଉପରେ ପଡ଼ିଯିବାର ଅଘଟଣ ମନରୁ ନ ଲିଭୁଣୁ ଚଳିତ ବର୍ଷ ବାରମ୍ବାର ଅଘଟଣ ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀ ଭକ୍ତଙ୍କ ମନରେ ଗଭୀର ଆଘାତ ଦେଇଛି । ଏହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିନ୍ଦନୀୟ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି ।


**AFFIDAVIT**

By virtue of an affidavit before the Executive Magistrate, Sambalpur no.1989 dtd.26.06.2025, I, JITU BHOI, S/o- Kandarpa Bhoi, residence of at- Tabloi, Po.- Keshapali, Ps.- Dhama, Dist.- Sambalpur, Odisha state that, my actual and correct name is **JITU BHOI** but in my Aadhar Card my name has been wrongly mentioned as Jitendra Bhui. Both the names **JITU BHOI & JITENDRA BHUI** is of one and same person. Henceforth I shall be known as **JITU BHOI** for all purposes.

**WANTED**

ବୟସ୍କ ଲୋକ କେୟାର, ବେବିକେୟାର ଓ ରୋଷେଇ, ଘର କାମ ପାଇଁ ତିନିଜଣ ମହିଳା ଆବଶ୍ୟକ, ଭଲ ଦରମା ମିଳିବ

**6370964966**

**SALE**

Booking Open 2/3 BHK Flats Price Starts from 60 Lakhs BHPL KRISHNA BHARATPUR, BHPL RUDRA in front of CET College, Ghatikia, BHPL SB HOMES, Ghatikia, BHPL PNM, Satya Vihar, BHPL GRAND-4, Jagamara & Ready to move 3 BHK Flats BHPL ARYA, Ghatikia & R.J Palace, Samantarapur, Bhubaneswar.

Contact
**GADHWAL GROUP**
**Mob.: 9437015112**

**AFFIDAVIT**

By virtue of an affidavit dtd. 13.06.2025 before the Executive Magistrate Berhampur, Ganjam, I, Bijaylaxmi Gouda, At- Alakapuri 13th Lane, Bhabinipur, Po- Engineering School, Dist.- Ganjam - 760002 have changed my name from Bijay Laxmi Dash to Bijaylaxmi Gouda. Henceforth I shall be known as **Bijaylaxmi Gouda** for all purposes.

**Sd/- Bijaylaxmi Gouda**

**TO-LET**

Commercial Space available on rent for Shopping Mall, Bank, Office, Restaurant, Banquet Hall, Saloon & Spa, Gym, Godown, Rooftop restaurant and other purposes. Beside Vipul Gardens, Kalinga Nagar, Ghatikia, Bhubaneswar. Basement - 2755 sqft, Ground - 2191 sqft, 1st, 2nd & 3rd floor - 2757 sqft and Terrace / Rooftop - 2755 sqft. with Anandban scenery view.

**CONTACT : 6371093914**

**AFFIDAVIT**

By virtue of an affidavit before The Notary Public, Titilagarh, on dated- 25/06/2025. I, Kumpatia Bag (Applicant name), Son of Babi Bag, Permanent resident of At- Antarla, P.O. Naren, P.S. Titilagarh, Dist. Balangir, (Odisha), PIN- 767066 now residing at the same place affirm that I have changed my minor daughter's name from **Doleswari Bag** (old name) To **Doli Bag** (new name). Henceforth in all records, deeds and writing in all proceeding, dealing and transaction private as well as public and upon all occasion he will be known as **Doli Bag** (new name).

**Kumpatia Bag**

**M/s. R.R. ENTERPRISES**

Administration Office: Plot No. SCR-46, Kharvel Nagar, Bhubaneswar-1. Tel: 0674-2392457, 9861032457, 8280327531
E-mail: rrenterprises155@gmail.com

**REQUIREMENT**

**Required for Engagement of Human Resources for setting up FRA Cells (Dharti Aaba Units) at Sub-Divisional level under DA-JGUA in respect of Sambalpur District on outsourcing basis.**

**1. COORDINATOR (03 Nos) :**
Salary ₹ 35,000/-, (inclusive of all Taxes). i.) Candidate should have completed Graduation individual with Master Degree will be preferred. ii) Minimum 2-3 years year of experience in NGO / Social Sector Project. iii) Candidates from concerned District should be preferred for all the positions under the scheme. iv) Experience of working with Govt. Project training & capacity building Programmee / Initiatives Computer be an added advantage. v) Proficiency in understanding of Central / State Govt. schemes & Community mobilization skills use of MS Office & Conversant with internet/email and fluency oral & written communication in Eng., Odia & Local Language are preference age limit as per State Govt. of Odisha.

**2. MIS ASSISTANT (03 Nos)**
Salary ₹ 25,000/-, (inclusive of all Taxes). I) Candidates should have completed Graduation and PGDCA course Individuals with master degree will be preference age limit as per Govt. of Odisha norms. ii.) 02 year experience in DEO-Cum-Office Assistant for database office management in any reputed Govt./NGO Sector. iii) Proficiency in the use of MS Office Specially, Word, Excel & Conversant with internet/ use of online platforms is a mandatory requirement and preferred for local language.

The above post candidates are advised to send their attested photocopy of all relevant educational certificate, CVs, Pass size Photo and post wise experience through speed post regd. Post & Courier with mention for post applied and submission last date **08/07/2025** in the above mention address only.

**The Khordha Central Co-operative Bank Ltd,Khordha**

**Report on the Audit of the standalone Financial Statement**

**Opinion**

We have audited the accompanying Finacial Statements of **Khordha Central Co-operative Bank Limited("The Bank" or "KCCB")**,which comprises of teh Balance Sheet as at March-31,2025.Profit and Loss Account for the year ended on March -31,2025 and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion, and the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements read together with the Notes of Accounts forming part of the said Financial Statements,give the information required by the Banking Regulation Act,1949, the Odisha Co-operative Societies Act,1962 and the Rules made there under (as applicable), the guidelines issued by the Reserve Bank of India (RBI) and the National Bank for Agriculture and Rural Developement (NABARD),in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in india of the state of affairs of the Bank as at March-31,2025 and its profit for the financial year ended.

The Balance sheet and profit and Loss Accouunt dealt with by this report , agree with the trail balance generated from Computer System and prepared manually by consolidating the trail balances. Then Balance in Various Ledger Heads in General Ledger reconciles with balance in Schedules for relevant head.

We have furnished our opinion and findings on the Long form Audit Report (LFAR) questionnaire,which forms integral part of this Audit Report.

The Accounting standards adopted by the Bank are consistent with those laid down by accounting principles generally accepted in India so far as applicable to Bank.

Sd/- JBMT & ASSOCIATES
Chartered Accountants (FRN:320232E)

**Balance Sheet of The Khordha District Centarl Co-operative Bank Ltd.Khordha**
**Annexure Form A**
**Form of Balance Sheet for the year ended on 31st March 2025**

| | Capital and Liabilities | Schedule | GL | As on 31.03.2025 (Current Year ) | As on 31.03.2024 (Previous Year ) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Capital | 1 | | 1,30,81,04,456.06 | 1,17,36,74,882.01 |
| 2 | Reserves and Surplus | 2 | | 21,11,77,541.81 | 12,67,89,618.61 |
| 3 | Deposits | 3 | | 7,40,00,39,816.57 | 6,33,03,05,368.35 |
| 4 | Borrowings | 4 | | 5,39,49,22,313.00 | 5,96,71,98,159.00 |
| 5 | Other liabilities and provisions | 5 | | 2,73,84,74,849.86 | 2,59,27,48,553.00 |
| | Total | | | 17,05,27,18,977.30 | 16,19,07,16,580.97 |
| | | | | | |
| | Aseet | | | | |
| 1 | Cash and balance with Reserve Bank of India | 6 | | 49,59,28,420.85 | 83,18,54,767.61 |
| 2 | Balance with banks and money at call and shots notice | 7 | | 30,00,00,000.00 | |
| 3 | Investments | 8 | | 5,72,06,40,624.14 | 5,71,41,42,267.14 |
| 4 | Advances | 9 | | 9,76,44,74,536.95 | 8,93,13,25,051.84 |
| 5 | Fixed Aseets | 10 | | 9,70,21,608.58 | 9,11,35,435.73 |
| 6 | Other Assets | 11 | | 67,46,53,786.78 | 62,22,59,058.65 |
| | Total | | | 17,05,27,18,977.30 | 16,19,07,16,580.97 |
| | Contingent liabilities Bills for collectic | 12 | | | |

**Balance Sheet of The Khordha District Centarl Co-operative Bank Ltd.Khordha**
**Annexure I Form B**
**Form of Profit and Loss Account for the year ended on 31st March 2025**

| | | Schedule | GL | As on 31.03.2025 (Current Year) | As on 31.03.2024 (Previous Year ) |
|---|---|---|---|---|---|
| I | Income | | | | |
| | Interest Earned | 13 | | 1,15,14,12,104.56 | 1,11,01,96,230.40 |
| | Other Income | 14 | | 79,79,526.02 | 3,27,53,860.15 |
| | Total | | | 1,15,93,91,630.58 | 1,14,29,50,090.55 |
| II | Expenditure | | | | |
| | Interest expended | | | 70,19,99,203.69 | 62,34,07,099.96 |
| | Operating expenses | | | 18,44,61,251.69 | 16,25,56,977.59 |
| | Provisions and contigencies | | | 25,29,09,859.15 | 33,82,19,213.00 |
| | Total | | | 1,13,93,70,314.53 | 1,12,41,83,290.55 |
| III | Profit /Loss | | | | |
| | Net Profit/loss(-) for the year | | | 2,00,21,316.05 | 1,87,66,800.00 |
| | Profit/loss(-) brought forward | | | | |
| | Total | | | 2,00,21,316.05 | 1,87,66,800.00 |
| IV | Appropriations | | | | |
| | Transfer to statutory reserves | | | | |
| | Transfer to other reserves | | | | |
| | Transfer to Government/ Proposed divided | | | | |
| | Balance carried over to balance sheet | | | | |
| | Total | | | | |
| | Grand Total | | | 1,15,93,91,630.58 | 1,14,29,50,090.55 |

sd/- Chief Executive Officer | sd/- Director | sd/- Director | sd/- President | sd/- Final Auditor

### ଦଧିସିଙ୍ଗା ଶାଖା କେନାଲରେ ଆସୁନି ପାଣି

# ପଡ଼ିଆ ପଡ଼ିବ ୫ ଶହ ଏକର ଜମି

ଯୋରନ୍ଦା, ୨୯ ।୬(ସମିସ):

ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ଗଁଦିଆ ବ୍ଲକ ଦଧିସିଙ୍ଗାଠାରେ ରେଙ୍ଗାଲି ମୁଖ୍ୟ କେନାଲରୁ ପାଣି ଆସୁ ନ ଥିବାରୁ ପ୍ରାୟ ୫ଶହ ଏକର ଜମି ପଡ଼ିଆ ପଡ଼ିବା ଆଶଙ୍କା ଉପୁଜିଛି। ରେଙ୍ଗାଲି ମୁଖ୍ୟ କେନାଲରୁ ଯାଇଥିବା ପରି କେନାଲର ଦଧିସିଙ୍ଗା ଗ୍ରାମ ତଳେ ଥିବା ୨ଟି ସାଇପନ୍ ମରାମତି କରିବାକୁ ବ୍ୟବସ୍ଥା ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଠିକାଦାର କାମ ଆରମ୍ଭ କରି ସାଇପନ ବାଡ଼ଗୁଡ଼ିକୁ ଭାଙ୍ଗି କାମ ନ କରିବାରୁ ଭଙ୍ଗା କଂକ୍ରିଟ, ସିମେଣ୍ଟ, ମେଣ୍ଟାଲ ସବୁ ସାଇପନ ମଧ୍ୟରେ ପଡ଼ି ଜାମ୍ ହୋଇ ରହିଛି। ଫଳରେ ପରି କେନାଲରେ ପାଣି ଯିବା ସମ୍ଭାବନା ନାହିଁ। ଏହି କେନାଲ ମାଧ୍ୟମରେ ଦଧିସିଙ୍ଗା, ଯୋରନ୍ଦା ଓ କାବରା ଗ୍ରାମର ଚାଷୀଙ୍କ ୫୦୦ ଏକରରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଜମିକୁ ଜଳସେଚନ ହୋଇଥାଏ। ତେବେ ପାଣି ଆସିବା ସମ୍ଭାବନା ନ ଥିବାରୁ ଚଳିତବର୍ଷ ଏହି ଜମି ପଡ଼ିଆ ପଡ଼ିବା ଆଶଙ୍କା ଦେଖାଦେଇଛି। ଏହି କେନାଲର ସାଇପନ ତଳଠାରୁ ପ୍ରାୟ ୧୦୦ ମିଟର ତଳେ କେନାଲ ପାର୍ଶ୍ୱ ଦବି ଯାଇଥିବାରୁ ପାଣି ମଧ୍ୟ ଓଭର ଫ୍ଲୋ ହେବା ଯୋଗୁଁ ଚାଷୀମାନେ ଅସନ୍ତୋଷ ବ୍ୟକ୍ତ କରିଛନ୍ତି। କେନାଲ ହେବା ଦିନଠାରୁ ସଫା କରାଯାଇ ନ ଥିବାରୁ ଗଛଲତା, ଘାସ ଉଠି ପାଣି କେନାଲରେ ଠିକ୍ ଭାବେ ଯାଉ ନ ଥିବା ଚାଷୀମାନେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ତୁରନ୍ତ ଏହାର ସମାଧାନ କରି ଚାଷୀଙ୍କୁ ପାଣି ଯୋଗାଇଦେବାକୁ ଚାଷୀ ତ୍ରିଲୋଚନ ମହାନ୍ତି, ମନୋରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ସୁରେନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ଧରଣୀଧର ମଲ୍ଲିକ, ଯୁଗଳ ସେଠୀ, ବିଷ୍ଣୁ ମଳିକ, ବୀର ମଳିକ, ନାଲୁଆ ମଳିକ ପ୍ରମୁଖ ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟି ଆକର୍ଷଣ କରିଛନ୍ତି।

## 'ମନ୍ କୀ ବାତ୍' ଶୁଣିଲେ ଯୋଗାଣ ମନ୍ତ୍ରୀ

ଢେଙ୍କାନାଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଖାଦ୍ୟ ଯୋଗାଣ ମନ୍ତ୍ରୀ କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ପାତ୍ର ଦଳୀୟ କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାଙ୍କ ସହ ଢେଙ୍କାନାଳସ୍ଥିତ ତାଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀଙ୍କ ୧୨୩ତମ ମନ୍ କୀ ବାତ୍ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଶୁଣିଛନ୍ତି। ଏଥିରେ ପୌରାଧ୍ୟକ୍ଷା ଜୟନ୍ତୀ ପାତ୍ର, ଜିଲ୍ଲା ମିଡିଆ ପ୍ରଭାରୀ ନବକିଶୋର ଗୁରୁ, ମନ୍ କୀ ବାତ୍ ଜିଲ୍ଲା ସଂଯୋଜକ ମାତୃପ୍ରସାଦ ନନ୍ଦ, ଜିଲ୍ଲା ଯୁବମୋର୍ଚ୍ଚା ସଭାପତି ମହାଦୀପ ଯଶୋବନ୍ତ ମହିମା, ପୂର୍ବତନ ରାଜ୍ୟ ସମବାୟ ବ୍ୟାଙ୍କ ସଭାପତି ଅକ୍ଷୟ କୁମାର ମହାନ୍ତି, ନଗର ମଣ୍ଡଳ ସଭାପତି ବିକାଶ କୁମାର ସାହୁ, ପୂର୍ବତନ ସଭାପତି ଧ୍ରୁବଚରଣ ସ୍ୱାଇଁ, ସାଂସଦଙ୍କ ପୌର ପ୍ରତିନିଧି ରୁଦ୍ରନାରାୟଣ ତ୍ରିପାଠୀ, ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବ୍ଲକ ପ୍ରତିନିଧି ଜ୍ଞାନରଞ୍ଜନ ନାୟକ, ବରିଷ୍ଠ ନେତା ସତ୍ୟବାନ ପାତ୍ର, କାଉନସିଲର ଲକ୍ଷ୍ମୀପ୍ରିୟା ଦଳେଇ, ପ୍ରତାପ ନାୟକ, ସୂର୍ଯ୍ୟପ୍ରତାପ ରାଉତ, ବଳରାମ ସେଠୀ, ଅଭିମନ୍ୟୁ ପଣ୍ଡାଙ୍କ ସମେତ ବହି ବରିଷ୍ଠ କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତା ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କୁ ଖାଦ୍ୟ ବଣ୍ଟନ

ଢେଙ୍କାନାଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ରଥଯାତ୍ରା ଉପଲକ୍ଷେ ଢେଙ୍କାନାଳ ଗଣେଶ ବଜାରରେ ଜୟଜଗନ୍ନାଥ ଅନୁଷ୍ଠାନ ପକ୍ଷରୁ ୮ ହଜାରରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଭକ୍ତଙ୍କୁ ଉପମା ଘୁଘୁନି ବଣ୍ଟନ କରାଯାଇଛି। ଏଥିରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ପୂର୍ବତନ ସାଂସଦ ମହେଶ ସାହୁ ଯୋଗଦେଇ ଖାଦ୍ୟ ବଣ୍ଟନ କରିଥିଲେ। ସମସ୍ତ ସଦସ୍ୟ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

## ଅଚିହ୍ନା ଯୁବକଙ୍କ ମୃତଦେହ ଉଦ୍ଧାର

ଗଁଦିଆ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ଗଁଦିଆ ବସଷ୍ଟାଣ୍ଡ ଛକରୁ ସନ୍ଥସରା ଗ୍ରାମକୁ ସଂଯୋଗ କରୁଥିବା ରାସ୍ତାର ବୋଧଣା ନାଳଠାରେ ଜଣେ ଯୁବକଙ୍କ ମୃତଦେହ ଉଦ୍ଧାର ହୋଇଛି। ତେବେ ତାଙ୍କ ପରିଚୟ ମିଳିନାହିଁ। ପୁଲିସ ମୃତଦେହ ଜବତ କରି ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ ପାଇଁ ସ୍ଥାନୀୟ ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ରପୁର ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରକୁ ପଠାଇଛି। ମୃତ ଯୁବକଙ୍କ ବୟସ ପ୍ରାୟ ୩୦ବର୍ଷ ହେବ ବୋଲି ଅନୁମାନ କରାଯାଉଛି। ଯୁବକ ଜଣକ ଏକ ନାଲି ରଙ୍ଗର ଫୁଲ ଟି-ଶାର୍ଟ ଓ ଏକ ବ୍ରାଉନ କଲର ଫୁଲ ପ୍ୟାଣ୍ଟ ପିନ୍ଧିଛନ୍ତି।

## ରାସ୍ତା ଉପରେ ବିପଦସଙ୍କୁଳ ବିଦ୍ୟୁତ ଖୁଣ୍ଟ

ଗଁଦିଆ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ଭୁବନ ଆର୍‌ଡି ରାସ୍ତାର ଗଁଦିଆ ତାରଣୀ ଛକଠାରୁ ମଙ୍ଗଳା ମନ୍ଦିର ନିକଟରେ ଦୁଇଟି ବିଦ୍ୟୁତ ଖୁଣ୍ଟ ବିପଦପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବେ ରାସ୍ତା ଉପରେ ରହିଛି। ରାସ୍ତା ଉପରେ ଖୁଣ୍ଟ ରହିଥିବାରୁ ଲୋକେ ଯାତାୟାତରେ ସମସ୍ୟା ଭୋଗୁଛନ୍ତି। ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ବାରମ୍ବାର ଅଭିଯୋଗ କଲେ ମଧ୍ୟ କେହି ଶୁଣୁନାହାନ୍ତି। ଏହି ରାସ୍ତା ନିକଟରେ ନିର୍ମାଣ ହୋଇଥିଲା। ଏହା ପାର୍ଶ୍ୱରେ ଥିବା ଗଛଗୁଡ଼ିକୁ କାଟି ବିଭାଗ ରାସ୍ତା ନିର୍ମାଣ କରିଥିଲା। ମାତ୍ର ବିଦ୍ୟୁତ ଖୁଣ୍ଟକୁ ସେଭଳି ବିପଦପୂର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଛାଡ଼ି ଦିଆଗଲା। ଏହି ରାସ୍ତା ଦେଇ ଅନେକ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ସ୍କୁଲ, କଲେଜ, ଡାକ୍ତରଖାନା ଯାଉଛନ୍ତି। ଏହି ରାସ୍ତା ଉପରେ ବ୍ଲକର ଶତାଧିକ ଗ୍ରାମବାସୀ ଯାତାୟାତ କରନ୍ତି। ରାସ୍ତା ଉପରେ ବିପଦସଙ୍କୁଳ ଅବସ୍ଥାରେ ବିଦ୍ୟୁତ୍ ଖୁଣ୍ଟ ଥିବାରୁ ରାତିରେ ଦୁର୍ଘଟଣାର ଆଶଙ୍କା ବୃଦ୍ଧି ପାଉଛି। ତୁରନ୍ତ ଖୁଣ୍ଟକୁ ଅନ୍ୟତ୍ର ହଟାଇବାକୁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି ହେଉଛି।

## ଫେରିଲା ଦାଦନଙ୍କ ମୃତଦେହ

■ ରୋଜଗାର କରିବାକୁ ଯାଇ ଶବ ହୋଇ ଫେରିଲେ

ପାଲଲହଡ଼ା, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଆନ୍ଧ୍ରପ୍ରଦେଶ ନନ୍ଦିଆଲା ଜିଲ୍ଲା ଧୋନ ଅଞ୍ଚଳରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ପାଲଲହଡ଼ା ଉପଖଣ୍ଡ ଚଷାଗୁରୁଜାଙ୍ଗ ଗ୍ରାମର ଠଣସୁନ୍ଦର ସାହୁଙ୍କ ପୁଅ ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ସାହୁ (୨୪)ଙ୍କର ସେଠାରେ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଛି। ଶନିବାର ସନ୍ତୋଷ ଗାଁକୁ ଫେରିବା ପାଇଁ ଷ୍ଟେସନରେ ଟ୍ରେନ୍‌କୁ ଅପେକ୍ଷା କରିଥିଲେ। ମାତ୍ର ସେଠାରେ ସେ ହଠାତ ଅସୁସ୍ଥ ହୋଇ ଚେତାଶୂନ୍ୟ ହୋଇପଡ଼ିଥିଲେ। ତାଙ୍କୁ ନିକଟସ୍ଥ ହସ୍ପିଟାଲରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଥିଲା। ମାତ୍ର ଡାକ୍ତର ତାଙ୍କୁ ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ଖବର ପାଇ ପାଲଲହଡ଼ା ବିଧାୟକ ଅଶୋକ ମହାନ୍ତି ପ୍ରଶାସନ ସହ ଯୋଗାଯୋଗ କରି ସନ୍ତୋଷଙ୍କ ମୃତଦେହ ଆନ୍ଧ୍ରପ୍ରଦେଶରୁ ନିଜ ଗ୍ରାମ ଚଷାଗୁରୁଜାଙ୍ଗ ଆଣିବା ବ୍ୟବସ୍ଥା କରିଥିଲେ। ରବିବାର ସନ୍ତୋଷଙ୍କ ମୃତଦେହ ଗାଁରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ଶେଷକୃତ୍ୟ ସମ୍ପନ୍ନ କରାଯାଇଛି। ଅନେକ ଦିନରୁ ସନ୍ତୋଷଙ୍କ ମା'ଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବାବେଳେ ବାପା ଠଣସୁନ୍ଦର ଅନ୍ୟତ୍ର ରହୁଛନ୍ତି।

## ଖାଦ୍ୟ ଆୟୋଗ ସଦସ୍ୟଙ୍କ ଆଶ୍ରମ ସ୍କୁଲ ପରିଦର୍ଶନ

ପରଜଙ୍ଗ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ରାଜ୍ୟ ଖାଦ୍ୟ ଆୟୋଗ ସଦସ୍ୟ ଅକ୍ଷୟ କୁମାର ବେହେରା ରବିବାର ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା କଙ୍କଡ଼ାହାଡ଼ ବ୍ଲକ ବାଘମୁଣ୍ଡା ଆଶ୍ରମ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଦର୍ଶନ କରି ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟ ତଦାରଖ କରିଛନ୍ତି। ଆଦିବାସୀ ଅଧ୍ୟୁଷିତ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏହି ବିଦ୍ୟାଳୟ ରହିଥିବା ବେଳେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତରୁ ଆସି ଏଠାରେ ଅଧ୍ୟୟନ କରୁଥିବା ଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପାଇଁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଛାତ୍ରୀନିବାସ ରହିଛି। ବର୍ତ୍ତମାନ ଏହି ନିବାସରେ ଶହେ ଛାତ୍ରୀ ରହୁଥିବା ବେଳେ ରାଜ୍ୟ ଖାଦ୍ୟ ଆୟୋଗ ସଦସ୍ୟ ବେହେରା ରବିବାର ଅପରାହ୍ନରେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପହଞ୍ଚି ଛାତ୍ରୀନିବାସ ପରିଦର୍ଶନ କରିଥିଲେ। ସମସ୍ତ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ ଉପକରଣଗୁଡ଼ିକୁ ତଦାରଖ କରିବା ସହ ପିଲାମାନଙ୍କ ଖାଦ୍ୟ, ପାନୀୟ ଜଳ ତଥା ଭିତର ବାହାର ପରିବେଶ ପରିଷ୍କାର ପରିଚ୍ଛନ୍ନତା ଆଦି ତଦାରଖ କରିଥିଲେ ସମସ୍ତ ସୁବିଧା ଅସୁବିଧା ସମ୍ପର୍କରେ ଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ପଚାରି ବୁଝିଥିଲେ।

## ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ ପାଳିତ

ଢେଙ୍କାନାଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ଯୋଜନା ଓ ପରିସଂଖ୍ୟାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଛି। ଭାରତୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଜନକ ପ୍ରଶାନ୍ତ ଚନ୍ଦ୍ର ମହଲାନୋବିସଙ୍କ ଜୟନ୍ତୀ ଅବସରରେ ୧୯ତମ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ ଉପନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବ୍ୟୋମକେଶ ପାତ୍ରଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ପାଳିତ ହେଇଛି। ଏଥିରେ ଜିଲ୍ଲାର ବିଭିନ୍ନ ବିଭାଗର ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଢେଙ୍କାନାଳ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଗଣିତ ଅଧ୍ୟାପିକା ପୁଷ୍ପାଞ୍ଜଳି ମହାପାତ୍ର ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ସହ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ମନୋଜ କୁମାର ନାୟକ ସଭାକାର୍ଯ୍ୟ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ପରିସଂଖ୍ୟାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟର ପ୍ରଦ୍ୟୁମ୍ନ କୁମାର ସାହୁ, ଅନୁପ କୁମାର ପଣ୍ଡା, ମୁରଲୀଧର ପାଲ, ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ବଟ, ହରିପ୍ରସାଦ ମିଶ୍ର ଓ ଅଭିରାମ ପରିଡ଼ା ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଜିଲ୍ଲାରେ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ତନ୍ତ୍ରକୁ ଶକ୍ତିଶାଳୀ କରିବା, ତଥ୍ୟ ନିର୍ମାଣର ଗୁରୁତ୍ୱ ବୁଝିବା ଏବଂ ନୀତି ନିର୍ମାଣରେ ତଥ୍ୟର ଭୂମିକା ଉପରେ ଆଲୋକପାତ କରାଯାଇଥିଲା।

## ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣତାରା ପୂଜ୍ୟପୂଜା ସଂସଦର ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ

ଢେଙ୍କାନାଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଢେଙ୍କାନାଳ ସଦର ବ୍ଲକ ଅଉଖମାସ୍ଥିତ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ସଙ୍କଟମୋଚନ ମନ୍ଦିର ପରିସରରେ ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣତାରା ପୂଜ୍ୟପୂଜା ସଂସଦର ୧୧ତମ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ ଥିଙ୍କର୍ସ ଫୋରମ୍ ସଭାପତି ସୌମେନ୍ଦୁ ଶତପଥୀଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ପାଳିତ ହୋଇଛି। ପ୍ରାରମ୍ଭରେ ଅନୁଷ୍ଠାନର ସମ୍ପାଦକ ଇଂ. ଫକୀରମୋହନ ସାହୁ ଅନୁଷ୍ଠାନର ପ୍ରତିଷ୍ଠା, ଲକ୍ଷ୍ୟ ଏବଂ ଆଭିମୁଖ୍ୟ ସମ୍ପର୍କରେ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ। ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଅଖିଳ ଭାରତୀୟ ସାହିତ୍ୟ ପରିଷଦ ଢେଙ୍କାନାଳ ଶାଖା ସମ୍ପାଦକ କବି ବାହାଦୁର ପାଟ୍ଟସାହାଣୀ, ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ କବି ପ୍ରକାଶ ଚନ୍ଦ୍ର ରାଉତ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଗାଳ୍ପିକ ସୁଶୀଳ କୁମାର ନନ୍ଦ ଓ ବରିଷ୍ଠ ସ୍କାଉଟ୍ ଶିକ୍ଷକ ପ୍ରଶାନ୍ତ କୁମାର ଧଳ ଯୋଗଦେଇ ଅନୁଷ୍ଠାନ କିପରି ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଏକାଠି କରି ସମାଜର ଉନ୍ନତି ଓ ବ୍ୟକ୍ତିର ବିକାଶ ପାଇଁ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଛି ସେ ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋକପାତ କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ପ୍ରଭାତୀ ମହାପାତ୍ର ଓ ନିବେଦିତା ରଥଙ୍କ ସଂଯୋଜନାରେ ବିଭିନ୍ନ ଅନୁଷ୍ଠାନରୁ ଆସିଥିବା କବି ଓ କବୟିତ୍ରୀମାନେ ସ୍ୱରଚିତ କବିତା ପାଠ କରିଥିଲେ। ନୈତିକ ମୂଲ୍ୟବୋଧ ଶୀର୍ଷକ ଆଲୋଚନାଚକ୍ରରେ ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ପ୍ରକାଶ ଚନ୍ଦ୍ର ରାଉତ, ଅଧ୍ୟାପକ କ୍ଷୀରୋଦ ଚନ୍ଦ୍ର ନାୟକ, କବି ବାହାଦୁର ପାଟ୍ଟସାହାଣୀ, ସମାଜସେବୀ ଅମୀର ଚନ୍ଦ୍ର ରାଉତ, ଅନୁଷ୍ଠାନର ସଭାପତି ମଧୁସୂଦନ ଶତପଥୀ, ଲଳିତ ମୋହନ ବେହେରା, କବୟିତ୍ରୀ ପ୍ରଭାତ ନଳିନୀ ଦାଶ, ପ୍ରକାଶ ଚନ୍ଦ୍ର ଜଗଦେବ୍ ଓ ଛନ୍ଦେଶ ସାହିତ୍ୟ ସଂସଦର ଯୁଗ୍ମ ସମ୍ପାଦକ ବାସୁଦେବ ଧଳ ପ୍ରମୁଖ ବକ୍ତବ୍ୟ ରଖିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ସମୂହ ହନୁମାନ ଚାଳିଶା ପାଠ ଓ ଚାରା ରୋପଣ କରାଯାଇଥିଲା। ଯୁବକବି ଲିଙ୍କୁ ପତି, ଜାପାନୀ ଜଗଦେବ, ବୀରବର ମିଶ୍ର, ନୀଳମଣି ମହାରଣା, ସୂର୍ଯ୍ୟମଣି ପୃଷ୍ଟି, ଜଗବନ୍ଧୁ ସାହୁ, ପୂଜକ ମିଲୁ ନନ୍ଦ, ବ୍ରଜବନ୍ଧୁ ସାହୁ ଓ ନବ ଦେହୁରୀ ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। ସମ୍ପାଦକ ଇଂ. ଫକୀର ମୋହନ ସାହୁ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିଚାଳନା କରିଥିବା ବେଳେ ପ୍ରଭାତୀ ମହାପାତ୍ର ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

## ସୋରିଷିଆପଦାରେ ଆମ ପୁଲିସ ସମିତି ବୈଠକ

ଗଁଦିଆ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ଗଁଦିଆ ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ସୋରିଷିଆପଦା ପଞ୍ଚାୟତ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଗଁଦିଆ ଥାନା ପୁଲିସ ପକ୍ଷରୁ ରବିବାର ଆମ ପୁଲିସ ସମିତି ବୈଠକ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ଗଁଦିଆ ଥାନା ଅଧିକାରୀ ଶାନ୍ତନୁ କୁମାର ପ୍ରଧାନଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ବୈଠକରେ ଅତିଥି ଭାବେ ସ୍ଥାନୀୟ ସରପଞ୍ଚ ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ରାଉତ, ସମିତି ସଭ୍ୟା ଦଶମା କାଲୁଣ୍ଡିଆ, ଜିଲ୍ଲାପରିଷଦ ସଭ୍ୟ ବିଭୂତି ଭୋଇ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଆଇନଗତ ସମସ୍ୟା ଉପରେ ଜନସାଧାରଣ ପୁଲସକୁ ସହଯୋଗ କରିବାକୁ ଥାନା ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଧାନ ନିବେଦନ କରିଥିଲେ। ସୋରିଷିଆପଦା ଏକ ଆଦିବାସୀ ବହୁଳ ପଞ୍ଚାୟତ ହୋଇଥିବାରୁ ଏଠାରେ ବ୍ୟାପକ ସଚେତନତାର ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି। ବାଲ୍ୟବିବାହ, ନିଶାନିବାରଣ, ଘରୋଇ ହିଂସା, ସାଇବର ଠକେଇ ସହ ଅନେକ ସମୟରେ ସାମାନ୍ୟ ଘଟଣାକୁ ନେଇ ହିଂସା ଘଟୁଥିବା ବେଳେ ଏହାର ସମାଧାନ ପାଇଁ ବ୍ୟାପକ ସଚେତନତା ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଥାନା ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଧାନ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ। ବୈଠକରେ ସମସ୍ତ ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି କର୍ମୀ, ଆଶାକର୍ମୀ, ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ, ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକ ଓ ଯୁବଗୋଷ୍ଠୀ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ରଥଯାତ୍ରା: ନୂଆଗଡ଼ରେ ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ଗଁଦିଆ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ଗଁଦିଆ ବ୍ଲକ ନୂଆଗଡ଼ରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର, ସୁଭଦ୍ରା ଓ ସୁଦର୍ଶନ ରଥରୁ ଅବତରଣ କରି ମାଉସୀ ମା' ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରରେ ଅବସ୍ଥାନ କରିଛନ୍ତି। ଏହି ଅବସରରେ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ନିକଟରେ ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆୟୋଜନ କରାଯାଇଛି। ସଙ୍ଗୀତ ନାଦ ବ୍ରହ୍ମ ଯାଜପୁର ଓ ସ୍ଥାନୀୟ କଳାକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଭଜନ ପରିବେଷଣ କରାଯାଉଛି। ଅମୂଲ୍ୟ ମହାପାତ୍ର, ଉତ୍ତମ କୁମାର ସାମନ୍ତ, ମିହିର ଧୀର, ଦିଲୀପ ସ୍ୱାଇଁ, ନୀହାର ଧୀର, ସନ୍ତୋଷ ଜେନା, ମାନସ ସାମନ୍ତ, ସୁନୀଲ ଦାସ, ପ୍ରତୀକ ସାମନ୍ତ ଓ ଅସିତ ସାମନ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିଚାଳନା କରୁଛନ୍ତି।

## ଶ୍ରୀ ଗୁଣ୍ଡିଚା ଭଜନ ସମାରୋହର ଦ୍ୱିତୀୟ ସନ୍ଧ୍ୟା

ଢେଙ୍କାନାଳ, ୨୯ ।୬(ସମିସ): ସ୍ଥାନୀୟ ବାଜିଚୌକଠାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଶ୍ରୀଗୁଣ୍ଡିଚା ଭଜନ ସମାରୋହର ଦ୍ୱିତୀୟ ସନ୍ଧ୍ୟା ଉଦ୍‌ଘାଟିତ ହୋଇଛି। ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ କଣ୍ଠଶିଳ୍ପୀ କମଳ ନନ୍ଦ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଆକାଶବାଣୀର ସ୍ୱୀକୃତିପ୍ରାପ୍ତ କଣ୍ଠଶିଳ୍ପୀ ସ୍ନିଗ୍ଧା ନନ୍ଦ, ମୃଷା ବାରିକ ଓ ନରେନ୍ଦ୍ର ସାହୁ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଉଦଘାଟନ କରିଥିଲେ। ପୁରୀ ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ରର କୈବଲ୍ୟ ଭଜନ ମଞ୍ଚ ପକ୍ଷରୁ ପ୍ରଭୁପ୍ରସାଦ ନନ୍ଦ, ଅଭିନ୍ନ ସୁନ୍ଦର, ଅର୍ଚ୍ଚନା ଦେ ଓ ଐଶ୍ୱର୍ଯ୍ୟା ପ୍ରମୁଖ କଣ୍ଠଶିଳ୍ପୀ ଭଜନ ପରିବେଷଣ କରି ଶ୍ରୋତାମାନଙ୍କୁ ମନ୍ତ୍ରମୁଗ୍ଧ କରିଥିଲେ। ଉପସ୍ଥାପକ ଭାବେ ପ୍ରସନ୍ନ କୁମାର ସାହୁ ଦାୟିତ୍ୱ ତୁଲାଇଥିବା ବେଳେ ତାବଲାରେ ଅଲ୍ ଇଣ୍ଡିଆ ରେଡିଓ କଳାକାର ଆଲୋକ ପରିଡ଼ା, ଢୋଲକରେ ଓଁ ବ୍ରହ୍ମ ବିତ୍, ଅର୍ଗାନରେ ମାଷ୍ଟର ଚିନ୍ମୟ, ଅକ୍ଟୋପ୍ୟାଡରେ ଡା. ବିକ୍ରମ ଦାସ ଓ ଭବେଶ କୁମାର ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। କମିଟି ସଭାପତି ରୁଦ୍ରାନ୍ତ ଦଳେଇ, ସ୍ୱରୂପାନନ୍ଦ ଦାସ, ଜଜି ଭାଇ, ସଂଗ୍ରାମ କେଶରୀ ପାଣିଙ୍କ ସମେତ ଉପଦେଷ୍ଟାମାନେ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଅବନୀ ମିଶ୍ର ମଞ୍ଚ ସଞ୍ଚାଳନ କରିଥିବାବେଳେ ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ସାଗିର୍ ମହମ୍ମଦ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

## ପରଜଙ୍ଗ ବାଇପାସ ହାତୀଲୁଚାଣୀ ଛକ ରାସ୍ତା ଶୋଚନୀୟ

ପରଜଙ୍ଗ, ୨୯ ।୬(ସମିସ)

ଢେଙ୍କାନାଳ ଜିଲ୍ଲା ପରଜଙ୍ଗ ବ୍ଲକ ଦେଇ ଯାଇଥିବା ବାଇପାସ ରାସ୍ତା ଏବଂ ହାତୀଲୁଚାଣୀ ଛକ ରାସ୍ତା ଅବସ୍ଥା ଶୋଚନୀୟ ହୋଇପଡ଼ିଥିବାରୁ ଲୋକେ ନାହିଁ ନ ଥିବା ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଛନ୍ତି।

ପରଜଙ୍ଗ ପିଟିରି ଛକରୁ ପୃଥକ ଦୁଇଟି ଜାତୀୟ ରାଜପଥ ରହିଥିବା ବେଳେ ଗୋଟିଏ ପରଜଙ୍ଗ ବାଇପାସ୍ ଛକ ଦେଇ କାମାକ୍ଷାନଗର ଦିଗକୁ ୫୩ ନମ୍ବର ଜାତୀୟ ରାଜପଥ ରହିଛି। ତେବେ ଏହି ରାସ୍ତା ୪ ଲେନ କାର୍ଯ୍ୟ ପୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍ଗ ହୋଇ ନ ଥିବା ବେଳେ ପିଟିରି ଛକରୁ ପରଜଙ୍ଗ ବାଇପାସ୍ ଛକ ମଧ୍ୟରେ ମୁଣ୍ଡେଇଲୋ ଓ ଖଇରାମୁଣ୍ଡା ମଧ୍ୟଭାଗରେ ଟୋଲ ଗେଟ୍ ରହିଛି। ଏହି ଟୋଲଗେଟରେ ଟୋଲ ଫି' ଆଦାୟ କରାଯାଉଛି। ବାଇପାସ୍ ନିକଟରେ ହାତୀଲୁଚାଣି ଘୋଡ଼ାଡିଆଁ ନାଳ ଉପରେ ପୋଲ କାର୍ଯ୍ୟ ଅଧପନ୍ତରିଆ ହୋଇ ପଡ଼ିରହିଛି। ତାହା କେବେ ପୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍ଗ ହୋଇ ଉଭୟ ପଟରୁ ରାଜପଥ ସହ ସଂଯୋଗ ହେବ ସେ ନେଇ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ନୂତନ ନାଳ ପୋଲ ପୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍ଗ ହୋଇ ନ ଥିବା ବେଳେ ବର୍ତ୍ତମାନ ପରଜଙ୍ଗ ବାଇପାସ୍ ଛକରୁ ହାତୀଲୁଚାଣି ଛକ ଦେଇ ସମସ୍ତ ଛୋଟ ବଡ଼ ଗାଡ଼ି ଯାତାୟାତ କରୁଛି।

ଫଳରେ ପଥଚାରୀଙ୍କ ଯନ୍ତ୍ରଣା ବଢ଼ିଯାଇଛି। ରାସ୍ତାସାରା ଖାଲଖମାରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଥିବା ପୁରୁଣା ଘୋଡ଼ାଡିଆଁ ନାଳ ପୋଲ ଅବସ୍ଥା କହିଲେ ନ ସରେ। କିଛିଦିନ ତଳେ ରାସ୍ତା ସମସ୍ୟା ନେଇ ଖବର ପ୍ରସାରଣ କରାଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଏନଏଚଏଆଇ ପକ୍ଷରୁ ଲୋକଦେଖାଣିଆ ଭାବେ ଆଂଶିକ ମରାମତି କରି କରି କାମ ଶେଷ କରିଦିଆଯାଇଛି। ରାସ୍ତା ମରାମତି ନ କରି ପଥଚାରୀଙ୍କୁ ଯନ୍ତ୍ରଣା ଦେଇ ଟୋଲ ଫି' ଆଦାୟ କରିବାରେ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ବ୍ୟସ୍ତ ରହୁଛନ୍ତି। ବର୍ତ୍ତମାନ ବର୍ଷା ଚାଲିଥିବା ବେଳେ ରାସ୍ତାରେ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ଖାଲଖମାରେ ପାଣି ଜମି ପୋଖରୀର ଭ୍ରମ ସୃଷ୍ଟି କରୁଛି। ଏହି ସମସ୍ୟା ପ୍ରତି ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବାକୁ ଦାବି ହୋଇଛି।

■ ବିପଦସଂକୁଳ ଘରେ ଚାଲିଛି ଉପନିବନ୍ଧକ ଓ ବିବାହ ପଞ୍ଜୀକରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ

# ଓଈ ଲାଗି ନଷ୍ଟ ହେବାକୁ ବସିଲାଣି ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ରେକର୍ଡ

ଆଳି, ୨୯।୬(ସମିସ):

କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ଆଳି ତହସିଲରେ ଥିବା ଉପନିବନ୍ଧକ ଓ ବିବାହ ପଞ୍ଜିକରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଦୀର୍ଘ ବର୍ଷ ଧରି ଭଙ୍ଗା ଦଦରା ବିପଦପୂର୍ଣ୍ଣ ଗୃହରେ ଚାଲୁଛି। କେଉଁଠି ଘର ଛାତରୁ ରଡ଼ ଦେଖାଗଲାଣି ତ କେଉଁଠି ଛାତରୁ ପ୍ଲାଷ୍ଟର ଖସିଲାଣି। କେଉଁଠି କାନ୍ଥ ଫାଟି ଆଁ କଲାଣି। ଏହା ତଳେ ବିପଦପୂର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାରେ ସରକାରୀ ଅଫିସର କାର୍ଯ୍ୟ ତୁଲାଉଛନ୍ତି। ବର୍ଷା ହେଲେ ଛାତରୁ ପାଣି ଗଳି ଅଫିସରେ ଥିବା କାଗଜପତ୍ର ଓଦା ହୋଇ ନଷ୍ଟ ହେବାକୁ ବସିଲାଣି ତ କେତେବେଳେ ଛାତ ଭୁଶୁଡି ପଡିବ ତାହା କହି ହେବ ନାହିଁ। ଏହି ଘର ବିପଦପୂର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଥିବାବେଳେ ପ୍ରଶାସନ ନିଦରେ ଶୋଇଛି। ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀ ଏଥିପ୍ରତି ଦୃଷ୍ଟି ଦେବାକୁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି ହେଉଛି।

ରାଜ୍ୟ ସରକାର କି ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ସହ ସ୍ଥାନୀୟ ନେତାଙ୍କ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟଳୟ ଉପରେ ନଜର ପଡୁନି। କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଥିବା ବହୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ କାଗଜ ପତ୍ର ନଷ୍ଟ ହେବାକୁ ବସିଲାଣି। ରାଜସ୍ୱ ଭଳି ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଭାଗରେ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ରେକର୍ଡ ପତ୍ର ଅସୁରକ୍ଷିତ ଭାବେ ପଡ଼ିରହିଛି। ରାଜ୍ୟ ସରକାର ବିକାଶର ନାରା ଦେଉଥିବାବେଳେ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଭାଗ ଜରାଜୀର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାକୁ ନେଇ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଚର୍ଚ୍ଚା ଜୋର ଧରିଛି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟଳୟ ଦୀର୍ଘଦିନ ହେବ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ହୋଇଥିବାବେଳେ ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହାର ପୁନରୁଦ୍ଧାର ହୋଇପାରିନାହିଁ। ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ବହୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଦାୟିତ୍ୱ ନିର୍ବାହ କରୁଛି। ସାମାନ୍ୟ ବର୍ଷା ହେଲେ ଏଠି କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ବର୍ଷାପାଣିରେ ଭାସେ। ତେଣୁ ଲୋକମାନେ ବିଭିନ୍ନ କାମ ନେଇ ଆସୁଥିବାବେଳେ ନାହିଁ ନ ଥିବା ହଇରାଣ ହେଉଛନ୍ତି। ଆଳି ବ୍ଲକ୍‌ରେ ଅନେକ ଅଫିସ ଗୃହ ରୂପାନ୍ତୀକରଣ ହେଉଥିବାବେଳେ ଉପନିବନ୍ଧକ ଓ ବିବାହ ପଞ୍ଜୀକରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟକୁ ଅଣଦେଖାକୁ ନେଇ ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ଓ ଆଳି ବିଧାୟକଙ୍କୁ ଏହି ବିଷୟରେ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବାକୁ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ନିବେଦନ କରିଛନ୍ତି। ଏଠି ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠେ ଯେ, ଏଭଳି ବିପଦପୂର୍ଣ୍ଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଉପନିବନ୍ଧକ ଓ ବିବାହ ପଞ୍ଜିକରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଘର ଭାଙ୍ଗି କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ କିମ୍ବା ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କ କିଛି କ୍ଷତି ହୁଏ, ତେବେ ଏଥିପାଇଁ ଦାୟୀ କିଏ ରହିବେ। ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ତହସିଲଦାର ଶାନ୍ତିସ୍ୱରୂପ ମିଶ୍ରଙ୍କୁ ପଚରିବାରୁ ସେ କୁହନ୍ତି, ଉପନିବନ୍ଧକ ଓ ବିବାହ ପଞ୍ଜୀକରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟଟି ଏକ ପୁରାତନ କୋଠାରେ ଚାଲୁଛି। ମୁଁ ଏନେଇ ଉପରିସ୍ଥ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଅବଗତ କରାଇଛି। ଯଥାଶୀଘ୍ର ଏ ବିଷୟରେ ଆବଶ୍ୟକ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରାଯିବ।

## ନମୌଜାରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଦାବି

ଆଳି,୨୯।୬(ସମିସ): କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ଆଳି ବ୍ଲକ୍ ନମୌଜା ଅଞ୍ଚଳରେ ଏକ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ସ୍ଥାପନ ନିମନ୍ତେ ଦୀର୍ଘଦିନ ଧରି ଦାବି ହୋଇଆସୁଛି। ସଦର ମହକୁମାଠାରୁ ୮ କିମି ଦୂରରେ ଆଳି ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଥିବାବେଳେ ନମୌଜା ଅଞ୍ଚଳରେ ଏକ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ନ ଥିବାରୁ ଲୋକେ ନାହିଁ ନ ଥିବା ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଛନ୍ତି। ଅତି ଜରୁରୀ ଅବସ୍ଥାରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସେବାରୁ ବଞ୍ଚିତ ହେବା ଏଠାରେ ଏକ ନିତିଦିନିଆ ଘଟଣା। ଫଳରେ ଅନଭିଜ୍ଞ ଓ ଡାକ୍ତରୀ ଶିକ୍ଷା ନ ଥିବା ବ୍ୟକ୍ତି (କ୍ୱାକ)ଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଚିକିତ୍ସିତ ହୋଇ ଅନେକ ସମସ୍ୟାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଛନ୍ତି। ଏଠାକାର ସାଧାରଣ ଲୋକ ଦୀର୍ଘଦିନ ଧରି ଏହି ସମସ୍ୟା ନେଇ ସ୍ଥାନୀୟ ଜନପ୍ରତିନିଧି ଓ ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ବାରମ୍ବାର ଦାବି କରିବା ସହିତ ୨୦୧୮ରେ ଲିଖିତ ପତ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଦାବି କରାଯାଇଥିଲା। ଇତିମଧ୍ୟରେ ୭ ବର୍ଷ ବିତିଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଏ ଯାଏଁ ନମୌଜା ଅଞ୍ଚଳର ବେତା, ବଡ଼ାମ୍ବିଳା, କଳଦିଆ, ସାହୁପଡ଼ା, ଦଶିପୁର, ଅଟାଳ, ଧନେଶ୍ୱରପୁର, ଗଭାଡ଼ିଆ, ଅରେହିକଣା, ନୂଆଗାଁ, ରମ୍ଭିଳା, ବାଲିଅଡା ଆଦି ଗ୍ରାମର ହଜାର ହଜାର ଲୋକ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ପାଇଁ ଚାତକ ପରି ଚାହିଁ ବସିଛନ୍ତି।

ଦୀର୍ଘଦିନ ପରେ ପୁଣିଥରେ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ପତ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଜଣାଇବା ସହ ଅନ୍ୟ ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଜଣାଇବେ ବୋଲି ନମୌଜା ଅଞ୍ଚଳର ଚକ୍ରଧର ଦାଶ, ଅକ୍ଷୟ ଦାସ, ବୀରେନ୍ଦ୍ର ପଣ୍ଡା, ଅମୂଲ୍ୟ ରାଉତ, ମଧୁସୂଦନ ଦାସ, ବିନୋଦ ଦାସ, ନିରଞ୍ଜନ ଦାଶ, ମନୋଜ ମହାନ୍ତି, ପ୍ରଭାତ ଦାସ, କ୍ଷୀରୋଦ ମହାନ୍ତି ଓ ରବୀନ୍ଦ୍ର ପରିଡ଼ା ପ୍ରମୁଖ ଦର୍ଶାଇଥିଲେ। ଏ ନେଇ ଆଳି ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଣବ ଶୁକ୍ଳାଙ୍କୁ ପଚାରିବାରୁ ସେ କହିଛନ୍ତି, ଏ ନେଇ ସେ ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ନମୌଜାର ନୂଆଗାଁ ହନୁମାନ ଛକ ନିକଟରେ ଏକ ପ୍ରାଥମିକ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର (ନୂତନ)ର କାମ ଚାଲୁଛି। କାମ ସରିବା ପରେ ଏହାକୁ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରାଯିବ।

୧୦ ବର୍ଷ ଧରି ଅଦାଲତରେ ରାସ୍ତା ସମସ୍ୟାର ଚାଲିଛି ବିଚାର

## ବର୍ଷାଦିନ ଆସିଲେ ଲୋକେ ହେଉଛନ୍ତି ହନ୍ତସନ୍ତ

ପଞ୍ଚୁପାଣ୍ଡବ,୨୯।୬( ସମିସ): ରଘୁଦେଇପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ଅନ୍ତର୍ଗତ ନୋଳସାହି ଗ୍ରାମରେ ଥିବା ଚାରିଘରିଆ ସାହିର ରାସ୍ତାଟି ଅଧା ପଡ଼ି ରହିଛି। ଏହି ରାସ୍ତାଟି ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଗୋଟିଏ ପାଖ ପିଚୁ ହୋଇଥିବାବେଳେ ଆରପଟକୁ ଫେବର ବ୍ଲକ ରାସ୍ତା ହୋଇଛି। କିନ୍ତୁ ମଝି ଜାଗାରେ କିଛି ଅଂଶ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ଜାଗା ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହେବାରୁ ଏହି ଜାଗା ସମସ୍ୟାକୁ ନେଇ ପ୍ରାୟ ୧୦ ବର୍ଷ ଧରି ଅଦାଲତରେ ବିଚାରଧୀନ ଥିବାରୁ ରାସ୍ତା କାମ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେଉ ନ ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି। ବର୍ଷା ଦିନେ ଅସରାଏ ବର୍ଷା ହେଲେ ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଆଣ୍ଠୁଏ ପାଣି ଜମୁଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳୁଛି। ରାସ୍ତାରେ ପାଣି ଜମି ରହିଥିବାବେଳେ ଯାତାୟାତ ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ସମସ୍ୟାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଥିବାବେଳେ ପାଣି ପଚି ଦୁର୍ଗନ୍ଧ ବାହାରୁଥିବାରୁ ଲୋକେ ବିଭିନ୍ନ ରୋଗରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହେବା ଆଶଙ୍କା ରହିଛି। ଏହି ରାସ୍ତା ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ କରିବା ସହ ରାସ୍ତାର କାମ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ କରିବା ପାଇଁ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

■ ତୁଳସୀଡିଆ, ଘାଗରାଡିଆ ଓ କୂଳସାହି ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତା ତାଡ଼ିଦେଇ ଠିକାଦାର ଛୁ'

## ତିନି ପଞ୍ଚାୟତକୁ ସଂଯୋଗ କରୁଥିବା ରାସ୍ତା ଏବେ ମରଣଯନ୍ତା

ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ/ଦାଣ୍ଡିସାହି,୨୯।୬(ସମିସ): ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଧୋୟାଞ୍ଚଳର ତରଡିପାଳ ଛକଠାରୁ ଗ୍ରାମ୍ୟ ଉନ୍ନୟନ ବିଭାଗ ଅଧୀନରେ ଗତ ଚାରି ମାସ ତଳେ ତୁଳସୀଡିଆ, ଘାଗରାଡିଆ ଓ କୂଳସାହି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସଂଯୋଗ କରୁଥିବା ରାସ୍ତା ନିର୍ମାଣ କରାଯାଇଥିଲା। ମାତ୍ର ଠିକାଦାର ଗାଁ ଭିତର ରାସ୍ତାକୁ ଅଳ୍ପ କିଛି କଂକ୍ରିଟ ଢଳେଇ କରି ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତାରେ କେବଳ ଡଷ୍ଟ ପକାଇ କାମ ବନ୍ଦ କରିଦେଇଛନ୍ତି। ଏହି ରାସ୍ତା କାମ ନିମ୍ନମାନର ହେଉଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ବିଭାଗୀୟ ନିର୍ବାହୀ ଯନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଠିକାଦାରଙ୍କ ମଧୁଚନ୍ଦ୍ରିକା ପାଇଁ ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ଗ୍ରାମ୍ୟ ଉନ୍ନୟନ ବିଭାଗ ଚୁପ୍ ରହିଛି।

ତିନି କୋଟିରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ଅଟକଳରେ ନିର୍ମାଣ କରାଯାଉଥିବା ଏହି ରାସ୍ତାରେ ମାଟି ମୁଠାଏ ପଡ଼ିନାହିଁ । ଘାଗରାଡିଆ ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ନିର୍ମିତ ହୋଇଥିବା ଗାର୍ଡୱାଲରେ ସେହି ରାସ୍ତା କଡ଼ ମାଟି ତାଡ଼ି ପକାଯାଇଥିବାବେଳେ ଅସରାଏ ବର୍ଷାରେ ତାହା ଧୋଇଯାଇଛି। ଢଳେଇ ରାସ୍ତା କାମ ନିମ୍ନମାନର ହୋଇଥିବା ହେତୁ ରାସ୍ତା ଉପରେ ପାଣି ଜମି ରହୁଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଯେଉଁ ଡଷ୍ଟ ରାସ୍ତାରେ ପଡିଥିଲା, ତାହା ବର୍ଷାରେ ଧୋଇଗଲାଣି। ବର୍ଷାଋତୁ ଆସି ସାରିଥିବା ଓ ଏ ଅଞ୍ଚଳ ବନ୍ୟା ଦ୍ୱାରା

ପ୍ରଭାବିତ ହେଉଥିବାରୁ ଏବେ କାର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବନ୍ଦ ରଖାଯାଇଛି। ଏହି ରାସ୍ତା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରୁଥିବା ୩ଟି ପଞ୍ଚାୟତ ପେଣ୍ଠପାଳ ପଞ୍ଚାୟତର କୂଳସାହି, ଘାଗରା ପଞ୍ଚାୟତର ଘାଗରାଡିଆ ଓ ତରଡିପାଳ ପଞ୍ଚାୟତର ତୁଳସୀଡିଆର ୧୦ ହଜାରରୁ ଅଧିକ ଲୋକ ଏହି ରାସ୍ତା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରନ୍ତି। ଅଧାପନ୍ତରିଆ ଭାବେ ପଡିରହିଥିବା ରାସ୍ତାରେ ଏବେ ଦୈନିକ ଛୋଟବଡ଼ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟୁଛି। ରାସ୍ତା ନିର୍ମାଣ ଦିନରୁ ସରକାରୀ ଗାଇଡ୍ ଲାଇନ ଅନୁଯାୟୀ ସୂଚନା ଫଳକ ଲାଗିବା କଥା। ମାତ୍ର ତାହା ହୋଇନାହିଁ। ତେଣୁ ପ୍ରକଳ୍ପ ଅଟକଳ ସାଧାରଣ ଲୋକ ଜାଣିପାରୁ ନ ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ତୁରନ୍ତ ରାସ୍ତା କାମ ସାରିବାକୁ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

## ବିଜେପି ନେତାଙ୍କ ଶ୍ରଦ୍ଧାଞ୍ଜଳି ସଭା

ଆଳି,୨୯।୬(ସମିସ): ବିଜେପି ନେତା କରୁଣାକର ତ୍ରିପାଠୀଙ୍କ ଦ୍ୱାଦଶାହରେ ଶ୍ରଦ୍ଧାଞ୍ଜଳି ସଭା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ଆଳି ନାଗରିକ ମଞ୍ଚ ସଂଯୋଜନାରେ ଆୟୋଜିତ ସଭାରେ ସଭାପତି ଧନେଶ୍ୱର ରାଉତ ସଭାପତିତ୍ୱ କରିଥିଲେ। ମଞ୍ଚର ପରାମର୍ଶଦାତା ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ପୁରସ୍କାରପ୍ରାପ୍ତ ପଣ୍ଡିତ ମହେଶ୍ୱର ନନ୍ଦଙ୍କ ସଞ୍ଚାଳନରେ ମଞ୍ଚ ସମ୍ପାଦକ ଅକ୍ଷୟ ମଲିକ, ଉପଦେଷ୍ଟା ଗୋବିନ୍ଦ ନନ୍ଦ, ପୂର୍ବତନ ବିଧାୟକ ପ୍ରାର୍ଥୀ ବ୍ରଜସୁନ୍ଦର ଭୂୟାଁ, ପୂର୍ବତନ ବିଧାୟକ ଦୋଳଗୋବିନ୍ଦ ନାୟକ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ବୈକୁଣ୍ଠନାଥ ପରିଡ଼ା, ରାଜ୍ୟ ବିଜେପି କୃଷକ ମୋର୍ଚ୍ଚା ସମ୍ପାଦକ ବିକ୍ରମ କେଶରୀ ରାଉତରାୟ, ରାଜ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକାରିଣୀ ସଦସ୍ୟ ଭୂବନ ମୋହନ ଜେନା, ରାଜ୍ୟ ବିଜେପି ମହିଳା ନେତ୍ରୀ ସୁଜାତା ବାରିକ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ସ୍ମୃତିଚାରଣ କରି ଶ୍ରଦ୍ଧାଞ୍ଜଳି ଜ୍ଞାପନ କରିଥିଲେ। କରୁଣାକର ତ୍ରିପାଠୀଙ୍କ ସାନପୁଅ ଦିଲ୍ଲୀପ ତ୍ରିପାଠୀ କୃତଜ୍ଞତା ଜ୍ଞାପନ କରିଥିବାବେଳେ ଆଡଭୋକେଟ ଜଗନ୍ନାଥ କଣ୍ଡ, ସହଦେବ ସିଂହ ସଭା ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ।

## ମା' ପାଇଁ ଗଛଟିଏ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ,୨୯।୬(ସମିସ): ପତିତପାବନଙ୍କ ପବିତ୍ର ରଥଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ବକ୍ତାରପୁରସ୍ଥ ମାଉସୀମା' ମନ୍ଦିର ଛକଠାରେ ରାଜନଗର ନିର୍ବାଚନମଣ୍ଡଳୀ ବିଜେପି ବିଧାୟକ ପ୍ରାର୍ଥୀ ଲଳିତ ବେହେରାଙ୍କ ମାର୍ଗଦର୍ଶନରେ ମା' ପାଇଁ ଗଛଟିଏ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ବରିଷ୍ଠ ଯୁବ ବିଜେପି ନେତା ଦୀପକ ମଲିକଙ୍କ ପରିଚାଳନାରେ ଓ ୧୭ ନମ୍ବର ୱାର୍ଡ କାଉନସିଲର ଶ୍ରୀମତୀ ମଲିକଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ବରିଷ୍ଠ ନେତା ଦେବାଶିଷ ମଲିକ, ୧୭ ନମ୍ବର ଜୋନ ନେତା ସ୍ୱାଗତ ଦାସ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଏଥିରେ ପଟ୍ଟାମୁଣ୍ଡାଇ ନଗରର ବରିଷ୍ଠ ନେତା ମିଟୁ ମନୋଜ ନାୟକ, ଜିଲ୍ଲା ଦଳିତ ମୋର୍ଚ୍ଚା ସଭାପତି ଅନ୍ତର୍ଯ୍ୟାମୀ ମଲିକ, ପୂର୍ବତନ ବ୍ଲକ ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷ ସୁଶାନ୍ତ ଦାସ, ଦଳିତ ନେତା ଅଶୋକ ସେଠୀ, ଆଡଭୋକେଟ ଶିଶିର ମଲିକ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ୪୦୦ ଶହରୁ ଅଧିକ ଲୋକଙ୍କୁ ପିଜୁଳି, ଜାମୁ, ବେଲ, ପେସ୍ତାବାଦମ ଓ ବଉଳ ଗଛ ବଣ୍ଟନ କରାଯାଇଥିଲା।

## ଗୋଲରାହାଟ-ଛୋଟି ଗ୍ରାମ୍ୟ ଉନ୍ନୟନ ରାସ୍ତା ମରଣଯନ୍ତା

ଡେରାବିଶ, ୨୯।୬(ସମିସ): ଡେରାବିଶ ବ୍ଲକ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଗୋଲରାହାଟ ପ୍ରାଥମିକ ସମବାୟ ସମିତି ନିକଟରୁ ବାହାରିଥିବା ଗୋଲରାହାଟ-ଛୋଟି ରାସ୍ତା ଏବେ ମରଣଯନ୍ତା ପାଲଟିଛି। ଗ୍ରାମ୍ୟ ଉନ୍ନୟନ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ନିର୍ମିତ ଏହି ରାସ୍ତା ଉପରେ ଗୋଲରାହାଟ, ବାଲିଆ, ଏଣ୍ଡର, ନରସିଂହପୁର ଆଦି ପଞ୍ଚାୟତର ଜନସାଧାରଣ ଯାତାୟାତ ପାଇଁ ନିର୍ଭର କରିଥା'ନ୍ତି। ଦୀର୍ଘବର୍ଷ ପୂର୍ବେ ନିର୍ମିତ ହୋଇଥିବା ଏହି ରାସ୍ତାରୁ ଏବେ ପିଚୁ ଉଠି ବଡ଼ ବଡ଼ ଖାଲଖମା ସୃଷ୍ଟି ହେଲାଣି। ଫଳରେ ଏହି ରାସ୍ତାରେ ଏବେ ଯାତାୟାତ କରିବା କଷ୍ଟସାଧ୍ୟ ହୋଇପଡ଼ିଛି। ଏହି ରାସ୍ତାଦେଇ ଉପରୋକ୍ତ ଚାରୋଟି ପଞ୍ଚାୟତର ଶହ ଶହ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ବିଭିନ୍ନ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ଯାଉଥିବାବେଳେ ଜନସାଧାରଣ ଏହି ରାସ୍ତା ଦେଇ ବ୍ଲକ୍ ସଦର ମହକୁମା, ଥାନା ଓ ତହସିଲ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟକୁ ଯାଇଥା'ନ୍ତି। ତୁରନ୍ତ ଏହି ରାସ୍ତାକୁ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ନିର୍ମାଣ କରିବା ପାଇଁ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

## ଅଗ୍ନିବିପନ୍ନ ପରିବାରକୁ ସହାୟତା

ରାଜନଗର,୨୯।୬(ସମିସ): ରାଜନଗର ବ୍ଲକ୍ ମହୁଲିଆ ପଞ୍ଚାୟତର ମହୁଲିଆ ଗ୍ରାମର ଯାମିନୀ କାନ୍ତ ବେହେରା ଓ ତ୍ରିଲୋଚନ ବେହେରାଙ୍କ ୪ ବଖରା ଘର ଗତ ୨୧ ତାରିଖରେ

ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବେ ପୋଡ଼ି ହୋଇଯାଇଥିଲା। ଖବର ପାଇ ରାଜନଗର ନିର୍ବାଚନମଣ୍ଡଳୀ କଂଗ୍ରେସ ନେତା ତଥା ବଲାଙ୍ଗୀର ଜିଲ୍ଲା କଂଗ୍ରେସ ପର୍ଯ୍ୟବେକ୍ଷକ ପ୍ରଶାନ୍ତ କୁମାର ରାଉତ ବିପନ୍ନ ପରିବାର ନିକଟରେ ପହଞ୍ଚି ସମବେଦନା ଜଣାଇବା ସହ ସହାୟତା ଯୋଗାଇ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏଥିସହ ସରକାରୀ ସହାୟତା ଆବାସ ଘର ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସହାୟତା ଯୋଗାଇ ଦେବାକୁ ତହସିଲଦାର ଓ ବିଡିଓଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି। ତାଙ୍କ ସହିତ ବରିଷ୍ଠ କଂଗ୍ରେସ ନେତା ବୈକୁଣ୍ଠ ବିହାରୀ ବିଶ୍ୱାଳ, ମାଗୁଣି ଚରଣ ପଡ଼ିଆରୀ, ପୂର୍ବତନ ଛାତ୍ର କଂଗ୍ରେସ ସଭାପତି କୈଳାସ ଚନ୍ଦ୍ର ସାମଲ, ଯୁବ ନେତା ଶଶଧର ସେଠୀ, ସୌରଭ ଜେନା, ସୁଶୀଲ ପ୍ରଧାନ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ଜାତୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ ପାଳିତ

କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା,୨୯।୬(ସମିସ): ୧୯ତମ ଜାତୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି। ସ୍ଥାନୀୟ ଜିଲ୍ଲା ଯୋଜନା ଓ ପର୍ଯ୍ୟାଲୋଚନା ଏକକ ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ଆୟୋଜିତ ଏହି ବୈଠକରେ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ରବୀନ୍ଦ୍ର ମଲ୍ଲିକ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ବିଭାଗର ଉପନିର୍ଦ୍ଦେଶିକା ଶ୍ରୀମତୀ ଆରତୀ ନାୟକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ଅଧିକାରୀ, ପରିସଂଖ୍ୟାନ ବିଭାଗର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଅଧିକାରୀ, କ୍ଷେତ୍ର ପରିଦର୍ଶକ, ଅନୁସନ୍ଧାନକାରୀ ତଥା ଡିପିଏମ୍‌ୟୁର ସମସ୍ତ କର୍ମଚାରୀ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ଅତିଥିମାନେ ଜାତୀୟ ନମୁନା ସର୍ବେକ୍ଷଣ ତଥା ପରିସଂଖ୍ୟାନର ଜନକ ସ୍ୱର୍ଗତ ପ୍ରଫେସର ପ୍ରଶାନ୍ତ ଚନ୍ଦ୍ର ମହାଲାନୋବିଶଙ୍କ ଉପରେ ଆଲୋକପାତ କରିଥିଲେ। ସହକାରୀ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଅଧିକାରୀ ସୌମରଞ୍ଜନ ଦାଶ, ଜଗନ୍ନାଥ ରାଉତ ଓ ଅଜୟ କୁମାର ଖୁଣ୍ଟିଆ ସହଯୋଗ କରିଥିବାବେଳେ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଅଧିକାରୀ ଶ୍ରୀମତୀ ପୁଷ୍ପାଞ୍ଜଳି ପଣ୍ଡା ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ। ସାମାଜିକ, ଅର୍ଥନୈତିକ ଢାଞ୍ଚା ନୂତନ ନୀତି ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବାରେ ପରିସଂଖ୍ୟାନର ମହତ୍ତ୍ୱ ସମ୍ପର୍କରେ ସଚେତନତା କରିବା ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ନେଇ ପ୍ରତିବର୍ଷ ଜୁନ ୨୯ ତାରିଖକୁ "ଜାତୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ' ପାଳନ କରାଯାଏ। ସ୍ୱାଧୀନ ଭାରତର ପ୍ରଥମ ଯୋଜନା ଆୟୋଗ ସଦସ୍ୟ ତଥା ଭାରତୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନର ଜନକ ତଥା ଦେଶର ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଓ ଅର୍ଥନୈତିକ ଯୋଜନା କ୍ଷେତ୍ରରେ ପ୍ରଫେସର ପ୍ରଶାନ୍ତ ଚନ୍ଦ୍ର ମହାଲାନୋବିଶଙ୍କ ଅବଦାନକୁ ସ୍ମରଣ କରିବାକୁ ୨୦୦୭ରୁ ତାଙ୍କ ଜନ୍ମ ଦିବସକୁ ଜାତୀୟ ପରିସଂଖ୍ୟାନ ଦିବସ ରୂପେ ପାଳନ କରାଯାଉଛି।

ରାଜକନିକା ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସର ହେଉନି ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ

# ସେବା ଦେବାରେ ବିଫଳ; ରୋଗୀ ନେବା ପୂର୍ବରୁ ହେଲା ପଙ୍କଚର

ରାଜକନିକା,୨୯।୬(ସମିସ):

ସରକାର ମାଗଣାରେ ରୋଗୀ ସେବା ଯୋଗାଇବାକୁ ୧୦୮ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରିଛନ୍ତି। ତେବେ ଏହି ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ମେଣ୍ଟେନାନ୍ସ ଅଭାବରୁ ରୋଗୀଙ୍କୁ ସେବା ଯୋଗାଇବାରେ ବିଫଳ ହୋଇଛି। ଗତକାଲି ଦେଉଳସାହି ଗ୍ରାମର ଦୁର୍ଗାଚରଣ ନାୟକ ରଥ ଟଣା ସମୟରେ ତାଙ୍କ ହାତରେ ଗୁରୁତ୍ୱର ଆଘାତ ଲାଗିଥିଲା। ତାଙ୍କ ଅବସ୍ଥା ଗୁରୁତ୍ୱର ହେବାରୁ ତାଙ୍କୁ କଟକ ରେଫର କରାଯାଇଥିଲା। କଟକ ନେବାକୁ ଆସିଥିବା ୧୦୮ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସରେ ରୋଗୀ ବସିବା ପରେ ଚକା ପଙ୍କଚର ହୋଇଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ରୋଗୀଙ୍କ ସମ୍ପର୍କୀୟ ଗାଡ଼ି ଅଟକାଇବା ସହ ସେଠାରେ ଉତ୍ତେଜନା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିଲା। ଏମିତି ଏକ ଅଭାବନୀୟ ଘଟଣା ରାଜକନିକା ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ପରିସରରେ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି।

ସୂଚନା ମୁତାବକ, ଦେଉଳ ସାହି ଗ୍ରାମରେ ରଥଟଣା ସମୟରେ ଦୁର୍ଗା ଚରଣ ନାୟକଙ୍କ ହାତରେ ଗୁରୁତ୍ୱର ଆଘାତ ଲାଗିଥିଲା। ତାଙ୍କୁ ରାଜକନିକା ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରକୁ ପରିବାର ଲୋକ ରାତି ୧୦ଟାରେ ନେଇଥିଲେ। ଡାକ୍ତର ରୋଗୀ ଦେଖିବା ପରେ ଗୁରୁତ୍ୱର ଥିବା କହିବା ସହ ପାଞ୍ଚ ଘଣ୍ଟାରେ କଟକ ବଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ପହଞ୍ଚିବାକୁ ପଡିବ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ତେବେ ୧୦୮ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସକୁ ଯୋଗାଯୋଗ କରିବାରୁ ଦୁଇ ଘଣ୍ଟା ପରେ ଆସିଥିଲା। ଗାଡ଼ିରେ ରୋଗୀ ବସିବା ପରେ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଚକା ପଙ୍କଚର ହୋଇଯାଇଥିଲା। ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସରେ ଲାଗିଥିବା ୪ଟି ଟାୟାର ଓ ଷ୍ଟେପିନ୍ ଭାବେ ଥିବା ଆଉଏକ ଟାୟାର ଗଡ଼ିବା ଉପଯୋଗୀ ନ ଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ୫ଟି ଟାୟାର ମଧ୍ୟରୁ କେଉଁଟିରେ ତାର ବାହାରକୁ ଦିଶୁଛି ତ କେଉଁଟି ପୂରା ସିଲପଟ୍ ହୋଇଗଲାଣି। ଏହି ଗାଡ଼ି ଠିକ୍ ନ ଥିବା ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଡ୍ରାଇଭର କହିଥିଲେ। ଏହାପରେ ସେଠାରେ ଉତ୍ତେଜନା ଦେଖାଦେବା ପରେ ଅନ୍ୟ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଡକାଇ ରୋଗୀଙ୍କୁ କଟକ ପଠାଯାଇଥିଲା। ତେବେ ଖରାପ କଣ୍ଡିସନରେ ଥିବା ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଡ୍ରାଇଭର ଓ ଅନ୍ୟ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ପଚାରି ବୁଝିଥିଲେ ଯେ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସର ଷ୍ଟେପିନ୍ ସହିତ ୫ଟି ଟାୟାର ଗଡିବା ଅବସ୍ଥାରେ ନ ଥିବା, ଶୀତତାପ ନିୟନ୍ତ୍ରିତ(ଏସି) ଯନ୍ତ୍ରାଂଶ ଖରାପ ଥିବା, ଷ୍ଟେରିଂ ଠିକ୍ ଭାବେ କାମ ନ କରିବା ଓ ବର୍ଷା ହେଲେ ଛାତରୁ ପାଣି ପଡୁଥିବା ଜାଣି ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସକୁ ଅଟକା ଯାଇଥିଲା। ଏହି ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସକୁ ଶୀଘ୍ର ପରିବର୍ତ୍ତନ କରି ଅନ୍ୟଏକ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଦେବାକୁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି ହୋଇଛି। ଜିଲ୍ଲା ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ମାସେ ହେବ ଗାଡ଼ିର ଚାରୋଟିଟି ଚକାର ଟାୟାର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଖରାପ ହୋଇଯାଇଛି, ଗାଡ଼ି ଭାଙ୍ଗିଗଲାଣି ବୋଲି ଜଣାଇଛୁ। ହେଲେ ଆମ କଥା କେହି ଶୁଣୁନାହାନ୍ତି ବୋଲି ଡ୍ରାଇଭର କହିଛନ୍ତି।

ଆଜି ଅପରାହ୍ନରେ ରାଜକନିକା ପୁଲିସ ପହଞ୍ଚି ଗାଡିର କଣ୍ଡିସନ ଦେଖିଥିଲେ। ରୋଗୀ ନେବା ଭଳି କଣ୍ଡିସନ ନ ଥିବା ଉପଲବ୍ଧି କରି ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ସରକାରଙ୍କ ଏହି ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ସେବା ହାଇଦ୍ରାବାଦର ଏମ୍ରିଗ୍ରିନ୍ ହେଲଥ କେୟାର ସର୍ଭିସ୍ ଜିଭିକେ ଏଣ୍ଟରପ୍ରାଇଜର୍ସ ଭଳି ଭେଣ୍ଡରକୁ ଦିଆଯାଇଛି। ଏଣ୍ଟରପ୍ରାଇଜର୍ସର ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ଏହାର କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଅଛି। ଜିଲ୍ଲାରୁ ଏହାକୁ ଅପରେସନ କରାଯାଇଥିବା ଜଣାପଡିଛି। ଜିଲ୍ଲା ଦାୟିତ୍ୱରେ ଜଣେ କ୍ଲଷ୍ଟର ଲିଡର ଜଗନ୍ନାଥ ବହିରା ଓ ଜୟପ୍ରକାଶ ଦାସ ମେଣ୍ଟେନାନ୍ସ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ଜଣାପଡିଛି। ତେବେ ଜିଲ୍ଲା ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା କ୍ଲଷ୍ଟର ଲିଡର ଜଗନ୍ନାଥ ବହିରାଙ୍କୁ ଫୋନ ଯୋଗେ ପଚାରିବାରୁ ଗାଡ଼ିର ୫ଟି ଟାୟାର ନଷ୍ଟ ହୋଇଯାଇଛି। କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାରେ ଟାୟାର ଅଛି। ଦିନେ ଦୁଇଦିନ ମଧ୍ୟରେ ନୂଆ ଟାୟାର ଲଗାଯିବ। ଏସି, ଛାତରୁ ପାଣି ଗଳିବା ଓ ଷ୍ଟେରିଂ କାମ କରୁ ନ ଥିବା ଭଳି ଅଭିଯୋଗ ସମ୍ପର୍କରେ କହିଥିଲେ, ଏହାକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରାଯାଇ ନୂଆଗାଡ଼ି ପାଇଁ ରିକୁଜେସନ ଯାଇଛି। ଖୁବଶୀଘ୍ର ନୂଆଗାଡି ଏଠାକୁ ଆସିବ ଓ ସବୁ ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ ହୋଇଯିବ ବୋଲି କହିଥିଲେ।

## ଆମେରିକାରେ ଭାରତୀୟ ଯୁବତୀ ନିଖୋଜ

ନ୍ୟୁଜର୍ସି, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଆମେରିକାରେ ଜଣେ ଭାରତୀୟ ମହିଳା ନିଖୋଜ ହୋଇଛନ୍ତି। ଜଣେ ୨୪ ବର୍ଷୀୟ ଭାରତୀୟ ମହିଳା ଆମେରିକାର ପହଞ୍ଚିବାର ୫ ଦିନପରେ ନିଖୋଜ ହୋଇଛନ୍ତି ବୋଲି ନ୍ୟୁଜର୍ସି କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ କହିଛନ୍ତି। ଗତ ୨୦ ତାରିଖରେ ଆମେରିକାର ପହଞ୍ଚିଥିବା ଏହି ମହିଳାଙ୍କ ନାମ ସିମରନ ବୋଲି ଜଣାଯାଇଛି। ସେ ପ୍ରସ୍ତାବ ଅନୁଯାୟୀ ବାହା ହେବାକୁ ଆମେରିକା ଯାଇଥିଲେ। ସେ ଏକ ସ୍ଥାନରେ ଏକୁଟିଆ ଠିଆ ହୋଇଥିବାର ସିସିଟିଭି ଫୁଟେଜରୁ ଜଣା ପଡିଛି ବୋଲି ପୁଲିସ କହିଛି। ସେ ଫୋନ୍‌କୁ ବାରମ୍ବାର ଦେଖୁଥିଲେ ଓ ଜଣକୁ ଅପେକ୍ଷା କରୁଥିବାର ଦେଖାଯାଇଛି। ଆମେରିକାରେ ତାଙ୍କ ସମ୍ପର୍କୀୟ ରହୁଛନ୍ତି। ସେ ଇଂଲିଶରେ କଥା ହୋଇ ପାରନ୍ତି ନାହିଁ ବୋଲି କୁହାଯାଇଛି। ଆମେରିକାର ସରକାରଙ୍କ ନୂଆ ଭିଜା ନୀତି ଅନୁସାରେ ବେଆଇନ୍ ଭାବେ ରହୁଥିବା ଲୋକଙ୍କୁ ଡିପୋର୍ଟ କରାଯାଉଥିବା ବେଳେ ମହିଳା ଜଣକ କିପରି ଆମେରିକାରେ ପହଞ୍ଚିଲେ ସେ ନେଇ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠିଛି। ସିମରନଙ୍କ ଉଚ୍ଚତା ୫ ଫୁଟ ୪ ଇଞ୍ଚ୍ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ତାଙ୍କ ଓଜନ ୬୮ କେଜି ବୋଲି କୁହାଯାଇଛି।

## ୟୁକ୍ରେନ୍ ଉପରେ ୪୭୭ ଡ୍ରୋନ୍, ୬୦ ମିସାଇଲ ମାଡ଼

କିଭ୍,୨୯।୬(ଏଜେନ୍ସି): ରୁଷ ରବିବାର ରାତିରେ ୟୁକ୍ରେନ୍ ଉପରେ ଜବରଦସ୍ତ ଆକ୍ରମଣ କରିଛି। ରୁଷିଆ ବାୟୁସେନା ୟୁକ୍ରେନ ଉପରେ ୪୭୭ଟି ଡ୍ରୋନ୍ ଓ ୬୦ଟି ମିସାଇଲ ମାଡ଼ କରିଛି। ରୁଷିଆର ଏମ୍/କେଏନ୍-୨୩ ବାଲାଷ୍ଟିକ ମିସାଇଲ, ୩୩ କେଏଚ୍- ୧୦୧/ ଇସ୍କେଣ୍ଡର କ୍ରୁଜ୍ ମିସାଇଲ ସହ ୪ଟି କ୍ରୁଜ୍ ମିସାଇଲ ମାଡ କରିଛି। ୟୁକ୍ରେନର ପ୍ରତିରକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ସୋସିଆଲ ମିଡିଆରେ ପୋଷ୍ଟ କରି ଏ ବିଷୟରେ ସୂଚନା ଦେଇଛି। ୟୁକ୍ରେନ ବାୟୁସେନା ୪୭୪ଟି ଆକ୍ରମଣକୁ ପଣ୍ଡ କରିବାରେ ସକ୍ଷମ ହୋଇଛି। ଏହି ଆକ୍ରମଣରେ ୟୁକ୍ରେନ୍‌ର ଏକ ଏଫ୍-୧୬ ଲଢୁଆ ବିମାନ ଧ୍ୱଂସ ହୋଇଛି ଓ ଜଣେ ପାଇଲଟ ମୃତ୍ୟୁ ବରଣ କରିଛନ୍ତି। ଏହାପୂର୍ବରୁ ୨୮ ତାରିଖରେ ୟୁକ୍ରେନ ରୁଷିଆର କ୍ରିମିଆ ଏୟାର ବେସ୍ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲା। ଏହି ଆକ୍ରମଣରେ ରୁଷ୍‌ର ଏମ୍‌ଆଇ-୮, ଏମ୍‌ଆଇ-୨୬ ଓ ଏମ୍‌ଆଇ-୨୮ ହେଲିକପ୍ଟର ଅନ୍ୟ ବିମାନ ସବୁ ନଷ୍ଟ ହୋଇଥିଲା। ରୁଷିଆ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭ୍ଲାଦିମୀର ପୁଟିନ ୟୁକ୍ରେନ ସହ କଥା ହେବାକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ଅଛନ୍ତି ବୋଲି କହିଛନ୍ତି।

## ଡିସେମ୍ବର ୩୧ ସୁଦ୍ଧା ସୀମା ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ ସାରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଜାତିଗତ ଜନଗଣନା ସହିତ ଭାରତର ୧୬ ତମ ଜନଗଣନା ୨୦୨୭ରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ଲଦାଖ, ଜମ୍ମୁ-କଶ୍ମୀର, ହିମାଚଳ ପ୍ରଦେଶ ଏବଂ ଉତ୍ତରାଖଣ୍ଡରେ ଏହା ୨୦୨୬ ଅକ୍ଟୋବରରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯିବ। ଦେଶର ଅନ୍ୟ ଭାଗରେ ୨୦୨୭ରୁ ଜନଗଣନା କରାଯିବ। ଏହା ଦୁଇଟି ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଶେଷ ହେବ। ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟ 'ହାଉସ ଲିଷ୍ଟିଂ ଅପରେସନ'ରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଘରର ଆବାସିକ ସ୍ଥିତି, ସମ୍ପତ୍ତି ଏବଂ ସୁବିଧାର ତଥ୍ୟ ସଂଗ୍ରହ କରାଯିବ। ଏ ନେଇ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର ସବୁ ବିଭାଗକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଜାରି କରିଛନ୍ତି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ଡିସେମ୍ବର ୩୧ ପୂର୍ବରୁ ପୌର ପାଳିକା, ରାଜସ୍ୱ ଗାଁ, ତହସିଲ, ଉପ-ବିଭାଗ କିମ୍ବା ଜିଲ୍ଲା ସୀମା ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରିବାକୁ କିମ୍ବା ପ୍ରସ୍ତାବିତ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି। ଏହା ୧୬ ତମ ଏବଂ ସ୍ୱାଧୀନତା ପରେ ଅଷ୍ଟମ ଜନଗଣନା ହେବ।

## ଦିଲ୍ଲୀ ଛୁଇଁଲା ମୌସୁମୀ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୨୯।୬(ଏଜେନ୍ସି): ମୌସୁମୀ ରବିବାର ରାଜଧାନୀ ଦିଲ୍ଲୀରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ଏଥିସହ ମୌସୁମୀ ସାରା ଦେଶରେ ପରିବ୍ୟାପ୍ତ ହୋଇଛି। ୯ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ହିଁ ମୌସୁମୀ ସାରା ଦେଶରେ ପ୍ରବେଶ କରିସାରିଛି ବୋଲି ପାଣିପାଗ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ତରଫରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି। ଜୁଲାଇ ୮ରେ ମୌସୁମୀ ସାରା ଦେଶରେ ଆଚ୍ଛାଦିତ ହେବ ବୋଲି ପୂର୍ବାନୁମାନ କରାଯାଉଥିଲା। କିନ୍ତୁ ଏହାର ୯ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ମୌସୁମୀ ପ୍ରଭାବ ସବୁଠି ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ମେ ୨୪ରେ କେରଳରେ ମୌସୁମୀ ପ୍ରଥମେ ପ୍ରବେଶ କରିଥିଲା।

## କରୋନାରେ ମାସକେ ୧୩୫ ମୃତ୍ୟୁ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୨୯।୬(ଏଜେନ୍ସି): ସାରା ଦେଶରେ କରୋନା ଭାଇରସ୍‌ର ଆକ୍ଟିଭ ମାମଲା ସଂଖ୍ୟାରେ ଯଥେଷ୍ଟ ଅବନତି ହୋଇଛି। ଏହା ସତ୍ତ୍ୱେ କରୋନାର ନୂଆ ଭ୍ୟାରିଏଣ୍ଟରେ ଗୋଟିଏ ମାସ ମଧ୍ୟରେ ପାଖାପାଖି ୧୩୫ ଜଣ ମୃତ୍ୟୁ ବରଣ କରିଛନ୍ତି। ଆକ୍ଟିଭ ସଂଖ୍ୟା ଗତ ଦୁଇ ସପ୍ତାହ ହେବ କମିବାରେ ଲାଗିଛି ଓ ଏହା ୨୦୮୬ରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ଜୁନ୍ ୧୨ ତାରିଖରେ ଦେଶରେ ୭୧୩୧ ଆକ୍ଟିଭ ସଂଖ୍ୟ ଥିଲା। ଗତ ଜାନୁଆରୀରୁ ଏପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କରୋନାର ନୂଆ ଭ୍ୟାରିଏଣ୍ଟରେ ମୋଟ୍ ୧୪୨ ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଛନ୍ତି। ଗତ ୨୪ ଘଣ୍ଟରେ ୩ ଜଣ ଲୋକ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି।

## ଢାକାରେ ମହିଳାଙ୍କୁ ଦୁଷ୍କର୍ମ, ୫ ଗିରଫ

ଢ଼ାକା,୨୯।୬(ଏଜେନ୍ସି): ବାଂଲାଦେଶ କୋମିଲା ଜିଲ୍ଲାର ମୁରାଦନଗର ଥାନାର ରାମଚନ୍ଦ୍ରପୁର ପଞ୍ଚକିଟା ଗାଁରେ ଜଣେ ହିନ୍ଦୁ ମହିଳା ଦୁଷ୍କର୍ମର ଶିକାର ହୋଇଛନ୍ତି। ଏହି ଘଟଣାରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ୍ଷ ଓ ପରୋକ୍ଷ ଭାବେ ଜଡିତ ଥିବା ୫ ଜଣଙ୍କୁ ପୁଲିସ ଗିରଫ କରିଛି। ଦୁଷ୍କର୍ମର ଭିଡିଓ ସୋସିଆଲ ମିଡିଆରେ ଭାଇରାଲ ହୋଇଛି। ୨୫ ବର୍ଷୀୟା ଏହି ମହିଳାଙ୍କୁ ଜଣେ ୩୮ ବର୍ଷୀୟ ବ୍ୟକ୍ତି ଦୁଷ୍କର୍ମ କରିଛି। ଅଭିଯୁକ୍ତ ଜଣକ ବାଂଲାଦେଶ ନ୍ୟାସନାଲ ପାର୍ଟି (ବିଏନ୍‌ପି)ର କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତା ବୋଲି ଜଣାପଡିଛି। ଅଭିଯୁକ୍ତକୁ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକ ଧରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସେ ଖସି ପଳାଇଥିଲା। ୧୫ ଦିନ ତଳେ ପୀଡିତାଜଣକ ତାଙ୍କ ବାପ ଘରକୁ ଆସିଥିଲେ। ଅଭିଯୁକ୍ତ ଜଣକ କବାଟ କବାଟ ଭାଙ୍ଗି ଘରେ ପଶି ଦୁଷ୍କର୍ମ କରିଥିଲା ବୋଲି ମହିଳା ଜଣକ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି।

## ସ୍ୱାମୀକୁ ମାରି ଫୋପାଡ଼ିଦେଲେ

ବେଙ୍ଗାଲୁରୁ, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): କର୍ଣ୍ଣାଟକରେ ଜଣେ ମହିଳା ନିଜ ପ୍ରେମିକ ସହ ମିଶି ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ଅତି ନୃଶଂସ ଭାବେ ହତ୍ୟା କରିଛନ୍ତି। ଆଖିରେ ଲଙ୍କାଗୁଣ୍ଡ ପକାଇ ଗୋଡରେ ତଣ୍ଟିଚିପି ମାରିଛନ୍ତି। ଗତ ୨୪ ତାରିଖରେ ଏହି ହତ୍ୟାକାଣ୍ଡ ଘଟିଥିବାବେଳେ ଶନିବାର ଏହା ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି। ତୁମକୁର ଜିଲ୍ଲା ତିପତୁର ବ୍ଲକ କଡାସେଟିହାଲି ଗ୍ରାମର ଶଙ୍କରମୂର୍ତ୍ତି (୫୦) ଏକାକୀ ଏକ ଫାର୍ମ ହାଉସରେ ରହୁଥିଲେ। ତାଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀ ସୁମଙ୍ଗଳା କଳ୍ପତରୁ ଛାତ୍ରୀ ନିବାସରେ ରୋଷେଇ କରୁଥିଲେ। ଏଠାରେ ନାଗାରାଜୁଙ୍କ ସହ ତାଙ୍କର ଅବୈଧ ସମ୍ପର୍କ ଗଢିଉଠିଥିଲା। ସ୍ୱାମୀ ବାଧା ସୃଷ୍ଟି କରୁଥିବାରୁ ଶଙ୍କରମୂର୍ତ୍ତିଙ୍କୁ ହଟାଇବା ପାଇଁ ଉଭୟେ ଯୋଜନା କରିଥିଲେ। ଘଟଣା ଦିନ ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ଆଖିରେ ଲଙ୍କାଗୁଣ୍ଡ ପକାଇ ଏକ ବାଡ଼ିରେ ସୁମଙ୍ଗଳା ମାଡ଼ ମାରିଥିଲେ। ପରେ ପାଦରେ ବେକ କୁଦି ମାରି ଦେଇଥିଲେ। ବସ୍ତାରେ ମୃତଦେହକୁ ୩୦ କିମି ଦୂରରେ ଥିବା ଏକ କୂଅରେ ନେଇ ଫୋପାଡ଼ି ଥିଲେ।

## ହିନ୍ଦୀରୁ ଓହରିଲା ମହାରାଷ୍ଟ୍ର

ମୁମ୍ବାଇ, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ମହାରାଷ୍ଟ୍ର ସ୍କୁଲରେ ପ୍ରଥମରୁ ପଞ୍ଚମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ହିନ୍ଦୀ ଭାଷାକୁ ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ କରି ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଯେଉଁ ଆଦେଶ ଜାରି କରିଥିଲେ, ଆଜି ତାହାକୁ ପ୍ରତ୍ୟାହାର କରିନେଇଛନ୍ତି। ହିନ୍ଦୀ ବିରୋଧରେ ଆନ୍ଦୋଳନ ପାଇଁ ଉଦ୍ଧବ ଠାକରେ ଏବ ରାଜ ଠାକରେ ଧମକ ଦେବାପରେ ମହାରାଷ୍ଟ୍ର ସରକାର ଏହି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇଛନ୍ତି। ସରକାରଙ୍କ ଏହି ନିଷ୍ପତ୍ତି ପରେ ଦୁଇ ଦଳ ପ୍ରସ୍ତାବିତ ଧର୍ମଘଟରୁ ଓହରିଯାଇଛନ୍ତି।

# କ୍ୟାପ୍‌ଟେନ ଶିବକୁମାରଙ୍କ ମନ୍ତବ୍ୟକୁ ନେଇ ଅଡୁଆରେ ସରକାର

- ପାକିସ୍ତାନ ସାମରିକ ଠିକଣାରେ ବାୟୁସେନା ଆକ୍ରମଣ ଚାହୁଁ ନ ଥିଲେ ସରକାର
- କ୍ୟାପ୍‌ଟେନ୍‌ଙ୍କ ମନ୍ତବ୍ୟକୁ କଦର୍ଥ କରାଯାଇଛି: ଭାରତୀୟ ଦୂତାବାସ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): 'ଅପରେସନ ସିନ୍ଦୂର'ରେ ଭାରତର କ୍ଷୟକ୍ଷତିକୁ ନେଇ ବିରୋଧୀ ଦଳ କଂଗ୍ରେସ ସରକାରଙ୍କୁ ଘେରୁଥିବା ବେଳେ ବଡ଼ ତଥ୍ୟ ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି। ଇଣ୍ଡୋନେସିଆରେ ଭାରତର ଡିଫେନ୍ସ ଆଟାଚେ କ୍ୟାପ୍‌ଟେନ ଶିବ କୁମାର ଏହି ଅଭିଯାନର ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଦେଶ ପକ୍ଷରୁ ଆପଣାଯାଇଥିବା ରଣନୀତି ବିଷୟରେ ସୂଚନା ଦେଇ ଏଭଳି ବିସ୍ଫୋରକ ତଥ୍ୟ ଦେଇଛନ୍ତି ଯାହାକୁ ନେଇ ରାଜନୈତିକ ଝଡ଼ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଇଣ୍ଡୋନେସିଆର ଏକ ୟୁନିଭର୍ସିଟି ସେମିନାରରେ କ୍ୟାପ୍‌ଟେନ କୁମାର କହିଛନ୍ତି ଯେ ଅପରେସନ ସିନ୍ଦୂରକୁ ପ୍ରଥମେ ରାଜନୈତିକ ବିରୋଧର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେବାକୁ ପଡ଼ିଥିଲା। ପାକିସ୍ତାନର ସାମରିକ ଘାଟୀ କିମ୍ବା ବାୟୁ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ ପାଇଁ ଭାରତୀୟ ବାୟୁସେନାକୁ ବାରଣ କରାଯାଇଥିଲା। କେବଳ ଆତଙ୍କବାଦୀଙ୍କ ଆଡ୍ଡା ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ ପାଇଁ କୁହାଯାଇଥିଲା। ସରକାରଙ୍କ ଏଭଳି କଟକଣା ଯୋଗୁଁ ପ୍ରଥମ ଦିନ ଆମକୁ କିଛି ଲଢୁଆ ବିମାନ ହରାଇବାକୁ ପଡ଼ିଥିଲା। ତେବେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ବାୟୁସେନା ପାକିସ୍ତାନର ଅନେକ ସାମରିକ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରି ଛାରଖାର କରିଦେଇଥିଲେ। ଏହାପରେ ପାକିସ୍ତାନ ଆକାଶରେ ଭାରତୀୟ ବାୟୁସେନା ଆଧିପତ୍ୟ ବିସ୍ତାର କରିଥିଲେ।

ଗତ ୧୦ ତାରିଖରେ କ୍ୟାପ୍‌ଟେନ କୁମାର ଦେଇଥିବା ଏହି ମନ୍ତବ୍ୟକୁ ନେଇ ବିଜେପି ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାରଙ୍କୁ ନିଶାଣ କରିଛି କଂଗ୍ରେସ। ସରକାର ଦେଶକୁ ବିଭ୍ରାନ୍ତ କରୁଛନ୍ତି ବୋଲି କଂଗ୍ରେସ ଅଭିଯୋଗ କରିଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଇଣ୍ଡୋନେସିଆ ସ୍ଥିତ ଭାରତୀୟ ଦୂତାବାସ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ ଗଣମାଧ୍ୟମ ରିପୋର୍ଟରେ କ୍ୟାପ୍‌ଟେନଙ୍କ ମନ୍ତବ୍ୟକୁ କଦର୍ଥ କରାଯାଇଛି। ସେମିନାରରେ ବକ୍ତା ଦେଇଥିବା ମନ୍ତବ୍ୟର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଏବଂ ମହତ୍ତ୍ୱକୁ ଭୁଲ ଭାବେ ଉପସ୍ଥାପନ କରାଯାଇଛି।

ସୂଚନାଯୋଗ୍ୟ ଯେ ପହଲଗାମ ଆକ୍ରମଣର ପ୍ରତିଶୋଧ ନେବାକୁ ଯାଇ ଭାରତ 'ଅପରେସନ ସିନ୍ଦୂର' ଜରିଆରେ ପାକିସ୍ତାନ ଏବଂ ପିଓକେରେ ଥିବା ଆତଙ୍କବାଦୀ ଶିବିରକୁ ଧ୍ୱଂସ କରିଦେଇଥିଲା। ତେବେ ଏହି ସଂଘର୍ଷରେ ଭାରତର ୫ଟି ଲଢୁଆ ବିମାନକୁ ଖସାଇଥିବା ପାକିସ୍ତାନ ଦାବି କରିଥିଲା। ବିରୋଧୀ ଦଳ କଂଗ୍ରେସ ଭାରତର କ୍ଷୟକ୍ଷତି ନେଇ ସରକାରଙ୍କୁ ଜବାବ ମାଗିଥିଲେ। କେତୋଟି ଲଢୁଆ ବିମାନ ହରାଇଛି ବୋଲି ପ୍ରଶ୍ନ କରିଥିଲା। ମାତ୍ର ସିଡିଏସ ଅନୀଲ ଚୌହାନ ଏକ ସାକ୍ଷାତକାରରେ ଭାରତର କିଛି କ୍ଷୟକ୍ଷତି ହୋଇଥିବା କହିବା ପରେ ଏହି ଚର୍ଚ୍ଚା ଜୋର ଧରିଥିଲା। ଏବେ କ୍ୟାପ୍‌ଟେନ କୁମାରଙ୍କ ଟିପ୍ପଣୀକୁ ନେଇ କଂଗ୍ରେସ ନେତା ଜୟରାମ ରମେଶ କହିଛନ୍ତି ଯେ ପ୍ରଥମେ ସିଙ୍ଗାପୁରରେ ସିଡିଏସ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଟିପ୍ପଣୀ ଦେଇଥିଲେ। ଆଉ ଏବେ ଜଣେ ବରିଷ୍ଠ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଇଣ୍ଡୋନେସିଆରେ ଏଭଳି ତଥ୍ୟ ଦେଇଛନ୍ତି।

# ବିଜେପି ସଭାପତି ନେଇ ହୋଇପାରୁନି ସହମତି

**ଆସନ୍ତା ସପ୍ତାହରେ ବିଜେପି-ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍ ବୈଠକ**

**୧୯ଟି ରାଜ୍ୟରେ ସଭାପତି ନିର୍ବାଚନ ହୋଇନାହିଁ**

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୨୯।୬: ବିଜେପିର ପରବର୍ତ୍ତୀ ସଭାପତି କିଏ ହେବ? ଏହାକୁ ନେଇ କଳ୍ପନାଜଳ୍ପନା ଜାରି ରହିଛି। କୁହାଯାଉଛି ଯେ ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍ ଓ ବିଜେପି ନେତାଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏହାକୁ ନେଇ ମତଭେଦ ଲାଗି ରହିଥିବାରୁ ନୂଆ ସଭାପତି ନିଯୁକ୍ତି ନେଇ ସହମତି ହୋଇପାରୁ ନାହିଁ। ତେବେ ଆସନ୍ତା ସପ୍ତାହ ଦିଲ୍ଲୀରେ ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍ ଏବଂ ବିଜେପି ନେତାମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ହେବାକୁ ଥିବା ବୈଠକରେ ଏହାର ସମାଧାନ ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି।

ଏବେ ଦଳର ସଭାପତି ପଦରେ ଥିବା କେନ୍ଦ୍ର ମନ୍ତ୍ରୀ ଜେପି ନଡ୍ଡାଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟକାଳ ୨୦୨୩ ଜାନୁଆରୀରେ ଶେଷ ହୋଇଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ପ୍ରଥମେ ତାଙ୍କର କାର୍ଯ୍ୟକାଳକୁ ଜୁନ୍ ୨୦୨୪ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବୃଦ୍ଧି କରାଯାଇଥିଲା। ତେବେ ନୂଆ ସଭାପତି ନେଇ ସହମତି ହୋଇ ପାରୁନଥିବାରୁ କାର୍ଯ୍ୟକାଳ ଶେଷ ହେବା ପରେ ମଧ୍ୟ ସେ ଏହି ପଦରେ ରହିଛନ୍ତି। ଏହି ପଦବୀରେ ବିଜେପି ହାଇକମାଣ୍ଡ ନିଜ ପସନ୍ଦର ନେତା ରଖିବାକୁ ଆଗ୍ରହୀ ଥିବା ବେଳେ ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍ ଏଥିରେ ଏକମତ ହେଉନାହିଁ। ନୂଆ ସଭାପତି ଲାଗି ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍ ଯେଉଁ ସର୍ତ୍ତ ରଖିଛି, ସେଥିରେ ବିଜେପି ହାଇକମାଣ୍ଡଙ୍କ ପସନ୍ଦର ନେତା ଫିଟ୍ ହୋଇପାରୁ ନାହାନ୍ତି। ଏହି ପଦରେ ସାଂଗଠନିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଜଣେ ଶକ୍ତିଶାଳୀ ନେତାଙ୍କୁ ବସାଇବାକୁ ଚାହୁଁଛି ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍। କୌଣସି ହସ୍ତକ୍ଷେପ ବିନା ସମଗ୍ର ସଂଗଠନ ଉପରେ ତାଙ୍କର ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରହିବ। ସେ ଦାୟିତ୍ୱ ନେବା ସହିତ ବିଜେପି ସଂଗଠନରେ ପୁନର୍ବିନ୍ୟାସ କରିବେ। ସାଂଗଠନିକ ପୁନର୍ବିନ୍ୟାସ ସହିତ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳରେ ମଧ୍ୟ ଅଦଳବଦଳ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛି ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍।

ମିଳିଥିବା ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ଆସନ୍ତା ମାସ ୪ରୁ ୬ ତାରିଖ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦିଲ୍ଲୀରେ ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍‌ର ଏକ ଉଚ୍ଚସ୍ତରୀୟ ବୈଠକ ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ଏଥିରେ ଆର୍‌ଏସ୍‌ଏସ୍ ମୁଖ୍ୟ ମୋହନ ଭାଗବତଙ୍କ ସମେତ ସଂଗଠନର ସାଧାରଣ ସଂପାଦକ ଦତ୍ତାତ୍ରେୟ ହୋସାବୋଲେ ଏବଂ ସମସ୍ତ ୬ ଜଣ ଯୁଗ୍ମ ସାଧାରଣ ସଂପାଦକ ଉପସ୍ଥିତ ରହିବେ। ଏହି ଅବସରରେ ବିଜେପି ନେତାମାନଙ୍କ ସହିତ ସେମାନଙ୍କର ବୈଠକ ହେବ ଏବଂ ଏଥିରେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସଭାପତିଙ୍କୁ ନେଇ ବିଚାର ଆଲୋଚନା ହେବ। ବିଜେପିର କିଛି ବରିଷ୍ଠ ନେତା କହିଛନ୍ତି ଯେ ନୂଆ ସଭାପତି ଦଳ ଭିତରେ ବ୍ୟାପକ ଅଦଳବଦଳ କରିବେ। ସଂଗଠନରେ ଯୁବ ମୁହଁଙ୍କୁ ଅଗ୍ରାଧିକାର ଦିଆଯିବ। ଅର୍ଦ୍ଧାଧିକ ଜାତୀୟ ସାଧାରଣ ସଂପାଦକଙ୍କୁ ବିଦାୟ କରାଯିବ। ବିଜେପିର ସର୍ବୋଚ୍ଚ ନୀତି ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ ସଂସ୍ଥା ପାର୍ଲାମେଣ୍ଟାରୀ ବୋର୍ଡରେ ଅନେକ ବରିଷ୍ଠ ନେତାଙ୍କୁ ସାମିଲ କରାଯିବ। ଆଗାମୀ ରାଜ୍ୟ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନ ପରିପେକ୍ଷୀ।ରେ ବୋର୍ଡକୁ ଆହୁରି ମଜବୁତ କରାଯିବ ବୋଲି ସେମାନେ କହିଛନ୍ତି।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ନିୟମ ଅନୁଯାୟୀ ନୂଆ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସଭାପତି ନିର୍ବାଚନ ପୂର୍ବରୁ ଅତିକମରେ ୧୯ଟି ରାଜ୍ୟରେ ଦଳୀୟ ସଭାପତି ନିର୍ବାଚନ ସଂପନ୍ନ ହେବା ଦରକାର। କିନ୍ତୁ ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ମାତ୍ର ୧୪ଟି ରାଜ୍ୟରେ ସଭାପତି ନିର୍ବାଚନ ହୋଇଛି। ଓଡ଼ିଶା ସମେତ ଉତ୍ତର ପ୍ରଦେଶ, ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ, କର୍ଣ୍ଣାଟକ, ପଶ୍ଚିମ ବଙ୍ଗ, ଗୁଜରାଟ ଓ ହିମାଚଳ ପ୍ରଦେଶରେ ବିଭିନ୍ନ କାରଣରୁ ସଭାପତି ନିର୍ବାଚନ ସଂପନ୍ନ ହୋଇପାରି ନାହିଁ। ଦଳୀୟ ପରଂପରା ଅନୁଯାୟୀ ଉଭୟ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଏବଂ ରାଜ୍ୟ ସଭାପତିଙ୍କୁ ସହମତି ଭିତ୍ତିରେ ନିଯୁକ୍ତି ମିଳେ। ଏଥିପାଇଁ ନିର୍ବାଚନର ଆବଶ୍ୟକତା ପଡ଼େନାହିଁ।

## 'ମନ୍ କି ବାତ'ରେ ଏମର୍ଜେନ୍ସିକୁ ନିନ୍ଦା କଲେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୨୯।୬(ଏଜେନ୍ସି): ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦି ରେଡିଓ ଶୋ 'ମନ୍ କି ବାତ'ର ୧୨୩ତମ ସଂସ୍କରଣରେ ପୁଣି ଥରେ ଏମର୍ଜେନ୍ସି କଥା ଉଠାଇ କଂଗ୍ରେସକୁ ନିନ୍ଦା କରିଛନ୍ତି। ଆରମ୍ଭରେ ସେ ଯୋଗ ଦିବସ ସମ୍ପର୍କରେ ବାର୍ତ୍ତା ଦେଇଥିଲେ। ଜୁନ୍ ୨୧ରେ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଲୋକେ ଅନ୍ତରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଯୋଗ ଦିବସ ପାଳନ କରିଥିଲେ। ଯୋଗକୁ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଆଦୃତ ହେଉଛି ଓ ଏହାକୁ ଦୈନନ୍ଦିନ ଜୀବନରେ ଲୋକେ ଆପାଣାଉଛନ୍ତି। ବିଶାଖପାଟଣାରେ ଏକାସଂଗେ ୩ ଲକ୍ଷ ଲୋକ ଯୋଗ କରିବା ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ କଥା ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି। ଏହା ପରେ ସେ ଏମର୍ଜେନ୍ସି ବିଷୟରେ ପୁଣି ବାର୍ତ୍ତା ଦେଇ କଂଗ୍ରେସକୁ ସମାଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ଇନ୍ଦିରା ଗାନ୍ଧି ୧୯୭୫ ଜୁନ ୨ରୁ ୧୯୭୭ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୧ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଭାରତରେ ଏମର୍ଜେନ୍ସି ଲାଗୁ କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ଲୋକଙ୍କୁ ଉତ୍ପିଡନର ଶିକାର ହେବାକୁ ପଡିଥିଲା। ମିସା ନିୟମ ଅନୁସାରେ ବହୁ ଲୋକଙ୍କୁ ଗିରଫ କରି ଜେଲ୍‌ରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଥିଲା। କିନ୍ତୁ ଶେଷରେ ଜନତାଙ୍କ ବିଜୟ ହୋଇଥିଲା ଓ ଏମର୍ଜେନ୍ସିକୁ ହଟାଇ ଦିଆଯାଇଥିଲା। ଭାରତୀୟ ଗଣତନ୍ତ୍ର ଇତିହାସରେ ଏହା କଳା ଅଧ୍ୟାୟ ସୃଷ୍ଟି କରିଥିଲା ବୋଲି ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ କହିଥିଲେ।

## ପରମାଣୁ ଅସ୍ତ୍ର ପାଇଁ ଇରାନ ପାଖରେ ୟୁରାନିୟମ ଅଛି

ତେହେରାନ୍, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ପରମାଣୁ ଅସ୍ତ୍ର ତିଆରି କରିବାକୁ ଇରାନ୍ ପାଖରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ୟୁରାନିୟମ ଧାତୁ ରହିଛି। ଏ ନେଇ ଜାତିସଂଘର ଇଣ୍ଟରନ୍ୟାସାନାଲ ଅଟୋମିକ୍ ଏଜେନ୍ସି (ଆଇଏଇଏ) ରବିବାର ସୂଚନା ଦେଇଛି। ଆଗାମୀ କିଛି ମାସ ମଧ୍ୟରେ ଇରାନ ପୁଣିଥରେ ନିଜର ଆଣବିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆରମ୍ଭ କରିପାରେ ବୋଲି ଆଇଏଇଏ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ରାଫେଲ ଗ୍ରାସୀ ଏକ ନ୍ୟୁଜ୍ ଚ୍ୟାନେଲକୁ ସାକ୍ଷାତକାର ଦେବା ଅବସରରେ କହିଛନ୍ତି। ଏବେ ମଧ୍ୟ ଇରାନ୍‌ର କେତୋଟି ଆଣବିକ କେନ୍ଦ୍ର ରହିଛି। ତେଣୁ ଇରାନ ପୁଣିଥରେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆରମ୍ଭ କରିବା ଅସମ୍ଭବ ନୁହଁ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି। ଉଲ୍ଲେଖଥାଉ କି, ଜୁନ୍ ୧୩ରେ ଇରାନ ପରମାଣୁ କେନ୍ଦ୍ର ସମେତ ଅନ୍ୟ ସାମରିକ ଘାଟି ଉପରେ ଇସ୍ରାଏଲ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲା। ପରେ ଆମେରିକା ମଧ୍ୟ ବି-୨ ବମ୍ବରରେ ଇରାନର ଫୋର୍ଡୋ, ନତାଂଜ ଓ ଓସ୍ଫହାନ ଆଣବିକ କେନ୍ଦ୍ର ଉପରେ ବିସ୍ଫୋରଣ କରିଥିଲା ଏଗୁଡିକୁ ଧ୍ୱଂସ କରିଥିଲା।

## କୋଲକାତା ଛାତ୍ରୀ ଗଣଦୁଷ୍କର୍ମ: କଲ୍ୟାଣ-ମହୁଆ ମୁହାଁମୁହିଁ

କୋଲକାତା, ୨୯।୬ (ଏଜେନ୍ସି): କୋଲକାତା ଆଇନ ଛାତ୍ରୀ ଗଣଦୁଷ୍କର୍ମ ଘଟଣାକୁ ନେଇ କ୍ଷମତାସୀନ ଟିଏମ୍‌ସିରେ ଝଡ଼ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଦଳର ରାଜସ୍ୟଭା ସାଂସଦ କଲ୍ୟାଣ ବାନାର୍ଜୀ ଏବଂ ଲୋକସଭା ସାଂସଦ ମହୁଆ ମୋଇତ୍ର ମୁହାଁମୁହିଁ ହୋଇଛନ୍ତି। ଗଣଦୁଷ୍କର୍ମ ମାମଲାକୁ ନେଇ କଲ୍ୟାଣ ଦେଇଥିବା ମନ୍ତବ୍ୟକୁ ମହୁଆ ଘୃଣ୍ୟ କହିବା ପରେ ବିବାଦ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଦୁଷ୍କର୍ମ ଘଟଣାରେ କଲ୍ୟାଣ ଦେଇଥିବା ମନ୍ତବ୍ୟର ନିନ୍ଦା କରି ମହୁଆ ଏହାକୁ ନାରୀ-ବିରୋଧୀ ମାନସିକତା ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଯିଏ ବି ଏଭଳି ଘୃଣ୍ୟ ମନ୍ତବ୍ୟ ଦିଏ ତାକୁ ନିନ୍ଦା କରାଯିବା ଉଚିତ। ମହୁଆଙ୍କ ଏଭଳି ଅଭିଯୋଗ ନେଇ ତୀବ୍ର ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି କଲ୍ୟାଣ ବାନାର୍ଜୀ। ବରିଷ୍ଠ ଓକିଲ ତଥା ପୂର୍ବତନ ସାଂସଦ ପିନାକୀ ମିଶ୍ରଙ୍କ ସହ ମହୁଆଙ୍କ ବିବାହକୁ ନିଶାଣ କରିଛନ୍ତି କଲ୍ୟାଣ। ମହୁଆ ମୋତେ ମହିଳା ବିରୋଧୀ କହୁଛନ୍ତି। ସେ ନିଜେ କ'ଣ କରିଛନ୍ତି? ମହୁଆ ନିଜେ ସବୁଠୁ ବଡ଼ ମହିଳା ବିରୋଧୀ। ଜଣେ ୬୫ ବର୍ଷୀୟ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ ବିବାହ କରି ମହୁଆ ତାଙ୍କ ପରିବାରକୁ ଭାଙ୍ଗିଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାକରି ମହୁଆ ମହିଳାଙ୍କୁ ଆଘାତ ଦେଉନାହାନ୍ତି କି? ବିବାହ ପରେ ବିଦେଶରୁ ହନିମୁନ୍‌ରୁ ଫେରି ସେ ମୋ ସହ ଲଢେଇ କରୁଛନ୍ତି। ମହୁଆଙ୍କ ଠାରୁ ଆଉ ଏତେ ବଡ଼ ନାରୀ-ବିରୋଧୀ କେହି ନାହାନ୍ତି ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି। ନିୟମ ଉଲ୍ଲଂଘନ କାରଣରୁ ସଂସଦରୁ ବହିଷ୍କୃତ ହୋଇଥିବା ମହିଳା ଏବେ ମୋତେ ନୀତି ଶିକ୍ଷା ଦେଉଛନ୍ତି।

ଏହି ଦୁଇ ଜଣ ନେତା ଏପରି ମୁହାଁମୁହିଁ ହୋଇଥିବାରୁ ମମତାଙ୍କ ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ ଅପ୍ରୀତିକର ପରିସ୍ଥିତିରେ ପଡ଼ିଯାଇଛି। ମିଳିଥିବା ଖବର ଅନୁଯାୟୀ ଭବିଷ୍ୟତରେ ସାଧାରଣରେ ଏଭଳି ମନ୍ତବ୍ୟ ନଦେବା ଲାଗି ମମତା ବାନାର୍ଜୀ ଦଳର ଏହି ଦୁଇ ନେତାଙ୍କୁ ତାଗିଦ କରିଛନ୍ତି।

## ପାକିସ୍ତାନକୁ ଭାରତର ସମାଲୋଚନା

ଇସ୍‌ଲାମାବାଦ,୨୯।୬(ଏଜେନ୍ସି): ପାକିସ୍ତାନର ଖାଇବର ପଖତୁନଖ୍ୱା ରାଜ୍ୟର ଉତ୍ତର ପାର୍ବତ୍ୟ ଅଞ୍ଚଳ ୱାଜିରସ୍ଥାନରେ ହୋଇଥିବା ଆତ୍ମଘାତୀ ବିସ୍ଫୋରଣରେ ୧୬ ସୁରକ୍ଷାକର୍ମୀ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି। ପାକିସ୍ତାନ ଏହି ଘଟଣାରେ ଭାରତକୁ ଦାୟୀ କରିଛି। ସାଧରଣ ନାଗରିକଙ୍କ ସମେତ ୨୪ ଜଣ ଲୋକ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଭାରତକୁ ଦାୟି କରୁଥିବା ବେଳେ ପାକିସ୍ତାନ ତାଲିବାନ ବା ଟିଟିପି ନିଜକୁ ଦାୟୀ କରିଛି। ଭାରତ ପାକିସ୍ତାନର ଏହି ଅଭିଯୋଗକୁ ପ୍ରତ୍ୟାଖାନ କରିଛି। ଆତ୍ମଘାତୀ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିବା ଆତଙ୍କବାଦୀଜଣକ ବାରୁଦ ଭର୍ତ୍ତି ଗାଡି ସହ ସୈନ୍ୟଙ୍କୁ ନେଇ ଯାଉଥିବା ଗାଡିଗୁଡିକ ଉପରେ ମାଡ଼ କରିଥିଲା। ଏଥିରେ ନିକଟରେ ଥିବା ଦୁଇଟି ଘରର ଛାତ ଗଳି ପଡିଥିଲା। ଏହି ଘଟଣାରେ ୬ ଜଣ ଶିଶୁ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି ବୋଲି ଜଣେ ପୁଲିସ ଅଧିକାରୀ କହିଛନ୍ତି। ପାକିସ୍ତାନର ଅଭିଯୋଗକୁ ଭାରତ ବୈଦେଶିକ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟର ମୁଖପାତ୍ର ରଣଧୀର ଜୟସ୍ୱାଲ ଖଣ୍ଡନ କରିଛନ୍ତି।

# କର୍ଣ୍ଣାଟକ କଂଗ୍ରେସରେ ଅଶାନ୍ତି: ପୁଣି ଉଠିଲା ନେତା ପରିବର୍ତ୍ତନ ସ୍ୱର

ବେଙ୍ଗାଲୁରୁ, ୨୯।୬: କର୍ଣ୍ଣାଟକ କଂଗ୍ରେସରେ ପୁଣି ଅଶାନ୍ତି। ଦଳର କେତେକ ବିଧାୟକ ବିବାଦୀୟ ମନ୍ତବ୍ୟ ଦେଇ ସରକାରକୁ ଅଡୁଆରେ ପକାଉଥିବା ବେଳେ ଗୋଷ୍ଠୀ ବିବାଦ ମଧ୍ୟ ମୁଣ୍ଡ ଟେକିଲାଣି। ବିଶେଷ କରି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସିଦ୍ଧରମୈୟା ଏବଂ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଶିବକୁମାରଙ୍କ ସମର୍ଥକ ମଧ୍ୟରେ ଟଣାଓଟରା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯାଇଛି। ଦଳକୁ ଏଭଳି ଅପ୍ରୀତିକର ପରିସ୍ଥିତିରୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବା ଲାଗି ଦଳୀୟ ହାଇକମାଣ୍ଡ ଏହାର ସାଧାରଣ ସଂପାଦକ ରଣଦୀପ ସିଂହ ସୂର୍ଯ୍ୟେୱାଲାଙ୍କୁ ପଠାଇଛନ୍ତି। ସେ ଆସନ୍ତାକାଲି ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରେ ପହଂଚିବେ। ସେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଏବଂ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସମେତ ଦଳର ଅନେକ ନେତାମାନଙ୍କ ସହିତ ବିଚାରବିମର୍ଶ କରିବେ।

ଦଳର କେତେକ ବିଧାୟକ ପ୍ରଶାସନ ବିରୋଧରେ ଖୋଲାଖୋଲି ଦୁର୍ନୀତି ଅଭିଯୋଗ ଆଣି ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କୁ ଅଡୁଆରେ ପକାଉଛନ୍ତି। ସେମାନଙ୍କୁ ଶାନ୍ତ କରିବା ଲାଗି ଚଳିତ ସପ୍ତାହ ଉଭୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସିଦ୍ଧରମୈୟା ଏବଂ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଶିବକୁମାର ଅସନ୍ତୁଷ୍ଟ ନେତାମାନଙ୍କ ସହିତ କଥାବାର୍ତ୍ତା ହୋଇଥିଲେ। ବରିଷ୍ଠ ବିଧାୟକ ବିଆର ପାଟିଲ ରାଜ୍ୟ ଗୃହ ନିର୍ମାଣ ବିଭାଗ ବିରୋଧରେ ବଡ଼ ଧରଣର ଦୁର୍ନୀତି ଅଭିଯୋଗ ଆଣି ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଇସ୍ତଫା ଦାବି କରିଥିଲେ। ସେହିଭଳି ଅନ୍ୟତମ ବିଧାୟକ ରାଜୁ କାଗେ ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ ଯେ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରଶାସନ ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିଛି। ସେମାନଙ୍କୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ବୁଝାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସେମାନେ ଶୁଣୁ ନାହାନ୍ତି। ଏହାକୁ ନେଇ ଦଳରେ ଫାଟ ବଢୁଥିବାରୁ ସୂର୍ଯ୍ୟେୱାଲା ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରେ ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଆଲୋଚନା କରିବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି। ସେ ଦଳର ଅନ୍ୟ ନେତାମାନଙ୍କ ସହିତ ମଧ୍ୟ ଏକାକୀ ଆଲୋଚନା କରିବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି। ରାଜ୍ୟରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ବଦଳିବା ଲାଗି ମଧ୍ୟ ଦଳ ଭିତରେ ଚାଲିଥିବା ଚର୍ଚ୍ଚା ମଧ୍ୟରେ ସୂର୍ଯ୍ୟେୱାଲା ହାଇକମାଣ୍ଡଙ୍କ ମତାମତ ଜଣାଇବେ। ଦଳର ଏକତା ଏବଂ ସରକାରରେ ସ୍ଥିରତା ସ୍ୱାର୍ଥ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ସାଧାରଣରେ ଆଶ୍ୱସ୍ତିକର ମନ୍ତବ୍ୟ ନଦେବା ଲାଗି ସେ ଦଳର ନେତାମାନଙ୍କୁ ପରାମର୍ଶ ଦେବେ। ଦୁଇ ଦିନ ଧରି ସେ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରେ ରହି ଦଳ ଭିତରେ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ଉତ୍ତେଜନାକୁ ପ୍ରଶମିତ କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟମ କରିବେ।

ଇତିମଧ୍ୟରେ ଦଳର ଅନ୍ୟତମ ବରିଷ୍ଠ ନେତା ଇକବାଲ ହୁସେନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଦୁଇ ତିନି ମାସ ଭିତରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ବଦଳିବେ। ସିଦ୍ଧରମୈୟାଙ୍କ ସ୍ଥାନରେ ଡି. ଶିବକୁମାରଙ୍କୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କରାଯିବ। ହାଇକମାଣ୍ଡ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇ ସାରିଥିବା ସେ କହିଛନ୍ତି। ଉପଯୁକ୍ତ ସମୟରେ ଦଳୀୟ ହାଇକମାଣ୍ଡ ଏହି ଘୋଷଣା କରିବେ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି।

# ରାତି ୧୨ଟାରେ ପହୁଡ଼ ହେଲା କାହିଁକି?

■ ପୂର୍ବରୁ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କୁ ରାତିରାତି ଉଜାଗର ରଖାଯାଇଛି
■ ସ୍ଥିତି ନ ଥିବାବେଳେ ପହୁଡ଼ ସଅଳ କାହିଁକି କଲେ?

ପୁରୀ,୨୯।୬(ସମିସ): ଅନେକ ସମୟରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କୁ ରାତି ରାତି ଉଜାଗର ରଖାଯାଇଛି। ସେବାୟତଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିବାଦ ହେଉ ବା ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ପର୍ବପର୍ବାଣି ରତ୍ନସିଂହାସନରେ ଅନିଦ୍ରା ରହିଛନ୍ତି ଠାକୁର। ଏମିତି ବି ନୂଆବର୍ଷରେ ଅଧରାତିରୁ ଠାକୁରଙ୍କୁ ନିଦରୁ ଉଠାଇ ଦିଆଯାଉଛି। ଅତୀତକୁ ଖୋଜିଲେ, ଜଣାପଡ଼ିବ ବର୍ଷକରେ ଅନେକ ଦିନ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିରରେ ପହୁଡ଼ ହୋଇନଥାଏ। ହେଲେ ଠାକୁର ଯେତେବେଳେ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ଭକ୍ତଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେଉଛନ୍ତି ଆଉ ଶରଧାବାଲିରେ ହଜାରହଜାର ଭକ୍ତ କାଳିଆ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦେଖିବା ଲାଗି ବ୍ୟାକୁଳତା ପ୍ରକାଶ କରୁଛନ୍ତି, ସେତେବେଳେ ସଅଳ ପହୁଡ଼ କାହିଁକି ହେଲା? ସେଭଳି ସ୍ଥିତି ନଥିବା ବେଳେ କାହା ନିର୍ଦ୍ଦେଶରେ ରାତି ୧୨ଟାରେ ପହୁଡ଼ କରାଗଲା? ଯଦି ପହୁଡ଼ ହୋଇ ନଥା'ନ୍ତା, ତେବେ କ'ଣ ଅସୁବିଧା ହୋଇଥା'ନ୍ତା? ଏମିତି ପ୍ରଶ୍ନ ଏବେ ଭକ୍ତଙ୍କ ମହଲରେ ଉଙ୍କି ମାରୁଥିବାବେଳେ ସମସ୍ତେ ପ୍ରଶାସନର ଦାୟିତ୍ୱହୀନତା ଓ ଅବହେଳାକୁ ଦାୟୀ କରିଛନ୍ତି।

ବିଶ୍ୱନିୟନ୍ତା ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ରୀତିନୀତି ଅନ୍ୟ ଦେବଦେବୀଙ୍କଠାରୁ ଭିନ୍ନ। ଏଠାରେ ମାନବୀୟ ଲୀଳା କରିଥା'ନ୍ତି ଦାରୁଦିଅଁ। ଭୋର୍‌ରୁ ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ସାଧାରଣ ମଣିଷ ଭଳି ଠାକୁରଙ୍କ ସେବାପୂଜା କରାଯାଏ। ରାତିରେ ଶ୍ରୀଜୀଉମାନେ ନିଦ୍ରା ଯାଆନ୍ତି, ଯାହାକୁ ଆମେ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିରରେ ରାତ୍ରପହୁଡ଼ ବୋଲି କହିଥାଉ। କେଉଁ ସମୟରେ ପହୁଡ଼ ପଡ଼ିବ ତାହାର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସମୟ ବି ସ୍ଥିର ଥାଏ। ହେଲେ ନୀତିବିଳମ୍ବ ହେଉ କିମ୍ବା ଅନ୍ୟ କୌଣସି କାରଣ ପାଇଁ ଅନେକ ସମୟରେ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିରରେ ପହୁଡ଼ ସମ୍ଭବ ହୋଇପାରିନଥାଏ। ଏମିତି ବି ବିଭିନ୍ନ ସମୟରେ ସେବାୟତଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବିବାଦ ଯୋଗୁଁ ନୀତିରେ ବିଳମ୍ବ ହେଲେ ପହୁଡ଼ ହୋଇନଥାଏ। ଆବଶ୍ୟକସ୍ଥଳେ ଠାକୁରଙ୍କୁ କେତେବେଳେ ଘଣ୍ଟାଏ ତ ପୁଣି କେତେବେଳେ ୨ ଘଣ୍ଟାରେ ନିଦରୁ ଉଠାଇ ଦେଇଥା'ନ୍ତି। ତେଣୁ ସବୁଦିନ ପହୁଡ଼ ହେବା ବାଧ୍ୟ ଏମିତି ବି କିଛି ଧରାବନ୍ଧା ନାହିଁ। ଅବଶ୍ୟ ପ୍ରତିଦିନ ଠାକୁରଙ୍କୁ ବିଶ୍ରାମ ଦିଆଯିବା କଥା। କିନ୍ତୁ ତାହା ପାଳନ କରାଯାଉନାହିଁ। ସବୁଠୁ ବଡ଼ କଥା ହେଉଛି, ବହୁଳ ନୀତିକାନ୍ତି ଯୋଗୁଁ ଗତ ୧୦ଦିନ ରାତ୍ରପହୁଡ଼ ହୋଇନାହିଁ। ତେଣୁ ଶନିବାର ରାତିରେ ରାତ୍ରପହୁଡ଼ ପାଇଁ କାହିଁକି ଏତେ ତତ୍ପରତା ଦେଖାଗଲା, ତାହା ମଧ୍ୟ ବୁଝାପଡୁ ନାହିଁ।

ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ କଥା ହେଉଛି ମହାପ୍ରଭୁ ହେଉଛନ୍ତି ଭକ୍ତପ୍ରିୟ। ସେଇଥିପାଇଁ ବର୍ଷକୁ ଥରେ ଭାଇଭଉଣୀଙ୍କୁ ସାଥିରେ ଧରି ନବଦିନାତ୍ମକ ଯାତ୍ରା କରିଥା'ନ୍ତି। ଏହି ଅବସରରେ ବଡ଼ଦାଣ୍ଡରେ ସବୁ ଧର୍ମ, ସବୁ ସମ୍ପ୍ରଦାୟର ଭକ୍ତ ଚର୍ମ ଚକ୍ଷୁରେ ବିଶ୍ୱନିୟନ୍ତାଙ୍କ ଦର୍ଶନ ସୁଯୋଗ ପାଆନ୍ତି। ରଥରେ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କଲେ ବହୁ ପୁଣ୍ୟ ମିଳିଥାଏ ବୋଲି ସାଧାରଣରେ ବିଶ୍ୱାସ ରହିଛି। ଅନେକ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ଆଡ଼ପମଣ୍ଡପରେ ଶ୍ରୀବିଗ୍ରହମାନଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ପାଇଁ ଦୀର୍ଘ ସମୟ ଲମ୍ବା ଧାଡ଼ିରେ ଛିଡ଼ା ହେବାକୁ ଚାହାନ୍ତି ନାହିଁ। ତେଣୁ ସେମାନେ ରଥାରୂଢ଼ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିବାକୁ ପସନ୍ଦ କରିଥା'ନ୍ତି। ଯେଉଁଥିପାଇଁ ଗତ କିଛି ବର୍ଷ ହେବ, ଠାକୁର ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ରଥ ଉପରେ ଥିବା ବେଳେ ରାତିରେ ପ୍ରବଳ ଭିଡ଼ ହୋଇଥାଏ। ବିଳମ୍ବିତ ରାତି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦର୍ଶନ ଚାଲେ। ବିଶେଷକରି କଟକ, ଭୁବନେଶ୍ୱର, ଜଗତସିଂହପୁର, ଖୋର୍ଦ୍ଧା, ପୁରୀ, ନୟାଗଡ଼ ଆଦି ଆଖପାଖ ଜିଲ୍ଲାରୁ ହଜାରହଜାର ସଂଖ୍ୟାରେ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ରାତିରେ ଆସି ଦର୍ଶନ ସାରି ରାତାରାତି ଫେରିଯା'ନ୍ତି। ପ୍ରଶାସନ ଏବଂ ସେବାୟତ ଏସବୁ ଜାଣିଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ କ'ଣ ପାଇଁ ଶନିବାର ରାତିରେ ଶରଧାବାଲିରେ ଭକ୍ତଙ୍କ ଭିଡ଼ ଥିବା ବେଳେ ରାତି ୧୨ଟାରୁ ୧୨ଟା ୧୫ ମଧ୍ୟରେ ପହୁଡ଼ କରିଦେଲେ ତାହା ସମସ୍ତଙ୍କ ମନରେ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ଛିଡ଼ା କରିଛି। ଯଦି ଠାକୁରଙ୍କର ପହୁଡ଼ ହୋଇ ନ ଥାନ୍ତା, କିମ୍ବା ଘଣ୍ଟାଏ ପାଇଁ ପହୁଡ଼ କରାଯାଇଥା'ନ୍ତା ତେବେ ଏତେବଡ଼ ଅଘଟଣ ଘଟି ନଥାନ୍ତା ବୋଲି ମତ ଦେଇଛନ୍ତି ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ। ଦର୍ଶନ ଚାଲିଥିଲେ ଭକ୍ତଙ୍କର ଯିବାଆସିବା ଲାଗିଥା'ନ୍ତା। ତେଣୁ ଏତେଟା ଭିଡ଼ ହୋଇନଥା'ନ୍ତା। ଯେଉଁ ୩/୪ ଘଣ୍ଟା ପହୁଡ଼ ପାଇଁ ଦର୍ଶନ ବନ୍ଦ ରହିଲା, ତେଣୁ ପଛକୁ ପଛ ଭକ୍ତଙ୍କ ଗହଳି ଲାଗିଗଲା। ଫଳରେ ଦଳାଚକଟାକୁ ଡାକିଆଣିବା ଭଳି ହେଲା ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ଭକ୍ତ ପ୍ରହ୍ଲାଦ ପରିଡ଼ା।

## ■ ମହାପ୍ରଭୁ କାହାର ଗର୍ବ ରଖିନାହାନ୍ତି: ଶୁଭାଶିଷ

ମହାପ୍ରଭୁ କାହାରି ଗର୍ବ ରଖି ନାହାନ୍ତି। ଗତବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରାରେ ବଡ଼ ଠାକୁର ପଡ଼ିଯିବା ପରଠାରୁ ଯେଉଁ ସବୁ ଭୁଲ୍ କରିଚାଲିଛନ୍ତି, ସେଥିପ୍ରତି ସରକାର ଚେତିଯିବା ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ରାଜ୍ୟସଭା ସାଂସଦ ଶୁଭାଶିଷ ଖୁଣ୍ଟିଆ। ସେ କହିଛନ୍ତି, ଭୁଲ୍ ପାଇଁ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ପାଖରେ ଶରଣ ପଶି କ୍ଷମାପ୍ରାର୍ଥନା କରନ୍ତୁ। ଦେଖିବେ ଏହାପରେ କୌଣସି ଅଘଟଣ ଘଟିବ ନାହିଁ। ସେବାୟତଙ୍କୁ ରଥ ଉପରୁ ଭିଡ଼ି ତଳକୁ ଓହ୍ଲାଇବା, ସାମ୍ବାଦିକଙ୍କୁ ମାଡ଼ ମାରିବା ଆଦି କି' ପ୍ରକାର ମାନସିକତା। ରଥଯାତ୍ରାରେ ଭିଡ଼ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରାଯାଇପାରୁନି। ରଥଯାତ୍ରାରେ ପ୍ରାୟ ୬୦୦ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ହସ୍ପିଟାଲରେ ଭର୍ତ୍ତି ହେଲେ। କିଛି ଭକ୍ତ ମଧ୍ୟ ମରିଛନ୍ତି। ଏତେ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ପୂର୍ବରୁ କେବେ ଦେଖାଯାଇନଥିଲା। ଚଳିତ ରଥଯାତ୍ରାକୁ ଶୃଙ୍ଖଳିତ କରିବା ଲାଗି ଆଇନ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏକାଧିକ ବୈଠକ କରିଛନ୍ତି। ହେଲେ ସ୍ଥିତି କ'ଣ ହେଲା? ରଥଯାତ୍ରାକୁ ଆସି ଭକ୍ତ ମଲେ। ଏଥିରୁ ସମନ୍ୱୟ ଅଭାବ ଜଳଜଳ ଦିଶୁଛି। ଆଗକୁ ଯେପରି ଏହିପରି ଅଘଟଣ ନଘଟେ, ସେଥିପ୍ରତି ସରକାର ଏବଂ ପ୍ରଶାସନ ନିଜକୁ ସଜାଡ଼ନ୍ତୁ ବୋଲି ମତ ଦେଇଛନ୍ତି ରାଜ୍ୟସଭା ସାଂସଦ ଶ୍ରୀ ଖୁଣ୍ଟିଆ।

## ■ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ପାଇଁ ପ୍ରଶାସନ ଦାୟୀ: ସୁନୀଲ

ଚଳିତବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ଯେଉଁ ସବୁ ଅଘଟଣ ଘଟି ଚାଲିଛି, ତାହା ବାସ୍ତବିକ ବେଶ୍ ଦୁଃଖଦାୟକ। ଏହି ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ପାଇଁ ପ୍ରଶାସନ ଦାୟୀ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ପୁରୀ ବିଧାୟକ ସୁନୀଲ କୁମାର ମହାନ୍ତି। ଶରଧାବାଲିରେ ଦଳଚକଟାରେ ୩ଜଣ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ସମ୍ପର୍କରେ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ରଖି ସୁନୀଲ କହିଛନ୍ତି, ଏଥିରେ ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀଙ୍କର ତ୍ରୁଟି ରହିଛି। ଭିଡ଼ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବାରେ ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀମାନେ ଫେଲ୍ ମାରିଛନ୍ତି। ଦୋଷ ସ୍ୱୀକାର କରନ୍ତୁ ଅଧିକାରୀ। ରଥଟଣା ଆରମ୍ଭରୁ ବିଭ୍ରାଟ ଦେଖାଦେଇଥିଲା। କାହା ସ୍ୱାର୍ଥରେ ହଜାର ହଜାର କର୍ଡନ୍ ପାସ୍ କରାଯାଇଛି। ଏହାର ତଦନ୍ତ କରି ତୁରନ୍ତ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯିବା ଦରକାର ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ବିଧାୟକ ଶ୍ରୀ ମହାନ୍ତି।

## ■ ଅହଂକାର ଯୋଗୁଁ ଅଘଟଣ: ରାମକୃଷ୍ଣ

ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ଦଳଚକଟା ଘଟି ୩ ଜଣ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ଜୀବନ ଯାଇଛି। ଏଥିପାଇଁ କିଏ ଦାୟୀ, ଏହାର ଖୋଳତାଡ଼ କରାଯାଉଥିବାବେଳେ ଏହାକୁ ନେଇ ସମସ୍ତେ ପ୍ରଶାସନିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଉପରକୁ ଅଙ୍ଗୁଳି ଉଠାଇଛନ୍ତି। ବରିଷ୍ଠ ଦଇତାପତି ସେବକ ତଥା ଦଇତାପତି ନିଯୋଗର ସମ୍ପାଦକ ରାମକୃଷ୍ଣ ଦାସମହାପାତ୍ର କହିଛନ୍ତି, ଅହଂକାର ଯୋଗୁଁ ଆଜି ଏଭଳି ଅଘଟଣ ଘଟିଛି। ଏହି ଅଘଟଣ ପାଇଁ ସରକାର ଏବଂ ପ୍ରଶାସନ ସଚେତନ ହୋଇଯିବା ଦରକାର। ନିଶ୍ଚିତ ଭାବେ କେଉଁଠି ତ୍ରୁଟି ରହିଲା। ତେଣୁ ସଠିକ୍ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ପଚରିଚାଳନା ଦାୟିତ୍ୱ ଦିଆଯିବା ଦରକାର।

## ■ ୭୫ ଭାଗ ବ୍ୟାରିକେଡ୍ କାହିଁକି: ବିନାୟକ

ଚଳିତବର୍ଷ ରଥଯାତ୍ରାରେ ଆରମ୍ଭରୁ ବିଭ୍ରାଟ ଲାଗି ରହିଛି। ଏଥର ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖରେ ୭୫ ଭାଗ ଜାଗାକୁ ବ୍ୟାରିକେଡିଂ କରାଯାଇଛି ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ବରିଷ୍ଠ ଦଇତାପତି ସେବକ ବିନାୟକ ଦାସମହାପାତ୍ର। ବ୍ୟାରିକେଡିଂ ଏତେ ଜାଗା ମାଡ଼ି ବସିବାରୁ ଭକ୍ତଙ୍କ ଚଳାଚଳରେ ସମସ୍ୟା ହୋଇଥିଲା। ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରରେ ରଥ ଲାଗିଲେ ରଥାରୂଢ଼ ଠାକୁରଙ୍କ ଦର୍ଶନ ଲାଗି ଲକ୍ଷାଧିକ ଭକ୍ତଙ୍କ ସମାଗମ ହୁଏ। ଏହା ସ୍ୱାଭାବିକ କଥା। କିନ୍ତୁ ବଡ଼ ବ୍ୟାରିକେଡିଂ ଯୋଗୁଁ ନନ୍ଦିଘୋଷ ରଥ ପାଖରେ ଯାତାୟାତ ପାଇଁ ମାତ୍ର ୨ରୁ ୩ ଫୁଟ୍ ଜାଗା ରହିଥିଲା। ତେଣୁ ଏଥିପ୍ରତି ପ୍ରଶାସନ ଦୃଷ୍ଟି ଦେଲା ନାହିଁ। ଆଗକୁ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କର ବଡ଼ବଡ଼ କାମ ରହିଛି। ଏଭଳି ଅଘଟଣର ଯେପରି ପୁନରାବୃତ୍ତି ନ ହୁଏ, ସେଥିପାଇଁ ଅଧିକାରୀମାନେ ସମସ୍ତଙ୍କ ସହ ସମନ୍ୱୟ ରଖିବା ଦରକାର ବୋଲି ଶ୍ରୀ ଦାସମହାପାତ୍ର କହିଛନ୍ତି।

# ଫେଲ୍ ମାରିଲା କଣ୍ଟ୍ରୋଲ ରୁମ୍, ଏଆଇ କ୍ୟାମେରା

**ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ପୁଲିସ ବାବୁ କ'ଣ କରୁଥିଲେ**

**କାହିଁକି ଭକ୍ତଙ୍କ ଭିଡ଼ର ସୂଚନା ଦିଆଗଲା ନାହିଁ**

ପୁରୀ,୨୯।୬(ସମିସ): ଏଥର କୁମ୍ଭମେଳା ଷ୍ଟାଇଲ୍‌ରେ ହେବ ଟ୍ରାଫିକ୍ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ। ଏକାଧିକ ସ୍ଥାନରେ ରହିବ ଭେଇକିଲ୍ ହୋଲ୍ଡିଂ ଏରିଆ। ପ୍ରଥମକରି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ ହେବ ଇଣ୍ଟିଗ୍ରେଟେଡ୍ କମାଣ୍ଡ ଆଣ୍ଡ କଣ୍ଟ୍ରୋଲ ସେଣ୍ଟର। ଡିଜିଟାଲ ନେଟ୍‌ୱର୍କ ସିଷ୍ଟମ ବ୍ୟବହାର କରିବ ପୁଲିସ। ୧୦ଟି କମ୍ୟୁନିକେସନ ସିଷ୍ଟମ ମାଧ୍ୟମରେ ଟିମ୍ ୱାଇଜ୍ ହେବ ଟ୍ରାଫିକ୍ ମ୍ୟାନେଜ୍‌ମେଣ୍ଟ। ୱର୍ ରୁମ୍ ବା କଣ୍ଟ୍ରୋଲ ରୁମ୍‌ରୁ ନିୟନ୍ତ୍ରିତ ହେବ ସମସ୍ତ ଟ୍ରାଫିକ୍ ବ୍ୟବସ୍ଥା। ସେହିପରି ଏଆଇ କ୍ୟାମେରା ରଥଯାତ୍ରାକୁ ଜଗିବ। ଏଥର ଘୋଷଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ପୁରୀ-ଭୁବନେଶ୍ୱର, ପୁରୀ-କୋଣାର୍କ ଏବଂ ପୁରୀ-ବ୍ରହ୍ମଗିରି ରାସ୍ତା ସମେତ ସହରର ପ୍ରମୁଖ ଜାଗାରେ ୨୭୫ଟି ଏଆଇ କ୍ୟାମେରା ଲଗାଯାଉଛି। ତ୍ରୁଟିଶୂନ୍ୟ ରଥଯାତ୍ରା ପାଇଁ ଓଡ଼ିଶା ପୁଲିସ ଜାଗ୍ରତ ରହିଛି। ପାଞ୍ଚଥାକିଆ ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା, ୧୦ ହଜାର ସୁରକ୍ଷା କର୍ମୀ ନିୟୋଜିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଏଥର ରଥଯାତ୍ରା ତ୍ରୁଟିଶୂନ୍ୟ ରହିବ ବୋଲି ବିଭିନ୍ନ ବୈଠକରେ ପୁଲିସର ମୁଖିଆମାନେ କହିଥିଲେ। ଚଳିତବର୍ଷ ଇଣ୍ଟିଗ୍ରେଟେଡ୍ କମାଣ୍ଡ ଆଣ୍ଡ କଣ୍ଟ୍ରୋଲ ସେଣ୍ଟରକୁ ନେଇ ବଡ଼ବଡ଼ କଥା କହିଥିଲେ ପୁଲିସ ଅଧିକାରୀ। ଯଦି ରାତି ୧୨ଟା ପରେ ରଥ ସମ୍ମୁଖରେ ଭକ୍ତଙ୍କ ଭିଡ଼ ବଢୁଥିଲା, ମାଟିଆପଡ଼ା ଛକଆଡୁ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ଆଡ଼କୁ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁମାନେ ମାଡ଼ି ଆସୁଥିଲେ; ସେତେବେଳେ ଏଆଇ କ୍ୟାମେରାରେ ଜଣାପଡ଼ିଲାନି କେମିତି? ଇଣ୍ଟିଗ୍ରେଟେଡ୍ କମାଣ୍ଡ ଆଣ୍ଡ କଣ୍ଟ୍ରୋଲ ସେଣ୍ଟରର ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ବରିଷ୍ଠ ପୁଲିସ ଅଧିକାରୀମାନ କରୁଥିଲେ କ'ଣ? ସେମାନେ ଯଦି କଣ୍ଟ୍ରୋଲ ରୁମ୍‌ରୁ ଭିଡ଼ ଦେଖି ସୂଚନା ଦେଇଥାନ୍ତେ, ତେବେ ରଥ ପାଖରେ ଥିବା ସୁରକ୍ଷା କର୍ମୀ ସତର୍କ ହୋଇପାରିଥାନ୍ତେ। ନଚେତ୍ ଭକ୍ତଙ୍କ ପ୍ରବେଶକୁ ମାଟିଆପଡ଼ା ଛକରେ ଅଟକାଇ ଦିଆଯାଇପାରିଥା'ନ୍ତା। ହେଲେ ସେମିତି କିଛି ହେଲାନି। ଫଳରେ ଏକ ବଡ଼ଧରଣର ଅଘଟଣ ଘଟି ୩ ଜଣଙ୍କ ଜୀବନ ଆକାଳରେ ଚାଲିଗଲା।

■ ଅଘଟଣ ପରେ ଚେତା ପଶିଲା

# ଆଡ଼ପ ପହଣ୍ଡି ତଦାରଖ କଲେ ନେତା, ମନ୍ତ୍ରୀ, ଅଧିକାରୀ

ପୁରୀ, ୨୯।୬ (ସମିସ): ଜୀବନ ଯିବା ପରେ ଚେତିଲେ ସରକାର। ଆଡ଼ପ ପହଣ୍ଡିରେ ଯେପରି କୌଣସି ପ୍ରକାର ଅଘଟଣ ନ ହୁଏ, ସେଥିପାଇଁ କର୍ଡନ ଭିତରେ ମାଳମାଳ ନେତା, ମନ୍ତ୍ରୀ, ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଥିଲା। ଏମିତି ବି ଗତବର୍ଷ ଆଡ଼ପ ପହଣ୍ଡି ଅଘଟଣ କୋଟି କୋଟି ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀଙ୍କ ଭାବାବେଗକୁ ଶକ୍ତ ଆଘାତ ଦେଇଥିଲା। ପହଣ୍ଡି ସମୟରେ ଚାରମାଳ ଉପରେ ହାମୁଡ଼େଇ ପଡ଼ିଥିଲେ ବଡ଼ଠାକୁର ଶ୍ରୀବଳଭଦ୍ର। ତେଣୁ, ଚଳିତବର୍ଷ ରଥ ସମ୍ମୁଖରେ ଦଳାଚକଟାରେ ମୃତ୍ୟୁ ପରେ ଆଡ଼ପ ପହଣ୍ଡି ଯେପରି ଶୃଙ୍ଖଳିତ ଭାବେ ସମ୍ପନ୍ନ ହେବ। ସେଥିଲାଗି ମାଳମାଳ ନେତା, ମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତି ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଥିଲା। ଉପମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଭାତୀ ପରିଡ଼ା, ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ପୃଥ୍ୱୀରାଜ ହରିଚନ୍ଦନ, ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଡ. ମୁକେଶ ମହାଲିଙ୍ଗ, ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରାମର୍ଶଦାତା ପ୍ରକାଶ ମିଶ୍ର, ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବ ମନୋଜ ଆହୁଜା, ଅତିରିକ୍ତ ଶାସନ ସଚିବ ସତ୍ୟବ୍ରତ ସାହୁ, ପୁଲିସ ମହାନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ୱାଇ.ବି. ଖୁରାନିଆ, ଜିଲ୍ଲାପାଳ ଚଞ୍ଚଳ ରାଣା, ଏସ୍‌ପି ପିନାକ ମିଶ୍ରଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ଥିଲେ।

### ଦ୍ୱିତୀୟ ଟେଷ୍ଟ ଲାଗି ଭାରତର ନୂଆ ରଣନୀତି

# ଲଢ଼େଇ କରିବାକୁ କୁଲଦୀପ ପ୍ରସ୍ତୁତ

ଏଜ୍‌ବାଷ୍ଟନ୍,୨୯ା୬ (ଏଜେନ୍ସି)

ଭାରତ ଓ ଇଂଲଣ୍ଡ ମଧ୍ୟରେ ଚାଲିଥିବା ଟେଷ୍ଟ ସିରିଜ୍‌ର ଦ୍ୱିତୀୟ ମ୍ୟାଚ୍ ଏଜବାଷ୍ଟନରେ ଜୁଲାଇ ୨ ତାରିଖରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ଏହି ମୁକାବିଲାକୁ ଜିତିବା ଲାଗି ଭାରତୀୟ ଦଳ ଜୋରଦାର ପ୍ରସ୍ତୁତି ଚଳାଇଛି। ଏଠାରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ପ୍ରଥମେ ଶୁକ୍ରବାର ଓ ଶନିବାର ଦୁଇଦିନ କଡ଼ା ଅଭ୍ୟାସ କରିବା ପରେ ଆଜି ରବିବାର ଖେଳାଳିମାନେ ବିଶ୍ରାମ ନେଇଛନ୍ତି। ହେଡିଂଲେରେ ପ୍ରଥମ ଟେଷ୍ଟ ହାରିଯିବା ପରେ ଭାରତୀୟ ଟିମ୍ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ କିପରି ଦ୍ୱିତୀୟ ଟେଷ୍ଟରେ ବିଜୟୀ ହେବେ, ଏହି ମ୍ୟାଚ୍ ଲାଗି ଦଳରେ କାହାକୁ ବାଦ୍ ଦିଆଯିବ, କାହାକୁ ସାମିଲ କରାଯିବ ତାହା ଉପରେ ଆଲୋଚନା ପର୍ଯ୍ୟାଲୋଚନା ଚାଲିଛି। ଏପରିକି ଯେ କୌଣସି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏହି ଟେଷ୍ଟ ଜିତି ସିରିଜ୍ ବରାବର କରିବାକୁ ଭାରତୀୟ ଟିମ୍ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ ଆଶା ରଖିଛି। ଏଥିଲାଗି କି ଯୋଜନା କରୁଛି ସେ ସମ୍ପର୍କରେ କିଛି ସୂଚନା ମିଳି ନାହିଁ। କିନ୍ତୁ ଏଠାରେ ଗୋଟିଏ କଥା ସ୍ପଷ୍ଟ ହୋଇଛି ଯେ ପ୍ରତିପକ୍ଷ ଦଳକୁ ଦୁଇଥର ଆଉଟ କରିବାକୁ ହେଲେ କିମ୍ବା ୨୦ଟି ୱିକେଟ ନେଲେ ୪ଜଣ ସ୍ପେଶାଲିଷ୍ଟ ବୋଲରଙ୍କୁ ଖେଳାଇବା ଜରୁରୀ ବୋଲି ଭାରତ ଛାଡ଼ିବା ପୂର୍ବରୁ କହିଥିଲେ ଅଧିନାୟକ ଶୁବମନ ଗିଲ୍। ଏହା ସହ ଆଉ ଜଣେ ବୋଲିଂ ଅଲରାଉଣ୍ଡର ମଧ୍ୟ ଖେଳିବା ଆବଶ୍ୟକ। ହେଡିଂଲେ ଟେଷ୍ଟ ହାରିଯିବା ପରେ ହେଡ୍ କୋଚ୍ ଗୌତମ ଗମ୍ଭୀର ମଧ୍ୟ ସମାନ କଥା ଦୋହରାଇଛନ୍ତି। ଟେଷ୍ଟରେ ୪ଜଣ ସ୍ପେଶାଲିଷ୍ଟ ବୋଲରଙ୍କୁ ସାମିଲ ନ କଲେ ଆମେ ପ୍ରତିପକ୍ଷ ଦଳର ୨୦ଟି ୱିକେଟ ନେଇ ପାରିବୁ ନାହିଁ। ଅଲରାଉଣ୍ଡର ଭୂମିକା ରବୀନ୍ଦ୍ର ଜାଡେଜା ତୁଲାଉଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ପ୍ରଥମ ଟେଷ୍ଟରେ ଭାରତ ଯେଉଁ ଚତୁର୍ଥ ସ୍ପେଶାଲିଷ୍ଟ ବୋଲର ଶାର୍ଦ୍ଦୁଳ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଖେଳାଇଥିଲା ତାହା କାମ ଦେଲାନି। ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ଭାରତ ୧୮୨.୪ ଓଭର ବୋଲିଂ କରିଥିଲା। କିନ୍ତୁ ଜଣେ ସ୍ପେଶାଲିଷ୍ଟ ବୋଲର ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଠାକୁର ମାତ୍ର ୧୬ ଓଭର ବୋଲିଂ କରିବାକୁ ସୁଯୋଗ ପାଇଥିଲେ। ଏହି ସମୟରେ ସେ କେବେ ବି ପ୍ରତିପକ୍ଷ ବ୍ୟାଟରଙ୍କ ଲାଗି ବିପଦ ସୃଷ୍ଟି କରିବାରେ ସମର୍ଥ ହୋଇ ନ ଥିଲେ। ନିମ୍ନ ଭାଗରେ ଭଲ ବ୍ୟାଟିଂ କରୁଥିବାରୁ ତାଙ୍କୁ ଅଗ୍ରାଧିକାର ଦିଆଯାଇଥିଲା। କିନ୍ତୁ ସେ ୨ଟି ଇନିଂସରେ ୧ ଓ ୪ କରିଥିଲେ। ଏଭଳି ପ୍ରଦର୍ଶନ ଯୋଗୁଁ ତାଙ୍କୁ ଦ୍ୱିତୀୟ ଟେଷ୍ଟ ନୁହେଁ ବରଂ ସିରିଜ୍‌ରେ ଆଉ ଖେଳିବା ସୁଯୋଗ ମିଳିବା କଷ୍ଟକର।

ହେଡିଂଲେରେ ଭାରତୀୟ ବୋଲର ବିଫଳ ହେବାର ଅନ୍ୟତମ କାରଣ ହେଲା ଇଂଲଣ୍ଡ ପିଚ୍‌ରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ। ଏବେ ଇଂଲଣ୍ଡର ଘରୋଇ କ୍ରିକେଟ ସିଜିନ ଶେଷ ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ଯେଉଁ ପିଚ୍‌ରେ ଟେଷ୍ଟ ଖେଳାଯାଉଛି, ସେଥିରେ ବିଶେଷ ସୁଇଂ ହେଉନାହିଁ। ଅବଶ୍ୟ ଏଥିରୁ ଭାରତୀୟ ବ୍ୟାଟରମାନେ ଫାଇଦା ଉଠାଇଛନ୍ତି ଓ ଦୁଇଟି ବଡ଼ ପାଳି ୪୭୧ ଓ ୩୬୪ ରନ୍ କରିଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟର କଥା, ଏତେ ରନ୍ କରି ମଧ୍ୟ ଭାରତ ଏହି ମ୍ୟାଚ୍ ହାରିଯାଇଥିଲା। ବ୍ରେଣ୍ଡାନ ମ୍ୟାକ୍‌କୁଲାମ ଇଂଲଣ୍ଡର ହେଡ୍ କୋଚ୍ ଓ ବେନ୍ ଷ୍ଟୋକ୍ସ ଅଧିନାୟକ ହେବା ପରଠାରୁ ଇଂଲିଶ ପିଚ୍ ଆଉ ଏତେ ବୋଲରଙ୍କୁ ସୁହାଉ ନାହିଁ। ଏଣୁ ବାଜ୍‌ବଲ ଶୈଳୀରେ ଏମାନେ ଦ୍ରୁତ ହାରରେ ରନ୍ ସଂଗ୍ରହ କରିବା ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଉଛନ୍ତି। ଏହି ନୀତିରେ ସେମାନେ ହେଡିଂଲେ ଟେଷ୍ଟ ଜିତିବାରେ ସମର୍ଥ ହୋଇଥିଲେ।

ଇଂଲଣ୍ଡକୁ ଦ୍ରୁତ ହାରରେ ରନ୍ ସଂଗ୍ରହ କରିବାରେ ଅଟକାଇବାକୁ ହେଲେ ଦଳରେ ଜଣେ ରିଷ୍ଟ ସ୍ପିନରଙ୍କ ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି। ଏଥିଲାଗି କୁଲଦୀପ ଯାଦବ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇ ରହିଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ତାଙ୍କୁ ସୁଯୋଗ ମିଳିବ କି ନାହିଁ ତାହା ଗମ୍ଭୀର-ଗିଲ ଯୋଡି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବେ। ୩୦ ବର୍ଷରେ ପଦାର୍ପଣ କରିଥିବା କୁଲଦୀପ ମାତ୍ର ୧୩ଟି ଟେଷ୍ଟ ଖେଳିଛନ୍ତି। ବାଜ୍‌ବଲକୁ ଟକ୍କର ଦେବାକୁ ହେଲେ କୁଲଦୀପଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତି ନିହାତି ଜରୁରୀ। ଭାରତର ଏକ ନମ୍ବର ସ୍ପିନର ଭାବେ ରବୀନ୍ଦ୍ର ଜାଡେଜା ଖେଳିବେ। ପ୍ରଥମ ଟେଷ୍ଟରେ ତାଙ୍କୁ ଇଂଲଣ୍ଡ ବ୍ୟାଟରମାନେ ୩୯ ଥର ରିଭର୍ସ ସୁଇପ୍ ସଟ୍ ମାରିଥିଲେ। ଜଣେ ବୋଲରଙ୍କୁ ସୁଇପ୍ ସଟ୍ ମାରିବାରେ ଏହା ସର୍ବାଧିକ। ସେ ଜଣେ ବାମହାତୀ ସ୍ପିନର। କିନ୍ତୁ କୁଲଦୀପ ଜଣେ ରିଷ୍ଟ ସ୍ପିନର। ରିଷ୍ଟ ସ୍ପିନରଙ୍କୁ ସୁଇପ୍ ସଟ୍ ମାରିବା ଏତେଟା ସହଜ ହେବ ନାହିଁ। ଏଣୁ ୱିକେଟ ପ୍ରତି ୨୨.୧୬ ହାରରେ ରନ୍ ବ୍ୟୟ କରିଥିବା କୁଲଦୀପ ଏହି ମୁକାବିଲା ଲାଗି ପ୍ରସ୍ତୁତ ଅଛନ୍ତି। ତାଙ୍କୁ ସୁଯୋଗ ମିଳିଲେ ଗମ୍ଭୀର-ଗିଲଙ୍କ ଯୋଜନା ଯେ ସଫଳ ହେବ ଏଥିରେ ସନ୍ଦେହର ତିଳେମାତ୍ର ଅବକାଶ ନାହିଁ।

### ଏଏଫ୍‌ସି ମହିଳା ଏସିଆନ୍ କପ୍ ଯୋଗ୍ୟତା ପର୍ଯ୍ୟାୟ

## ଦ୍ୱିତୀୟ ବିଜୟ ସହ ଶୀର୍ଷରେ ଭାରତ

ବ୍ୟାଙ୍କକ୍, ୨୯ା୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଏଏଫ୍‌ସି ମହିଳା ଏସିଆନ କପ୍ ଯୋଗ୍ୟତା ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଭାରତୀୟ ଫୁଟ୍‌ବଲ ଦଳ କ୍ରମାଗତ ଦ୍ୱିତୀୟ ବିଜୟ ହାସଲ କରିଛି। ଥାଇଲାଣ୍ଡର ଚିଆଙ୍ଗ ମାଇ ଷ୍ଟାଡିୟମରେ ରବିବାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ଏକ ମ୍ୟାଚରେ ଭାରତ ୪-୦ ଗୋଲ୍‌ରେ ଦକ୍ଷିଣ-ପୂର୍ବ ଏସୀୟ ଦେଶ ତିମୋର ଲିଷ୍ଟକୁ ପରାସ୍ତ କରିଛି। ବିଜୟୀ ଭାରତୀୟ ମହିଳା ଦଳ ପକ୍ଷରୁ ମନୀଷା କଲ୍ୟାଣ ଦୁଇଟି ଗୋଲ୍ ଦେଇଥିଲେ। ସେହିଭଳି ଅଞ୍ଜୁ ତମାଙ୍ଗ ଓ ଲିଣ୍ଡା କମ୍ ଗୋଟିଏ ଲେଖାଏ ଗୋଲ୍ ସ୍କୋର କରିଥିଲେ। ଗ୍ରୁପ୍-ବି'ରେ ସ୍ଥାନ ପାଇଥିବା ଭାରତ କ୍ରମାଗତ ୨ୟ ବିଜୟ ସହ ୬ ପଏଣ୍ଟ ପାଇ ଶୀର୍ଷରେ ରହିଛି। ଭାରତ ପରବର୍ତ୍ତୀ ମ୍ୟାଚରେ ଜୁଲାଇ ୨ରେ ଇରାକ ଓ ୫ରେ ଥାଇଲାଣ୍ଡ ସହ ଖେଳିବାର କାର୍ଯ୍ୟସୂଚୀ ରହିଛି। ପୂର୍ବରୁ ଭାରତ ପ୍ରଥମ ମ୍ୟାଚରେ ୧୩-୦ ଗୋଲ୍‌ରେ ଏକପାଖିଆ ଭାବେ ମଙ୍ଗୋଲିଆକୁ ହରାଇଥିଲା। ଏଥିରେ ଓଡ଼ିଆ ତାରକା ପ୍ୟାରୀ ଖାଖା ୫ଟି ଗୋଲ୍ ଦେଇଥିଲେ। ପ୍ରତି ଗ୍ରୁପ୍‌ର ବିଜେତା ଆସନ୍ତା ବର୍ଷ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆରେ ହେବାକୁ ଥିବା ଏଏଫ୍‌ସି ମହିଳା ଏସିଆନ କପ୍‌କୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିବ। ଭାରତୀୟ ମହିଳା ଫୁଟ୍‌ବଲ ଦଳ ୮ ଥର ଏହି ସମ୍ମାନଜନକ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟର ମୁଖ୍ୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟକୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିଥିଲା। ସେଥିମଧ୍ୟରୁ ଶେଷଥର ଲାଗି ୨୦୨୩ରେ ଏହି ମହାଦେଶୀୟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ଖେଳିବାର ସୁଯୋଗ ପାଇଥିଲା।

## ଛକା ମାରିବା ପରେ ଚାଲିଗଲା ଜୀବନ

ଫିରୋଜପୁର, ୨୯ା୬ (ଏଜେନ୍ସି): ପଞ୍ଜାବର ଫିରୋଜପୁର ଜିଲ୍ଲାରୁ ଏକ ଚକିତ କଲାଭଳି ଘଟଣା ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି। ଛକା ମାରିବା ପରେ ପରେ ଜଣେ କ୍ରିକେଟର୍‌ଙ୍କ ପିଚ୍ ଉପରେ ହୃଦଘାତରେ ଜୀବନ ଚାଲିଯାଇଛି। ଏହି ହୃଦୟ ବିଦାରକ ଘଟଣାର ଭିଡିଓ ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ବେଶ୍ ଭାଇରାଲ୍ ହେବାରେ ଲାଗିଛି। ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିବା କ୍ରିକେଟର୍‌ଙ୍କ ନାମ ହର୍‌ଜିତ୍ ସିଂହ ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଫିରୋଜପୁରର ଡିଏଭି ସ୍କୁଲ ପଡ଼ିଆରେ ଏହି ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳାଯାଉଥିଲା। ବ୍ୟାଟିଂ କରୁଥିବା ହର୍‌ଜିତ୍ ଏକ ବିଶାଳ ଛକା ମାରିବା ପରେ ଚାଲି ଚାଲି ଅପରପାଶ୍ୱର୍ରେ ଥିବା ବ୍ୟାଟର୍‌ଙ୍କ ନିକଟକୁ ଯାଉଥିଲେ। ଏହି ସମୟରେ ସେ ଥକ୍କା ଅନୁଭବ କରି ପିଚ୍ ମଝିରେ ବସି ପଡ଼ିଥିଲେ। ସାଥୀ ବ୍ୟାଟର୍ ମଧ୍ୟ ତାଙ୍କ ସହ ବାର୍ତ୍ତାଳାପ କରୁଥିବାବେଳେ ହରଜିତ୍ ହଠାତ୍ ଟଳି ପଡ଼ିଥିଲେ। ଏହାପରେ ଅନ୍ୟ ଖେଳାଳିମାନେ ତୁରନ୍ତ ତାଙ୍କୁ ସିପିଆର୍ ଦେବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରିଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ହର୍‌ଜିତ୍‌ଙ୍କ ଜୀବନ ରକ୍ଷା କରିବା ସମ୍ଭବପର ହୋଇପାରି ନ ଥିଲା। ପୂର୍ବରୁ ୨୦୨୪ରେ ପୁଣେରେ ଇମରାନ ପଟେଲ ନାମକ ଜଣେ ଖେଳାଳି ପଡ଼ିଆରେ ହୃଦ୍‌ଘାତରେ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିଲେ।

### ● ଏବିଏସ୍ ସ୍ମାରକୀ ଓପନ ଚେସ୍

## ସୌମ୍ୟ ଜିତିଲେ ୮୩ତମ ଟାଇଟଲ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯ା୬ (ସମିସ): ରାଜ୍ୟର ପ୍ରଥମ ଚେସ ଫିଡେ ମାଷ୍ଟର ସୌମ୍ୟରଞ୍ଜନ ମିଶ୍ର ନିଜ ପେସାଦାର ଖେଳ ଜୀବନର ୮୩ତମ ଟାଇଟଲ ବିଜୟୀ ହୋଇଛନ୍ତି। ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ଚେସ ସଂଘ ଦ୍ୱାରା ସ୍ଥାନୀୟ ରୟାଲ ପବ୍ଲିକ୍ ସ୍କୁଲ ପରିସରରେ ରବିବାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ତୃତୀୟ ଅଟଳ ବିହାରୀ ସେନାପତି (ଏବିଏସ୍) ସ୍ମାରକୀ ରାଜ୍ୟ ଓପନ ଚେସରେ ସୌମ୍ୟ ଚାମ୍ପିଅନ ହେବା ସହ ଏହି ରେକର୍ଡ ସଫଳତା ହାସଲ କରିଛନ୍ତି। ଏହି ଟାଇଟଲ ଜିତିବା ଲାଗି ଭୁବନେଶ୍ୱରର ସଞ୍ଜୀବନ ନାୟକଙ୍କ ସହ ସୌମ୍ୟଙ୍କର କଡ଼ା ମୁକାବିଲା ହୋଇଥିଲା। ୫ ରାଉଣ୍ଡ ଖେଳ ଶେଷରେ ଉଭୟ ଖେଳାଳି ୪.୫ ପଏଣ୍ଟ ଲେଖାଏଁ ସଂଗ୍ରହ କରିଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ଟାଇବ୍ରେକରରେ ସୌମ୍ୟ ବାଜି ମାରିନେଇଥିଲେ। ସେ ପ୍ରଥମରେ ରହିବା ସହ ଚାମ୍ପିଅନ ଓ ସଞ୍ଜୀବନ ରନର୍ସ ଅପ୍ ହୋଇଥିଲେ। ଏମାନଙ୍କ ପଛକୁ ଆଉ ୪ ଜଣ ଖେଳାଳି ୪ ପଏଣ୍ଟ ଲେଖାଏଁ ସଂଗ୍ରହ କରିଥିଲେ। ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଜଟଣୀର ସ୍ଥିତପ୍ରଜ୍ଞ ସାହୁ, କଟକର ପ୍ରତ୍ୟୁଷ ମହାପାତ୍ର, ଭୁବନେଶ୍ୱରର ଆଦିତ୍ୟ ଖାଡ଼ଙ୍ଗା ଓ କଟକର ରବୀନ୍ଦ୍ର କୁମାର ଓଝା ଯଥାକ୍ରମେ ତୃତୀୟରୁ ଷଷ୍ଠ ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଥିଲେ। ସାଏସା ସାହୁ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ବାଳିକା ଓ ସୁପ୍ରିୟା ନାୟକ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ମହିଳା ଖେଳାଳି ବିବେଚିତ ହୋଇଥିଲେ। ଆୟୋଜକ ସଂଘର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଦେବାଶିଷ ପାଣିଗ୍ରାହୀ ଖେଳ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲାବେଳେ ବିଜେଡି ରାଜ୍ୟ ସମ୍ପାଦକ ଅମରଜିତ ସେନାପତି ଅତିଥିଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ।

### ଜିମ୍ବାୱେ ବିପକ୍ଷ ପ୍ରଥମ ଟେଷ୍ଟ

## ଦୃଢ଼ ସ୍ଥିତିରେ ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା

ବୁଲାୱାୟୋ, ୨୯ା୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଘରୋଇ ଜିମ୍ବାୱେ ବିପକ୍ଷରେ ଏଠାରେ ଚାଲିଥିବା ପ୍ରଥମ ଟେଷ୍ଟରେ ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ଦୃଢ଼ସ୍ଥିତିରେ ରହିଛି। ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକାର ପ୍ରଥମ ପାଳି ସ୍କୋର ୪୧୮/୯ ରନ ଜବାବରେ ଜିମ୍ବାୱେ ୨୫୧ ରନରେ ଅଲ୍‌ଆଉଟ୍ ହୋଇଯାଇଛି। ଜିମ୍ବାୱେ ପାଇଁ ଅଭିଜ୍ଞ ସିନ୍ ୱିଲିୟମ୍ସ ୬ଷ୍ଠ ଟେଷ୍ଟ ଶତକ ସହ ସର୍ବାଧିକ ୧୩୭ ରନ କରିଥିଲେ। ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ପକ୍ଷରୁ ମଲଡର୍ ୪ ଏବଂ ଅଧିନାୟକ କେଶବ ମହାରାଜ ଓ କୋଡି ୟୁସୁଫ୍ ୩ଟି ଲେଖାଏ ୱିକେଟ୍ ନେଇଥିଲେ। ଫଳରେ ୧୬୭ ରନରେ ଅଗ୍ରଣୀ ହାସଲ କରିଥିବା ଭ୍ରମଣକାରୀ ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ଦ୍ୱିତୀୟ ପାଳି ଆରମ୍ଭ କରି ରବିବାର ୨ୟ ଦିବସ ଷ୍ଟମ୍ପ ସୁଦ୍ଧା ୧୩ ଓଭରରେ ଗୋଟିଏ ୱିକେଟ୍ ହରାଇ ୪୯ ରନ କରିଛି। ଓପନର୍ ଟୋନି ଡି ଜୋର୍ଜି ୨୨ ଓ ୱିଆନ ମଲଡର୍ ୨୫ ରନରେ ଅପରାଜିତ ରହିଛନ୍ତି। ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ମୋଟ୍ ଉପରେ ୨୧୬ ରନରେ ଅଗ୍ରଣୀ ହାସଲ କରି ଭଲ ସ୍ଥିତିରେ ରହିଛି। ପୂର୍ବରୁ ଜିମ୍ବାୱେ ପାଳିରେ ଓପନର୍ ବ୍ରାଏନ ବେନେଟ ୧୯ ରନ କରି ଖେଳୁଥିବାବେଳେ ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ଦ୍ରୁତ ବୋଲର କ୍ୱିନା ମଫାକାଙ୍କ ବଲ୍ ତାଙ୍କ ହେଲ୍‌ମେଟ୍‌ରେ ବାଜିଥିଲା। ସେ ବଳକା ମ୍ୟାଚରୁ ମଧ୍ୟ ବାଦ୍ ପଡ଼ିଛନ୍ତି। ତାଙ୍କ ସ୍ଥାନରେ କନ୍‌କଜନ ସବ୍‌ଷ୍ଟିଚ୍ୟୁଟ୍ (ଆଘାତ ପ୍ରତିବଦଳ) ଭାବେ ପ୍ରିନ୍ସ ମାସଭାଉରେ ଦଳରେ ସାମିଲ ହୋଇଛନ୍ତି।

#### ମହାରାଜଙ୍କ ରେକର୍ଡ

ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକାର କାମଚଳା ଅଧିନାୟକ କେଶବ ମହାରାଜ ଏହି ମ୍ୟାଚରେ ଏକ ରେକର୍ଡ କରିଛନ୍ତି। ପ୍ରଥମ ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ସ୍ପିନର ଭାବେ ମହାରାଜ ଟେଷ୍ଟରେ ୨୦୦ ୱିକେଟ୍ ସଫଳତା ପାଇଛନ୍ତି। ୩୪ତମ ଓଭରରେ ସେ ଜିମ୍ବାୱେର କାଏଲେ ଭେରେନେଙ୍କୁ ଷ୍ଟମ୍ପ୍ ଆଉଟ୍ କରି ଟେଷ୍ଟ କ୍ୟାରିୟରର ୨୦୦ତମ ୱିକେଟ୍ ପୂରଣ କରିଥିଲେ। ୫୯ତମ ଟେଷ୍ଟ ମ୍ୟାଚରୁ ସେ ଏହି ସଫଳତା ପାଇଛନ୍ତି। ତାଙ୍କ ପୂର୍ବରୁ ଦକ୍ଷିଣ ଆଫ୍ରିକା ସ୍ପିନର ଭାବେ ହ୍ୟୁଗ୍ ଟୟଫିଲ୍ଡ ୧୭୦ ଟେଷ୍ଟ ୱିକେଟ୍ ନେଇଥିଲେ।

### ଓଡ଼ିଶାରୁ ସୁରେଶ ଉପସଭାପତି, ସନ୍ଦୀପ ସଦସ୍ୟ ନିର୍ବାଚିତ

## ସରଜୁ ଏସ୍‌ଜେଏଫ୍‌ଆଇର ସଭାପତି ଓ ରମେଶ ସମ୍ପାଦକ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯ା୬ (ସମିସ): ସ୍ପୋର୍ଟ୍ସ ଜର୍ଣ୍ଣାଲିଷ୍ଟ ଫେଡେରେସନ୍ ଅଫ୍ ଇଣ୍ଡିଆ (ଏସ୍‌ଜେଏଫ୍‌ଆଇ)ର ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ନିର୍ବାଚନ ଏଠାରେ ରବିବାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏଥିରେ ତ୍ରିପୁରା ସରଜୁ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ ନୂଆ ସଭାପତି ଓ ତେଲଙ୍ଗାନାର ଭି. ରମେଶ ସମ୍ପାଦକ ଭାବେ ଆସନ୍ତା ୨ ବର୍ଷ ଲାଗି ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଏହାଛଡ଼ା ୪ଟି ଉପସଭାପତି ପଦ ଲାଗି ହୋଇଥିବା ନିର୍ବାଚନରେ ଓଡ଼ିଶା କ୍ରୀଡ଼ା ସାମ୍ବାଦିକ ସଂଘ (ଓସ୍‌ଜା)ର ସମ୍ପାଦକ ସୁରେଶ ସ୍ୱାଇଁ ରେକର୍ଡ ୧୨ଟି ଭୋଟ ପାଇ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ନରେଶ ଶେଲକେ, ସାବି ହୁସେନ ଓ ଏସ୍ ଦୀପକ ରାଘବ ଅନ୍ୟ ୩ ଜଣ ଉପସଭାପତି ହୋଇଛନ୍ତି। ସମ୍ପାଦକ ରମେଶ, ଯୁଗ୍ମ ସମ୍ପାଦକ ଆସାମର ପାର୍ଥ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ ଓ କୋଷାଧ୍ୟକ୍ଷ ମୁମ୍ବାଇର ସଞ୍ଜୟ ଘରପୁରେ ନିର୍ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱରେ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଥିଲେ। ୭ ଜଣିଆ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କମିଟିକୁ ଓସ୍‌ଜା ସଭାପତି ସନ୍ଦୀପ ମିଶ୍ର ସଦସ୍ୟ ଭାବେ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି।

### ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ୍ ଉଦ୍‌ଯାପିତ

## ନୟନିକା, ସତ୍ୟସ୍ୱରୂପ ଚାମ୍ପିଅନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯ା୬ (ସମିସ): ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ ସଂଘ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ଘାଟିକିଆସ୍ଥିତ ଏପିଜେ ପବ୍ଲିକ୍ ସ୍କୁଲ ପରିସରରେ ୧୩ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଚେସ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ରବିବାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏଥିରେ ବାଳିକା ବିଭାଗରେ ନୟନିକା ସାହୁ ଓ ବାଳକ ବିଭାଗରେ ସତ୍ୟସ୍ୱରୂପ ତ୍ରିପାଠୀ ଚାମ୍ପିଅନ ଆଖ୍ୟା ଅର୍ଜନ କରିଛନ୍ତି। ବାଳିକା ବିଭାଗରେ ଇଶାନୀ ଦାସ, ଆର୍ଣ୍ଣିକା ଦାଶ, ଅନିଷା ଆଚାର୍ଯ୍ୟ ଓ ମୌକ୍ତିକା ନାୟକ ଦ୍ୱିତୀୟରୁ ପଞ୍ଚମ ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଛନ୍ତି। ସେହିପରି ଓପନ ବା ବାଳିକା ବିଭାଗରେ ବିନୀତ ନାୟକ, ମନୀଷ ମିଶ୍ର, ସିଦ୍ଧାର୍ଥ ମଲ୍ଲିକ ଓ ସୂର୍ଯ୍ୟାଂଶୁ ମହାକୁଡ ଦ୍ୱିତୀୟରୁ ପଞ୍ଚମ ସ୍ଥାନରେ ରହିଛନ୍ତି। ଖେଳ ଶେଷରେ ଏପିଜେ ସ୍କୁଲ୍‌ର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅତନୁ ରଥ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି, ଅଲଓଡ଼ିଶା ଚେସ ସଂଘ ସଭାପତି ସତ୍ୟରଞ୍ଜନ ପଟ୍ଟନାୟକ, ଯୁଗ୍ମ ସମ୍ପାଦକ ଭବେଶ ମହାନ୍ତି, ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ ସଂଘ ସମ୍ପାଦକ ଶୁଭାଶିଷ ପଟ୍ଟନାୟକ ଓ ସଦସ୍ୟ ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣାଂଶୁ ସତ୍ୟକାମ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥିଭାବେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ୯ ବର୍ଷରୁକମ୍ ଜାତୀୟ ଚାମ୍ପିଅନ ସାତ୍ତ୍ୱିକ ସ୍ୱାଇଁଙ୍କୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧିତ କରାଯାଇଥିଲା।

### ହକିରେ ଲଜ୍ଜା

## ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ରୁ ବାଦ୍ ପଡ଼ିଲେ ଭାରତୀୟ ମହିଳା

ବର୍ଲିନ, ୨୯ା୬ (ଏଜେନ୍ସି): ହକିରୁ ଲଜ୍ଜାଜନକ ଖବର ଆସିଛି। ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ମହିଳା ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ର ଆଗାମୀ ସଂସ୍କରଣ ଅର୍ଥାତ୍ ୨୦୨୫-୨୬ ସିଜନରୁ ଭାରତ ବାଦ୍ ପଡ଼ିଛି। ଚଳିତ ସିଜନ (୨୦୨୪-୨୫)ର ଶେଷ ମ୍ୟାଚରେ ରବିବାର ଚାଇନା ନିକଟରୁ ୩-୨ ଗୋଲରେ ହାରିବା ସହ ଭାରତୀୟ ମହିଳା ହକି ଦଳ ପଏଣ୍ଟ ଟେବଲ୍‌ର ସର୍ବନିମ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ରହି ଅଭିଯାନ ଶେଷ କରିଛି। ଏଥିସହ ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ର ଆସନ୍ତା ସିଜନରେ ମଧ୍ୟ ଖେଳିବାରୁ ବଞ୍ଚିତ ହୋଇଛି। ସାଲିମା ଟେଟେଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ଭାରତୀୟ ଦଳ ୧୬ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳି ମାତ୍ର ୨ ବିଜୟ, ୩ ଡ୍ର ଓ ୧୧ ପରାଜୟ ସହ ୧୦ ପଏଣ୍ଟ ପାଇ ୯ ଦଳୀୟ ତାଲିକାର ସର୍ବନିମ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ରହିଛି। ପଏଣ୍ଟ ଟେବଲ୍‌ର ସବାଶେଷ ସ୍ଥାନରେ ରହିଥିବାରୁ ଭାରତ ଅବନତିର ସମ୍ମୁଖୀନ ହୋଇ ସ୍ୱୟଂଚାଳିତ ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ର ଆଗାମୀ ସିଜନରୁ ବାଦ୍ ପଡ଼ିଛି। ଫଳରେ ଆସନ୍ତା ହକି ସିଜନରେ ଭାରତ ନେସନ୍ସ କପ୍ ଖେଳିବ। ଏଥିରେ ଯଦି ଭାରତୀୟ ମହିଳା ହକି ଦଳ ଚାମ୍ପିଅନ ହୁଏ ତେବେ ୨୦୨୬-୨୭ ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍ ଖେଳିବାକୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିବ।

୨୦୨୧-୨୨ ସିଜନରେ ଭାରତୀୟ ମହିଳା ହକି ଦଳ ପ୍ରୋ-ଲିଗ୍‌ରେ ପଦାର୍ପଣ କରିଥିଲା। ସେହି ସିଜନରେ କରୋନା ଲାଗି ନ୍ୟୁଜିଲାଣ୍ଡ ଓ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ଓହରିଯିବାରୁ ଭାରତକୁ ଖେଳିବାର ସୁଯୋଗ ମିଳିଥିଲା। ତେବେ ୨୦୨୨ ଡିସେମ୍ବରରେ ସ୍ପେନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ନେସନ୍ସ କପ୍‌ରେ ଚାମ୍ପିଅନ ହେବାପରେ ଭାରତ ଅଫିସିଆଲ୍ ଭାବେ ୨୦୨୩-୨୪ ସିଜନ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌କୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିଥିଲା। ସେହି ସିଜନରେ ଭାରତ ୮ମ ସ୍ଥାନରେ ରହିଥିଲା। ତେବେ ୨୦୨୪-୨୫ ସିଜନ ଭାରତ ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ନୈରାଶ୍ୟଜନକ ରହିଥିଲା। ସାଲିମାଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଓ ହରେନ୍ଦ୍ର ସିଂହଙ୍କ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣରେ ଭାରତ ୧୫ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳି ମାତ୍ର ୨ଟି ବିଜୟ ଓ କ୍ରମାଗତ ୧୦ ପରାଜୟବରଣ କରିଥିଲା। ସେପ୍ଟେମ୍ବର ୫ରୁ ହାଙ୍ଗଝୋଉରେ ଏସିଆ କପ୍ ଆରମ୍ଭ ହେବାକୁ ଯାଉଥିବାବେଳେ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ରେ ଅବନତିର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେବା ଭାରତର ପ୍ରସ୍ତୁତି ପାଇଁ ଝଟ୍‌କା ସଦୃଶ ହୋଇଛି।

### ଆଜିଠୁ ୱିମ୍ବଲଡନ୍

## ହ୍ୟାଟ୍ରିକ୍ ଟାଇଟଲ୍ ଲକ୍ଷ୍ୟରେ ଆଲ୍‌କାରାଜ୍

ଲଣ୍ଡନ, ୨୯ା୬ (ଏଜେନ୍ସି)

ଚଳିତ ବର୍ଷର ତୃତୀୟ ଗ୍ରାଣ୍ଡସ୍ଲାମ ଟେନିସ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ୱିମ୍ବଲଡନ ସୋମବାରଠାରୁ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଲ୍ ଇଂଲଣ୍ଡ ଲନ୍ ଟେନିସ କ୍ଲବରେ ଆରମ୍ଭ ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ଗ୍ରାସ କୋର୍ଟରେ ଖେଳାଯାଉଥିବା ବିଶ୍ୱର ଏହି ଅନ୍ୟତମ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଓ ସମ୍ମାନଜନକ ଗ୍ରାଣ୍ଡସ୍ଲାମ ପ୍ରତିଯୋଗିତାର ଏହା ହେବ ୧୩୮ତମ ସଂସ୍କରଣ। ୱିମ୍ବଲଡନର ୧୪୭ ବର୍ଷ ଇତିହାସରେ ପ୍ରଥମଥର ଲାଗି ଲାଇନ୍ ଜଜ୍‌ଙ୍କ ବିନା ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳାଯିବ। ୪୫୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଟ୍ରାକିଂ କ୍ୟାମେରା ଦ୍ୱାରା ଏକ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସ୍ୱୟଂଚାଳିତ ଇଲେକଟ୍ରୋନିକ ଲାଇନ୍ କଲିଂ ସିଷ୍ଟମ ଦ୍ୱାରା ମ୍ୟାଚ୍ ପରିଚାଳିତ ହେବ। ଫଳରେ ୱିମ୍ବଲଡନରେ ପ୍ରଥମଥର ଲାଗି ନେଭି ବ୍ଲେଜର ପରିଧାନ ଲାଇନ୍ ଜଜ୍‌ଙ୍କୁ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିବ ନାହିଁ। ସେହିଭଳି ଏଥର ୱିମ୍ବଲଡନ ଇତିହାସରେ ଆଉ ଏକ ନୂଆ ଘଟଣା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିବ। ମହିଳା ଓ ପୁରୁଷ ସିଙ୍ଗଲ୍ସ ଫାଇନାଲ ଯଥାକ୍ରମେ ପ୍ରତିଥର ଭଳି ଜୁଲାଇ ଦ୍ୱିତୀୟ ଶନିବାର ଓ ରବିବାର ଖେଳାଯିବ। କିନ୍ତୁ ଏହା ଅପରାହ୍ଣ ୨ଟା ପରିବର୍ତ୍ତେ ୪ଟାରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ଉତ୍ତର ଓ ଦକ୍ଷିଣ ଆମେରିକୀୟ ଦର୍ଶକଙ୍କୁ ନଜରରେ ରଖି ଫାଇନାଲ ଆରମ୍ଭର ସମୟସୂଚୀକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରାଯାଇଛି। ପୁରୁଷ ସିଙ୍ଗଲ୍ସରେ ଏଥର ଚାମ୍ପିଅନ ହୋଇ ସ୍ପାନିଶ ତାରକା କାର୍ଲୋସ ଆଲ୍‌କାରାଜ୍ ହ୍ୟାଟ୍ରିକ ଟାଇଟଲ୍ ଜିତିବା ଲକ୍ଷ୍ୟରେ ରହିଛନ୍ତି। ଏଟିପି ମାନ୍ୟତାର ୨ୟ ସ୍ଥାନରେ ରହିଥିବା ଆଲ୍‌କାରାଜ୍ ୨୦୨୩ ଓ ୨୦୨୪ରେ ଟ୍ରଫି ଜିତିବାର ସୌଭାଗ୍ୟ ଲାଭ କରିଥିଲେ। ଯଦି ଆଲ୍‌କାରାଜ୍ ଏଥର ଚାମ୍ପିଅନ ହୁଅନ୍ତି ତେବେ ରୋଜର୍ ଫେଡ୍‌ରରଙ୍କ ପରେ ବିଶ୍ୱର ଦ୍ୱିତୀୟ ପୁରୁଷ ଖେଳାଳି ଭାବେ ଅଲ୍‌ଇଂଲଣ୍ଡନ ଲନ୍ ଟେନିସ କ୍ଲବରେ ହ୍ୟାଟ୍ରିକ ଟାଇଟଲ୍ ଜିତି ରେକର୍ଡ କରିବେ। ମହିଳା ବିଭାଗରେ ଚେକ୍ ଗଣରାଜ୍ୟର ବାର୍‌ବୋରା କେଜ୍ରିକୋଭା ଡିଫେଣ୍ଡିଂ ଚାମ୍ପିଅନ ରହିଛନ୍ତି।

ପ୍ରଥମଥର ଲାଗି ଲାଇନ୍ ଜଜ୍ ବିନା ହେବ ଖେଳ

#### ରେକର୍ଡ ୪୫୭ କୋଟି ପୁରସ୍କାର ରାଶି

ଏଥର ୱିମ୍ବଲଡନରେ ରେକର୍ଡ ମୋଟ୍ ୫୩.୫୫ ମିଲିୟନ ଡଲାର ପୁରସ୍କାର ରାଶି ରଖାଯାଇଛି। ଯାହାକି ଭାରତୀୟ ମୁଦ୍ରାରେ ୪୫୭ କୋଟି ୭୭ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ହେବ। ଗତ ସଂସ୍କରଣଠାରୁ ଏଥର ମୋଟ୍ ପୁରସ୍କାର ରାଶିରେ ୭ ପ୍ରତିଶତ ବୃଦ୍ଧି କରାଯାଇଛି। ଉଭୟ ପୁରୁଷ ଓ ମହିଳା ସିଙ୍ଗଲ୍ସ ବିଭାଗରେ ଚାମ୍ପିଅନ ଖେଳାଳି ଏଥର ୨୫ କୋଟି ୬୪ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଅର୍ଥରାଶି ଘରକୁ ନେଇକି ଯିବେ। ସେହିଭଳି ରନର୍ସଅପ୍ ହୋଇଥିବା ଖେଳାଳି ୧୩ କୋଟି, ସେମିଫାଇନାଲରେ ପରାଜିତଙ୍କୁ ୬ କୋଟି ୬୨ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ।

PRINTED & PUBLISHED BY AMIT KUMAR MALLICK FOR 'THE SAKALA' A UNIT OF NANDIGHOSHA NETWORK PRIVATE LIMITED IN ITS PRESS AT IDCO PLOT NO.90 & 91, BHAGABANPUR INDUSTRIAL ESTATE, BHUBANESWAR-751019, DIST: KHORDHA, ODISHA

କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ସମ୍ପାଦକ : ସମରେନ୍ଦୁ ଦାସ
EXECUTIVE EDITOR: SAMARENDU DAS